THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

'कोचिंग सेंटर में छात्रों की मौत पर राजनीति नहीं'

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को कहा कि कोचिंग संस्थानों को नियमों का पालन करना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि दिल्ली के एक कोचिंग संस्थान में पानी भर जाने के कारण तीन यूपीएससी छात्रों की मौत पर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। 27 जुलाई को दिल्ली के ओल्ड राजिंदर नगर में एक यूपीएससी कोचिंग सेंटर में तीन छात्रों की मौत पर राज्यसभा में एक संक्षिप्त चर्चा के दौरान भाग लेते हुए मंत्री ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। प्रधान ने कहा कि शोक संतप्त परिवारों को जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई कोई नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि हमें जिम्मेदारी तय करनी चाहिए, ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

वर्ष-29 अंक : 128 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **श्रवण कृ.10 2081 मंगलवार, 30 जुलाई-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ❊ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

किसानों और अग्निवीरों को लेकर हंगामा

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। राहुल गांधी ने सदन में एमएसपी पर लीगल गारंटी का मुद्दा भी उठाया तो सत्तापक्ष ने भी जमकर हंगामा किया।राहुल ने कहा कि सदन में मुझे किसानों से नहीं मिलने दिया गया। उन्होंने पूछा कि बजट में सरकार ने किसानों के लिए क्या किया? किसान एमएसपी की लीगल गारंटी की मांग कर रहे हैं। आपने उनको बॉर्डर पर रोक रखा है, किसान मुझसे मिलने यहां आना चाहते थे। उन्हें आने से रोक दिया गया। इस पर ओम बिरला ने राहुल गांधी को टोकते हुए कहा कि आप उनसे मिले, इसमें सदन की एक मर्यादा का उल्लंघन हुआ। सदन के सदस्य के अलावा कोई अन्य संसद में पत्रकारों को बाइट नहीं दे सकता है लेकिन आपकी (राहुल गांधी) मौजदूगी में ऐसा हुआ।

इस पर राहुल गांधी ने कहा कि इसकी मुझे जानकारी नहीं थी। राहुल गांधी ने कहा कि हम सदन में किसानों के लिए लीगल गारंटी को पास करके दिखाएंगे। राहुल गांधी ने कहा कि अग्निवीरों को लेकर भी सरकार ने झूठ बोला है। शहीद के परिजनों को मुआवजा नहीं

बल्कि बीमा की राशि मिली है। **हलवा सेरेमनी का दिखाया फोटो**

राहुल गांधी ने लोकसभा में बजट के हलवा सेरेमनी का एक फोटो भी दिखाया। इस पर लोकसभा स्पीकर ने उन्हें कई बार टोका। ओम बिरला ने कहा कि सदन के अंदर किसी भी तरह का फोटो नहीं दिखाया जा सकता है। इसके बाद राहुल गांधी ने कहा कि जो फोटो में दिखाना चाहता था उसमें वित्तमंत्री के अलावा कोई भी ओबीसी का सदस्य नहीं है, कोई दलित नहीं है। इस बजट को सिर्फ दो फीसदी लोगों ने तैयार किया है। इसका हलवा भी सिर्फ दो फीसदी लोगों ने ही बांटा गया है।

शिक्षकों, सीटों और रोजगार की कमी के कारण पनप रहे हैं कोचिंग सेंटर : कांग्रेस

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। राज्यसभा में बोलते हुए कांग्रेस सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि देश के स्कूलों और विश्वविद्यालयों में लाखों शिक्षकों की कमी है, जिसके कारण कोचिंग सेंटर्स पनप रहे हैं। वह दिल्ली के राजेंद्र नगर में एक कोचिंग सेंटर में हुए हादसे पर बोल रहे थे। सुरजेवाला ने कोचिंग सेंटर्स के पनपने के चार कारण गिनाए। उन्होंने कहा कि बच्चों को लेकर मां-बाप की इच्छाएं, दूसरा बच्चों को आगे बढ़ाने की ललक, मेडिकल, आईआईटी, आईआईएम जैसे संस्थानों में सीमित सीटें और रोजगार की कमी। जब यह चारों कारण मिल जाते हैं तो फिर कोचिंग सेंटर की जरूरत उत्पन्न होती है। यही कारण है कि पिछले कुछ सालों में देशभर के अंदर कोचिंग सेंटर बड़ी संख्या में पनपे हैं। उन्होंने एक सर्वे रिपोर्ट का हवाला देकर बताया कि देश में वर्ष 2028 तक कोचिंग इंडस्ट्री 1,38,000 करोड़ का व्यवसाय बन जाएगी। बीते 10 साल में शिक्षा का व्यवसायीकरण और निजीकरण किया गया है। उन्होंने आंकड़े प्रस्तुत करते हुए सदन में कहा कि वर्ष 2014-15 में देश भर में 11,07,118 सरकारी स्कूल थे।

दिल्ली हाईकोर्ट ने केजरीवाल की जमानत पर फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट में सोमवार (29 जुलाई) को अरविंद केजरीवाल की सीबीआई की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका और अंतरिम जमानत की याचिका पर सुनवाई हुई।

जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने आज भी इस मामले में फैसला सुरक्षित रखा है। सीबीआई की ओर से विशेष वकील डीपी सिंह ने पैरवी की। वहीं, केजरीवाल की ओर से एन हरिहरन और अभिषेक मनु सिंघवी ने दलीलें रखीं।

सीबीआई ने कहा कि केजरीवाल ही दिल्ली शराब नीति केस के असली सूत्रधार हैं। उनकी गिरफ्तारी के बिना मामले की जांच नहीं की जा सकती थी।

एक महीने के भीतर हमने चार्जशीट दाखिल कर दी। दिल्ली हाईकोर्ट ने 17 जुलाई की सुनवाई में भी केजरीवाल की गिरफ्तारी और अंतरिम जमानत की याचिका पर फैसला सुरक्षित रखा था। वहीं, सीबीआई ने केजरीवाल के खिलाफ स्पेशल सीबीआई कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की है। सीबीआई ने केजरीवाल को 26 जून को अरेस्ट किया था।

सिसोदिया की जमानत पर सुनवाई 5 अगस्त तक टली

> ईडी ने सुप्रीम कोर्ट से जवाब दाखिल करने का समय मांगा > 16 महीने से जेल में हैं

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया शराब नीति केस में पिछले साल 26 फरवरी को सीबीआई ने और फिर 9 मार्च को ईडी ने गिरफ्तार किया था। सुप्रीम कोर्ट मनीष सिसोदिया की जमानत से जुड़ी याचिकाओं पर अब 5 अगस्त को सुनवाई करेगा। सोमवार को हुई सुनवाई के दौरान ईडी ने जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए समय मांगा। जिसके बाद जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने सुनवाई स्थगित कर दी।

ईडी की तरफ से एएसजी ने सिसोदिया की याचिकाओं पर सुनवाई होने पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के 4 जून के आदेश ने सिसोदिया को केवल ट्रायल कोर्ट में नई जमानत याचिका दायर करने का अधिकार दिया गया है, न कि सुप्रीम कोर्ट में। सिसोदिया को पिछले साल 26 फरवरी को सीबीआई ने और 9 मार्च को ईडी ने गिरफ्तार किया था। उन्होंने 28 फरवरी 2023 को दिल्ली कैबिनेट से इस्तीफा दिया था। वे फिलहाल तिहाड़ जेल में हैं। ईडी केस में 3 जुलाई को दिल्ली की एक अदालत ने सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 25 जुलाई तक बढ़ा दी थी। सीबीआई केस में सिसोदिया 31 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में हैं।

मनीष सिसोदिया पर 16 महीने से हिरासत में

सिसोदिया ने अपनी याचिका में कहा है कि 2023 अक्टूबर से उनके खिलाफ मुकदमे में कोई प्रोग्रेस नहीं हुई है। इसलिए दिल्ली आबकारी मामलों में जमानत की मांग वाली पिछली याचिका पर फिर से विचार किया जाना चाहिए। इससे पहले 11 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में मनीष सिसोदिया की जमानत की पुनर्विचार याचिका पर सुनवाई से ठीक पहले जस्टिस संजय कुमार ने बेंच से खुद को अलग कर लिया था, जिसके बाद सुनवाई टल गई थी। ट्रायल कोर्ट, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में भी मनीष सिसोदिया की जमानत याचिकाएं कई बार खारिज हो चुकी हैं।

ट्रायल कोर्ट ने 30 अप्रैल को सिसोदिया की जमानत याचिका फिर से खारिज कर दी थी। इस फैसले के खिलाफ सिसोदिया हाईकोर्ट पहुंचे थे। 21 मई को हाईकोर्ट ने सिसोदिया को जमानत देने से इनकार कर दिया। इसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। सुप्रीम कोर्ट ने 4 जून को सिसोदिया की जमानत याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया था। इसके बाद सिसोदिया ने इस पर दोबारा विचार करने को लेकर याचिका लगाई थी। 11 जुलाई को जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय करोल और जस्टिस संजय कुमार की बेंच सुनवाई करने वाली थी।

मुकदमों का बोझ कम करने की कोशिश

> सुप्रीम कोर्ट की सात पीठ लोक अदालत के मामलों पर करेगी सुनवाई

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने सोमवार को कहा कि सुप्रीम कोर्ट की सात पीठ आज से शुक्रवार दोपहर 2 बजे एक विशेष लोक अदालत में सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए सूचीबद्ध मामलों की सुनवाई करेंगी। उन्होंने कहा कि अदालतों में लंबित मामलों की संख्या को कम करने के उद्देश्य शीर्ष अदालत 3 अगस्त तक विशेष लोक अदालत आयोजित कर रही है।

मुख्य न्यायाधीश ने कही ये बात

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने सोमवार को दिन की कार्यवाही की शुरुआत में कहा कि 'आज से शुक्रवार तक सुप्रीम कोर्ट की लोक अदालत होगी और उसमें सात पीठ बैठेंगी। अगर वकीलों के पास ऐसे मामले हैं जो लोक अदालत में जा सकते हैं, तो कृपया उन्हें लोक अदालत में लेकर आएं।' सीजेआई ने नागरिकों से आग्रह किया था कि वे अपने विवादों को सौहार्दपूर्ण और तेजी से हल करने के लिए विशेष लोक अदालत में भाग लें।

सर्वोच्च न्यायालय की वेबसाइट पर अपलोड किए गए एक वीडियो संदेश में, सीजेआई ने कहा, '29 जुलाई से 3 अगस्त 2024 तक, सर्वोच्च न्यायालय एक विशेष लोक अदालत का आयोजन कर रहा है। सर्वोच्च न्यायालय सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में इन लोक अदालतों का आयोजन किया जा रहा है।' वीडियो में कहा गया कि लंबित मामलों की संख्या को लेकर मुख्य न्यायाधीश चिंतित हैं।'

'लोक अदालतें देश की न्यायिक प्रणाली का अभिन्न अंग'

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि 'अपने सभी सहयोगियों और सुप्रीम कोर्ट के कर्मचारियों की ओर से, मैं उन सभी नागरिकों से अपील करता हूं, जिनके पास सुप्रीम कोर्ट में मामले हैं, या वकील, अधिवक्ता, रिकॉर्ड पर हैं, वे इस अवसर का लाभ उठाएं और मामलों को तेजी से हल करने का प्रयास करें, जो हर प्रतियोगी पक्ष को स्वीकार्य हो। उन्होंने कहा कि 'लोक अदालतें देश की न्यायिक प्रणाली का एक अभिन्न अंग हैं, जो सौहार्दपूर्ण समझौतों को बढ़ावा देने और तेजी लाने के साधन के रूप में वैकल्पिक विवाद समाधान को बढ़ाती हैं। वैवाहिक विवाद, संपत्ति विवाद, मोटर दुर्घटना दावे, भूमि अधिग्रहण, मुआवजा, सेवा और श्रम से संबंधित मामले जो शीर्ष अदालत के समक्ष लंबित हैं, उन्हें शीघ्र निपटान की सुविधा के लिए लिया जाएगा।

'चीन के साथ हमारा एक मुद्दा, समाधान हम दोनों को ही निकालना है'

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। विदेश मंत्री जयशंकर ने भारत-चीन सीमा मुद्दे पर कहा है कि चीन के साथ हमारा एक मुद्दा है और इसका समाधान हम दोनों को ही निकालना है। हम भारत और चीन के बीच वास्तविक मुद्दे को सुलझाने के लिए अन्य देशों की ओर नहीं देख रहे हैं। विदेश मंत्री ने भारत-चीन सीमा विवाद में किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से इनकार करते हुए सोमवार को कहा कि दोनों पड़ोसी देशों के बीच मुद्दे का समाधान उन्हीं दोनों को निकालना है। टोक्यो में संवाददाता सम्मेलन में कई सवालों के जवाब में उन्होंने कहा कि भारत और चीन के बीच वास्तविक मुद्दे को सुलझाने के लिए हम अन्य देशों की ओर नहीं देख रहे हैं।

'बंगाल को विभाजित नहीं करने दूंगी'

विधानसभा में भाजपा पर क्यों भड़कीं ममता बनर्जी?

कोलकाता, 29 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को विधानसभा में बताया कि उन्होंने दिल्ली में नीति आयोग की बैठक में भारत-भूटान नदी आयोग के गठन की मांग की। विधानसभा में जब कटाव नियंत्रण और बाढ़ शमन पर चर्चा हो रही थी, इस दौरान बंगाल सीएम ने इसकी जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने बंगाल के दो जिलों और बिहार के कुछ जिलों को मिलाकर एक केंद्र शासित प्रदेश बनाने की कुछ भाजपा नेताओं की मांग का भी विरोध किया। उन्होंने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, मैं बंगाल को विभाजित करने की चुनौती देती हूं।

भाजपा विधायकों ने विधानसबा से किया वॉकआउट

भाजपा ने सोमवार को विधायक के तौर पर कटाव नियंत्रण और बाढ़ शमन पर चर्चा के लिए सुमन कांजीलाल का नाम शामिल किए जाने के विरोध में पश्चिम बंगाल विधानसभा से वॉकआउट कर गए। भाजपा नेता संकर घोष ने बताया कि कांजीलाल जिन्हें अलीपुर से भाजपा विधायक बनाया गया है, वह तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में शामिल हो गई हैं। इसका विरोध करते हुए घोष ने स्पीकर बिमान बनर्जी से कहा कि भाजपा विधायक दल ने चर्चा में शामिल होने के लिए उनका नाम नहीं दिया था। स्पीकर बिमान बनर्जी ने कहा कि उन्होंने चर्चा में भाग लेने के लिए कांजीलाल का नाम शामिल करने की अनुमति दे दी है। इसपर भाजपा विधायकों ने नारे लगाते हुए विधानसभा से वॉकआउट किया।

मुख्यमंत्री ने वित्त मंत्री पर झूठ बोलने का आरोप लगाया

बोले-भाजपा हमें बदनाम करने की कोशिश कर रही

बंगलूरू, 29 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सोमवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर 'झूठ बोलने' का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने केंद्र की भाजपा सरकार पर हालिया केंद्रीय बजट में राज्य के साथ 'अन्याय' करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा, कांग्रेस शासित कर्नाटक को भ्रष्ट राज्य के रूप में बदनाम करना चाहती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार दिल्ली जाएंगे, जहां वे पार्टी आलाकमान के साथ पार्टी और सरकार पर चर्चा करेंगे।

सीएम सिद्धारमैया ने लगाए झूठ बोलने के आरोप

सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि 'बजट पूर्व बैठक में आपने कहा था कि आप ऊपरी भद्रा परियोजना के लिए 5300 करोड़ रुपये देंगे लेकिन बजट में पैसा नहीं दिया गया। 15वें वित्त आयोग ने अपनी रिपोर्ट में विशेष अनुदान के रूप में 5,495 करोड़ रुपये देने की सिफारिश की थी, लेकिन ये पैसा भी कहां है? कहा गया था कि बंगलूरू में रिंग रोड के लिए तीन हजार करोड़ रुपये दिए जाएंगे और जल निकायों के विकास के लिए भी तीन हजार करोड़ रुपये देने का वादा किया गया था, लेकिन ये (बजट में) कहा है?'

सीएम ने वित्त मंत्री पर लगाए आरोप

सीएम ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि 'इनमें से कुछ भी बजट में नहीं है, क्या यह अन्याय नहीं है? आंध्र प्रदेश और बिहार को दिया गया है, कर्नाटक को क्या दिया गया है? केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी और निर्मला सीतारमण कम से कम यह तो कह सकते थे कि वे यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे कि कर्नाटक को उसका हक मिले।' वित्त मंत्री सीतारमण से हाल ही में सीएम के उन आरोप खारिज कर दिया था, जिसमें सीएम ने कहा था कि उनके राज्य का हक नहीं मिला। वित्त मंत्री ने दावा किया था कि फंड आवंटन के बारे में बहुत सारी गलत सूचनाएं फैलाई जा रही हैं। सीतारमण ने यह भी आरोप लगाया था कि '(कर्नाटक में) बिगड़ती कानून व्यवस्था के कारण उद्योग डरे हुए हैं और वे बाहर निकलना चाहते हैं।' वित्त मंत्री के आरोपों पर सिद्धारमैया ने कहा 'क्या उनके (कुमारस्वामी के) मांड्या निर्वाचन क्षेत्र में कोई नया उद्योग आया है? क्या राज्य में कोई औद्योगिक गलियारा आया है? कोई मेकेदातु (परियोजना), कोई उद्योग नहीं, हमने जो अनुदान मांगा था वह नहीं आया, हमने रायचूर में एम्स, हासन या मैसूर के लिए आईआईटी मांगा था - क्या ऐसा हुआ?'

'देश में आने वाले विदेशी निवेश में आई गिरावट'

सिद्धारमैया ने कहा कि 'उन्होंने (वित्त मंत्री) आरोप लगाया है कि कर्नाटक से उद्योग दूसरे राज्यों में जा रहे हैं तो क्या आपको पता है कि देश में आने वाले एफडीआई में 31 प्रतिशत की गिरावट आई है, यह किसकी वजह से है? यह नीतियों और कार्यक्रमों की वजह से है; नीतियां और कार्यक्रम कौन बनाता है? यह श्रीमती निर्मला सीतारमण हैं, जो देश की वित्त मंत्री हैं।' सीएम ने कहा कि 'कर संग्रह में महाराष्ट्र नंबर एक है, कर्नाटक नंबर दो है - ऐसा कौन सा योगदान है जो हमने नहीं दिया?' उन्होंने आगे कहा कि केंद्र राज्य सरकार पर अधिक ऋण लेने का आरोप लगा रही है, लेकिन हमने राजकोषीय उत्तरदायित्व अधिनियम की सीमाओं के भीतर काम किया है और जीएसडीपी का 25 प्रतिशत जबकि उन्होंने (केंद्र ने) 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक उधार लिया है।' एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा, 'सभी को मिलकर राज्य के साथ हुए अन्याय के खिलाफ विरोध करना चाहिए।

लोकसभा : 'आप मुझसे सवाल नहीं पूछ सकते'

जब राहुल गांधी और ओम बिरला के बीच छिड़ी तीखी बहस-सदन में मचा हंगामा

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। संसद का मानसून सत्र चल रहा है। सदन में पक्ष-विपक्ष के बीच बयानबाजियों का दौर भी जारी है। उधर सदन की कार्यवाही के दौरान एक खास बात भी देखने को मिली है। दरअसल, सदन में स्पीकर और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बीच भी गहमा गहमी देखने को मिली। राहुल गांधी जब सदन को संबोधित कर रहे थे तो लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने उन्हें टोक दिया।

दरअसल, राहुल गांधी केंद्र सरकार पर निशाना साध रहे थे। इस दौरान उन्होंने महाभारत काल के चक्रव्यूह का जिक्र किया। राहुल गांधी ने कहा कि अभिमन्यु को छह लोगों ने मारा था, उनके नाम कर्ण, द्रोणाचार्य, कृपाचार्य, कृतवर्मा, अश्वथामा और शकुनि थे। राहुल ने आगे कहा, 'आज भी चक्रव्यूह में छह लोग हैं। नरेंद्र मोदी, अमित शाह, मोहन भागवत, अजीत डोभाल, अंबानी और अदाणी कंट्रोल कर रहे हैं।' इस बीच लोकसभा स्पीकर ने राहुल गांधी को टोक दिया।

लोकसभा स्पीकर ने क्या कहा?

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को टोकते हुए लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा, 'आप संवैधानिक पद पर हैं। आपके कई माननीय सदस्यों ने मुझे लिखकर दिया है कि जो भी इस सदन का सदस्य नहीं है, उनका नाम नहीं लेंगे। आपने लिखकर दिया है क्या आप उसकी पालना नहीं करना चाहते? मैं नेता प्रतिपत्र से ये अपेक्षा करूंगा कि वे सदन की नियमों और मर्यादा को बनाए रखें।'

राहुल गांधी को लोकसभा स्पीकर ने दोबारा टोका

इसके बाद नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा,

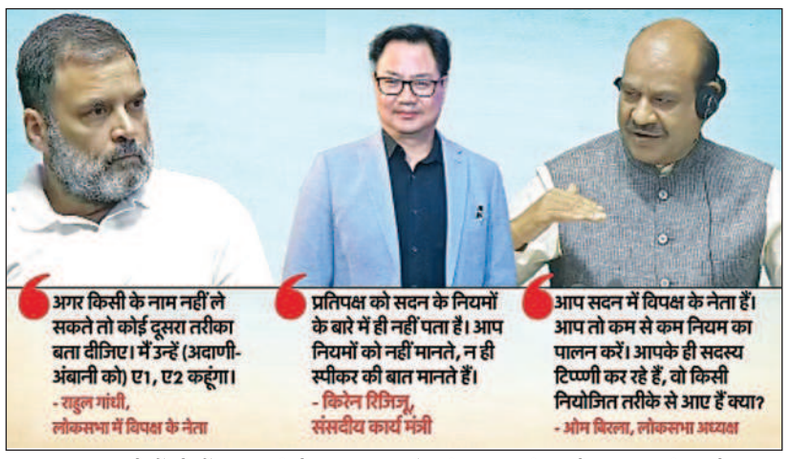

'अगर आप चाहते हैं तो मैं इस सूची से एएसए अजीत डोभाल, अंबानी और अडानी का नाम हटा लेता हूं।' राहुल के ऐसा कहते ही लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने उन्हें फिर से टोका। लोकसभा स्पीकर ने कहा, 'सदन की नियम प्रक्रियाओं से सदन चलता है।' इसके जवाब में राहुल गांधी ने फिर कहा कि अगर आप कहते हैं तो मैं सूची से तीनों के नाम निकाल देता हूं। इसके बाद सदन में सत्ता पक्ष के सांसदों राहुल गांधी के खिलाफ आवाज उठानी शुरू कर दी।

आप मुझसे सवाल नहीं पूछ सकते-ओम बिरला

इससे पहले राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, 'आप चाहते हैं कि हिंदुस्तान छोटे-छोटे खांचों में रहे। हिंदुस्तान के गरीब लोक सपना न देख पाएं। सिर्फ अदाणी और अंबानी'। इस बीच लोकसभा स्पीकर ने राहुल गांधी को टोक दिया। ओम बिरला ने कहा, 'माननीय सदस्य, आपके उपनेता मुझे लिखित में पत्र दे गए हैं कि कोई सदस्य, जो इस सदन का सदस्य नहीं है, उसके बारे में टिप्पणी नहीं करेंगे।' इसके बाद राहुल गांधी ने कहा,'स्पीकर सर, मैं आपसे सवाल पूछना चाहता हूं।' लोकसभा स्पीकर ने फिर से राहुल गांधी को टोकते हुए कहा, 'आप मुझसे सवाल नहीं पूछ सकते।'

किरेन रिजिजू ने भी राहुल गांधी को टोका

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भी राहुल गांधी को टोका। दरअसल, राहुल गांधी जब सदन में अंबानी और अडानी का नाम ले रहे थे तो किरेन रिजिजू ने उन्हें टोक दिया। रिजिजू ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को सदन के नियमों की जानकारी नहीं है।

दिल्ली कोचिंग सेंटर हादसा

1 इंजीनियर टर्मिनेट, 1 सस्पेंड

एमसीडी के खिलाफ भाजपा का प्रदर्शन, अब तक 7 गिरफ्तार

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर के राउ आईएएस कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में डूबने से 3 स्टूडेंट की मौत हुई थी। एमसीडी ने एक जूनियर इंजीनियर को टर्मिनेट और एक असिस्टेंट इंजीनियर को सस्पेंड कर दिया है। वहीं, पुलिस ने मामले को लेकर आज सोमवार को 5 और लोगों को गिरफ्तार किया है। अब तक कुल 7 लोग अरेस्ट हो चुके हैं।

उधर, आप मुख्यालय के पास भाजपा ने प्रदर्शन किया। दरअसल, एमसीडी में आप का बहुमत है। भाजपा ने आरोप लगाया कि एमसीडी की लापरवाही के कारण यह घटना हुई।

कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए दिल्ली पुलिस ने वॉटर कैनन चलाई। इधर, आप कार्यकर्ताओं ने एलजी सचिवालय के बाहर एमसीडी कमिश्नर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि एमसीडी कमिश्नर की लापरवाही के कारण जलभराव हुआ और स्टूडेंट्स की मौत हुई। कोचिंग सेंटर के पास स्टूडेंट भी प्रदर्शन कर रहे हैं। दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना आज उनसे मिलने पहुंचे। एमसीडी ने आज दिल्ली के 13 कोचिंग सेंटर सील किए हैं, जहां बेसमेंट में क्लासेस चल रही थीं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इनमें दृष्टि आईएएस कोचिंग संस्थान का एक सेंटर भी शामिल है। यह सेंटर नेहरू विहार के वर्धमान मॉल के बेसमेंट में चल रहा था।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक, पुलिस ने कहा कि गिरफ्तार हुए लोगों में वो शख्स भी शामिल है, जिसने कोचिंग के सामने से तेजी से कार चलाई थी। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि तेज कार चलाने के कारण पानी का प्रेशर बढ़ा और बेसमेंट का गेट टूट गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इसी के बाद बेसमेंट में बनी लाइब्रेरी में पानी भरा और स्टूडेंट डूबने लगे।

संजय राउत बोले-दंगे कराना चाहती है भाजपा

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली कोचिंग हादसे पर राजनीति शुरू हो गई है। शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने दिल्ली हादसे पर कहा कि यह बेहद दुखद घटना है और इसमें आरोप-प्रत्यारोप नहीं होना चाहिए। उन्हें सोचना चाहिए कि ये हादसा क्यों हुआ? अगर सरकार का कोई प्रतिनिधि प्रदर्शन कर रहे छात्रों से जाकर मुलाकात करता तो अच्छी बात होती, लेकिन अभी तक किसी जनप्रतिनिधि ने ऐसा नहीं किया है। संजय राउत ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी दुनिया की चिंता करते हैं, लेकिन वे मणिपुर नहीं गए और न ही प्रदर्शन कर रहे छात्रों से मिले। शरद पवार के बयान पर संजय राउत ने कहा कि कुछ लोग महाराष्ट्र में जाति और धर्म के नाम पर मणिपुर जैसा तनाव पैदा करना चाहते हैं। शरद पवार ने जो भी कहा है, वह सच है और भाजपा विधानसभा चुनाव से पहले दंगे कराना चाहती है।' शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि, 'बजट से जुड़े कई मुद्दे हैं - जिस तरह से कर निर्धारण का फैसला किया गया है, उससे आम लोगों पर अधिक बोझ पड़ा है, महंगाई से कोई राहत नहीं मिली है। बेरोजगारी के मुद्दे पर ध्यान नहीं दिया गया है और जिस तरह से बुनियादी ढांचे को तबाह किया जा रहा है - जैसा कि ओल्ड राजेंद्र नगर में हुआ - बेसमेंट में पानी भर जाने से 3 छात्रों की जान चली गई।

एमसीडी का बड़ा एक्शन, अतिक्रमण पर गरजे बुलडोजर

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के राजेंद्र नगर के स्टडी सेंटर में हुए हादसे के बाद एमसीडी ने बड़ा एक्शन लिया है। एमसीडी के बुलडोजर अतिक्रण हटा रहे हैं। अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। मौके पर स्थानीय प्रशासन और पुलिस के अधिकारी मौजूद हैं। एमसीडी आयुक्त ने ओल्ड राजेंद्र नगर हादसे के मामले में अभियंत्रिक विभाग के कनिष्ठ अभियंता को बर्खास्त किया है यह कनिष्ठ अभियंता अनुबंध के आधार पर एमसीडी में कार्यरत था इस तरह के कर्मचारियों को सीधा बर्खास्त करने का प्रावधान है वहीं विभाग के सहायक अभियंता को निलंबित किया है इसके अलावा अधिशासी अभियंता को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। एमसीडी आयुक्त ने यह कार्रवाई इलाके के नालों की सफाई नहीं होने के साथ-साथ सड़कों पर अतिक्रमण होने के मामले में की है। एमसीडी की ओर से अभी नियमों का उल्लंघन करके बेसमेंट में लाइब्रेरी चलाई जाने की शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं होने और नियमों का पालन नहीं कराने के संबंध में भी बिल्डिंग विभाग के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी है इस संबंध में दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल की ओर से गठित कमेटी की सिफारिश आने के बाद करवाई होगी। उधर, ओल्ड राजिंदर नगर की घटना पर डीसीपी सेंट्रल एम हर्ष वर्धन ने कहा कि "हमने इस मामले में पांच और लोगों को गिरफ्तार किया है। मामले में अब तक 7 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। आगे की जांच जारी है और मामले में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। हम प्रदर्शन कर रहे छात्रों से लगातार बातचीत कर रहे हैं। मैं उनसे अपील करना चाहता हूं कि वो शांति बनाएं रखें।

मृतकों के परिजनों से मिलने पहुंचे शशि थरूर

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। सेंट्रल दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर इलाके में यूपीएससी की तैयारी करवाने वाले राव इंस्टीट्यूट में शनिवार रात को हुए हादसे पर राजनीति जारी है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर और जेबी माथेर मृतकों के परिजनों से मिलने आरएमएल अस्पताल पहुंचे।

बता दें कि 27 जुलाई को इंस्टीट्यूट के बेसमेंट में पानी भर जाने से तीन छात्रों की मौत हो गई थी। इस घटना को कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शर्मनाक बताया। उन्होंने इस घटना पर शोक जताते हुए कहा कि बच्चों के सपने चकनाचूर हो गए।

शशि थरूर ने कहा, यह शर्मनाक है। इसपर कोई संदेह नहीं कि उन बच्चों के सपने अब चकनाचूर हो गए। परिवार वालों की उम्मीद भी टूट गई। यह देश के लिए और युवाओं के भविष्य के लिए बहुत दुखद है। जब किसी की जिंदगी चली जाती है तो आप क्या समाधान लाते हैं? हां, मुआवजा दिया जाना चाहिए। सबसे ज्यादा जो जरूरी है, वह यह है कि हमें यह सुनिश्चित करना पड़ेगा कि ऐसी घटनाएं फिर से न हो, जिससे किसी और को इस दुख से गुजरना न पड़े।

अन्य नेताओं ने भी दी प्रतिक्रिया

आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह ने भी इस घटना पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। कई सारे कोचिंग सेंटर बेसमेंट में अवैध तरीके से लाइब्रेरी और क्लासेस चलाते हैं। इस घटना में शामिल सभी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। अधिकारी काम नहीं कर रहे हैं। अब दिल्ली के उप राज्यपाल की जिम्मेदारी है कि वे उनके खिलाफ कार्रवाई करें। मैं भाजपा से पूछना चाहूंगा कि वे दिल्ली के लोगों को सजा क्यों दे रहे हैं? उन्होंने पहले अधिकारियों को तबादला करने का अधिकार ले लिया और अब जब कार्रवाई की बात आती है तो वे दिल्ली के उपराज्यपाल के साथ साजिश कर रहे हैं। हम उन्हें उजागर करके रहेंगे।

कोचिंग का दायरा सीमित, सभी को उसी में डाल रहे हैं यह गैस चैंबर से कम नहीं : राज्यसभा सभापति

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। राज्यसभा के सभापति व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि दिल्ली में हुई तीन छात्रों की मृत्यु की घटना दुखद है। यह अत्यंत गंभीर मुद्दा है। आप और हम रोज देखते हैं कि अखबार के पहले पेज पर कोचिंग का विज्ञापन, दूसरा पेज पर कोचिंग, थर्ड पेज पर कोचिंग का विज्ञापन होता है। इस पर इतना भारी खर्च होता है। यह खर्चा कहां से आता है, यह खर्चा उन छात्रों से आता है, जो अपने सपनों को साकार करना चाहते हैं।

राज्यसभा में बोलते हुए सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा, सीमित दायरा है कोचिंग का, आवश्यकता भारत को स्किल की है। स्किलिंग के लिए इतना कुछ हो रहा है। कोचिंग एक सीमित दायरे में है, सभी को उसी में डाल रहे हैं। यह ऐसा हो गया है, जो गैस चैंबर से कम नहीं है। आज के दिन सदस्यों को इस पर ध्यान देना चाहिए। जिन तीन छात्रों की इस हादसे में मृत्यु हुई है, उनकी आत्मा को शांति मिलेगी, यदि सदन में आज इस मुद्दे पर सार्थक सुझाव देंगे।

प्राधिकारियों की कथित लापरवाही के कारण

दिल्ली के एक कोचिंग संस्थान में छात्र-छात्राओं की दुखद मौत की घटना पर सोमवार को राज्यसभा में अल्पकालिक चर्चा को मंजूरी दी गई। दिल्ली के राजेंद्र नगर स्थित कोचिंग सेंटर में पानी भरने से तीन छात्रों की मौत हुई है। राज्यसभा के सभापति ने कहा, जब मैं इसरो गया तो आश्चर्यचकित रह गया। वहां कोई आईआईटी, कोई आईआईएम से नहीं था। केवल गांव के स्कूलों से पढ़े हुए लोग थे। राज्यसभा में सुधांशु त्रिवेदी और स्वाति मालीवाल समेत कई सांसदों ने राजेंद्र नगर में हुए हादसे पर चर्चा की मांग की थी। चर्चा की मांग नियम 267 के अंतर्गत की गई, जिसके तहत संसद की अन्य कार्यवाही को स्थगित कर के खास विषय पर चर्चा कराई जाती है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने इस पर कहा कि यदि कांग्रेस व अन्य दल इस पर सहमत हो तो नियम 267 के तहत राज्यसभा में इस मसले पर चर्चा की जा सकती है।

उन्होंने कहा कि चाहे जिस भी नियम के अंतर्गत चर्चा की जाए, लेकिन इस मामले पर तुरंत चर्चा की जानी चाहिए क्योंकि यह एक बहुत महत्वपूर्ण विषय है। सभापति ने कहा कि नियम 267 के तहत चर्चा तभी संभव है, जब कांग्रेस समेत सभी महत्वपूर्ण राजनीतिक दल इस पर राजी हों। इस पर कांग्रेस अध्यक्ष व राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हम मणिपुर पर नियम 267 के तहत चर्चा चाहते थे। लेकिन, ऐसा नहीं हुआ। कांग्रेस के इस रुख के उपरांत सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि कांग्रेस की राय सामने आने के बाद नियम 267 के अंतर्गत दिल्ली की इस घटना पर चर्चा की मांग को फिलहाल एडमिट नहीं किया गया है।

सिंधुदुर्ग में पेड़ से लोहे की जंजीर में बांधकर छोड़ी गई महिला

यूएस पासपोर्ट की फोटोकॉपी भी बरामद

मुंबई, 29 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र से एक बड़ी चौंकाने वाली खबर सामने आई है। यहां के सिंधुदुर्ग जिले के एक जंगल में 50 साल की एक महिला लोहे की जंजीर से पेड़ से बंधी मिली। उसके पास से उसके अमेरिकी पासपोर्ट की फोटोकॉपी के साथ-साथ तमिलनाडु के पते वाले आधार कार्ड सहित अन्य दस्तावेज भी बरामद किए गए है।

महिला की चीख सुन पहुंचा चरवाहा

एक पुलिस अधिकारी ने सोमवार को बताया कि यहां से करीब 450 किलोमीटर दूर सोउरली गांव में शनिवार शाम एक चरवाहे ने महिला की चीख सुनी और उसे जंजीरों से बंधा देख पुलिस को जानकारी दी।

मानसिक स्थिति खराब

अधिकारी ने आगे कहा, 'महिला को सावंतवाड़ी (राज्य के कोंकण क्षेत्र) के एक अस्पताल और फिर सिंधुदुर्ग के ओरोस ले जाया गया। उसकी मानसिक और स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए उसे उपचार के लिए गोवा मेडिकल कॉलेज में भेजा गया था। अब वह खतरे से बाहर है। महिला का इलाज कर रहे डॉक्टरों ने कहा कि वह मानसिक समस्याओं से पीड़ित है। हमें उसके पास से डॉक्टर का पर्चा मिला है।' उन्होंने कहा, 'हमें उसका आधार कार्ड मिला, जिस पर तमिलनाडु का पता है। साथ ही उसके अमेरिकी पासपोर्ट की एक फोटोकॉपी भी मिली है। उसकी पहचान ललिता कायी के रूप में हुई है। उसके वीजा की वैधता खत्म हो चुकी है। हम उसकी राष्ट्रीयता का पता लगाने के लिए इन सभी दस्तावेजों का सत्यापन कर रहे हैं। पुलिस विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय के संपर्क में भी है।'

पंजाब में अमृतपाल केस की सुनवाई टली

चंडीगढ़, 29 जुलाई (एजेंसियां)। खडूर साहिब से सांसद और खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह ने उन पर लगाए गए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) की समय अवधि बढ़ाए जाने को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में चुनौती दी है। इस मामले की आज जैसे ही अदालत में सुनवाई शुरू हुई तो सरकारी वकील ने प्वाइंट उठाया कि याचिका में अमृतपाल के माता पिता की आयु व अमृतपाल का पता सही नहीं है।

तकनीकी रूप में इसे सही किया जाए। इसके बाद अमृतपाल सिंह के वकील ने कहा कि उन्हें इसे ठीक करने का समय दिया जाए। जिसके बाद अदालत ने इस मामले की सुनवाई 31 जुलाई तय की है।

एक साल से ज्यादा समय से जेल में

फ़िलहाल अमृतपाल सिंह असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद है। उनकी ओर से कोर्ट में दायर याचिका में कहा गया है कि एनएसए की अवधि एक साल बढ़ाना पूरी तरह से ग़लत है। उन्होंने अपने ख़िलाफ़ की गई कार्रवाई को असंवैधानिक बताया है। उन्होंने कहा कि वे एक साल से ज़्यादा समय से अपने राज्य, रिश्तेदारों और लोगों से दूर हैं। उनकी ज़िंदगी और आज़ादी को असामान्य और क्रूर तरीक़े से छीना गया है।

अमृतपाल की एमपी सीट को भी चुनौती

अमृतपाल सिंह की एमपी सीट को अब चुनौती दी गई है। खडूर साहिब से निर्दलीय उम्मीदवार रहे विक्रमजीत सिंह ने इस संबंध में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका में पांच बातों का जिक्र किया गया है। दलील दी गई है कि अमृतपाल सिंह ने अपने नामांकन पत्र में कई जानकारियां छिपाई हैं। नामांकन पत्र अधूरा है। फंड, दान, खर्च की जानकारी छिपाई गई है।

मेधा पाटकर की 5 महीने जेल की सजा पर रोक

साकेत कोर्ट से जमानत मिली; 23 साल पुराने मानहानि केस में दिल्ली एलजी से जवाब मांगा

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली की साकेत कोर्ट ने सोशल वर्कर और नर्मदा बचाओ आंदोलन की प्रमुख मेधा पाटकर की 5 महीने की जेल की सजा पर रोक लगा दी है। साथ ही मानहानि केस में दिल्ली एलजी वीके सक्सेना को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

मेधा ने 1 जुलाई के ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। जिसमें मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट राघव शर्मा ने उन्हें मानहानि का दोषी पाया था। साथ ही मुआवजे के रूप में 10 लाख रुपए का एलजी सक्सेना को भुगतान करने का निर्देश दिया था। साकेत कोर्ट ने सोमवार (29 जुलाई) को 25 हजार बेल बांड पर मेधा पाटकर को जमानत भी दे दी है।मामले की अगली सुनवाई 4 सितंबर को होगी।

मेधा ने कहा था-एलजी हवाला से लेनदेन करते हैं

25 नवंबर 2000 को मेधा पाटकर ने अंग्रेजी में एक बयान जारी कर वीके सक्सेना पर हवाला के जरिए लेनदेन का आरोप लगाया था और उन्हें कायर कहा था। मेधा पाटकर ने कहा था कि वीके सक्सेना गुजरात के लोगों और उनके संसाधनों को विदेशी हितों के लिए गिरवी रख रहे थे। ये बयान वीके सक्सेना की ईमानदारी पर सीधा-सीधा हमला था।

मेधा पाटकर ने कोर्ट में अपने बचाव में कहा था कि वीके सक्सेना 2000 से झूठे और मानहानि वाले बयान जारी करते रहे हैं। उन्होंने 2002 में उन पर शारीरिक हमला भी किया था, जिसके बाद मेधा ने अहमदाबाद में एफआईआर दर्ज कराई थी। मेधा ने कोर्ट में कहा था कि वीके सक्सेना कार्पोरेट हितों के लिए काम कर

रहे थे और वे सरदार सरोवर प्रोजेक्ट का विरोध करने वालों की मांग के खिलाफ थे।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली ट्रांसफर किया था केस

मेधा पाटकर के खिलाफ वीके सक्सेना ने आपराधिक मानहानि का केस अहमदाबाद की कोर्ट में 2001 में दायर किया था। गुजरात के ट्रायल कोर्ट ने इस मामले पर संज्ञान लिया था। बाद में 2003 में सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई गुजरात से दिल्ली के साकेत कोर्ट में ट्रांसफर कर दिया। मेधा ने 2011 में खुद को निर्दोष बताते हुए ट्रायल का सामना करने की बात कही। वीके सक्सेना ने जब अहमदाबाद में केस दायर किया था तब वो नेशनल काउंसिल फॉर सिविल लिबर्टीज के अध्यक्ष थे।

कौन हैं एक्टिविस्ट मेधा पाटकर

मेधा पाटकर सामाजिक कार्यकर्ता हैं, जो देश में आदिवासियों, दलितों, किसानों, मजदूरों और महिलाओं द्वारा उठाए गए कुछ राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर काम करती हैं। उन्हें मुख्य रूप से नर्मदा घाटी विकास परियोजना (एनवीडीपी) से विस्थापित लोगों के साथ काम करने के लिए जाना जाता है। एनवीडीपी मध्यप्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र में नर्मदा नदी और उसकी सहायक नदियों पर बांध बनाने की एक बड़े पैमाने की योजना है।

मुंद्रा बंदरगाह से 110 करोड़ कीमत की 68 लाख फाइटर ड्रग जब्त

अफ्रीकी देशों में किया जा रहा था निर्यात

अहमदाबाद, 29 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात में कच्छ जिले के मुंद्रा बंदरगाह में कस्टम विभाग ने दो कंटेनरों से 68 लाख ट्रामाडोल टैबलेट जब्त किए। इनकी कीमत 110 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इन कंटेनरों पश्चिमी अफ्रीकी देशे सिएरा लियोन और नाइजर से निर्यात किया गया था। ट्रामाडोल को फाइटर ड्रग के नाम से जाना जाता है। दरअसल आईएसआईएस आतंकी देर तक जागने के लिए इस टैबलेट का इस्तेमाल करते हैं। इस जब्ती को लेकर एक विज्ञप्ति में कहा गया, मुंद्रा कस्टम की विशेष खुफिया और जांच शाखा की खुफिया जानकारी के आधार पर रविवार को राजकोट आधारिक एक निर्यातक के माल को बंदरगाह पर रोका गया और जांच की गई। आधिकारिक दस्तावेज में निर्यातक ने बताया कि शिपमेंट में डिक्लोफेनाक और गेबेडोल टैबलेट है। कंटेनर के सामने वाले हिस्से से ये टैबलेट मिलने के बाद विस्तृत जांच की गई।

खास खबरें

बड़े शहर की सड़कों के नीचे छिपा है अलग ही संसार, मीलों तक फैला है जाल

आज भी होता है उनका इस्तेमाल!

दशकों पुराने विश्वयुद्ध के लिए बंकर आज भी इस्तेमाल होते हैं. जी हां, दुनिया कई सालों से तीसरे विश्व युद्द के मुहाने पर खड़ा बताया जा रहा है, वहां पिछले विश्व युद्ध के दौर बंकर को आज भी उपयोग किया जाना हैरान करता है. ऐसा ही एक अनोखा बंकर इंग्लैंड के बर्मिंघम में है जो एक खास नेटवर्क से जुड़ा है. यह बंकर द्वितीय विश्व युद्ध के बाद शीत युद्ध की शुरुआत में बना था, लेकिन इसके आज भी होने वाला इस्तेमाल हैरान करता है. बंकर ब्रिटेन के बर्मिंघम शहर की सड़कों के नीचे स्थित है, जिसमें परमाणु-प्रूफ दीवारें और मीलों तक कंक्रीट की सुरंगें हैं. शहर के नीचे 115 फीट की गहराई पर स्थित, यह जटिल बंकर बीटी टॉवर से लेकर साउथसाइड और उससे आगे तक फैला हुआ है. भूमिगत नेटवर्क 1950 के दशक में बनाया गया था और इसे परमाणु हमले से बचाने के लिए डिजाइन किया गया था, केवल कुछ ही लोग जानते हैं कि यहां कैसे पहुंचा जा सकता है.

बर्मिंघम के आभूषणों की पहचान के आधार पर "एंकर" नाम दिया गया, यह संरचना शीत युद्ध के दौरान ब्रिटेन के दूरसंचार को बम हमलों से बचाने के लिए बनाई गई थी. बर्मिंघम लाइव की रिपोर्ट के अनुसार, बीटी कर्मचारी अभी भी आधुनिक संचार लिंक के लिए सुरंग का उपयोग कर रहे हैं. गुप्त बंकर में कभी जनरेटर और प्लांट उपकरण रखे होते थे जो बंकर को बिजली प्रदान करते थे. जिससे टेलीफोन एक्सचेंज महीनों तक चालू रह पाता था. दूरसंचार उपकरणों के बड़े बैंकों का प्रबंधन लगभग 20 प्रशिक्षित कर्मचारी करते थे. 1980 के दशक तक, संचार प्रौद्योगिकी में प्रगति ने अधिकांश उपकरणों को बेकार बना कर दिया था.

समंदर की गहराई में छुपा मिला 'पाताल लोक'

नजारा देख फटी की फटी रह जाएंगी आंखें, मिलीं ऐसी-ऐसी चीजें!

इतिहास में न जाने ऐसी कितनी चीज़ें हो चुकी हैं, जिनके बारे में हम जानते ही नहीं है. जब ये किसी भी रूप में हमारे सामने आता है, तब हम समझ पाते हैं कि हमारी आंखों से छिपी हुई भी कोई दुनिया हो सकती है. ऐसी ही एक दुनिया सामने आई है गल्फ ऑफ नैपल्स में, जहां समुद्र के अंदर ऐसी चीज़ें मिलीं, जिसकी कल्पना किसी को नहीं रही होगी. 2000 साल पुराना पूरा का पूरा शहर समंदर के नीचे से खोजा गया है. इसे देखकर गोताखोर भी हैरान रह गए क्योंकि समुद्र के नीचे मौजूद चीज़ें किसी आलीशान जगह से जुड़ी हुई लगती हैं. ये वाकई किसी पाताल लोक की तरह है, जो बहुत से रहस्यों को समेटे हुए है.

पाताल लोक में छिपा रहस्यमयी नगर

द सन की रिपोर्ट के मुताबिक समुद्र के नीचे जो दुनिया मिली है, उसमें 177 हेक्टेयर का एक डूबा हुआ शहर है, जो करीब 2000 साल पुराना बताया जा रहा है. हालांकि इसकी स्थिति समय के हिसाब से काफी अच्छी दिख रही है. यहां पर बहुत से बड़े-बड़े स्टैचू समंदर की सतह पर मौजूद हैं. समुद्र से 20 फीट नीचे की सतह पर खूबरसूरत मार्बल का फ्लोर है, जिसे विला का रिसेप्शन माना जा रहा है.

काफी आधुनिक लग रहा है शहर

माना जा रहा है कि यहां अमीर लोग प्राइवेट ट्रिप के लिए आते रहे होंगे. ये एक फैशनेबल सीसाइड रिसॉर्ड रहा होगा, जिसके आसपास सिर्फ रोम के खूब रईस लोग घूमने आते रहे होंगे. जूलियस सीज़र, क्लियोपैट्रा, सिसेरा और हैड्रियन जैसे मशहूर लोग भी इस प्राचीन शहर में आए होंगे. जॉन स्माउट नाम के रिसर्चर का दावा है कि क्लियोपेट्रा भी इस जगह पर आई होंगी. वक्त के साथ ये आलीशान शहर हाइड्रोथर्मल और सेस्मिक एक्टिविटीज़ के चलते डूब गया.

देश का पहला शहर जहां पक्षी होंगे एक दूसरे के पड़ोसी! बनेगा 1.50 लाख फ्लैट

विश्व प्रशिद्ध बाबा महाकाल की नगरी जिसे धार्मिक नगरी नाम से जाना जाता है. यहा दान पुण्य के साथ जीव-जंतुओ व पशु-पक्षी की सेवा भी की जाती है. पेड़ों की कटाई और हवा-आंधी से पेड़ों के गिरने से पंछियों के रहने की जगह खत्म होने पर उज्जैन सिंधी समाज की ओर से एक नई पहली शहर मे देखने को मिल रही है.

ये है पक्षियों का नया आशियाना पूरे शहर मे चर्चा का विषय बना हुआ है. बसंत विहार पार्क के बाद अब उज्जैन-सांवेर रोड पर वार्ड 47 में मुनिनगर तालाब के समीप करीब 52 फीट ऊंचा नया पक्षी घर बनाया गया है. इसमें एक साथ 3000 से ज्यादा पक्षी रह सकेंगे. इसी में उनके लिए दाना-पानी आदि का इंतजाम भी रहेगा. इस पक्षी के आशियाने की कीमत की बात करे तो करीब 7.50 लाख रुपए का खर्च आया है. जिसका पूरा खर्चा उज्जैन के सिंधी ने किया है. इसके साथ ही अब उज्जैन में कुल चार पक्षी घर हो गए हैं. सिंधी समाज के इस निर्णय के तहत अब 46 पक्षी घर और बनाए जाएंगे. इससे उज्जैन में पक्षी घरों की संख्या बढ़कर 50 हो जाएगी. गोपाल बलवानी ने बताया मुनिनगर में पक्षी घर बनकर तैयार हो गया है. इसका विधिवत शुभारंभ कर संचालन शुरू कर दिया जाएगा. जिससे हजारो पक्षियों को नया घर मिलेगा. इसी घर मे पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था भी रहेगी. बता दें कि महाकाल कि नगरी मे पहला पक्षी घर गुजरात के मोरवी के श्रीराम कबूतर घर ट्रस्ट की ओर से मंगलनाथ मंदिर के समीप करीब बाद 55 फीट ऊंचा बनाया जा चुका है. इसके उज्जैन में पक्षी घर बनाने की शुरुआत हुई. यह ट्रस्ट गुजरात में पक्षी घर बना चुका है. अब यह ट्रस्ट 12 ज्योतिर्लिंगों पर पक्षी घर बनाने में जुटा है.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 30 जुलाई, 2024

सुविचार: बुद्धिमान लोगों में खुशी सबसे दुर्लभ चीज़ है जो मैं जानता हूँ।

अम्मावरी की कृपा से पूरा तेलंगाना राज्य खुश और शांतिपूर्ण रहे : श्री निवास रेड्डी

सीपी ने अक्कन्ना मदन्ना मंदिर के घटम जुलूस का शुभारंभ किया

हैदराबाद , 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के पुलिस आयुक्त के. श्रीनिवास रेड्डी ने मंदिर का दौरा किया और श्री अक्कन्ना मदन्ना मंदिर प्रबंधन के निमंत्रण पर अम्मा वारी घाटम जुलूस शुरू किया। भारी भीड़ के बीच, हरिबौली (अक्कन्ना मदन्ना मंदिर) से एक हाथी (अंबारी) का जुलूस शुरू हुआ। इस अवसर पर पुलिस कमिश्नर ने कहा कि वह इस बोनालु मेले में आकर बहुत खुश हैं। श्री अक्कन्ना मदन्ना ने मंदिर के सभी प्रशासकों को बोनालु उत्सव की बधाई दी। हैदराबाद सिटी पुलिस की ओर से और सिटी पुलिस कमिश्नर के रूप में, मैं कामना करता हूं कि अम्मावरी की कृपा से पूरा तेलंगाना राज्य खुश और शांतिपूर्ण रहे। और हम सभी हैदराबाद के सभी लोगों की शांति और खुशी के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। उन्होंने कहा कि हैदराबाद विभिन्न संस्कृति का प्रतीक है और उन्होंने शहर के सभी लोगों को बोनाला उत्सव की शुभकामनाएं दीं। मंदिर में जुलूस मार्ग पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी और सुरक्षा व्यवस्था पर कड़ी निगरानी रखी गई थी। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी विभागों के समन्वय से पुलिस जवानों की व्यवस्था की गयी है। इसी तरह महिला श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो इसके लिए विशेष टीमें (शी टीम) भी बनाई गई हैं। उन्होंने कहा कि छेड़खानी, चेन और जेबतराशी की घटनाओं को रोकने के लिए विशेष निगरानी की व्यवस्था की गयी है। विक्रम सिंह मान अतिरिक्त सीपी, एल एंड ओ और पी. विश्वप्रसाद अतिरिक्त सीपी ट्रैफिक, सुश्री स्नेहा मेहरा डीसीपी साउथ जोन और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

नए पावर पैनल प्रमुख की नियुक्ति जल्द : सीएम

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने विधानसभा को सूचित किया कि राज्य सरकार पिछली बीआरएस सरकार के दौरान बिजली क्षेत्र में कथित अनियमितताओं की जांच के लिए आयोग का नेतृत्व करने के लिए एक नए अध्यक्ष की नियुक्ति जल्द करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने 16 जुलाई को तेलंगाना सरकार को सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति एल नरसिम्हा रेड्डी को आयोग के अध्यक्ष पद से हटाने का निर्देश दिया था।

भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की पीठ ने यह निर्देश न्यायमूर्ति रेड्डी द्वारा आयोग के अध्यक्ष पद पर बने न रहने और अपने पद से हटने के निर्णय के बाद दिया। बिजली पर अनुदान मांगों पर चर्चा के दौरान बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार जल्द चेयरमैन के नाम की घोषणा कर देगी। उन्होंने कहा कि हमने उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से अनुरोध किया कि आयोग का नेतृत्व करने के लिए एक मौजूदा न्यायाधीश को नियुक्त किया जाए लेकिन उन्होंने कहा कि यह संभव नहीं है, इसलिए हम एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की तलाश कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने बीआरएस की मांग पर नरसिम्हा रेड्डी आयोग का गठन किया था, लेकिन बीआरएस नेतृत्व ने आयोग के साथ सहयोग करने के बजाय उसे भंग करने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया।

केसीआर को पैनल के सामने लगता है डर : रेवंत

उन्होंने कहा कि केसीआर को पैनल का सामना करने में डर लगता है, इसलिए उन्होंने आयोग को खत्म करने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया। अगर आपने कुछ गलत नहीं किया है तो आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है।

बीआरएस पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बारे में झूठ फैलाने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सर्वोच्च न्यायालय ने पिछली सरकार के दौरान हुई अनियमितताओं को साबित करने के लिए आयोग की नियुक्ति में कोई गलती नहीं पाई है, बल्कि राज्य सरकार को एक नया अध्यक्ष नियुक्त करने के लिए कहा है।

सीएम को विकाराबाद-कृष्णा रेलवे लाइन रूट मैप के बारे में जानकारी दी

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे के मुख्य अभियंता सुब्रमण्यन ने विधानसभा में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को विकाराबाद-कृष्णा रेलवे लाइन रूट मैप के बारे में बताया। विकाराबाद, परिगी, कोडंगल, नारायणपेट और मकतल के माध्यम से रेलवे लाइन स्थापित की जाएगी। सीएम रेवंत रेड्डी ने 3500 करोड़ रुपये से बनने वाली 145 किमी रेलवे लाइन के रूट मैप पर कई सुझाव दिये बैठक में विधायक राममोहन रेड्डी, वकाती श्रीहरि, पर्णिका रेड्डी और अधिकारियों ने भाग लिया।

विधानसभा को बार-बार गुमराह कर रहे सीएम : हरीश

चर्चा को भटकाने के लिए उठाते हैं भ्रामक जानकारी

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस विधायक टी हरीश राव ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर तीखा हमला करते हुए उन पर झूठे बयानों से राज्य विधानसभा को बार-बार गुमराह करने का आरोप लगाया। विधानसभा में गरमागरम बहस के बीच उन्होंने कहा कि जब भी सत्ताधारी पार्टी बचाव की मुद्रा में होती है, तो मुख्यमंत्री चर्चा को भटकाने के लिए भ्रामक जानकारी के साथ मुद्दे उठाते हैं, जिससे सदन गुमराह हो जाता है। उन्होंने कहा कि हमने पहले ही स्थगन प्रस्ताव दायर कर दिया है। हम सदन को गुमराह करने के लिए मुख्यमंत्री के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव भी पेश करेंगे।

सोमवार को विधानसभा परिसर में एक अनौपचारिक बातचीत में हरीश राव ने तत्कालीन आंध्र प्रदेश में वाईएस राजशेखर रेड्डी सरकार के दौरान पोथिरेड्डीपाडु परियोजना के निर्माण के लिए बीआरएस को जिम्मेदार ठहराने के लिए मुख्यमंत्री का उपहास उड़ाया। उन्होंने याद दिलाया कि परियोजना के लिए सरकारी आदेश 19 दिसंबर, 2005 को जारी किया गया था, जो कि 5 जुलाई, 2005 को वाईएस राजशेखर रेड्डी मंत्रिमंडल से बीआरएस (तत्कालीन टीआरएस) नेताओं के इस्तीफा देने के छह महीने बाद था।

पूर्व मंत्री ने कृषि कनेक्शनों के लिए बिजली मीटर लगाने के बारे में रेवंत रेड्डी के बयान का भी खंडन किया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने उदय योजना के दस्तावेज को कृषि कनेक्शनों के लिए बिजली मीटर लगाने के केंद्र के आदेश के साथ गलत तरीके से जोड़ा और उदय योजना के स्मार्ट मीटर लगाने के खंड से कृषि मोटरों के अलावा वाक्यांश को भी जानबूझकर हटा दिया। इसके अलावा हरीश राव ने मुख्यमंत्री के इस दावे को खारिज कर दिया कि सेवानिवृत्त इंजीनियरों ने मेदिगड्डा परियोजना को अव्यवहारिक माना है। उन्होंने बताया कि सेवानिवृत्त इंजीनियरों की टीम ने केवल यह कहा था कि मेदिगड्डा से मिड मनैर तक सीधा संपर्क संभव नहीं है, जिसके लिए अन्नाराम और सुंडिला बैराज का निर्माण आवश्यक है।

भारतीय सेना में चयन न होने से दुखी युवक ने की आत्महत्या

मंचेरियल, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। लक्सेटीपेट में सोमवार को भारतीय सेना में नौकरी के लिए चयन न होने से अवसादग्रस्त 25 वर्षीय एक युवक ने आत्महत्या कर ली। लक्सेटीपेट के उपनिरीक्षक पी. सतीश ने बताया कि कस्बे के रामनगर निवासी गदावेनी तिरुपति ने रविवार रात अपने शयनकक्ष को अंदर से बंद कर पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। तिरुपति एक सेंटरिंग वर्कर थे। उनके भाई का चयन पहले ही भारतीय सेना में हो चुका था। अपने भाई से प्रेरणा लेते हुए, वह सैनिक बनना चाहते थे। उन्होंने दो बार शारीरिक दक्षता परीक्षा दी, लेकिन सफल नहीं हो सके। वह बहुत ही मूडी थे और उन्होंने अपनी जान ले ली, जबकि उनके माता-पिता ने उन्हें नौकरी के बारे में चिंता न करने की सलाह दी थी। तिरुपति के पिता कोमारैया ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मामला दर्ज किया गया।

खोए या चोरी हुए सिम कार्ड की तुरंत रिपोर्ट करना महत्वपूर्ण : शिखा गोयल

सिम धोखाधड़ी पर पुलिस और आईएसबी का अध्ययन

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो द्वारा इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी) इंस्टीट्यूट ऑफ डेटा साइंस और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर साइबर सिक्योरिटी के साथ संयुक्त सहयोग से किए गए "टेलीकॉम सिम सब्सक्रिप्शन धोखाधड़ी: वैश्विक नीति रुझान, जोखिम आकलन और सिफारिशें' शीर्षक से हाल ही में किए गए अध्ययन से पता चला है कि सिम कार्ड धोखाधड़ी दिन-प्रतिदिन के साइबर अपराधों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और मजबूत पहचान सत्यापन समाधानों की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। रिपोर्ट सिम कार्ड सब्सक्रिप्शन धोखाधड़ी को कम करने के लिए समाधान प्रस्तुत करती है, जो वैश्विक स्तर पर सभी दूरसंचार धोखाधड़ी का 357 से 407 है, जिसके परिणामस्वरूप दूरसंचार उद्योग को अनुमानित 3,600 बिलियन रुपये का वार्षिक नुकसान होता है। रिपोर्ट का सह-लेखन आईएसबी टीम द्वारा किया

गया है, जिसका नेतृत्व प्रोफेसर मनीष गंगवार, डॉ. श्रुति मंत्री, इंस्टीट्यूट ऑफ डेटा साइंस (आईआईडीएस) और तेलंगाना राज्य पुलिस के अधिकारी स्टीफन रवींद्र, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, संचालन (ग्रेहाउंड्स और ऑक्टोपस), तेलंगाना और कलमेश्वर शिंगनेवर, पुलिस आयुक्त, निजामाबाद जिला, तेलंगाना और सुश्री रिथिराज, आईपीएस, संयुक्त निदेशक, एसीबी, तेलंगाना कर रहे हैं। अध्ययन में सभी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं में संग्रहीत ग्राहक अधिग्रहण प्रपत्रों (सीएएफ) से ग्राहक डेटा का उपयोग किया गया। विभिन्न पुलिस स्टेशनों से 1,600 सीएएफ प्राप्त किए गए, अर्थात हैदराबाद और तेलंगाना में लोगों द्वारा बताए गए अपराधियों के फोन नंबर प्राप्त किए गए और इन पीडीएफ-प्रारूप सीएएफ से डेटा का वास्तविक समय विश्लेषण एआई मॉडल का उपयोग करके निकाला गया। वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को बेंचमार्क करने के लिए 160 देशों में सिम पंजीकरण नीतियों का व्यापक विश्लेषण किया गया, जिससे स्थानीय प्रोटोकॉल को बढ़ाने के लिए मूल्यवान अंतर्दृष्टि मिली। अध्ययन में पाया गया कि 64.57 भारतीय उपभोक्ता सिम पंजीकरण के लिए डिजिटल केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें) को प्राथमिकता देते हैं, जिसमें आधार पसंदीदा आईडी है। उल्लेखनीय रूप से, प्रदान किए गए 897 वैकल्पिक नंबर आधार से जुड़े नहीं हैं, जो सत्यापन प्रक्रियाओं में एक महत्वपूर्ण अंतर को दर्शाता है। अध्ययन ने ओटीपी-आधारित प्रमाणीकरण की कमजोरियों को भी उजागर किया और पॉइंट ऑफ़ सेल (पीओएस) एजेंटों द्वारा अनियमित प्रथाओं की पहचान की। अध्ययन ने वास्तविक समय ग्राहक प्रमाणीकरण और अप्रभावी ओटीपी आधारित प्रमाणीकरण में अंतराल भी दिखाया। यह देखा गया कि अक्सर प्रमाणीकरण के लिए उपयोग किए जाने वाले वैकल्पिक नंबर अन्य अपराधियों से जुड़े होते थे।

भद्राचलम में सरकारी डिग्री कॉलेज को मिला स्वायत्त दर्जा

कोत्तागुडेम, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के भद्राचलम स्थित सरकारी डिग्री कॉलेज (जीडीसी) के लिए एक मील का पत्थर साबित हुई है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने कॉलेज को स्वायत्त दर्जा प्रदान किया है तथा एनएएसी बी ग्रेड से मान्यता प्रदान की है। जीडीसी, भद्राचलम कोत्तागुडेम जिले का पहला कॉलेज है और पूर्ववर्ती खम्मम का दूसरा कॉलेज है जिसे स्वायत्त दर्जा मिला है क्योंकि एसआर और बीजीएनआर कॉलेज, खम्मम को कुछ समय पहले स्वायत्त दर्जा मिला था। यह राज्य के 20 सर्वश्रेष्ठ सरकारी कॉलेजों में से एक है। 1980 में स्थापित जीडीसी, भद्राचलम पिछले 44 वर्षों से एजेंसी गांवों में छात्रों को अंग्रेजी और तेलुगु माध्यमों में उच्च शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

कुलपतियों की नियुक्ति के लिए खोज पैनल की प्रक्रिया ठंडे बस्ते में

21 मई को अपने पद छोड़ चुके हैं 10 कुलपति

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दो महीने बीत चुके हैं लेकिन 10 राज्य विश्वविद्यालयों में कुलपति (वीसी) की नियुक्ति के लिए उम्मीदवारों के चयन के लिए गठित खोज समितियों ने अभी तक खोज शुरू नहीं की है। चूंकि पिछले कुलपतियों ने 21 मई को अपने पद छोड़ दिए थे, इसलिए सरकार ने मई के आखिरी सप्ताह में 10 विश्वविद्यालयों में से प्रत्येक के लिए खोज समिति गठित की। हालांकि, प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए इन समितियों की अभी तक कोई बैठक नहीं हुई है।

नियम पुस्तिका के अनुसार, कुलपति की चयन प्रक्रिया में विश्वविद्यालयवार तीन सदस्यीय खोज समिति का गठन करना शामिल है, जिसमें संबंधित विश्वविद्यालय, राज्य सरकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के एक-एक नामित सदस्य शामिल होते हैं। इसके बाद, खोज पैनल प्राप्त आवेदनों की जांच करते हैं और सरकार को तीन नामों की सिफारिश करते हैं, जो उन्हें राज्यपाल के पास भेजते हैं, जो विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति भी होते हैं। विश्वविद्यालयों में नियमित कुलपतियों की नियुक्ति में देरी होने के कारण राज्य सरकार ने मई में वरिष्ठ नौकरशाहों को प्रभारी कुलपति नियुक्त करने के आदेश जारी किए थे। हालांकि, सूत्रों के अनुसार यह कदम निरर्थक साबित हो रहा है क्योंकि प्रभारी के रूप में नियुक्त नौकरशाह अपने नियमित विभागों में व्यस्त हैं।

सरकार ने 27 जनवरी को 10 राज्य विश्वविद्यालयों के लिए आवेदन आमंत्रित करते हुए एक अधिसूचना जारी की थी। अधिसूचना के जवाब में, 312 उम्मीदवारों से कुल 1,382 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से कुछ ने कई विश्वविद्यालयों के लिए आवेदन किया था।

एफएसएसएआई अधिकारियों ने शिकायतों पर की छापेमारी

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के खाद्य सुरक्षा विभाग की टास्क फोर्स टीम ने राजेंद्रनगर स्थित मेहराब रेस्तरां और नारायणगुडा स्थित इंडिया दरबार रेस्तरां सहित दो अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी की और मामूली उल्लंघन का पता लगाया। टास्क फोर्स को एफएसएसएआई द्वारा शुरू की गई खाद्य सुरक्षा अनुपालन प्रणाली ऐप के माध्यम से ग्राहकों से शिकायतें प्राप्त हुईं। इसके बाद, खाद्य सुरक्षा शाखा की टास्क फोर्स टीम ने दोनों रेस्तरां में एफएसएस अधिनियम, 2006 और नियम एवं विनियम, 2011 के अनुसार मामूली उल्लंघन पाया। दोनों खाद्य प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किए जाएंगे तथा तदनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पत्नी की हत्या के बाद व्यक्ति ने की आत्महत्या

राजन्ना-सिरसिला, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिरसिला कस्बे में सोमवार को एक व्यक्ति ने पत्नी की हत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली। शांतिनगर निवासी दुसा राजेशम ने अपनी पत्नी लक्ष्मी के चेहरे पर हमला किया। गंभीर रूप से घायल होने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बाद में राजेशम ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बेटे वेणु की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना का सही कारण अभी पता नहीं चल पाया है।

दिल्ली से लौटते ही बदले-बदले नजर आए सीएम योगी!

> सदन से लेकर पार्टी मीटिंग तक की बॉडी लैंग्वेज क्या कहती है?

लखनऊ, 29 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी बीजेपी में पिछले कुछ दिनों से मचे हंगामे के बाद अब खामोशी है लेकिन सीएम के बदले रुख की चर्चा खूब हो रही है. सदन में आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पैर छूने की होड़ विधायकों में दिखाई दी. हमेशा ठीक 11 बजे नियत वक्त पर सदन पहुंचने वाले सीएम योगी आज 5 मिनट पहले ही सदन पहुंच गए. सीधे अपनी सीट पर बैठने के बजाए सीएम योगी विधायकों की ओर खुद पहुंचने लगे, चाहे वह उनकी पार्टी के विधायक-मंत्री हों या फिर विपक्ष के दूसरे बड़े नेता।

मुख्यमंत्री के पास पहुंचकर उनके पैर छूने की होड़ भी दिखाई दी. सत्तापक्ष के कई विधायक वेल में उतरकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पैर छूते दिखाई दिए. मुख्यमंत्री ने भी सबका अभिवादन किया और जो पैर छूना चाहते थे उन्हें पैर भी छूने दिए. कई विधायकों ने सीएम से कान में भी बात की और सीएम ने उसे भी सुना. अमूमन विपक्ष के प्रति अपनी कड़ी भाव-भंगिमा के लिए मशहूर आदित्यनाथ आज नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे, शिवपाल यादव, राम अचल राजभर, तूफानी सरोज सभी से आत्मीयता से मिलते नजर आए। पिछले 7 साल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ऐसी बॉडी लैंग्वेज सदन में नहीं दिखी. कार्य समिति से शुरू हुए घमासान के बाद दिल्ली में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बॉडी लैंग्वेज की खूब चर्चा रही लेकिन जब सीएम योगी लखनऊ लौटे तो कुछ बदले-बदले से दिख रहे हैं.

विधानसभा सत्र शुरू होने के पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकभवन में एनडीए विधायक दल की बैठक की जिसमें मुख्यमंत्री के साथ उनके दाएं बाएं दोनों डिप्टी सीएम बैठे नजर आए। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, सीएम से कुछ बातचीत करते भी दिखे और तीनों नेता एक साथ सहज होने की कोशिश करते भी दिखाई दिए. इस बैठक में आज मुख्यमंत्री के साथ मंच पर दोनों मुख्यमंत्री के अलावा सहयोगी दल के सभी बड़े नेता भी मौजूद रहे जिसमें मुख्यमंत्री के समानांतर दोनों डिप्टी सीएम, ओमप्रकाश राजभर, संजय निषाद, आशीष पटेल, प्रदेश अध्यक्ष संगठन महामंत्री भी बैठे दिखे।

डिप्टी सीएम बोले- सब ठीक है!

विधायक दल की मीटिंग के बाद तीनों अपनी-अपनी गाड़ी से विधानसभा के लिए निकले जहां सीएम योगी पहले पंहुचे. सदन शुरू होने के पहले मीडिया के साथ ब्रीफिंग में सीएम योगी की भाव भंगिमा ऐसी थी मानों वो प्रेस ब्रीफिंग में भी दोनों डिप्टी सीएम का इंतज़ार कर रहे हों. प्रेस से बात करते-करते दोनों डिप्टी सीएम मुख्यमंत्री के पास पहुंच गए और कैमरों के फ्रेम में आ गए. दोनों डिप्टी सीएम ने कहा कि सब ठीक है. केशव मौर्य और बृजेश पाठक से पार्टी में आंतरिक गुटबाजी को लेकर सवाल पूछा गया तो दोनों ने सिर्फ इतना कहा कि सब ठीक है।

बदले-बदले से योगी अब सबकी सुनेंगे?

दरअसल यह बदलाव दिल्ली से लौटने के बाद आया है. माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिल्ली में बीएल संतोष से जो मुलाकात हुई उसमें गवर्नेंस के तौर तरीकों में बदलाव को लेकर कुछ बातें कही गई हैं क्योंकि विधायकों से लेकर मंत्रियों तक की शिकायतें सिर्फ अधिकारियों की मनमानी और गवर्नेंस के तौर तरीकों पर हैं. ऐसे में उम्मीद यह की जा रही है कि बदले-बदले से योगी अब सबकी सुनेंगे और विधायकों, कार्यकर्ताओं की सभी बातें सुनी और मानी जाएंगी.

मुख्तार के भाई अफजाल अंसारी की सांसदी नहीं जाएगी

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजीपुर कोर्ट का फैसला पलटा, 4 साल की सजा रद्द की

प्रयागराज, 29 जुलाई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजीपुर से सपा सांसद अफजाल अंसारी की सजा रद्द कर दी है। भाजपा विधायक कृष्णानंद राय हत्याकांड के बाद दर्ज गैंगस्टर एक्ट में गाजीपुर एमपी/एमएलए कोर्ट ने अफजाल अंसारी को 4 साल की सजा सुनाई थी। इससे अफजाल की सांसदी चली गई थी। अफजाल ने सुप्रीम कोर्ट में निचली अदालत के फैसले को चैलेंज किया था। सुप्रीम कोर्ट ने सजा पर रोक लगाते हुए अंसारी को पहले हाईकोर्ट जाने की सलाह दी थी। अब हाईकोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को पलट दिया है। बीते गुरुवार को हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा था। अफजाल ने कोर्ट से सजा को रद्द करने की मांग की थी, जबकि कृष्णानंद के बेटे पीयूष राय और सरकार ने सजा बढ़ाने की अपील की थी। हाईकोर्ट के जस्टिस संजय कुमार सिंह की सिंगल बेंच ने यह फैसला सुनाया है। 2005 में तत्कालीन भाजपा विधायक कृष्णानंद राय की हत्या हुई थी। हत्या के दो साल बाद 2007 में अफजाल और उनके भाई मुख्तार अंसारी पर गैंगस्टर केस लगा था। केस में राय की हत्या के बाद हुई

आगजनी और कारोबारी नंद किशोर रुंगटा की अपहरण-हत्या को आधार बनाया गया था। कृष्णानंद राय की हत्या मामले में कोर्ट अंसारी भाइयों को बरी कर चुका है, लेकिन गैंगस्टर एक्ट का यह मामला इसी से जुड़ा हुआ था। गाजीपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने 29 अप्रैल, 2023 को अफजाल को गैंगस्टर एक्ट के मामले में दोषी करार दिया। 4 साल की जेल और एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया था। इस सजा के कारण वह लोकसभा से अयोग्य हो गए। उन्हें जेल भेज दिया गया। इस मामले में उनके छोटे भाई मुख्तार अंसारी को भी 10 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी।

हाईकोर्ट से मिली थी जमानत

अफजाल ने हाईकोर्ट में आपराधिक अपील दायर की थी। इसमें कहा था- जब हत्या के केस में मुझे बरी किया जा चुका है तो फिर गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे का कोई आधार नहीं बनता है। 24 जुलाई, 2023 को हाईकोर्ट ने अफजाल को जमानत दे दी, लेकिन मामले में उनकी सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था।

वैशाली में ट्रक-ऑटो की टक्कर में 4 की मौत : 3 लोगों की हालत गंभीर

हाजीपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। वैशाली में सोमवार को सड़क हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई। हादसे में 3 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। ट्रक और ऑटो की टक्कर से ये हादसा हुआ। हादसा इतना भयानक था कि 2 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दो ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घायलों का इलाज हाजीपुर सदर अस्पताल में चल रहा है। सभी हाजीपुर सदर थाना क्षेत्र के हरोली बूढ़ी माई स्थान से पूजा कर मुजफ्फरपुर लौट रहे थे।

हादसा वैशाली थाना क्षेत्र के भगवानपुर रत्ती गांव के कोल्ड स्टोरेज के पास हुआ। मरने वाले सभी मुजफ्फरपुर जिले के मोतीपुर के रहने वाले थे। फिलहाल सभी घायल की स्थिति गंभीर बताई गई है, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच रेफर कर दिया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर आसपास के लोग जुट गए।

नालंदा में एक स्कूल की 5 छात्राएं लापता

नालंदा, 29 जुलाई (एजेंसियां)। नालंदा में एक स्कूल की 5 छात्राएं लापता हो गईं हैं। शनिवार को तीन लापता हुईं थी, जबकि दो रविवार से गायब हैं। सभी 8वीं क्लास में पढ़ाई करती हैं। तीन छात्राओं ने अपने हाथ पर ब्लेड से अंग्रेजी के अल्फाबेट लिखे थे। स्कूल से छुट्टी के बाद तीन छात्राएं सीसीटीवी में मुख्य सड़क की ओर जाती हुईं दिख रहीं हैं। मामले में पुलिस ने एक किशोर को हिरासत में लिया है। इसने ही ई-रिक्शा से तीनों को स्कूल से 3 किमी दूर छोड़ा था। जहां एक लड़का तीनों का इंतजार कर रहा था। किशोर के अनुसार तीनों का बनारस जाने का प्लान था। वहीं, दो छात्राएं रविवार को लापता हुईं, दोनों घर से मंदिर जाने के लिए निकली थीं। लेकिन, घर वापस नहीं लौटी। दीपनगर थाना क्षेत्र के मंडाछ गांव निवासी लापता छात्रा के पिता ने गलत नीयत से अपहरण का मामला अज्ञात के खिलाफ दर्ज कराया है।

दिल्ली आईएएस कोचिंग हादसे के लिए जिम्मेदार कौन : अखिलेश

> सरकार बुलडोजर चलाएगी या नहीं > डिंपल बोलीं-सरकार की नीयत ठीक नहीं

नई दिल्ली/लखनऊ, 29 जुलाई (एजेंसियां)। संसद के मानसून सत्र का सोमवार (29 जुलाई) को छठा दिन है। लोकसभा में कार्यवाही के दौरान दिल्ली कोचिंग हादसे का मुद्दा उठाया गया। बीजेपी, कांग्रेस और सपा ने दिल्ली सरकार की लापरवाही पर सवाल उठाए। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने दिल्ली कोचिंग हादसे पर कहा- योजना बनाना और एनओसी देना अधिकारियों की जिम्मेदारी है। सवाल यह है कि कौन जिम्मेदार हैं और उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की जा रही है।

उन्होंने कहा- यह अवैध निर्माण का सिर्फ एक मामला नहीं है, हम यूपी में देख रहे हैं कि अवैध इमारतों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है, क्या यह सरकार यहां बुलडोजर चलाएगी या नहीं? दिल्ली कोचिंग हादसे में 3 छात्रों की मौत हुई है। इसमें एक छात्रा

श्रेया यादव यूपी के अंबेडकरनगर की रहने वाली है। सोमवार को संसद की कार्यवाही शुरू होने से पहले ही कांग्रेस ने 27 जुलाई को आईएएस कोचिंग सेंटर हादसे पर लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव रखा था। कांग्रेस सांसद ने स्टूडेंट्स की मौत की जवाबदेही की मांग की है।

सरकार की नीयत साफ नहीं- डिंपल

मैनपुरी से सपा सांसद डिंपल ने कहा-प्रधानमंत्री फसल बीमा के तहत कुल कितना मिला है। गांव की अर्थव्यवस्था को संभालना चाहिए। मनरेगा का बजट 20% बढ़ाया जाए। यहां यूनेस्को ने बेंचमार्क दिया है कि यूजीसी घटाई जा रही है। सरकार शिक्षा बजट घटा रही है। नीयत साफ नहीं है। मंशा ठीक नहीं है।

सरकार वादा पूरा करने में विफल रही

डिंपल ने कहा कि देश का युवा निराश है। निराशा संभव को भी असंभव बना देती है। सरकार वादा पूरा करने में विफल रही है। बेरोजगारी दर लगातार बढ़ रही है। युवाओं का मनोबल गिराने का काम किया।

सरकार ने स्वास्थ्य के लिए कुछ भी नहीं किया

अग्निवीर जैसी योजनाएं बनाई गईं। एससी और एसटी को लेकर दिक्कत हो रही है। मैं पूछना चाहती हूं कि महिलाओं को लेकर यह सरकार क्या कर रही है। स्वास्थ्य के लिए कुछ भी नहीं किया। लखनऊ में कैंसर इंस्टीट्यूट पर 1000 करोड़ रुपए लगे हैं। लेकिन उसको ठीक से नहीं चलाया जा रहा है। अगर सरकार ठीक से चला लेती है तो इलाज बहुत सस्ता हो जाएगा।

हाईकोर्ट की टिप्पणी : पत्नियों का इस्तेमाल रबर स्टांप की तरह कर रहे प्रधानपति

महिला सशक्तिकरण का उद्देश्य विफल

प्रयागराज, 29 जुलाई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने निर्वाचित महिला प्रधानों के कामकाज में उनके पतियों के हस्तक्षेप पर कड़ी टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि प्रधानपति महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य को विफल कर रहे हैं। वह अपनी प्रधान पत्नियों का इस्तेमाल रबर स्टॉम्प की तरह कर रहे हैं। जबकि, उन्हें प्रधान के कार्यों में हस्तक्षेप का कोई अधिकार नहीं है।

इस तल्ख टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की अदालत ने प्रयागराज शंकरगढ़ के पहाड़ी कला गांव के प्रधानपति पर प्रधान पत्नी के कामकाज में अनाधिकृत हस्तक्षेप करने और अधिकारियों द्वारा जांच में दखल देने पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। शंकरगढ़ क्षेत्र के पहाड़ी कला गांव काके निवासी अधिवक्ता प्रवीण कुमार सिंह ने गांव में प्रधान द्वारा मनरेगा के तहत कराए गए कार्यों की जिलाधिकारी से शिकायत करने के साथ ही हाईकोर्ट में याचिका भी दाखिल की थी। कोर्ट के निर्देश पर डीएम में शिकायत की जांच कराई। नोडल अधिकारी की जांच के दौरान प्रधान पति धर्मेंद्र सिंह और शिकायतकर्ता प्रवीण सिंह के बीच विवाद मारपीट हो गई। प्रवीण सिंह ने प्रधान पति धर्मेंद्र सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई, तो धर्मेंद्र सिंह ने भी प्रवीण सिंह के खिलाफ क्रास मुकदमा दर्ज करवा दिया।

पुलिस ने विवेचना के बाद दोनों मामलों में आरोप पत्र दाखिल कर दिया। सीजेएम कोर्ट ने आरोप पत्र पर संज्ञान लेते हुए दोनों पक्षों को समन जारी कर दिया। आरोप पत्र और सम्मन आदेश को प्रवीण सिंह ने हाइकोर्ट में चुनौती दी। कोर्ट ने याचिका स्वीकार करते हुए शिकायतकर्ता प्रवीण सिंह के खिलाफ दाखिल आरोप पत्र को रद्द कर दिया।

बिहार के चार जिलों को राज्य से अलग करने की मांग!

भाजपा विधायक बोले-वहां हिंदू अल्पसंख्यक हो गए

पटना, 29 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के चार जिलों किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया में बांग्लादेशी घुसपैठियों के पकड़े जाने की खबरें आती रही हैं, लेकिन अब सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के विधायक हरि भूषण ठाकुर बचौल ने सीधे कहा है कि इन चार जिलों में हिंदू अल्पसंख्यक हो गए हैं। इन जिलो से सटे पश्चिम बंगाल और झारखंड के कुछ जिलों को मिलाकर केंद्र शासित प्रदेश बनाना ही विकल्प है, ताकि देश से कट रहे इस हिस्से में घुसपैठ पर नियंत्रण किया जा सके।

सामाजिक असंतुलन पैदा कर दिया है

भाजपा के वरीय विधायक हरि भूषण ठाकुर ने कहा कि बिहार के अररिया, किशनगंज, कटिहार और पूर्णिया में बांग्लादेशी घुसपैठियों की अच्छी खासी संख्या है। झारखंड के दुमका, पाकुर, साहेबगंज और राजमहल में आदिवासियों की संख्या घट गई है। बांग्लदेशी घुसपैठियों ने धार्मिक और सामाजिक असंतुलन पैदा कर दिया है। इसलिए हमारी मांग है कि बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के कुछ जिले, जो बांग्लादेशी घुसपैठियों से प्रभावित है, वहां का सामाजिक तानाबाना बिगड़ रहा है, जनसंख्या का संतुलन प्रभावित हो रहा है। इसके लिए केंद्र सरकार निराकरण के तहत एक अलग केंद्रशासित प्रदेश बना दें। बिहार, झारखंड और बंगाल के घुसपैठियों के लिए एक अलग उपाय किया जाए।

कल भारत से अलग होने की मांग करेंगे

भाजपा विधायक बचौल ने कहा कि घुसपैठियों की समस्या काफी गंभीर विषय है। क्योंकि हमने देखा है जहां-जहां हिंदुओं की संख्या कम हुई है, वहां विभाजन की मांग उठने लगी और वह हिस्सा देश से भी कट गया। केंद्र सरकार इस मामले को गंभीरता से ले। इसलिए निशिकांत दूबे की मांग का हम समर्थन करते हैं। धार्मिक जनसंख्या में काफी परिवर्तन आया है। हिन्दू समाज कई जगहों पर बहुसंख्यक है, वहां अब अल्पसंख्यक बन गया है। बिहार, झारखंड और बंगाल के इन जिलों में बांग्लादेशी घुसपैठिया हिंदू महिलाओं से शादी कर रहे हैं। वह अवांछित गतिविधियों में भी शामिल हैं।

बेतिया में बोरे में बंधी मिली महिला की सिर कटी लाश

बेतिया, 29 जुलाई (एजेंसियां)। बेतिया में बोरे में बंधी एक महिला की सिर कटी लाश मिली, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई है। यह सूचना मिलते ही मौके पर सैकड़ों की संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। घटना रविवार की देर शाम की है। यह घटना जिले के मझौलिया थाना क्षेत्र के महोदीपुर पंचायत के मिरटोली गांव के पास बेलघाटी नहर की है। जानकारी के अनुसार, रविवार की देर शाम बेलघाटी नहर की तरफ कुछ लोग गए तो देखा कि एक बोरा तैरता हुआ जा रहा है। बोरे से बाहर मनुष्य के हाथ की तरह दिखाई दे रहा था। लोगों को शक हुआ कि इसमें किसी का शव है। उसके बाद इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने नहर में तैरते बोरे को ग्रामीणों की मदद से बाहर निकाला।

राम मंदिर का शिखर दिसंबर तक पूरा नहीं होगा

नृपेंद्र मिश्रा का दावा-3 महीने में स्पीड कम हुई; खराब मौसम बड़ा फैक्टर

अयोध्या, 29 जुलाई (एजेंसियां)। अयोध्या में राम मंदिर का शिखर दिसंबर, 2024 तक बनाने का दावा था। मगर खराब मौसम और स्किल्ड लेबर की कमी से काम की रफ्तार पर असर पड़ा है। भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा के मुताबिक, अगर कंस्ट्रक्शन की आज की स्पीड बनाए रखी जाए, तब भी मंदिर का काम पूरा होने में 2 महीने और लगेंगे। वह अयोध्या में राम मंदिर निर्माण को देखने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने मंदिर निर्माण को लेकर मीडिया से बात की।

लक्ष्य दिसंबर, 2024 का, मगर 2 महीने लेट हो गया

मंदिर निर्माण कब तक पूरा होगा? जब नृपेंद्र मिश्रा से सवाल पूछे गए, तब उन्होंने कहा - मंदिर निर्माण की समीक्षा चल रही है। हमारा लक्ष्य दिसंबर, 2024 का है। सबसे बड़ी चुनौती शिखर निर्माण कराने की है। शिखर तभी बन सकेगा, जब द्वितीय फ्लोर बन जाए। मैं समझता हूं कि आज की स्पीड से काम कराए जाएं, तब 2 महीने का विलंब होगा।

लार्सन एंड टूब्रो को कहा गया है कि सब कांन्ट्रेक्टर और लेबर बढ़ाए। सिर्फ 1 या 2 सब कांन्ट्रेक्टर पर निर्भर न रहे। कुछ और तकनीकी मुश्किलों पर भी निर्णय लिए गए हैं। निश्चित तौर पर पिछले 3 महीने में कंस्ट्रक्शन स्पीड कम हुई है। आपको भी पता है कि जिस तरह का मौसम था, गर्मी ज्यादा थी। लेबर यहां से चले गए। उनका दोबारा यहां लाने में लार्सन टूब्रो को परेशानी हो रही है। ऐसा नहीं है कि सफलता नहीं मिल रही है। हम यह नहीं कह सकते है कि दिसंबर तक शिखर बनना, असंभव नहीं है। मगर स्पीड के लिए गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जाएगा। अगर 200-250 मजदूर और नहीं जोड़े गए, तब काम पूरा होना मुश्किल होगा।

फसाड लाइट लगेंगी या नहीं, ये बैठक में तय होगा

क्या राम मंदिर पर फसाड लाइट लगेंगी? उन्होंने बताया - देश-विदेश की 5 कंपनियों के साथ फसाड लाइट के लिए मीटिंग की गई। फसाड लाइट किस प्रकार की होंगी? उन्हें परकोटे की छत पर लगाया जाना है। आज इस संदर्भ में चर्चा होगी। बता दें कि आज मंदिर निर्माण की समीक्षा का दूसरा दिन है। रविवार को उन्होंने फर्स्ट फ्लोर पर नृत्य मंडप व गूढ़ मंडप के वृत्ताकार परिधि में दो-ढाई फीट की दीवार बनी है, उनका कहना है कि यह दीवार पर्याप्त नहीं है। यहां से कोई बच्चा अगर ताक-झांक करता है, तो दुर्घटना का खतरा है। इस कारण मंडपों के खुले हिस्से को जाली से पूरी तरह से सुरक्षित किया जाएगा।

कानपुर प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष अवनीश दीक्षित अरेस्ट

1 हजार करोड़ की जमीन कब्जाने के केस में एक्शन, मेयर की पुलिस से नोकझोंक

कानपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। कानपुर प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष अवनीश दीक्षित को पुलिस ने रविवार देर रात गिरफ्तार किया। इसके बाद भारी संख्या में समर्थक कानपुर कोतवाली पहुंच गए। रातभर हंगामा चलता रहा। हालात इतने खराब हो गए कि 12 थानों की पुलिस और पीएसी बुलानी पड़ी। मेयर प्रमिला पांडेय भी कोतवाली पहुंचीं। पुलिस से उनकी नोकझोंक भी हुई।

अवनीश दीक्षित, आरोपी

पुलिस ने लॉ एंड ऑर्डर को देखते हुए रात के 2.30 बजे अवनीश का मेडिकल कराया। इसके बाद सोमवार सुबह 5 बजे ही जेल भेज दिया। एक हजार करोड़ रुपए की जमीन कब्जा करने के केस में पुलिस ने एक्शन लिया है। पुलिस ने अवनीश दीक्षित समेत 12 नामजद और 25 अज्ञात के खिलाफ डकैती समेत 10 गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की है।

मिशनरी की जमीन पर कब्जे का मामला

सिविल लाइंस में हडर्ड चौराहे के पास केस्को एमडी ऑफिस है। इसके सामने मिशनरी की 1000 करोड़ से ज्यादा कीमत की खाली जमीन है। यह जमीन कई साल पहले ईसाई संस्था को लीज पर दी गई थी। प्रशासन के मुताबिक लीज खत्म हो चुकी है और अब यह नजूल की जमीन है। पुलिस को दी तहरीर के अनुसार, शनिवार सुबह इस जमीन पर कब्जा करने के लिए अवनीश दीक्षित के साथ 33 लोग पहुंचे। उन्होंने केयर टेकर के साथ मारपीट की और उसे खींचकर बाहर निकाल दिया। इसके बाद अपना ताला डालकर कब्जा ले लिया। इस दौरान कोतवाली थाने की पुलिस भी वहां पहुंची लेकिन आरोपियों को रोक नहीं पाई।

लेखपाल और जमीन के केयर टेकर दोनों ने दर्ज कराई एफआईआर

मामला जिलाधिकारी तक पहुंचा तो उन्होंने एसडीएम को कार्रवाई का निर्देश दिया। अंत में लेखपाल ने मामले में जांच-पड़ताल करके कोतवाली थाने में अवनीश दीक्षित समेत 12 के खिलाफ नामजद और 25 अज्ञात लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई। इसके बाद जमीन के केयर टेकर सैमुएल गुरुदेव सिंह ने भी कोतवाली थाने में अवनीश दीक्षित समेत अन्य आरोपियों पर दूसरी एफआईआर दर्ज कराई। इसमें डकैती समेत 10 गंभीर धाराएं शामिल की गईं। आरोप है कि कब्जा करने पहुंचे लोगों ने तोड़फोड की। धमकी दी और वसूली की कोशिश की है। पुलिस ने अवनीश दीक्षित को रात 9.30 बजे परेड चौराहा स्थित क्रिस्टल पार्किंग से अरेस्ट किया। एडिशनल सीपी हरीश चंदर ने बताया- जमीन कब्जा मामले में 2 एफआईआर दर्ज होने के बाद मुख्य आरोपी अवनीश दीक्षित को अरेस्ट किया गया। पूरे मामले की जानकारी शासन को भेज दी गई है।

बिहार में पुल हादसे, एससी ने राज्य-केंद्र से जवाब मांगा

पटना, 29 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में लगातार पुल गिरने की घटनाओं को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर सोमवार (29 जुलाई) को सुनवाई की। कोर्ट ने इस मामले में बिहार और केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। याचिका सुप्रीम कोर्ट के वकील ब्रजेश सिंह ने दाखिल की है। इसमें बिहार में पुलों की सुरक्षा और मजबूती के बारे में चिंता जताते हुए मांग की गई कि एक हाई लेवल एक्सपर्ट पैनल बनाकर इन पुलों का स्ट्रक्चरल ऑडिट कराया जाए।

याचिकाकर्ता ने कहा कि बिहार बाढ़ प्रभावित राज्य है। यहां 68,800 वर्ग किलोमीटर यानी 73.6 फीसदी जमीन बाढ़ की चपेट में आता है। बिहार में पुल गिरने की ऐसी नियमित घटनाओं से लोगों का जीवन खतरे में है।

प्रयागराज में 10 हजार कैंडिडेट्स ने आयोग कार्यालय घेरा

> 97000 शिक्षक भर्ती का नोटिफिकेशन जारी करने की मांग > उपसचिव बोले- 15 दिन में फैसला लेंगे

प्रयागराज, 29 जुलाई (एजेंसियां)। डीएलएड के करीब 10 हजार कैंडिडेट्स ने सोमवार को प्रयागराज में शिक्षा सेवा चयन आयोग का घेराव किया। हाथों में तख्तियां लिए पहुंचे कैंडिडेट्स ने 97000 शिक्षक भर्ती का नोटिफिकेशन जारी करने की मांग की। सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। तख्तियों में लिखा- 97 हजार शिक्षक भर्ती जारी करो... वादा दिया वोट लिया, धोखा दिया... बेरोजगार बनाकर हमें छोड़ दिया। छात्रों के गुस्से को देखते हुए चयन आयोग के उप सचिव शिवजी मालवीय और नवल किशोर कैंडिडेट्स के बीच आए। उन्होंने आश्वासन दिया कि 15 दिन के अंदर भर्ती कैलेंडर जारी किए जाने का प्रयास होगा। संत कबीर नगर से आए प्रमोद कुमार मौर्या ने बताया- सरकार ने 69000 शिक्षक भर्ती में रामशरण मौर्य बनाम राज्य सरकार में हलफनामा लगाया था कि ये भर्ती पूरी करने के बाद भी 51,112 पद अभी भी खाली हैं। ये पद आगे भरेंगे। इसके बाद डेटा है कि हर साल 12 से 15 हजार शिक्षक रिटायर हो रहे हैं। 5-6 साल से प्राथमिक शिक्षक भर्ती नहीं आई। इसी को जोड़कर हम लोग कम से कम 97000 प्राथमिक शिक्षक

भर्ती की मांग कर रहे हैं। कैंडिडेट्स का कहना है कि पिछले 6 सालों में प्रदेश सरकार की ओर से शिक्षक भर्ती का नोटिफिकेशन नहीं जारी किया गया। करीब 10 लाख डीएलएड कैंडिडेट्स नौकरी के इंतजार में बैठे हैं। सरकार जल्द से जल्द 97000 शिक्षक भर्ती का नोटिफिकेशन निकाले। अभ्यर्थी अभिषेक शुक्ला ने कहा- सरकार के 2023 के आंकड़ों के मुताबिक, सरकारी स्कूलों में छात्रों की संख्या बढ़ गई है। केंद्र सरकार की रिपोर्ट के मुताबिक, यूपी में 1.40 लाख शिक्षक पद खाली हैं। इसके बावजूद प्रदेश सरकार की ओर से भर्ती नहीं निकाली जा रही है।

'तमिलनाडु में 24 घंटे में तीन अलग-अलग दलों के नेताओं की हत्या'

विपक्ष का आरोप-राज्य में अराजकता

चेन्नई, 29 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु में 24 घंटे से भी कम समय में तीन अलग-अलग राजनीतिक पार्टियों से जुड़े लोगों की हत्या कर दी गई है। इसे लेकर विपक्ष ने राज्य सरकार को घेरा है और आरोप लगाया है कि तमिलनाडु में अराजकता का माहौल है और सीएम एमके स्टालिन अक्षम हैं। एआईएडीएमके ने आरोप लगाया है कि सत्ताधारी डीएमके के लोग ही अराजकता फैला रहे हैं और सरकार के दबाव में पुलिस भी उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही है।

'राज्य में अराजकता का माहौल'

एआईएडीएमके के प्रवक्ता कोवई सत्यम ने एक बयान जारी कर कहा कि '24 घंटे से भी कम समय में तमिलनाडु में तीन राजनीतिक पार्टियों के नेताओं की हत्या कर दी गई है। जिन लोगों की हत्याएं हुईं, उनमें से एक एआईएडीएमके के नेता, दूसरे भाजपा के नेता और तीसरे कांग्रेस के नेता थे। इससे साफ पता चलता है कि तमिलनाडु में अराजकता का माहौल है और सीएम एमके स्टालिन पूरी तरह से अक्षम साबित हो रहे हैं। राज्य में अराजकता फैलाने और कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ाने वाले लोग भी डीएमके के हैं। पुलिस भी सत्ताधारी पार्टी से जुड़े लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। भाजपा ने इंडी गठबंधन को निशाने पर लिया

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि 'तमिलनाडु में कानून व्यवस्था की स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। जुलाई की शुरुआत में दलित नेता बसपा के आर्मस्ट्रांग की निर्मम हत्या के बाद... पिछले तीन दिनों में हमने लगातार राजनीतिक हत्याएं देखी हैं - एक बीजेपी नेता की, एक एआईडीएमके नेता की और एक कांग्रेस नेता की। इससे पता चलता है कि कानून व्यवस्था एमके स्टालिन के नियंत्रण से बाहर है, लेकिन, राहुल गांधी या कांग्रेस पार्टी के नहीं कर रही है क्योंकि पार्टी हाईकमान ने पुलिस को निर्देश दिए हैं कि सत्ताधारी दल से जुड़े लोगों के खिलाफ कार्रवाई न की जाए।'

पास इस पर कोई स्टैंड लेने का समय नहीं है। इस पर इंडी गठबंधन का कोई रुख नहीं है। यह उनके दोहरे एजेंडे, उनके दोहरे चेहरे और उनके लिए असुविधाजनक मुद्दे पर बोलने की उनकी कायरता को दर्शाता है।' भाजपा नेता डॉ तमिलिसाई सुंदरराजन ने कहा, 'तमिलनाडु में कानून और व्यवस्था खराब है। हर दिन हम राजनीतिक हत्याओं की खबरें देख सकते हैं। आज सुबह, हमने शिवगंगा में एआईएडीएमके के एक पदाधिकारी और एक भाजपा कार्यकर्ता की हत्या की खबर देखी। उन्हें (राज्य सरकार को) कानून और व्यवस्था पर ध्यान केंद्रित करना होगा। केवल अधिकारियों और कलेक्टरों को बदलना समाधान नहीं है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को नीति आयोग की बैठक में शामिल होना चाहिए था। जब वे ऐसी बैठक का बहिष्कार करते हैं तो वे तमिलनाडु के विकास का बहिष्कार करते हैं।'

डीएमके सरकार के समर्थन में उतरी कांग्रेस तमिलनाडु में तीन स्थानीय नेताओं की हत्या पर कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने कहा, 'तमिलनाडु में यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। हम सभी जानते हैं कि राजनीतिक नेता अलग-अलग पार्टियों से थे। हर मामले में बहुत अंतर है। यह राजनीतिक हत्या नहीं है, यह वित्तीय मुद्दों और अन्य मुद्दों और किसी और के साथ व्यक्तिगत दुश्मनी की घटनाएं है। इसलिए, हम सभी हत्याओं को एक रंग में नहीं रंग सकते। प्रत्येक मामले का एक अलग कोण है और तमिलनाडु पुलिस को उन मुद्दों को सुलझाना चाहिए। उम्मीद है कि स्थिति में सुधार होगा क्योंकि पिछले 2-3 महीनों में राजनीतिक लोगों की लगभग 6 हत्याएं हुई हैं। हमें उम्मीद है कि तमिलनाडु पुलिस असली अपराधियों को खोजने के लिए सही कदम उठाएगी।' कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने कहा कि 'तमिलनाडु में कोई भी हत्या राजनीतिक वजह से नहीं हुई है। ये सब निजी झगड़ों में हुई हत्याएं हैं।

नीति आयोग की बैठक में बंगाल सीएम के कथित अपमान का मामला विधानसभा में गूंजा

मंत्री ने दिया विशेष नोटिस

कोलकाता, 29 जुलाई (एजेंसियां)। नीति आयोग की बैठक में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का कथित माइक बंद करने का मामला अभी थमा नहीं है। राज्य मंत्री मानस रंजन भुनिया ने इस मामले में सोमवार को विधानसभा में एक विशेष नोटिस पेश किया है। उनका कहना है कि जब सीएम बनर्जी राज्य की ओर से बोल रही थीं, तब उनका माइक बंद कर दिया गया, यह एक गंभीर चिंता का विषय है।

यह है मामला

गौरतलब है, नीति आयोग की 27 जुलाई को दिल्ली में बैठक हुई थी। इस बैठक का विपक्षी गठबंधन से जुड़े सभी मुख्यमंत्रियों ने बहिष्कार किया था। मगर, बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसमें भाग लिया था। हालांकि, बाद में वह बैठक को बीच में ही छोड़कर बाहर आ गई थीं और आरोप लगाया था कि उन्हें बोलने के लिए बहुत कम समय दिया गया। इसके अलावा, जब वह बोल रही थीं तो उनका माइक बंद कर दिया गया। विशेष नोटिस जारी करते हुए भुनिया ने कहा कि यह सहकारी संघवाद की भावना के खिलाफ है, जो अब माइक बंद करने लग गई है। उन्होंने कहा कि सदन ने नीति आयोग की बैठक के दौरान मुख्यमंत्री के साथ हुए व्यवहार पर नाराजगी व्यक्त की। वहीं, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के विधायकों ने 27 जुलाई को नीति आयोग की बैठक में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कथित अपमान की निंदा की।

भाजपा ने किया विधानसभा से वॉकआउट

इस बीच, भाजपा विधायक शंकर घोष ने नोटिस का विरोध किया। उन्होंने कहा कि बैठक से बाहर आने के बाद बनर्जी ने संवाददाताओं से जो कुछ भी कहा था, उस पर विधानसभा में आधिकारिक रूप से चर्चा नहीं की जा सकती है। बनर्जी ने जो कुछ भी कहा वह आधिकारिक नहीं था क्योंकि उन्होंने नीति आयोग की आधिकारिक बैठक के बाहर यह बात कही। बाद में भाजपा विधायकों ने विधानसभा से वॉकआउट किया। इससे पहले, विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने विशेष नोटिस पर चर्चा के लिए विधानसभा के प्रश्नकाल सत्र को निलंबित कर दिया था।

सावन के दूसरे सोमवार बैद्यनाथ धाम में 8 किमी लंबी लाइन

> *उज्जैन में महाकाल की सवारी में पहली बार पुलिस बैंड*
> *काशी में भक्तों के लिए बिछाया रेड कार्पेट*

उज्जैन, 29 जुलाई (एजेंसियां)। आज सावन के दूसरे सोमवार पर मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, झारखंड के ज्योतिर्लिंगों में और छत्तीसगढ़ के शिव मंदिरों में लाखों भक्तों शिव जी के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। आज शाम उज्जैन में महाकाल की दूसरी सवारी निकलेगी। इस साल सवारी में पहली बार पुलिस बैंड भी शामिल होगा। काशी विश्वनाथ मंदिर में भक्तों के लिए रेड कारपेट बिछाया गया है।

बाबा बैद्यनाथ धाम में भक्तों की 8 किमी लंबी लाइन लगी हुई है। रायपुर के हाटकेश्वरनाथ में आज से वायुमंत्रा ऐप के जरिए ऑडियो के रूप में भक्तों की भावनाएं पहुंचने लगी हैं। भक्त कहीं से भी भगवान का जयकारा, मंत्र या अपनी प्रार्थना मैसेज से भेज रहे हैं। झुंझुनूं के लोहार्गल धाम में सूर्यकुंड है। हर सोमवार को बड़ी संख्या में जल भरने यहां कांवड़िए आते हैं। यहां पुलिस ने कांवडियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा।

उज्जैन में 2 लाख भक्तों ने किए महाकाल के दर्शन

सावन के पहले सोमवार को उज्जैन में करीब 5 लाख भक्तों ने महाकाल के दर्शन किए थे। आज भी ऐसी ही संभावना है। दोपहर 1 बजे तक करीब 2 लाख भक्त दर्शन कर चुके हैं। रात 10.30 बजे तक मंदिर भक्तों के लिए खुला रहेगा।शाम 4 बजे सावन की दूसरी सवारी निकाली जाएगी। पहली बार भोपाल पीएचक्यू से 350 जवानों का विशेष पुलिस बैंड शामिल होगा।

17 करोड़ मुसलमानों में क्या गरीब लोग नहीं, बजट में कटौती क्यों : ओवैसी

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा में एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने सोमवार को केंद्र की मोदी सरकार को निशाने पर लिया। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट के दौरान चार वर्गों का जिक्र किया था। मैं सरकार से जानना चाहता हूं क्या 17 करोड़ मुसलमानों में गरीब लोग नहीं हैं?

उन्होंने कहा कि बजट में मुसलमानों के लिए कमी कर दी गई। डाटा के अनुसार देश के मुसलमान सबसे ज्यादा गरीब हैं। शिक्षण संस्थानों में भी मुसलमानों की संख्या कम है। उन्होंने कहा कि मुसलमानों को न रोजगार मिल रहा है, न शिक्षा। इस देश में मुसलमानों को अछूत बना दिया गया है। देश की राजनीति में भी मुसलमानों की हिस्सेदारी कम कर दी गई है। माइनॉरिटी वेलफेयर मिनिस्ट्री के 2023-24 के बजट में 38 फीसदी कमी की गई।

बेल के लिए जजों को कॉमन सेंस का यूज करना चाहिए : चीफ जस्टिस

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ का कहना है कि महत्वपूर्ण आपराधिक मामलों में, संदेह की गुंजाइश रहने की स्थिति में निचली अदालत के जज जमानत देकर कोई जोखिम नहीं उठाना चाहते हैं। सीजेआई ने जमानत के प्रत्येक मामले की बारीकियों पर गौर करने के लिए सामान्य समझ और विवेक का इस्तेमाल करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को निचली अदालतों से जमानत मिलनी चाहिए, उन्हें वहां जमानत नहीं मिल रही है। इसके परिणामस्वरूप उन्हें हमेशा हाई कोर्ट का रुख करना पड़ता है।

अधिकतर मामले एससी आने ही नहीं चाहिए

चीफ जस्टिस 'तुलनात्मक समानता और भेदभाव-रोधी बर्कले केंद्र के 11वें वार्षिक सम्मेलन' में हिस्सा लेने पहुंचे थे। इस दौरान अपनी स्पीच के दौरान सवालों के जवाब दे रहे थे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यवश, आज समस्या यह है कि हम निचली अदालतों के जजों द्वारा दी गई किसी भी राहत को संदेह की दृष्टि से देखते हैं। इसका मतलब यह है कि निचली अदालत के जज महत्वपूर्ण मामलों में जमानत देकर कोई जोखिम नहीं उठाना चाहते हैं। चीफ जस्टिस ने कहा कि जजों को प्रत्येक मामले की बारीकियों और सूक्ष्मताओं को देखना होगा। उन्होंने कहा कि ज्यादातर मामले सुप्रीम कोर्ट में आने ही नहीं चाहिए। जिन लोगों को हाई कोर्ट से जमानत मिलनी चाहिए, जरूरी नहीं कि उन्हें जमानत मिल जाए। इस कारण उन्हें सुप्रीम कोर्ट का रुख करना पड़ता है। यह देरी उन लोगों की समस्या को और बढ़ा देती है जो मनमाने तरीके से गिरफ्तारियों का सामना कर रहे हैं। चीफ जस्टिस ने कहा कि हम जमानत को प्राथमिकता इसलिए दे रहे हैं ताकि पूरे देश में यह संदेश जाए कि निर्णय लेने की प्रक्रिया के सबसे प्रारंभिक स्तर पर मौजूद लोगों (न्यायिक अधिकारियों) को यह विचार किए बिना अपना कर्तव्य निभाना चाहिए कि उन्हें कोई जोखिम नहीं है।

मौलिक स्वतंत्रता और समानता पर चिंता

सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ ने मौलिक स्वतंत्रता और समानता के क्रमिक क्षरण पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इन मूल्यों को नाटकीय रूप से नहीं बल्कि छोटे-छोटे और निरंतर उपायों द्वारा कम किया जा रहा है।

दिल्ली हाईकोर्ट बोला-बाबा रामदेव कोरोनिल की टिप्पणी वापस लें

योग गुरु ने इसे कोविड की दवा बताया था; डॉक्टर्स एसोसिएशन की याचिका पर फैसला

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार (29 जुलाई) को पतंजलि और बाबा रामदेव के खिलाफ डॉक्टरों की कई एसोसिएशन की तरफ से दाखिल याचिका पर फैसला सुनाया। जस्टिस अनूप भंभानी की बेंच ने बाबा रामदेव को आदेश दिया है कि रामदेव 3 दिन के अंदर टिप्पणी वापस लें, जिसमें उन्होंने कहा है कि पतंजलि आयुर्वेद की कोरोनिल सिर्फ इम्युनिटी बूस्टर नहीं, बल्कि कोविड-19 ठीक करने की दवा है।

जस्टिस भंभानी ने कहा, "मैंने पतंजलि, बाबा रामदेव और उनके प्रमोटरों को 3 दिनों में कुछ ट्वीट हटाने का निर्देश दिया है। यदि वे ऐसा करने में विफल रहते हैं, तो सोशल मीडिया मीडिएटर इन ट्वीट को हटा देंगे। दरअसल, कोरोना महामारी के दौरान बाबा रामदेव ने कहा था कि पतंजलि आयुर्वेद की कोरोनिल सिर्फ इम्युनिटी बूस्टर नहीं बल्कि कोविड-19 ठीक करने की दवा है। इसे लेकर डॉक्टरों की एसोसिएशन ने 2021 में बाबा रामदेव, उनके सहयोगी आचार्य बालकृष्ण और पतंजलि आयुर्वेद के खिलाफ यह याचिका दाखिल की थी। डॉक्टरों ने पतंजलि के दावे के संबंध में अलग-अलग मीडिया प्लेटफॉर्म्स से कोरोनिल से जुड़े बयानों को हटाने की अंतरिम राहत की मांग की थी। हाईकोर्ट ने 21 मई को फैसला सुरक्षित रख लिया था। डॉक्टरों की तरफ से दाखिल याचिका में कहा गया था कि रामदेव ने कोरोनिल को कोविड की दवा बताते हुए कई भ्रामक दावे किए थे। जबकि, उन्हें कोरोनिल के लिए सिर्फ इम्यूनो-बूस्टर होने का लाइसेंस मिला था। डॉक्टरों के वकील ने यह मांग भी की थी कि पतंजलि आयुर्वेद और बाबा रामदेव को भविष्य में ऐसे बयान देने से रोकने के लिए निर्देश दिए जाएं। रामदेव के वकील ने कहा था कि भ्रामक विज्ञापनों को लेकर पंतजलि ने सुप्रीम कोर्ट में जो बयान दर्ज कराए हैं, वे उन पर कायम हैं और हाईकोर्ट में उन बयानों को दोहरा सकते हैं। इस पर डॉक्टरों के वकील ने कहा था कि पतंजलि ने सुप्रीम कोर्ट में यह वादा किया था कि वे बिना सोचे समझे ऐसे बयान नहीं देगा, जो कानून के मुताबिक न हों। कोरोनिल का मामला उस मामले से अलग है, लिहाजा इस मामले में हाईकोर्ट को फैसला सुनाना चाहिए।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने 4.5 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया

दूसरी तरफ, बॉम्बे हाईकोर्ट ने आज पतंजलि आयुर्वेद पर कपूर उत्पाद बेचने पर रोक लगाने वाले अंतरिम आदेश का उल्लंघन करने पर 4.5 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया। 30 अगस्त 2023 को हाईकोर्ट ने पतंजलि को कपूर उत्पाद बेचने से रोका था। एक हलफनामे में पतंजलि ने बिना शर्त माफी मांगी और अदालत के आदेशों का पालन करने की बात कही थी। अंतरिम आवेदन के जरिए कोर्ट को बताया गया था कि पतंजलि कोर्ट के आदेश का पालन नहीं कर रहा है।

राहुल गांधी ने हलवा सेरेमनी पर ऐसा क्या बोला कि निर्मला सीतारमण ने माथे पर रख लिए हाथ

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। संसद के मानसून सत्र का आज नौवां दिन है। संसद की दोनों सदनों में आज दिल्ली कोचिंग हादसे का मुद्दा उठा। संसद के दोनों सदनों में इस मुद्दे पर चर्चा हुई। वहीं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय बजट 2024 को लेकर सरकार पर निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने चक्रव्यूह का उदाहरण दिया। साथ ही बजट के हलवा सेरेमनी पर कुछ ऐसा कह दिया, जिसे सुनकर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने दोनों हाथ माथे पर रख लिए।

उन्होंने कहा कि महाभारत में अभिमन्यु को चक्रव्यूह में फंसाकर मारा गया। चक्रव्यूह कमल के आकार जैसा था। आज भी वैसा ही चक्रव्यूह रचा जा रहा है और प्रधानमंत्री कमल का निशान अपने सीने पर लगाकर चलते हैं। चक्रव्यूह में देश को फंसाया गया।

हलवा सेरेमनी की दिखाई तस्वीर

इसी दौरान, राहुल गांधी ने हलवा सेरेमनी की एक तस्वीर सदन में दिखाने की कोशिश की, लेकिन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मना कर दिया। इस पर नेता प्रतिपक्ष ने कहा, 'मैं तस्वीर दिखाकर समझाना चाहता हूं कि बजट का जो हलवा बंट रहा है और इस तस्वीर में एक ओबीसी अधिकारी नहीं दिख रहा है। यहां तक कि एक आदिवासी अधिकारी और एक दलित अधिकारी तक नहीं दिख रहा। यह हो क्या रहा है। देश का हलवा बंट रहा है और इसमें इसमें केवल वही लोग नहीं हैं।'

मुख्यमंत्री माझी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस पेश

बीजेडी और कांग्रेस ने लगाए ये आरोप

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा के सीएम मोहन चरण माझी के अग्निवीरों के लिए किए गए आरक्षण के एलान पर नाराजगी जताते हुए विपक्ष ने कहा है कि जब सदन चल रहा है तो मुख्यमंत्री ने सदन के बाहर क्यों एलान किया। कांग्रेस सदस्य तारा प्रसाद बाहिनिपति ने मुख्यमंत्री पर विधानसभा का अनादर करने और 26 जुलाई को सदन के बाहर नीतिगत फैसले की घोषणा करने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस पेश किया। कांग्रेस सदस्य ताराप्रसाद बनिनीपति ने कहा कि सदन के सत्र के दौरान सरकार को कोई नीतिगत निर्णय की घोषणा सदन के बाहर नहीं करनी चाहिए। कांग्रेस और बीजद सदस्यों ने स्पीकर सुरमा पाढ़ी से विशेषाधिकार नोटिस स्वीकार करने और इसे विशेषाधिकार समिति को भेजने का अनुरोध किया। हालांकि, स्पीकर ने कहा कि वह नोटिस की जांच करेंगी।

विपक्ष के हंगामे के कारण कई बार स्थगित हुआ सदन

वहीं स्पीकर के फैसले से नाराज दोनों विपक्षी दलों ने सदन के वेल में हंगामा किया, जिसके बाद सदन की कार्यवाही पहले 20 मिनट के लिए, फिर दोपहर 12.20 बजे तक और बाद में दोपहर 12.24 बजे से शाम 4 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। बता दें कि शून्यकाल शुरू होते ही अध्यक्ष ने संसदीय कार्य मंत्री मुकेश महालिंग से बयान देने को कहा, जिसमें उन्होंने 26 जुलाई को मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणा को पढ़ा। उन्होंने सदन को बताया कि सरकार ने राज्य की वर्दी सेवा में अग्निवीरों के लिए 10 प्रतिशत सीटें आरक्षित की हैं और आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट दी है।

एलएसी पर प्रोजेक्ट -3, चीन को उसी की भाषा में जवाब देने की भारत की बड़ी तैयारी

हाइलाइट्स

> एलएसी के पास इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने में जुटा बीआरओ
> आईसीबीआर प्रोजेक्ट के तहत फेज-3 का काम हुआ शुरू
> ऑलवेदर रोड से सुरक्षा बलों की आवाजाही में होगी आसानी

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। चीन के साथ सीमा विवाद के बीच भारत का जोर सीमावर्ती इलाकों में इंफ्रास्टक्रचर को मजबूत करने पर है। भारत वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत कर चीन को करारा जवाब देने में जुटा हुआ है। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) और राष्ट्रीय परियोजना निर्माण निगम के साथ मिलकर रणनीतिक भारत-चीन सीमा सड़क (आईसीबीआर) परियोजना के तीसरे चरण की शुरुआत की है। इससे पूर्वी लद्दाख में सड़क नेटवर्क को बढ़ावा जिससे सुरक्षा बलों की आवाजाही में आसानी होगी।

> शिंकुन ला सुरंग का काम शुरू

प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में मनाली से लेह तक कनेक्टिविटी सुधारने के लिए शिंकुन ला सुरंग की शुरुआत की। चीन से लगी सीमा पर सड़क निर्माण और गांव के विकास के लिए अधिक धनराशि दी गई है। आईसीबीआर के दूसरे चरण के तहत कुछ प्रमुख सड़कों पर काम अभी भी जारी है, लेकिन अधिकांश

चरण पूरे हो चुके हैं। साथ ही ऑल वेदर में आवाजाही जारी रहने वाली सड़कें वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा बलों की तेज आवाजाही में मदद कर रही हैं। पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिंकुन ला सुरंग के लिए पहला विस्फोट किया था। यह मनाली से लेह तक हर मौसम में आवाजाही सुनिश्चित करेगी। 4.1 किलोमीटर लंबी सुरंग से सशस्त्र बलों और उपकरणों की आवाजाही बढ़ने की उम्मीद है।

> आईसीबीआर प्रोजेक्ट का फेज-3 शुरू

भारत और चीन लद्दाख, अरुणाचल, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और सिक्किम में 3,488 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं। पूर्वी लद्दाख के गलवान में चीनी सेना के साथ 2020 के गतिरोध के बाद, केंद्र सरकार ने सड़क निर्माण की स्पीड बढ़ा दी है। आईसीबीआर के तीसरे चरण के तहत नई सड़कों की पहचान की है। अधिकारियों के अनुसार, पहले दो चरणों की योजना 2000 के दशक की शुरुआत में बनाई गई थी।

> फेज-3 में बनेंगी 5 सड़कें

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, भारत ने 2017-20 से प्रति वर्ष 470 किलोमीटर सड़कों की गति से 'फॉर्मेशन कटिंग' की है। इसमें नए अलाइनमेंट और खुदाई के काम शामिल हैं। यह 2017 तक के दशक में बनाए जा रहे 230 किलोमीटर प्रति वर्ष की तुलना में दोगुना से भी अधिक है। आईसीबीआर चरण I और II के तहत, 73 सड़कों की पहचान रणनीतिक के रूप में की गई थी। उनमें से 61 को बीआरओ को सौंपा गया था। मामले के जानकार अधिकारी ने कहा कि पूर्वी लद्दाख में, फेज 3 के तहत पांच नई सड़कों की पहचान की गई है। इनका निर्माण बीआरओ और सीपीडब्ल्यूडी द्वारा किया जाना है।

> बीआरओ को 6500 करोड़ रुपये

कई मामलों में सिंगल या डबल लेन वाली सड़कों को चार लेन में अपग्रेड किया गया है। हाल ही में, केंद्रीय बजट में 2024-25 के लिए बीआरओ को 6,500 करोड़ आवंटित किए गए। यह 2023-24 के आवंटन से 30% अधिक है। केंद्रीय गृह मंत्रालय को चीन की सीमा पर सीमावर्ती गांवों के विकास के लिए वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के लिए 1,050 करोड़ अलॉट किए हैं। 2023 में, केंद्र सरकार ने इस कार्यक्रम के तहत 2022-23 से 2025-26 तक के लिए 4,800 करोड़ आवंटित किए थे, जिसमें सड़क संपर्क के लिए विशेष रूप से 2,500 करोड़ शामिल थे।

> डोकलाम गतिरोध के बाद तेजी

केंद्र प्रायोजित कार्यक्रम के तहत, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और लद्दाख में उत्तरी सीमा से सटे 19 जिलों के 46 ब्लॉकों में 2,967 गांवों को व्यापक विकास के लिए पहचाना गया है। पहले चरण में, 662 गांवों को प्राथमिकता कवरेज के लिए पहचाना गया है। इसमें अरुणाचल प्रदेश में 455 और लद्दाख में 35 गांव शामिल हैं। भारत और चीन के बीच 2017 के डोकलाम गतिरोध के बाद, सीमा पर बुनियादी ढांचे के निर्माण की धीमी गति को एक संसदीय पैनल ने हरी झंडी दिखाई थी।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 30 जुलाई- 2024

मनु ने जोश बढ़ा दिया

रविवार का दिन जब पूरा देश इस आस में बैठा था कि पेरिस ओलिंपिक में अपने ऐथलीट टोक्यो में जीते सबसे ज्यादा 7 पदकों का रेकॉर्ड तोड़ पाते हैं कि नहीं तभी मनु भाकर की जीत ने स्वाभाविक ही सबका जोश कई गुना हाई कर दिया है। उनका यह ब्रॉन्ज मेडल सिर्फ इसलिए महत्वपूर्ण नहीं है कि यह पेरिस ओलिंपिक में किसी भारतीय ऐथलीट का पहला मेडल है। इस उपलब्धि की ऐतिहासिक चमक के पीछे कई और बातें हैं, जिसका जितना जिक्र किया जाए, कम है। सबसे पहली बात तो यह कि मनु ने ब्रॉन्ज मेडल पर कामयाब निशाना लगाकर एक साथ कई कीर्तमान स्थापित कर दिए हैं। वह ओलिंपिक मेडल जीतने वाली देश की पहली महिला शूटर बन गई हैं। इससे पहले इस ऑल बॉयज क्लब में राज्यवर्धन सिंह राठौर, अभिनव बिंद्रा, गगन नारंग और विजय कुमार ही थे। यही नहीं, मनु पिछले 20 साल में किसी इंडिविजुअल इवेंट में ओलिंपिक के फाइनल में पहुंचने वाली पहली महिला भी बनीं। 10 मीटर एयर पिस्टल मुकाबले में तो आज तक कोई महिला शूटर ओलिंपिक फाइनल तक भी नहीं पहुंची थी। देखा जाए तो मनु जिस मंजिल पर पहुंची हैं, उसके लिए उन्होंने कई उतार-चढ़ाव भी झेले होंगे। आसानी से तो कोई मंजिल नहीं मिलती। मात्र 19 साल की उम्र में टोक्यो ओलिंपिक तक पहुंचकर वहां अचानक पिस्टल खराब होने की वजह से चूक जाना किसी भी टीनेजर के लिए बहुत बड़ा झटका रहा होगा। इसे समझने में किसी को कोई परेशानी नहीं होना चाहिए। मनु न केवल उस झटके से उबरीं बल्कि अगले ही ओलिंपिक में जीत दर्ज कराकर अपनी फाइटिंग स्पिरिट का सिक्का जमा कर दुनिया को दांतों तले अंगुलियां दबाने को मजबूर कर दिया। सबसे खास बात यह है कि मनु महज एक ऐथलीट नहीं हैं। वह युवा ऐथलीटों की उस पूरी कौम की नुमाइंदगी करती हैं जो देश का गौरव बढ़ाने के अभियान में लगे हैं। चाहे नीरज चोपड़ा हों या पीवी सिंधु या विनेश फोगाट और मीराबाई चानू- ये उन दर्जनों नामों में शुमार हैं जो अपना खून-पसीना जलाते हुए देश का मान बढ़ाने में लगे हैं। इनमें से कई नाम अगले कुछ दिनों में देश को सुनहरी आभा प्रदान कर लें तो आश्चर्य नहीं। इसी बिंदु पर उन प्रयासों को दर्ज करना भी महत्वपूर्ण हो जाता है जिनकी बदौलत ये खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन कर पा रहे हैं। सरकार की ओर से मुहैया कराई जाने वाली सुविधाएं तो इसकी हकदार हैं ही, भारतीय कॉरपोरेट जगत की ओर से स्पॉन्सर की जाने वाली सहूलियतों का भी कम योगदान नहीं है। जिसकी वजह से इन खिलाडियों का ग्राफ दिन-प्रतिदिन ऊंचा होता जा रहा है। जाहिर है इससे ही देश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ी ऊंचे मनोबल के साथ पदक तक पहुंचने वाली छलांग लगा पाते हैं। गौर करने की बात है कि पिछले आयोजनों के मुकाबले पेरिस ओलिंपिक में इंडिया इंक ने अपना निवेश 30-40 फीसदी बढ़ाया है। मनु की ताजा उपलब्धि की खासियत यही है कि इसमें पूरे देश की भावना, उत्साह और प्रोत्साहन की झलक दिख रही है। उसकी सफलता से पूरा देश भी गौरवान्वित है। शाबाश मनु भाकर।

अगले विश्व युद्ध की विभीषिका कल्पना से परे

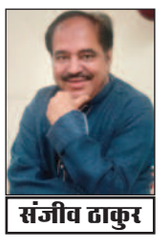

संजीव ठाकुर

अमेरिका के आम चुनाव में रिपब्लिकन तथा डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप और भारतीय मूल की कमला हैरिस के बीच कांटे की टक्कर बताई जाती है। यदि कमला हैरिस चुनाव जीतती है तो वैश्विक परिदृश्य अलग होगा और यदि डोनाल्ड ट्रंप चुनाव जीते हैं तो वह अपनी पुरानी राष्ट्रीय नीति यानी युद्ध न करने की नीति पर अमल करने का प्रयास करेंगे अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में अमेरिका का चुनाव काफी हद तक प्रभाव डालने वाला होगा पर यह तय है कि इसराइल का साथ देते देते अमेरिका तथा यूरोपीय देशों ने हमास तथा फिलिस्तीनियों का साथ देकर अब के देशों को खासा नाराज कर दिया है और यदि फिलिस्तीन की तरफ से ईरान परमाणु युद्ध छेड़ता है तो वैश्विक शांति को बहुत बड़ा खतरा पैदा होने की पूरी संभावना है और यदि यूक्रेन रूस युद्ध में रूस अपनी परमाणु नीति पर अमल करता है तो अमेरिका तथा यूरोपीय देश यूक्रेन का साथ देने के कारण बड़े खतरे में पड़ सकते हैं। यह बात सर्व विदित है कि यदि इस बार विश्व युद्ध हुआ तो विश्व की एक तिहाई आबादी और इतने ही देशों में बड़ा संकट पैदा हो सकता है। संयुक्त राष्ट्र संघ तथा भारत जैसे तटस्थ देश को युद्ध को रोकने का भरपूर प्रयास किया जाना चाहिए अन्यथा अनिष्ट होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है।

यूक्रेन को अमेरिकी राष्ट्रपति की भारी मदद के बाद अब वैश्विक परिदृश्य बदल गया है। अमेरिका ने यूक्रेन को अरबों डॉलर की मदद की पेशकश के साथ रूस ने अमेरिका को सीधे चेतावनी दी है यदि इसी तरह युद्ध में हस्तक्षेप किया जाएगा तो परमाणु बम के साथ जैविक बम का इस्तेमाल भी किए जाने की संभावना होगी। रूस ने अपनी बौखलाहट यूक्रेन में फिर से बम वर्षक विमानों से कीव पर बड़ा हमला किया है।अंतर्राष्ट्रीय न्यूज़ एजेंसी के अनुसार अमेरिकी अरबपति निवेशक जॉर्ज सोरस ने सचेत किया है कि रूस और चीन का सीमा विहीन गठबंधन वैश्विक शांति एवं सभ्यता के लिए खतरनाक हो सकता है। यदि पुतिन, शी जिनपिंग और उत्तर कोरिया के तानाशाह किम योंग उन के बीच का गठजोड़ रूस यूक्रेन युद्ध में कारगर साबित होता है तो विश्वयुद्ध की संभावनाएं बढ़ जाएंगी और विश्व युद्ध वर्तमान की मानवीय सभ्यता के लिए एक गतिहीन अवरोध होगा। इस अरबपति अमेरिकी निवेशक जॉर्ज सोरस ने दावोस में अपने वार्षिक प्रतिवेदन में कहा है कि दुनिया को इस युद्ध को जल्द से जल्द समाप्त करने का प्रयास करना चाहिए और इसमें पूरे संसाधन झोंक देने चाहिए।

वैश्विक सभ्यता को संरक्षित, पल्लवित करने के लिए सर्वश्रेष्ठ और संभवत एकमात्र तरीका पुतिन को जल्द से जल्द हराना होगा। यह हमला तीसरे विश्वयुद्ध की शुरुआत कर सकता है और हमारी सभ्यता इसे झेल नहीं पाएगी और तहस-नहस हो जाएगी। दावा किया गया है कि पुतिन ने दोनों ने एक लंबा बयान जारी कर घोषणा की थी कि उन दोनों के बीच संबंधों की और सहयोग की कोई सीमा नहीं है। पुतिन ने सी जिनपिंग को यूक्रेन के विरुद्ध विशेष सैन्य अभियान की जानकारी भी दे दी थी। इसी बीच रूस के एक राजदूत ने इस्तीफा देकर पुतिन की इस कार्रवाई का खुलकर विरोध किया था और युद्ध में मारे गए सैनिकों के परिवार ने भी रूस में अपना विरोध दर्ज किया है। पुतिन को अपनी गलतियों का अब धीरे-धीरे एहसास हो रहा है जब यूक्रेन में रहने वाले रूसी भाषा के नागरिकों ने यूक्रेन पर हमले की घोर निंदा की है जबकि पुतिन को उनके समर्थन आशा थी जबकि ऐसा कुछ हुआ नहीं।

चीन की रातों की नींद उड़ी हुई है

अशोक भाटिया

मोदी 3.0 का पहला बजट देश और दुनिया के सामने जबसे आया है तब से इस बजट को देखकर चीन की रातों की नींद उड़ी हुई है। इस बजट में चूँकि केंद्र सरकार ने कॉरपोरेट टैक्स में बड़ी कटौती की है जिस के कारण विदेशी कंपनियों को भारत में पैसा लगाने या यूं कहें निवेश करने में मदद मिलेगी। साथ ही भारत को दुनिया की सबसे बड़ी फैक्ट्री बनाने में यह फैसला काफी योगदान कर सकता है। वास्तव में सरकार ने ये फैसला विदेशी कंपनियों को रिझाने के लिए लिया है ताकि वो चीन को छोड़ भारत में ज्यादा निवेश करें। साथ ही ग्लोबल सप्लाई चेन चीन से शिफ्ट होकर भारत से जुड़ जाए। उम्मीद की जा रही है कि ये बजट सरकार के 5 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी के टारगेट को हासिल करने में काफी मददगार साबित हो सकता है। साथ ही विदेशी कंपनियों के लिए टैक्स कटौती से इस प्रयास में काफी मदद मिल सकती है। यह बजट भारत को ग्लोबल इकोनॉमिक प्लेयर बनने में मदद करेगा जिसमें एफडीआई को आकर्षित करने पर जोर दिया गया है। खुद को ग्लोबल फैक्ट्री या यूं कहें कि ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग सेंटर के रूप में स्थापित करके, भारत न केवल अपने लोकल मार्केट्स के लिए उत्पादन करना चाहता है बल्कि दुनिया के लिए भी प्रोडक्शन करना चाहता है। सीतारमण ने इस वित्त वर्ष के लिए बजट की घोषणा करते हुए कहा कि देश की जरुरत के हिसाब से विदेशी पूंजी को आकर्षित करने के लिए मैं विदेशी कंपनियों पर कॉर्पोरेट टैक्स को 40 फीसदी से घटाकर 35 फीसदी करने का प्रस्ताव करती हूं। बजट में विदेशी कंपनी की इनकम (विशेष दरों पर लगने वाली आय के अलावा) पर लगने वाले टैक्स की दर को 40 फीसदी से घटाकर 35 फीसदी करने का प्रस्ताव किया गया है। हिंदुजा ग्रुप ऑफ कंपनीज (इंडिया) के चेयरमैन अशोक हिंदुजा ने मीडिया रिपोर्ट में कहा कि टैक्सेशन में कुछ बदलावों की घोषणा की गई है जिस पर विस्तार से अध्ययन की जरूरत है जबकि विदेशी कंपनियों पर टैक्स में कमी के साथ एफडीआई के ज्यादा आने की उम्मीद है। खेतान एंड कंपनी की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डायरेक्ट टैक्स विनीता कृष्णन ने कहा टैक्स कटौती के साथ विदेशी कंपनियों पर लगने वाला हाईएस्ट टैक्स 43.7 फीसदी से घटकर लगभग 38 फीसदी हो गया है। कृष्णन ने कहा, यह टैक्स कटौती भारत में मौजूद विदेशी कंपनियों जैसे बैंक ब्रांचेस और इंफ्रा कंपनियों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद है। जब पूरी दुनिया की नजर दक्षिण एशिया पर टिकी हुई है। साथ ही दुनिया की बड़ी कंपनियां चीन का विकल्प तलाश करने में जुटी हुई हैं। ऐसे में भारत अपने आपको दुनिया के सामने चीन का ऑप्शन बताने का प्रयास कर रहा है। सरकार का लक्ष्य अगले सात सालों में सालाना 110 अरब डॉलर का एफडीआई आकर्षित करना है, जबकि पिछले पांच वर्षों में यह औसतन 70 अरब डॉलर से अधिक है। बजट में अधिक विदेशी धन आकर्षित करने, प्राथमिकता तय करने और विदेशी निवेश के लिए करेंसी के रूप में भारतीय रुपए का उपयोग करने के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए एफडीआई के लिए रूल्स और रेगुलेशन को आसान बनाने का प्रयास किया गया है। मेक इन इंडिया, इंडस्ट्रीयल कॉरिडोर डेवलपमेंट प्रोग्राम, पीएलआई, भारत सेमीकंडक्टर मिशन और नेशनल लॉजिस्टिक पॉलिसी जैसे इनिशिएटिव ने विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने में काफी अहम योगदान दिया है। भारत ने मैन्युफैक्चरिंग सेंटर के रूप में अपनी महत्ता को पूरी दुनिया के सामने रखने की पूरी कोशिश की है। यही वजह है कि इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोटिव और इंजीनियरिंग सेक्टर के कई प्लेयर्स ने भारत में निवेश करने का ऐलान किया है। एनए शाह एसोसिएट्स के पार्टनर धवल सेलवाडिया ने मीडिया रिपोर्ट में कहा कि इस कदम (विदेशी कंपनियों पर कॉर्पोरेट टैक्स में कटौती) का प्रमुख उद्देश्य भारत को विदेशी निवेशकों के लिए बेहतर डेस्टिनेशन बनाना है। ताकि भारत में ज्यादा से ज्यादा निवेश आने से जॉब क्रिएट हों। कम टैक्स से भारत को दूसरे उभरते बाजारों के साथ प्रतिस्पर्धा करने और अधिक व्यापार-अनुकूल माहौल को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। भारत ने हाल ही में एपल और फॉक्सकॉन से लेकर विनफास्ट और स्टेलेंटिस जैसी कई कंपनियों को भारत में अपनी निवेश घोषणाओं को करने के लिए मजबूर किया है। वहीं दूसरी ओर टेस्ला और दुनिया की बाकी बड़ी कंपनियों को भी रिझाने का प्रयास कर रही हैं। वहीं दूसरी ओर इन कंपनियों को भी पता है कि मौजूदा समय में भारत ही चीन का दूसरा सबसे बड़ा विकल्प है। जहां पर आबादी के साथ—साथ खर्च करने की क्षमता भी है। इसे एक उदाहरण से समझने की कोशिश करते हैं। फॉक्सकॉन भारत में निवेश और व्यापार साझेदारी को दोगुना कर रहा है। कंपनी अब चीन से बाहर अपनी सप्लाई चेन को बढ़ाने के बारे में सोच रही है। जिसके लिए कंपनी ने इस साल की शुरुआत में चेन्नई इंडस्ट्रियल पार्क में लगभग 550,000 वर्ग फुट वेयरहाउसिंग की जगह 10 साल के लिए लीज पर ली है।

इसे एपल प्रोडक्ट्स के लिए निर्माण के लिए भारत में सबसे बड़ी यूनिट में से एक कहा जा सकता है। बजट से पहले आए हुए इकोनॉमिक सर्वे में भी इस बात का जिक्र किया गया था कि भारत अपने आपको चीन के विकल्प के रूप में तैयार करने में जुट गया है। जिसकी वजह से वह ग्लोबल कंपनियों को भारत आने के लिए आमंत्रित कर रहा है। सरकार ने भारत को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग सेंटर के रूप में स्थापित करने के लिए जो महत्वाकांक्षी योजना की रूपरेखा तैयार की है, उससे रोजगार के कई अवसर पैदा होंगे। विदेशी कंपनियों के लिए हालिया कर कटौती से इस सपने को और बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। विदेशी कंपनियों के लिए कर में कटौती भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जून में रिपोर्ट किए जाने के बाद हुई है कि एशियाई राष्ट्र में शुद्ध विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) का प्रवाह पिछले वित्तीय वर्ष में 62 फीसदी गिरकर 2007 के बाद सबसे निचले स्तर पर आ गया है। भारत का मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर ग्रोथ की ओर है और दुनिया तेजी से चीन+1 पॉलिसी के साथ आगे बढ़ रही है। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि इसका फायदा उठाने और भारत को एक ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग सेंटर के रूप में विकसित करने के लिए, सरकार को पीएलआई योजना, कम कॉर्पोरेट में कटौती, कस्टम ड्यूटी पर एक ब्रॉडर और फ्लेक्सिबल रुख अपनाने की जरुरत है। वहीं दूसरी ओर बजट ने लोकल कंपनियों के कॉरपोरेट टैक्स में कोई बदलाव नहीं और 22 फीसदी ही रखा है। कॉरपोरेट रेट में कटौती की मांग कंपनियों की ओर से लगातार की गई है। ताकि निवेश को बढ़ावा मिले और जॉब के अवसर पैदा हों। हालांकि, कॉर्पोरेट रेट में कटौती से देश के खजाने पर ऐसे समय में असर पड़ा होगा जब सरकार 2025-26 तक बजट घाटे को जीडीपी के 4.5 फीसदी से नीचे लाना चाहती है।2019 में लोकसभा चुनाव से पहले मोदी सरकार ने अंतरिम बजट में 400 करोड़ रुपए तक के सालाना टर्नओवर वाली कंपनियों के लिए कॉरपोरेट टैक्स को 30 फीसदी से घटाकर 25 फीसदी करने का प्रस्ताव रखा था। देश के भीतर काम करने वाली कंपनियों के मुनाफे पर लगाया जाने वाला कॉर्पोरेट टैक्स, राजस्व का एक प्रमुख स्रोत है और भारत को अपने बजट घाटे के लक्ष्य को पूरा करने में मदद करने के लिए महत्वपूर्ण है। सामाजिक क्षेत्र और कल्याणकारी योजनाओं से लेकर बुनियादी ढांचे के विकास तक की सरकारी योजनाओं को चलाने के लिए भी इस धन को उपयोग में लाया जाता है।

उतरा खुमार तो याद आया संघम शरणम गच्छामि !

मनोज कुमार अग्रवाल

कहते हैं कि जब तक सफलता कदम चूमती है तब इंसान भगवान को भी याद नहीं करता या यह कहिये कि सफलता का खुमार ही ऐसा है कि इंसान पहले उसे भुलाने लगता है जिसके सहयोग से सफलता प्राप्त की और भगवान को भी भुलाने लगता है लेकिन जब सफलता के रास्ते में कठिनाई या अडचन आनी शुरू होती है तो उसे सब से पहले वह भगवान या हितैषी ही याद आता है जिसे सफलता के मद भरे नशे में भुला रहा था यह सारी कहानी भारतीय जनता पार्टी के कर्ताधर्ताओं पर भी फिट बैठती है पचास साल की जनसंघ से शुरू हुई तपस्या के बाद पहली बार मजबूती के साथ भाजपा 2014 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के साथियों के साथ मिलकर सत्ता पर काबिज हुई फिर 2019 में अकेले दम पर 303 सीट हासिल कर भाजपा को अपने सामर्थ्य का अतिरंजना भरा गुरूर छाने लगा इसी के चलते अपने साथियों के साथ भी उसका रवैया बदला जिस कारण कई साथी दल भाजपा और राजग से छिटक कर किनारा कर गए 2024 के आम चुनाव सिर पर आ गए भाजपा ने राम मंदिर निर्माण के कार्य को आनन फानन में पूरा कर मंदिर निर्माण के बूते पर माहौल बना कर चुनाव जीतने की योजना बनायी 22 जनवरी 24 को श्रीराम मंदिर के उद्घाटन समारोह से जो माहौल बना वह वास्तव में अभूतपूर्व था भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने अब की बार चार सौ पार का नारा दिया भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तो इतना दम्भ में भर गए कि अपनी मातृ संगठन के लिए ऐसा बयान दे दिया जो भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संबंधों को दरार पैदा करने वाला था चुनाव जैसे जैसे करीब आ रहा था राम मंदिर से पैदा ज्वार धीरे धीरे शांत होता जा रहा था उधर संघ का जमीनी कार्यकर्ता जो अपनी जेब से सूखे चने खाकर मेहनत कर भाजपा को जिताने के लिए बिना किसी निजी अपेक्षा के बिना किसी स्वार्थ कामना के जुट जाता था इस बार घर से बाहर नहीं निकला वह मान बैठा कि अब भाजपा को उस स्वयंसेवकों की जरूरत नहीं है बस 2024 में सफलता हासिल तो हुई लेकिन किनारे की यानी ऐसा जैसे 80 % अंक हासिल करने की अभिलाषा लिये परीक्षार्थी को 33% अंक हासिल होकर सिर्फ पास घोषित किया गया। देखते ही देखते भाजपा बेशक खुले तौर पर स्वीकार न करें लेकिन उसे अपनी गलतियों का अहसास होने लगा है उसे अहसास होने लगा कि नींव की जमीन धंस रही है। इस बीच आरएसएस प्रमुख ने ईशारे ईशारे में ही प्रधानमंत्री मोदी पर तीर चला कर अपनी अंदरूनी नाराजगी जताई दी। इतना सब होने पर भाजपा को अपने भूले भगवान याद आने लगे। भाजपा को दस साल बाद याद आया कि सरकारी अधिकारियों कर्मचारियों के संघ से जुड़ने सदस्यता लेने या किसी भी गतिविधियों में प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से भागीदारी करने पर छह दशक से सरकारी प्रतिबंध है। भाजपा केंद्र की राजग सरकार ने एक आदेश के जरिये सरकारी कर्मचारियों के राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की गतिविधियों में शामिल होने पर लगी रोक को हटा लिया है। जिसको लेकर विपक्षी राजनीतिक दलों की कड़ी प्रतिक्रिया सामने आई है। वहीं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा है कि तत्कालीन इंदिरा सरकार ने निराधार ही शासकीय कर्मियों के संघ की गतिविधियों में भाग लेने पर रोक लगायी थी। यह भी कि वर्तमान सरकार का निर्णय लोकतांत्रिक व्यवस्था को पुष्ट करने वाला है। जानकारों का मानना है कि लोकसभा चुनाव परिणाम सामने आने के बाद अर्श से फर्श की ओर आते देख भाजपा की नींद खुल गई है संघ व सरकार के बीच मनमुटाव की जो खबरें आ रही थीं, हालिया फैसले को सरकार की संघ से उसी तल्खी को दूर करने की कवायद के रूप में देखा जा रहा है। जिससे जनमानस में यह संदेश दिया जा सके कि भाजपा व संघ में किसी प्रकार का मतभेद नहीं है। वहीं आरएसएस का दावा है कि इस कदम से देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत होगी।

दरअसल, हाल के दिनों में संघ की तरफ से जो बयान सामने आ रहे थे, उससे लग रहा था कि भाजपा व संघ के रिश्ते खराब दौर से गुजर रहे हैं। संघ के वरिष्ठ नेता इंद्रेश कुमार ने तो कहा था कि भगवान राम ने एक अहंकारी पार्टी को रोका है, जो रामभक्त होने का दावा करती है। यहां तक कि संघ के मुखपत्र ऑर्गनाइजर में लिखा गया था कि भाजपा कार्यकर्ताओं के अति उत्साह के चलते पार्टी के जनाधार में गिरावट आई है। साथ ही संघ प्रमुख ने बिना नाम लिये पार्टी नेतृत्व के सुपरमैन व भगवान समझने की महत्वाकांक्षा का जिक्र किया था। इन बयानों को लेकर कयास लगाए जा रहे थे कि संघ का भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से मोहभंग हो गया है। ऐसे में जब राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ अगले साल शताब्दी वर्ष मनाने जा रहा है, भाजपा का यह कदम दोनों के बीच रिश्ते सामान्य करने की दिशा में उठाया गया कदम कहा जा रहा है। बहरहाल, केंद्र के इस फैसले के बाद कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल सरकार को निशाने पर ले रहे हैं। कांग्रेस ने सरकार पर हमले तेज कर दिए हैं। पार्टी ने 58 साल पहले वर्ष 1966 में आरएसएस पर लगाये गए प्रतिबंध को हटाने के औचित्य पर सवाल उठाए हैं। कहा जा रहा है कि जनसंघ, वाजपेयी सरकार और मोदी सरकार की पिछली एक दशक की सरकार के दौरान भी यह प्रतिबंध नहीं हटाया गया था। आपको बता दें कि 7 नवंबर 1966 को संसद के सामने गोहत्या के खिलाफ एक बड़ा प्रदर्शन हुआ था। आरएसएस व जनसंघ के प्रयासों से लाखों लोग जुटे थे और पुलिस के साथ टकराव में कई लोगों की जान गई थी। जिसके बाद इंदिरा गांधी सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के संघ में शामिल होने पर प्रतिबंध लगा दिया था। वहीं संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख का कहना है कि संघ पिछले 99 साल से राष्ट्र के सतत निर्माण व समाज सेवा में संलग्न रहा है। अपने राजनीतिक स्वार्थ के चलते तत्कालीन सरकार ने शासकीय कर्मचारियों को संघ जैसे रचनात्मक संगठन की गतिविधियों में भाग लेने हेतु निराधार प्रतिबंधित किया था। हालांकि, इस बीच मध्यप्रदेश समेत कई राज्य सरकारों ने इस आदेश को निरस्त कर दिया था लेकिन केंद्र सरकार के स्तर पर यह प्रतिबंध वैध बना हुआ था। इसी मामले को लेकर इंदौर की एक अदालत में वाद चल रहा था, जिसमें अदालत ने इस बाबत केंद्र सरकार से जवाब मांगा था। फिर केंद्र ने एक आदेश जारी कर प्रतिबंध को खत्म करने की घोषणा की है। वहीं दूसरी ओर बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा है कि प्रतिबंध हटाने का केंद्र का फैसला राष्ट्रहित से परे राजनीति से प्रेरित संघ के तुष्टीकरण का फैसला है। वहीं अन्य राजनीतिक दलों का भी मानना है कि सरकारी कर्मचारियों का संविधान और कानून के दायरे में रहकर निष्पक्षता के साथ जनहित और जनकल्याण के लिए काम करना जरूरी होता है।

सुनहरे कल को निगल गई भ्रष्ट व्यवस्था

डॉ. आशीष वशिष्ठ

दिल्ली की प्रतिष्ठित राव कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से देश की सबसे प्रतिष्ठित सिविल सेवा की तैयारी कर रहे तीन छात्रों की दर्दनाक मौत हो गई। ओल्ड राजेंद्र नगर की इस दर्दनाक हादसे ने देशवासियों को झकझोर दिया। जो युवा आंखों में सुनहरे भविष्य के सपने संजोकर अपना घर बाहर, सुख सुविधा छोड़कर दिल्ली परीक्षा की तैयारी के लिए गये थे, वो मुनाफाखोर कोचिंग संचालक की धूर्तता, सरकारी अमले की अकर्मण्यता और लापरवाही के चलते अपनी अमूल्य जिंदगी गंवा बैठे। सोचिये उनके परिवारों पर क्या बीत रही होगी। इस व्यवस्था के व्यवस्थापक इतने गैर जिम्मेदार और लज्जाहीन हैं कि उनकी नजर में किसी की जान की कोई कीमत ही नहीं है। ये हालात राष्ट्रीय राजधानी के पॉश इलाकों में संचालित कोचिंग सेंटर के हैं, दूसरे शहरों और कस्बों की बात ही क्या की जाए। इस साल जलभराव की वजह से दिल्ली की ये पहली घटना नहीं है। इससे पहले 22 जुलाई को यूपीएससी की तैयारी करने वाले एक छात्र की मौत करंट लगने से हो गई। असल में दो चार दिन के शोर गुल और कार्रवाई की नौटंकी के बाद व्यवस्था फिर से पुरानी पटरी पर दौड़ने लगती है। सौ प्रतिशत दावे के साथ कहा जा सकता है कि, राव कोचिंग सेंटर मामले में भी कार्रवाई और सख्ती की पुरानी सक्रिप्ट दोहराई जाएगी। हादसे के बाद छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा है। छात्र सरकार से न्याय की गुहार लगा रहे हैं। छात्र व्यवस्थागत खामियों को गिना रहे हैं। छात्र नारेबाजी कर रहे हैं 'छात्रों की हत्या बंद करो'... इस मामले में दिल्ली पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। ये हादसा सरकार और कोचिंग संचालकों पर गंभीर सवालों के कटघरे में खड़े करता है। ये कोई पहला ऐसा हादसा नहीं है जब दिल्ली के कोचिंग सेंटरों में छात्रों के जीवन के साथ खिलवाड़ हुआ है। 15 जून 2023 को दिल्ली में कोचिंग सेंटरों के हब मुखर्जी नगर में एक कोचिंग सेंटर में आग लगने से 61 लोग घायल हो गए। जांच में पता चला कि आग बिजली के मीटर में लगी थी, जो देखते-देखते पूरी बिल्डिंग में फैल गई। हादसे के वक्त कोचिंग सेंटरों में करीब 200-250 छात्र मौजूद थे। छात्रों ने आग से बचने के लिए खिड़कियां तोड़ीं, रस्सियों के सहारे नीचे उतरे और सीढ़ियों का सहारा लिया। कुछ छात्रों ने बचने के लिए तीसरी मंजिल से छलांग तक लगा दी। इसके अलावा 25 जनवरी 2020 को दिल्ली के भजनपुरा इलाके में कोचिंग सेंटर की दो छतें गिर गईं। इस हादसे में चार छात्रों समेत 5 लोगों की मौत हो गई वहीं 13 लोग घायल हो गए। दिल्ली हो या फिर कोई दूसरा शहर, कमोबेश सरकारी अमले की कार्यप्रणाली एक समान ही होती है। हादसे के बाद प्रशासनिक अमला गहरी नींद से ऐसे जागता है मानो उन्हें इस बात का इल्म ही न हो कि उनके क्षेत्र या शहर में क्या अनियमितता हो रही हैं। जब कोई दुर्घटना घटती है तब पता चलता है कि व्यवस्था में कितनी खामियां और छेद हैं और इन खामियों और छेदों से छनकर आने वाला लाभ नीचे से ऊपर तक बंटता है। पूर्व की घटनाओं पर गौर किया जाए तो अधिकतर मामलों में दोषी साफ तौर पर बच जाते हैं, या मामूली सजा पाते हैं। हादसा की जिम्मेदारी तो संबंधित विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों की भी होती है, लेकिन ऐसे मामलों में वो अपना पल्ला झाड़कर किनारे खड़े हो जाते हैं। बीती 14 अप्रैल 2024 को राजस्थान की कोचिंग नगरी कोटा के एक हॉस्टल में आग लगने से 8 स्टूडेंट्स झुलस गए। घटना के वक्त हॉस्टल में 60 से ज्यादा छात्र मौजूद थें आग लगने के बाद हॉस्टल में भगदड़ मच गई इस बीच एक छात्र ने अपनी जान बचाने के लिए चौथी मंजिल से छलांग लगा दी।जांच में हॉस्टल मालिक की बड़ी लापरवाही सामने आई। हॉस्टल मालिक ने अंदर ही बिजली का एक बड़ा ट्रांसफार्मर लगवाया हुआ था जिसमें शॉर्ट सर्किट होने से यह हादसा हुआ। लखनऊ के पॉश इलाके हजरतगंज में नवल किशोर रोड पर तीन मंजिला स्कॉलर्स फोरम टॉवर है। इसके पहले तल पर स्कॉलर्स फोरम कोचिंग चलता है। यहां छात्र-छात्राएं आईआईटी और नीट की तैयारी के लिए पढ़ाई करते हैं. दूसरी और तीसरी मंजिल पर हॉस्टल हैं। दूसरी मंजिल के हॉस्टल में 14 कमरों में कुल 28 छात्राएं रह रहीं हैं। 2 जून 2024 की शाम को छात्राएं अपने कमरे में थी। शाम करीब छह बजे तीसरी मंजिल के कमरा नंबर दो की एसी में शॉर्ट सर्किट से धमाका हो गया। इसके बाद तीन मंजिला हॉस्टल में आग लग गई। सभी कमरों में धुआं फैल गया। करीब 28 छात्राओं में चीख-पुकार मच गई। एक कमरे का शीशा तोड़कर हॉस्टल कर्मियों ने छात्राओं को बाहर निकाला. जानकारी मिलने पर दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। 24 मई 2024 को गुजरात के सूरत के तक्षशिला कॉम्प्लेक्स में चल रही एक कोचिंग में भीषण आग लगने से 23 छात्रों की मौत हो गई।

अजीब वाकया

डॉ टी महादेव राव

सुबह सुबह दस्तक हुई तो नेता जी, जो घर पे अकेले थे, ने दरवाज़ा खोला। देखा सामने कोई मुकुट लगाके खूंखार सा बंदा खड़ा था। भाई सुबह सुबह नाटक के लिए चंदा मांगने आ गए। हम लोग खुद बड़े बड़े लोगों से चंदा लेकर चुनाव लड़ते हैं। मांगने वाले के पास आकर मांगोगे तो क्या मिलेगा? आगंतुक ने कहा मैं यमराज हूं। चंदा नहीं, मैं तुम्हें लेने आया हूं। नेता जी ने कहा अभी मेरी उम्र ही क्या है जो मुझे ले जाओगे? अभी तो सिर्फ साठ साल का हूं। यमराज ने कहा यह गणित किसी और को पढ़ाना। तुम पूरे पछत्तर साल के हो। चुनाव के समय जो झूठ लिखते हो उसे मुझे न सुनाया करो। मेरे पास सारा कुछ रिकॉर्ड है और मेरा रिकॉर्ड तुम लोग के रिकॉर्ड की तरह झूठ, फरेब और गलत नहीं है। तुम्हारे दिन पूरे हो गए आज अंतिम क्षणों में हो तुम। नेताजी, जो गेरुआ धोती और कांधे पर गेरुआ गमछा डाले पूजा से आ रहे थे, ने कहा रुको मैं कपड़े बदल के आता हूं। तब तक आप चाय नाश्ते का आनंद लीजिए, कह कर अंदर गया और चाय और समोसे लाकर यमराज के सामने रख दिए। यमराज ने, अपनी सूची जो आज उसके प्राण हरण कार्यक्रम का था उसे सामने मेज पर रखा। यमराज ने कहा अब तुम्हें सजने संवरने की जरूरत क्या है? यहां से गए तो सीधे यमलोक में जाना है। बीच में कोई तुम्हें देखेगा, मिलेगा, सेल्फी लेगा या पत्रकार फोटो खींचेंगे या तुम्हारी प्रिया आकर गले लगेगी, ऐसा कुछ भी नहीं होगा। मेरी तो आदत है यमराज जी! दिन में कई बार कपड़े बदलता हूं वरना मुझे अच्छा नहीं लगता। तब तक अल्पाहार का आनंद लें। नेता जी ने देखा कि मस्त मगन होकर यमराज चाय नाश्ते का आनंद उठा रहे हैं तो धीरे से उसने उसे सूची को वहां से उठाया और अंदर चला आया। उसने एक घटना पढ़ी थी जहां सूची में फेर बदल करने पर भी किसी विशेष व्यक्ति को यमराज ले गए थे। उसने अपने पास जो स्याही मिटाने की का द्रव था उससे उसका नाम, जो सूची में पहले नंबर पर था, उसे मिटा दिया और सारे क्रमांक भी सुधार दिए। चुपचाप ले जाकर टेबल पर रख दिया। सज धज कर जब अंदर से नेताजी आए, यमराज नाश्ता खत्म कर चुके थे। बोले चलो चलते हैं। भोले बनते हुए नेता ने कहा यह सूची क्या है यमराज जी। उन्होंने सूची को अनदेखा करते हुए कहा यह उनकी सूची है जिन-जिन को आज मुझे इस धरती से यमलोक ले जाना है।

लक्ष्मी जी और झाड़ू का संबंध क्या है ?

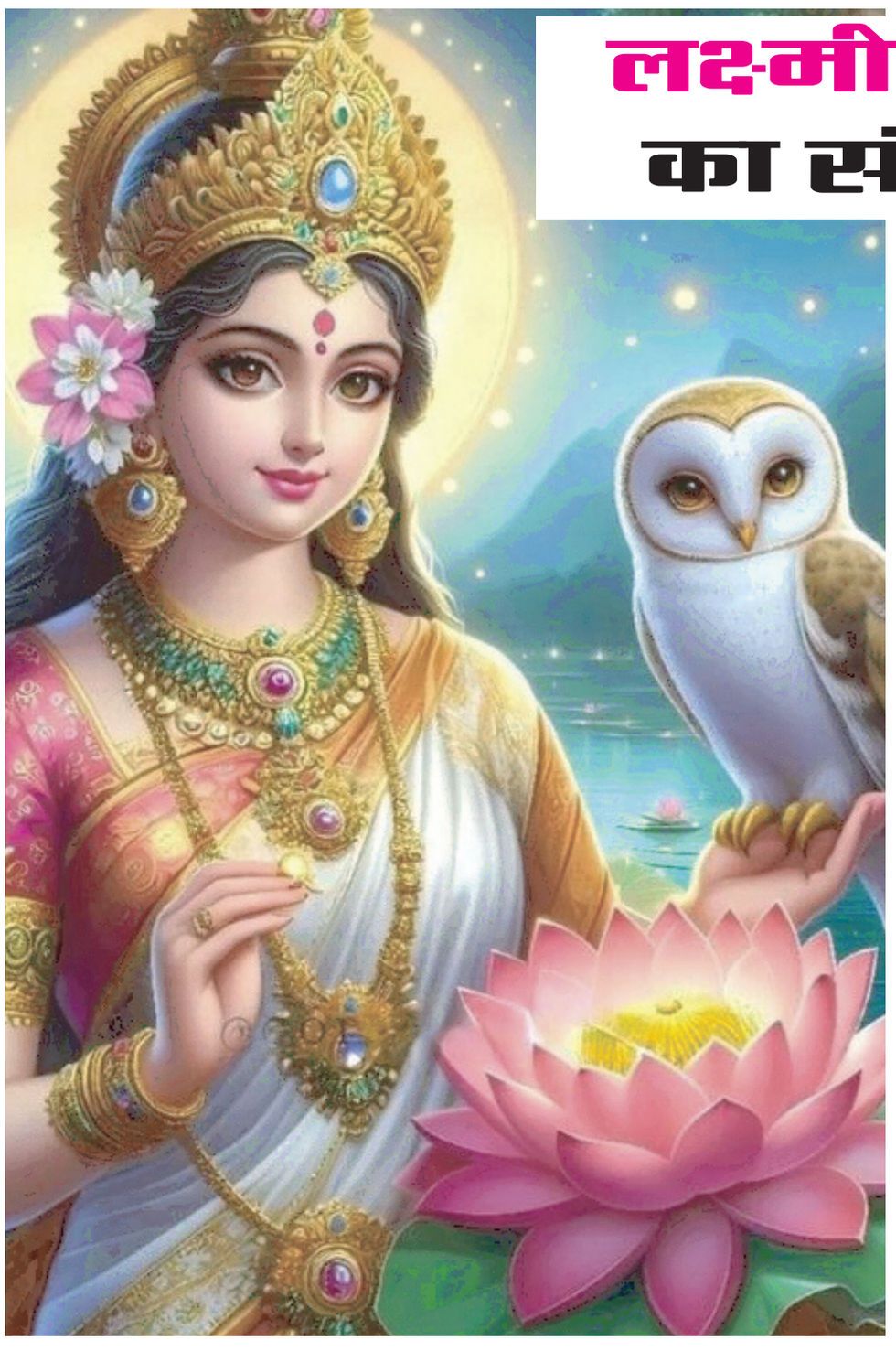

देवी लक्ष्मी और झाड़ू को जोड़कर देखा जाता है। मान्यता है कि जिस घर में झाड़ू का सम्मान होता है, वहां माता लक्ष्मी निवास करती हैं और उस घर में धन की कभी भी कमी नहीं होती है। वास्तु के नियम के अनुसार झाड़ू को पश्चिम दिशा और दक्षिण पश्चिम दिशा में ही रखना चाहिए। इससे भाग्य लक्ष्मी की कृपा आप पर बरसती है। आइए, जानते हैं झाड़ू से जुड़े वास्तु के नियम।

देवी लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए हर व्यक्ति कई तरह के उपाय करता है क्योंकि जिस घर में देवी लक्ष्मी का वास होता है, वहां कभी भी पैसों की कमी नहीं होती। वास्तु शास्त्र के अनुसार देवी लक्ष्मी को प्रसन्न करने में घर की झाड़ू का भी बहुत महत्व है। आप अगर धन प्राप्ति करना चाहते हैं, तो वास्तु से जुड़े झाड़ू के नियमों का पालन भी जरूर करना चाहिए। आइए, जानते हैं लक्ष्मी जी का झाड़ू से सम्बध और झाड़ू से जुड़े वास्तु नियम।

झाड़ू को कभी न मारें पैर

जिस तरह किताब को पैर मारना मां सरस्वती का अपमान माना जाता है, उसी तरह झाड़ू का निरादर मां लक्ष्मी का अनादर माना जाता है। जिस प्रकार किताब को पैर मारने से विद्या या मां सरस्वती का अनादर होता है वैसे ही झाड़ू के अनादर करने से मां लक्ष्मी का अनादर होता है, इसलिए ही झाड़ू को मां लक्ष्मी का रूप माना गया है। अगर गलती से झाड़ू को पैर लग जाए, तो इसे अनदेखा करने की जगह पर झाड़ू को हाथ लगाकर माथे पर लगाकर माफी मांगनी चाहिए।

लक्ष्मी जी और झाड़ू का संबंध क्या है?

झाड़ू सिर्फ सफाई का प्रतीक नहीं है, बल्कि मां लक्ष्मी का ही रूप मानी जाती है। यह मान्यता है कि झाड़ू का अनादर मां लक्ष्मी का अनादर करने जैसा है क्योंकि जहां सफाई होती है, वहीं धन और समृद्धि का वास होता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शुक्र ग्रह, जो धन और संपत्ति से जुड़ा है, झाड़ू का सम्बध उससे भी माना जाता है।

घर में छुपाकर रखें झाड़ू

झाड़ू को हमेशा घर में छुपाकर रखना चाहिए। माना जाता है कि जिस घर में झाड़ू हमेशा घर के सामने पड़ी रहती है, वहां लक्ष्मी जी का निवास नहीं होता है। घर में झाड़ू को छुपा कर रखना चाहिए, ऐसी जगह जहां बाहर से आने वाले लोगों की नजर न पड़े।

झाड़ू खड़ी करके न रखें

झाड़ू को खड़ा करके भी नहीं रखना चाहिए। जैसे लक्ष्मी जी का मान किया जाता है, ठीक वैसे ही झाड़ू को भी उनका ही रूप मानकर मान देना चाहिए। जो लोग झाड़ू का अपमान करते हैं, उनके घर में लक्ष्मी जी अधिक नहीं ठहरती हैं। झाड़ू को हमेशा घर में लिटाकर ही रखना चाहिए।

झाड़ू को इस दिशा में रखें

आप अगर धन लक्ष्मी को खुश करना चाहते हैं, तो झाड़ू को घर के दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखें। घर की पश्चिम दिशा को भाग्यलक्ष्मी से जोड़कर देखा जाता है इसलिए आपको दक्षिण-पश्चिम या फिर पश्चिम दिशा में ही झाड़ू रखनी चाहिए। इससे लक्ष्मी जी की कृपा आप पर बनी रहती है।

मंत्रों की चमत्कारिक शक्ति कैसे करती है आपका कल्याण

मंत्र से लाभ लेने के लिए जरूरी है, उस मंत्र का निरन्तर मनन और चिंतन, व्यावहारिक दृष्टि से मंत्र जप का विज्ञान यही है कि जब दुःखी, पीड़ित, रोगी व्यक्ति पूरी आस्था, विश्वास से लीन होकर अपने इष्ट के मंत्र जप करता है, तब ईश्वर के मनन के दौरान मिली सकारात्मक ऊर्जा उसके मन को चिंता, दुःख और परेशानी से दूर ले जाती है। इससे जपकर्ता का आत्मविश्वास बढ़ता है, साथ ही वह जीवन में नई ऊर्जा, उमंग और उत्साह महसूस करता है।

वास्तव में शरीर की आंतरिक और बाहरी शक्तियों का मजबूत और सक्रिय होना ही जीवन है।

किंतु यही शक्तियाँ जब कमजोर होकर निष्क्रिय हो जाती है तो अपयश, रोग, मृत्युतुल्य कष्ट का कारण बनती हैं। मंत्र इन शक्तियों को मानसिक और व्यावहारिक रुप से सबल बनाकर जीवन को गति प्रदान करता है। सृष्टि के नियम और अटल मृत्यु को ध्यान में रखकर विचार किया जाए तो भौतिक सुख को पाने और दुःखों के शमन के लिए मंत्र निश्चित रुप से शुभ फल देने वाला है। मंत्रों की शक्ति अपरिमित है, सवाल केवल भावना, श्रद्धा एवं विश्वास का है। शास्त्रों में कहा भी है कि मन्त्रे तीर्थे द्विजे देवे दैवज्ञे भैषजे गुरोः। यादृशी भावना यस्य सिद्धिभर्वति तादृशी, अर्थात, मंत्र, तीर्थ, ब्राह्मण, देवता, ज्योतिषी, वैद्य तथा आचार्य (गुरु) में जिसकी जैसी भावना होती है, उसे उसी प्रकार का फल प्राप्त होता है। मंत्र सिद्धि के लिए दीक्षा लेने की आवश्यकता पड़ती है।

मंत्र दीक्षा जनमानस में सर्वाधिक प्रचलित है, मंत्र दीक्षा के अन्तर्गत गुरु द्वारा प्रदत्त मंत्र के रूप में जो ज्ञान दीक्षा अथवा गुरू मंत्र प्राप्त होता है, उसे मंत्र दीक्षा कहा जाता है। गुरु सर्वप्रथम शिष्य को मंत्र दीक्षा से ही दीक्षित करते हैं, तत्पश्चात शिष्य की ग्रहण करने की क्षमता, योग्यता, श्रद्धा एवं भक्ति आदि के आधार पर आगे की दीक्षा शिष्यों को प्रदान की जाती है। इसलिए यह देखने में आता है, एक ही गुरु के कई शिष्य होते हैं, परन्तु कोई शिष्य अधिक ज्ञान अर्जन कर लेता है और कोई केवल मंत्र दीक्षा तक ही सीमित रह जाता है। गुरु द्वारा दिया गया मंत्र हर तरह के संकट से बाहर निकाल देता है और व्यक्ति को जीवन जीने की नई दिशा मिल जाती है। गुरु कृपा से मंत्र सिद्ध हो जाने पर ऐसी कोई कामना नहीं जो पृथ्वी पर शेष रह जाए।

यमराज और रावण के बीच युद्ध में किसकी हुई थी जीत

राक्षसों का राजा रावण परम विद्वान और शक्तिशाली था। उसके डर के कारण देवता भी कांपते थे। रावण जब विश्व विजय करने के लिए निकला था तो उसका सामना अनेर महारथी राजाओं और देवताओं से हुआ था। रावण ने किसी से भी हार नहीं मानी और अपने पराक्रम के बल पर हर युद्ध जीता। स्वर्ग के देवता भी उसके सामने नहीं टिक पाए थे। वहीं रावण का सामना यमराज से हुआ था। आज हम आपको बताएंगे कि जब रावण का सामना यमराज से हुआ था तो कौन-कौन से योद्धा थे जिन्होंने रावण का सामना किया था और उसे हराया था।

यमराज और रावण का युद्ध

रावण जब विश्व विजय करने निकला था तो सबसे पहले उसने धरती के सभी योद्धाओं को हराया। इसके बाद रावण ने स्वर्ग लोक पर अधिकार कर लिया। रावण जब यमलोक पहुंचा तो मृत्यु के देवता यमराज और उसके बीच भयानक युद्ध हुआ। तब यमराज ने जैसी ही रावण के प्राण हरने के लिए अपना पाश निकाला वैसे ही ब्रह्मदेव ने उन्हें ऐसा करने से मना कर दिया था। तब ब्रह्मदेव के कहने पर यमराज वहां से चले गए।

**हमें शांति तभी मिलती है,
जब हम दूसरों को परखने की
कोशिश नहीं करते हैं और
दूसरों की गलतियों को क्षमा
करते हुए सभी के साथ प्रेम से
रहते हैं।**

बालि से हारा था रावण

वाल्मीकि रामायण के अनुसार रावण को जब पता चला कि वानरों का राजा बालि परम शक्तिशाली है तो वह लड़ने के लिए किष्किंधा पहुंच गया। रावण ने बालि को युद्ध के लिए चुनौती दी। राजा बालि उस समय पूजा कर रहे थे। उन्होंने रावण को अपनी बाजू में दबा लिया और समुद्र की परिक्रमा करने लगे। बहुत कोशिश करने के बाद भी रावण उनकी पकड़ से छूट नहीं पाया। तब रावण ने बालि को अपना मित्र बना लिया।

अर्जुन से भी हारा रावण

एक बार रावण महिष्मति के राजा कार्तवीर्य अर्जुन से युद्ध करने गया। कार्तवीर्य अर्जुन की एक हजार भुजाएं थी। जिसके कारण उनका नाम सहस्त्रबाहु अर्जुन भी था। नर्मदा नदी के तट पर ही रावण और सहस्त्रबाहु अर्जुन में भयंकर युद्ध हुआ। अंत में सहस्त्रबाहु अर्जुन ने रावण को बंदी बना लिया। बाद में रावण के दादा पुलस्त्य मुनि ने जाकर उसे छुड़वाया।

बलि के महल में रावण की हार

धर्म ग्रंथों के अनुसार दैत्यराज बलि पाताल लोक के राजा हैं। एक बार रावण राजा बलि से युद्ध करने के लिए पाताल लोक पहुंच गया। वहां पहुंचकर रावण ने बलि को युद्ध के लिए ललकारा, उस समय बलि के महल में खेल रहे बच्चों ने ही रावण को पकड़कर घोड़ों के साथ अस्तबल में बांध दिया था। इस प्रकार राजा बलि के महल में रावण की हार हुई।

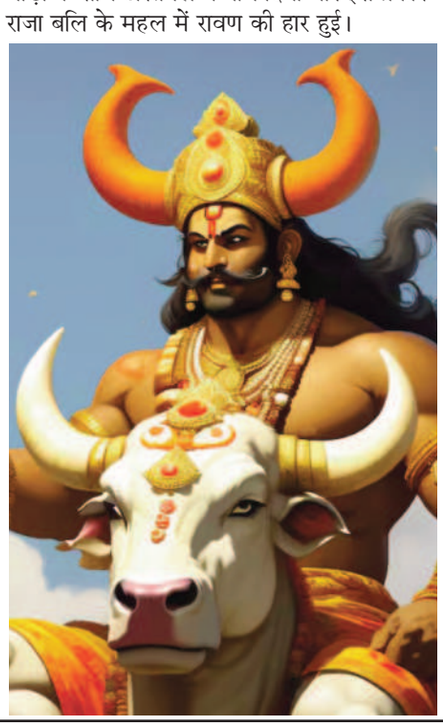

असली रुद्राक्ष की पहचान कैसे करें?

रुद्राक्ष एक अमूल्य मोती है, जिसे धारण करने या प्रयोग करने से व्यक्ति को अचूक फल प्राप्त होते हैं। भगवान शिव का स्वरूप रुद्राक्ष जीवन को सार्थक बनाता है इसे अपनाने से सभी को समृद्ध जीवन की प्राप्ति होती है। रुद्राक्ष की अनेक प्रजातियां और विभिन्न प्रकार उपलब्ध हैं लेकिन सही रुद्राक्ष की पहचान करना एक कठिन कार्य है। जानिए चिराग दारूवाला से असली रुद्राक्ष को कैसे पहचाने।

आजकल बाजार में हर कोई असली रुद्राक्ष उपलब्ध कराने का दावा करता है, लेकिन इस कथन में कितनी सच्चाई है, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। लालची लोग रुद्राक्ष पर कई धारियां बनाकर उसे बारह मुखी या इक्कीस मुखी रुद्राक्ष बताकर बेच देते हैं। कभी-कभी दो रुद्राक्षों को जोड़कर एक रुद्राक्ष बना दिया जाता है जैसे गौरी शंकर या त्रिजुटी रुद्राक्ष। इसके अलावा इन्हें भारी बनाने के लिए इनमें सीसा या पारा भी मिलाया जाता है और कुछ रुद्राक्षों में सांप, त्रिशूल जैसी आकृतियां भी बनी होती हैं।

रुद्राक्ष की पहचान को लेकर कई भ्रांतियां हैं। जिसके कारण आम आदमी असली

रुद्राक्ष की सही पहचान नहीं कर पाता और खुद को असाध्य पाता है। असली रुद्राक्ष की जानकारी न होना और पूजा-पाठ व साधना में असली रुद्राक्ष न होना पूजा और उसके प्रभाव को निरर्थक बना देता है। इसलिए जरूरी है कि पूजा के लिए रुद्राक्ष असली हो। रुद्राक्ष के समान एक और फल होता है जिसे भद्राक्ष कहते हैं और यह रुद्राक्ष जैसा ही दिखता है। भद्राक्ष देखने में रुद्राक्ष जैसा होता है लेकिन इसमें रुद्राक्ष जैसे गुण नहीं होते।

इस तरह करें असली रुद्राक्ष की पहचान

रुद्राक्ष की पहचान करने के लिए इसे कुछ घंटों के लिए पानी में उबालें। अगर रुद्राक्ष का रंग न निकले या उस पर कोई असर न हो तो वह असली होगा।

अगर रुद्राक्ष को काटने पर उसके अंदर भी उतने ही घेरे दिखें जितने बाहर हैं, तो वह असली रुद्राक्ष होगा। यह परीक्षण सही माना जाता है लेकिन इसका नकारात्मक पहलू यह है कि रुद्राक्ष नष्ट हो जाता है।

रुद्राक्ष की पहचान करने के लिए उसे किसी नुकीली चीज से खुरचें। अगर उसमें से रेशे निकल आएं तो समझ लें कि रुद्राक्ष असली है।

दो असली रुद्राक्षों की ऊपरी सतह यानी पठार एक जैसा नहीं होता, लेकिन नकली रुद्राक्ष का पठार एक जैसा होता है।

रुद्राक्ष को पानी में डालें। अगर वह डूब जाए तो वह असली होगा। अगर नहीं डूबे तो वह नकली है। लेकिन यह परीक्षण उपयोगी नहीं माना जाता, क्योंकि रुद्राक्ष के डूबने या तैरने की क्षमता उसके घनत्व और उसके कच्चे या पके होने पर निर्भर करती है। धातु या किसी अन्य भारी पदार्थ से बना रुद्राक्ष भी पानी में डूब जाता है।

एक तरीका यह भी है कि दो तांबे के सिक्कों के बीच रुद्राक्ष की माला रखें यह थोड़ा हिलता है।

अगर आप एक मुखी रुद्राक्ष को ध्यान से देखेंगे तो आपको इस पर त्रिशूल या आंख का निशान दिखाई देगा। अगर रुद्राक्ष की माला को लंबे समय तक तेज धूप में रखा जाए और रुद्राक्ष में दरार या टूटन न आए तो इसे असली माना जाता है।

रुद्राक्ष खरीदते समय इन बातों का रखें ध्यान

रुद्राक्ष में कीड़े न लगे हों
रुद्राक्ष कहीं से भी टूटा हुआ न हो
रुद्राक्ष बिल्कुल गोल न हो
जो रुद्राक्ष छेद करते हुए फट जाए आदि।
रुद्राक्ष पहनने के फायदे
रुद्राक्ष धारण करने से भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है।
रुद्राक्ष पहनने से करियर और कारोबार में भी आपको सफलता मिलती है
रुद्राक्ष पहनने से भाग्य का साथ मिलता है।
रुद्राक्ष धारण करने से मानसिक शांति मिलती है।
रुद्राक्ष पहनने से कई तरह के रोग दूर रहते हैं।

क्या महिलाएं शिवलिंग को छू सकती हैं?

देवों के देव महादेव शिव की पूजा से हर भक्त की मनोकामना पूरी होती है। प्राचीन शास्त्रों के अनुसार इस ब्रह्मांड की उत्पत्ति शिवलिंग से हुई है। कहा जाता है कि जब इस संसार में कुछ भी नहीं था, तब एक विशाल शिवलिंग प्रकट हुआ, जिसने पूरे ब्रह्मांड को प्रकाश और ऊर्जा से भर दिया। उसके बाद ही संपूर्ण आकाश, तारे और ग्रहों का निर्माण हुआ।

धार्मिक शास्त्रों के अनुसार शिवलिंग की सबसे पहले पूजा ब्रह्मा देव और विष्णु जी ने की थी और सबसे पहला व्रत माता आदिशक्ति दुर्गा, लक्ष्मी और सरस्वती ने रखा था। वैसे तो इस संसार का हर प्राणी शिव की पूजा करता है, क्योंकि शिव जी हर प्राणी के रक्षक हैं। इसीलिए उन्हें पशुपतिनाथ भी कहा जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अविवाहित महिलाएं शिवलिंग की पूजा नहीं कर सकती हैं? शास्त्रों और पुराणों में शिवलिंग की पूजा से जुड़े कई नियम बताए गए हैं। ज्योतिषाचार्य चिराग दारूवाला से जानिए शिवलिंग पूजा के महत्व के बारे में।

शिवलिंग की पूजा का महत्व

हिंदू धर्म में शिवलिंग की पूजा को विशेष महत्व दिया गया है। मान्यता है कि शिवलिंग की पूजा करने से भक्त की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और मनचाहा फल प्राप्त होता है। मान्यता है कि अविवाहित महिलाओं के अलावा विवाहित महिलाओं द्वारा शिवलिंग को छूने से माता पार्वती नाराज हो सकती हैं, जिसके कारण पूजा का विपरीत परिणाम हो सकता है। इसलिए कहा जाता है कि महिलाओं को शिव की मूर्ति के रूप में ही पूजा करनी चाहिए।

महिलाएं शिवलिंग को क्यों नहीं छू सकतीं?

महिलाओं को शिवलिंग की पूजा करते समय कुछ गलतियां नहीं करनी चाहिए, अन्यथा पूजा सफल नहीं मानी जाती है और व्यक्ति को दुष्परिणाम भुगतना पड़ सकता है। अविवाहित महिलाओं को इसे छूने की मनाही है। ऐसा कहा जाता है कि भगवान शिव सबसे पवित्र हैं और हमेशा ध्यान में लीन रहते हैं। भगवान शंकर के ध्यान के दौरान इस बात का ध्यान रखा जाता था कि कोई देवी या अप्सरा भगवान के ध्यान में विघ्न न डालें। इसलिए कुंवारी लड़कियों को शिवलिंग को छूने से मना किया जाता है। भगवान शिव की तपस्या में विघ्न डालना अनुचित माना जाता है, इसलिए शास्त्रों में अविवाहित महिलाओं को शिवलिंग को छूने से मना किया गया है।

महिलाएओं को शिवलिंग की पूजा कैसे करनी चाहिए?

शास्त्रों के अनुसार, शिवलिंग शक्ति का प्रतीक है और केवल शादीशुदा पति-पत्नी या पुरुष ही शिवलिंग को छू सकता है। इसलिए अगर आप शिवलिंग की पूजा करने जा रहे हैं तो ध्यान रखें कि केवल पुरुष को ही शिवलिंग को छूना है। पवित्र शिवलिंग को सीधे छूना वर्जित है। अगर कोई महिला तिलक लगाने के लिए शिवलिंग को छूना चाहती है तो पहले वह शिवलिंग के जल को छूकर प्रणाम करती है। फिर वह शिवलिंग को छू सकती हैं।

वेदांग के साथ डेटिंग को लेकर फिर चर्चा में आईं खुशी कपूर, फोन के वॉलपेपर ने दी अफवाहों को हवा

बोनी कपूर की लाडली बेटी और जान्हवी कपूर की बहन खुशी कपूर ने जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज' से अपना अभिनय डेब्यू किया है। हालांकि, खुशी कपूर डेब्यू से पहले से ही अपने अंदाज से दर्शकों का दिल जीत चुकी थीं। खुशी की सोशल मीडिया पर तगड़ी फैन फॉलोइंग है। अपनी फिल्म की रिलीज के बाद अभिनेत्री अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी चर्चा में रहती हैं। अब खुशी एक बार फिर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में आ गई हैं। आइए जानते हैं क्यों।

वेदांग रैना के साथ फिर जुड़ा खुशी कपूर का नाम

'द आर्चीज' के बाद से ही खुशी कपूर का नाम उनके सह-कलाकार वेदांग रैना के साथ जोड़ा जा रहा है। हालांकि, दोनों ने अभी तक अपने रिश्ते की पुष्टि नहीं की है, लेकिन हाल ही में मीडिया में खुशी के फोन का वॉलपेपर कैप्चर किया गया है, जिसमें वेदांग, उनकी बहन जान्हवी कपूर और जान्हवी के बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया के साथ उनकी एक तस्वीर थी।

फोन के वॉलपेपर में नजर आए कथित बॉयफ्रेंड

खुशी कपूर को मुंबई एयरपोर्ट से निकलते हुए देखा गया। वह टैंक टॉप और मैचिंग जॉगर्स में नजर आईं। बिना मेकअप के और बालों को पोनीटेल में बांधे खुशी एंट्री की ओर बढ़ीं। इसी समय खुशी का वॉलपेपर मीडिया के कैमरे में कैद हो गया। सोशल मीडिया पर इस वीडियो के वायरल होते ही लोगों के बीच एक बार फिर खुशी और वेदांग की डेटिंग की अफवाहों ने जोर पकड़ लिया है।

राधिका-अनंत के संगीत समारोह की है तस्वीर

यह ब्लैक एंड व्हाइट फोटो अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के संगीत समारोह की है। इसमें खुशी पिंक साड़ी और ऑफ-शोल्डर ब्लाउज में अपने कथित बॉयफ्रेंड वेदांग के साथ खड़ी नजर आ रही हैं। वहीं, जान्हवी ने मिनी सीक्विन्ड बैकलेस ड्रेस पहनी हुई है। शिखर ने प्रिंटेड शर्ट पहनी हुई है।

बता दें कि इससे पहले इससे पहले करण जौहर के चैट शो, कॉफी विद करण सीजन 8 में खुशी ने वेदांग के साथ डेटिंग अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि वह और मैं सिर्फ अच्छे दोस्त हैं।

डेब्यू के लिए तैयार वरुण धवन की भतीजी अंजिनी

बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन की भतीजी अंजिनी धवन फिल्म 'बिन्नी एंड फैमिली' से बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। पंकज कपूर अभिनीत, एकता कपूर की बालाजी मोशन पिक्चर्स द्वारा निर्मित और संजय त्रिपाठी द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक पारिवारिक ड्रामा है। प्रशंसकों को उत्साहित करने के लिए निर्माताओं ने फिल्म पहला पोस्टर भी जारी किया है। साथ ही रिलीज डेट से भी पर्दा उठाया गया है।

'बिन्नी एंड फैमिली' का फर्स्ट लुक पोस्टर 29 जुलाई को बालाजी मोशन पिक्चर्स के इंस्टाग्राम हैंडल पर जारी किया गया। पोस्ट साझा करते हुए कैप्शन में लिखा गया, 'पुराने जमाने के संस्कार बनाम आजकल के आधुनिक विचार। जटिलताओं से भरी फैमिली है बिन्नी की, पर ये कहानी है हम सब' की। मिलिए 'बिन्नी एंड फैमिली' से 30 अगस्त को अपने नजदीकी सिनेमा घरों में'।

'बिन्नी एंड फैमिली' के कलाकार

'बिन्नी एंड फैमिली' एक आम परिवार के जरिए पीढ़ियों के रिश्तों को दर्शाने वाली है। यह फिल्म कुछ खट्टी मीठी कहानी के जरिए दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार है। अंजिनी धवन के अलावा फिल्म में दिग्गज अभिनेता पंकज कपूर, हिमानी शिवपुरी, राजेश कुमार, चारु शंकर और अन्य कलाकार भी हैं।

सहायक निर्देशक के तौर पर काम कर चुकी हैं अंजिनी धवन

अंजिनी धवन, अभिनेता अनिल धवन की पोती और सिद्धार्थ धवन की बेटी हैं। वे बोनी कपूर की छोटी बेटी खुशी कपूर के साथ दोस्ती का प्यारा रिश्ता साझा करती हैं। अभिनय की दुनिया में कदम रखने से पहले अंजिनी वरुण धवन और सारा अली खान की फिल्म 'कुली नंबर 1' के सेट पर सहायक निर्देशक थीं।

जब शूटिंग के दौरान नीले पड़ गए थे माधुरी दीक्षित के होंठ, 2 डिग्री ठंड में शूट किया था ये गाना

माधुरी दीक्षित की दमदार एक्टिंग के साथ ही उनका उम्दा डांस भी उनके करियर के इतने सफल होने का कारण रहा है. माधुरी बेहतरीन डांसिंग स्टार्स में शुमार रही हैं. एक फिल्म के लिए तो उन्होंने बर्फीले पहाड़ों में बेहद मुश्किल भरे माहौल में एक गाना शूट किया था. फिल्म पुकार का गाना 'किस्मत से तुम' को बर्फीले पहाड़ों में शूट किया जाना था. इस फिल्म के लिए माधुरी बेहद खराब मौसम में फिल्म के मुताबिक कॉस्ट्यूम में पहाड़ों में शूट किया था. इस शूटिंग के दौरान माधुरी का हाल बेहद बुरा हो गया था और वो ठंड की वजह से बुरी तरह से कांपने लगी थीं. इस किस्से का खुलासा खुद माधुरी ने एक इंटरव्यू के दौरान किया था. माधुरी ने बॉलीवुड हंगामा से बातचीत के दौरान बताया था कि अनिल कपूर को टीशर्ट में और मुझे शिफॉन की साड़ी में ये सीन शूट करने थे. पहले दिन तो बेहद ठंड की वजह से हम शूटिंग ही नहीं कर पाए थे. माधुरी ने बताया कि फिल्म की कोरियोग्राफर शूटिंग के दौरान उनसे गाने को सिंक करने के लिए बोल रही थीं लेकिन मेरे तो होठ ही जम गए थे. मेरे होठ हिल भी नहीं पा रहे

थे. दरअसल हम एक बर्फीले ग्लेशियर के ऊपर ये सीन शूट कर रहे थे जहां बेहद ज्यादा ठंड थी. माधुरी इस वाकये को लेकर बताती हैं कि फराह खान लगातार सभी से कह रही थी कि गाना गाओ लेकिन ठंड की वजह से मेरे होठ हिल भी नहीं पा रहे थे. इतने में शाम हो चुकी थी और टेंप्रेचर और ज्यादा कम हो चुका था. माधुरी ने बताया कि उस दिन मेरी हालत इतनी खराब हो चुकी थी कि मेरे होठ पूरी तरह से नीले पड़ चुके थे और मैं ठंड से कांप रही थी.

सेट्स पर एक डॉक्टर भी था और उसने प्रीकॉशन लेते हुए शूट कैंसिल भी करवा दिया था. इसके बाद की शूटिंग को लेकर माधुरी ने बताया कि इसके बाद शूट पर मेरे लिए हमेशा एक आदमी चादर लेकर तैयार रहता था. जैसे ही टेक खत्म होता वो दौड़कर मेरे पास आता और मुझे वो चादर ओढ़ा देता था ताकि कुछ गर्मी मिल सके.

'अल्फा' के लिए फिटनेस ट्रेनिंग ले रहीं शरवरी वाघ, बोलीं- 'मेरी तो एक्टिंग पर मास्टरक्लास होने वाली है'

आलिया भट्ट की फिल्म अल्फा की अनाउंसमेंट ने फैंस को एक्साइटेड कर दिया है. वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की इस फिल्म में दमदार एक्शन देखने को मिलेगा. इसकी जानकारी खुद फिल्म की एक एक्ट्रेस ने दी है. आलिया भट्ट स्टारर फिल्म 'अल्फा' की अनाउंसमेंट हो चुकी है. अब फैंस बेसब्री से इस फिल्म का इंतजार कर रहे हैं. आलिया के साथ इस फिल्म में एक और हसीना भी अहम रोल में दिखाई देने वाली हैं.

हाल ही में इस हसीना ने फिल्म को लेकर बड़ा अपडेट दिया है और कहा है कि इसमें एक नहीं बल्कि दो एक्ट्रेसेस का दमदार एक्शन रोल देखने को मिलेगा. अल्फा की स्टारकास्ट में शामिल इस एक्ट्रेस ने फिल्म को लेकर कई अपडेट दिए. उन्होंने आलिया भट्ट के साथ काम करने को लेकर अपनी एक्साइटमेंट भी जाहिर की है. ये एक्ट्रेस कोई और नहीं, बल्कि 'मुंज्या' फेम एक्ट्रेस शरवरी वाघ हैं. इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए शरवरी ने फिल्म को लेकर अपडेट देते हुए कहा- 'मैंने अभी तक अपनी शूटिंग शुरू नहीं की है, लेकिन तैयारी इनक्रेडिबल रही है.'

आलिया भट्ट के साथ काम करने को लेकर शरवरी कहती हैं, 'आलिया भट्ट जो देश की फेवरेट स्टार और मेरी पसंदीदा हैं, उनके साथ काम करने के काबिल होना एक बड़ा मौका है. मुझे लगता है कि वो जो पर्सनैलिटी हैं और वो जो कलाकार हैं, उससे आपको बहुत कुछ सीखने को मिलता है.' शरवरी ने आगे कहा- 'मैं वाकई में महसूस करती हूं कि मैं आलिया भट्ट के साथ एक ही कमरे में रहकर बहुत लकी हूं क्योंकि मैं एक स्टूडेंट हो सकती हूं और ये एक्टिंग पर एक मास्टरक्लास होने जा रहा है. यह इनक्रेडिबल होने वाला है.'

एक्ट्रेस ने फिल्म को लेकर आगे कहा- 'ईमानदारी से कहूं तो मैं फिल्म की तैयारी के लिए अपने जिंदगी का सबसे अच्छा समय बिता रहा हूं. ये एक एक्शन फिल्म है. ये एक ऐसी फिल्म है जिसमें आप दो औरतों को एक्शन करते हुए देखेंगे. ये बिल्कुल कुछ नया है. ये उस तरह का सिनेमा है जिसे हम पहली बार बनाने की कोशिश कर रहे हैं और ये बहुत बड़ी जिम्मेदारी है.'

'अल्फा' के लिए करने वाली तैयारियों को लेकर भी शरवरी ने बात की. उन्होंने कहा- 'मैं हर दिन एक्शन ट्रेनिंग में रहती हूं. मैं बहुत लंबे समय से ट्रेनिंग ले रही हूं और अब शूटिंग के करीब हूं. ट्रेनिंग और भी हार्डकोर और एक्स्ट्रीम है. ये एक चुनौती है और मुझे एक अच्छी चुनौती पसंद है, ये एक्साइटिंग है.' शरवरी ने कहा कि उन्हें लगता है कि उनकी तैयारी एक्शन के अलावा, स्क्रिप्ट के साथ बैठने और कैरेक्टर के बारे में सोचने के काबिल हो.

दिल्ली के जिस फ्लैट में रहते थे शाहरुख-गौरी, आर्यन खान ने खरीदा वो घर

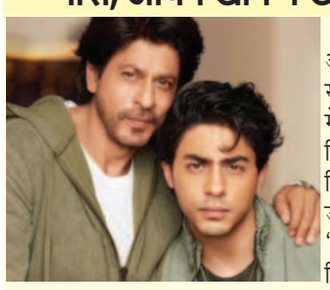

शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान बी-टाउन के सबसे मशहूर स्टार किड्स में से एक हैं। आर्यन खान निर्देशन में अपने डेब्यू के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उनकी डेब्यू सीरीज को 'स्टारडम' का शीर्षक दिया गया है। उनकी आगामी सीरीज को लेकर कई तरह के अपडेट सामने आते रहे हैं। अब खबर है कि शाहरुख के लाडले ने अपनी सीरीज की रिलीज से पहले ही दिल्ली में दो फ्लैट खरीदे हैं।

शाहरुख के लाडले ने खरीदा फ्लैट

बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान ने हाल ही में, साउथ दिल्ली के पंचशील पार्क में करीब 37 करोड़ रुपये में 2 फ्लोर खरीदे हैं। परिवार के पास पहले से ही बिल्डिंग का बेसमेंट और ग्राउंड फ्लोर है, जहां शाहरुख और उनकी पत्नी गौरी अपने शुरुआती दिनों में रहा करते थे। द इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, यह लेनदेन मई 2024 में पंजीकृत हुआ और 2.64 करोड़ रुपये की स्टांप ड्यूटी का भुगतान किया गया।

शाहरुख-गौरी से है खास कनेक्शन

इस घर को गौरी खान ने डिजाइन किया था और यह शाहरुख और गौरी के लिए काफी महत्व रखता है। शाहरुख खान और गौरी की पहली मुलाकात दिल्ली में हुई थी। शाहरुख खान के पास पंचशील पार्क में 27,000 वर्ग फुट का हेरिटेज विला है, जिसे उन्होंने 2001 में 13 करोड़ रुपये से अधिक की कीमत पर खरीदा था। खबरों की मानें तो आज इस संपत्ति की कीमत करीब 200 करोड़ रुपये है। साल 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान, शाहरुख ने एयरबीएनबी को किराए पर यह घर उपलब्ध कराया था।

अब कहां हैं कंजी आंखों वाली मंदाकिनी पहली ही फिल्म से मचाई थी सनसनी

गुजरे जमाने की एक्ट्रेस मंदाकिनी ने पहली ही फिल्म से नेम-फेम पा लिया था. वो 1985 में फिल्म राम तेरी गंगा मैली हो गई में नजर आई थीं. इस फिल्म में वो राज कपूर के छोटे बेटे राजीव कपूर के अपोजिट रोल में थीं. इस फिल्म ने उन्हें रातोरात स्टार बना दिया था. उन्होंने बोल्ड सीन कर सनसनी मचा दी थी. उनकी मैच्योर एक्टिंग और गॉर्जियस लुक्स ने फैंस का दिल लूट लिया था.

उस वक्त मंदाकिनी की खूबसूरती के बहुत चर्चे थे. उनकी कंजी आंखें और खूबसूरती पर हर कोई फिदा था. अब मंदाकिनी काफी बदल गई हैं. वो सोशल मीडिया पर खासी एक्टिव हैं और अपने लुक्स के फोटोज शेयर करती रहती हैं.

इसके बाद उन्होंने कुछ और सक्सेसफुल फिल्मों में काम किया और 1996 में फिल्मों को अलविदा कह दिया. वो आखिरी बार जोरदार में नजर आई थीं. दरअसल, एक्ट्रेस ने 1990 में डॉ. काग्युर टी रिनपोचे से शादी कर ली थी. शादी के कुछ समय बाद ही उन्होंने फिल्में छोड़ दी और फैमिली को समय दिया. मंदाकिनी पूरी तरह से ग्लैमर वर्ल्ड से दूर हो गई थीं.

कमबैक को लेकर कहा था ये

फिर सालों बाद 2022 में एक्ट्रेस ने म्यूजिक वीडियो- मां ओ मां से कमबैक किया. उन्होंने कमबैक को लेकर रिएक्ट किया था. एक्ट्रेस ने कहा था, 'फैमिली में बच्चे छोटे होते हैं तो आप काम छोड़ देते हो. लेकिन फिर वो जब बड़े हो जाते हैं तो आपको लगता है कि चलो करते हैं. आज के समय में कई प्लेटफॉर्म्स हैं और अच्छा काम हो रहा है. महिलाओं के लिए लोग अच्छी स्क्रिप्ट्स लिख रहे हैं. मुझे लगता है कि अब अच्छा समय है वो करने के लिए जो आप करना चाहते हो.' एक्ट्रेस ने ये भी कहा कि वो अब फिल्में भी करना चाहती हैं.

कैंसर से जूझ रहीं हिना खान ने सेल्फी शेयर कर दिखाए कीमोथेरेपी का निशान

हिना खान इन दिनों अपनी जिंदगी के बहुत ही मुश्किल दौर से गुजर रही हैं. वह ब्रेस्ट कैंसर की लास्ट स्टेज में हैं और पूरी तरह से अपना इलाज करा रही हैं. हालांकि कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी भी हिना की मनोबल डगमगा नहीं पाई है और वह आज भी उतनी ही मजबूत हैं, जितनी कि पहले हुआ करती थीं. हिना खान नॉर्मल जिंदगी में लौटने के लिए कीमोथेरेपी का सहारा ले रही हैं और फोटोज शेयर करके खुद के लिए दुआ करने की अपील करती रहती हैं. हिना खान ने फिर से एक फोटो शेयर की है, जिसमें वह कॉन्फिडेंटली अपनी कीमोथेरेपी के निशान फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं.

हिना खान की पॉजिटीविटी और उनका अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है. हर कोई उनके इस जज्बे की खूब तारीफ कर रहा है. इन्हीं सबके बीच हिना खान ने अपनी एक फोटो शेयर की है, जिसमें वह अपने गले पर पड़े कीमोथेरेपी के निशान को दिखा रही थीं. फोटो में हिना हंसती हुई नजर आ रही हैं और बिंदास तरीके से जिंदगी जी रही हैं. हिना खान ने फोटो शेयर कर इस बात का हिंट दिया है कि उनकी जिंदगी में कुछ अच्छा होने वाला है. फोटो शेयर करते वक्त हिना के चेहरे पर कोई टेंशन नहीं है.

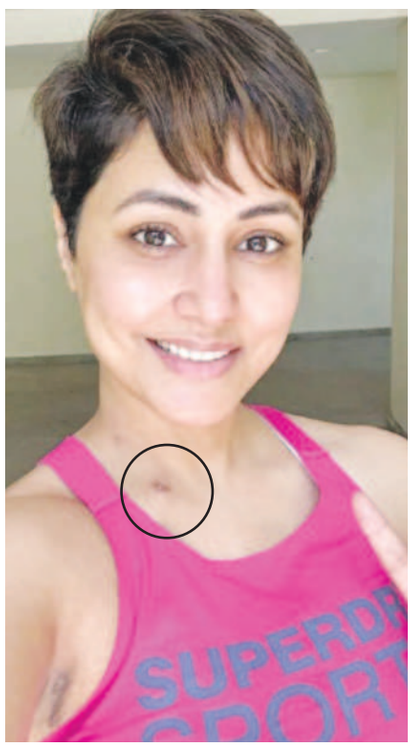

हिना खान ने जो फोटो शेयर की है, उसमें वह

व्हाइट टी-शर्ट पहने नजर आ रही हैं. जिसपर हिना ने लिखा, अच्छी चीजें आने वाली हैं. इसके साथ ही उन्होंने कीमोथेरेपी के निशान को कॉन्फिडेंस से फ्लॉन्ट किया है और वह हंस रही हैं. बता दें कि हिना खान ने हाल ही में खुलासा किया था कि उनको स्टेज तीन ब्रेस्ट कैंसर हुआ है. वहीं हिना के लिए कोकिलाबेन हॉस्पिटल के हाउसकीपिंग डिपार्टमेंट ने एक इमोशनल नोट शेयर किया था. इस नोट में स्टाफ ने हिना को बहुत जल्द ठीक होने के लिए कामना भी की थी.

दर्द से जूझते हुए काम कर रहीं हिना

हिना खान ने भी हाथ से लिखे नोट की एक फोटो पोस्ट की थी और बताया था कि कैसे इस नोट ने उनका उत्साह बढ़ाया था और प्रेरित किया था. हिना खान अक्सर कीमोथेरेपी के सेशन के वक्त के दर्द के साथ तस्वीर शेयर करती रहती हैं. पिछली स्टोरी भी उन्होंने दर्द सहने के बाद शेयर की थी और लिखा था, 'लगातार दर्द में रहनाहां लगातारहर एक सेकंड..शख्स मुस्कुरा रहा है..अभी भी दर्द में है. व्यक्ति इसे बयां नहीं करता है, वह कहता है कि मैं ठीक हूं, लेकिन वह अभी भी दर्द में है'. बता दें कि हिना खान भले ही कैंसर से जूझ रही हैं लेकिन अभी भी वह काम को लेकर खूब एक्टिव हैं.

मोटापा ग्रस्त महिलाएं हो जाएं सावधान, हृदय रोगों के अलावा जानलेवा समस्या का भी हो सकती हैं शिकार

शरीर का वजन अधिक होना या मोटापे की समस्या को कई प्रकार की गंभीर और क्रोनिक बीमारियों का कारण माना जाता रहा है। बच्चे हों या बुजुर्ग, महिला हों या पुरुष मोटापे की स्थिति सभी के लिए खतरनाक हो सकती है। इसी से संबंधित एक हालिया अध्ययन में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने महिलाओं में अधिक वजन की समस्या को गंभीर बताते हुए इसे कंट्रोल में रखने की सलाह दी है।

स्ट्रोक जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में कहा गया है कि जो महिलाएं 15 से 30 की उम्र में अधिक वजन वाली या मोटापे की शिकार होती हैं, उनमें 55 की उम्र से पहले इस्केमिक स्ट्रोक होने का जोखिम अधिक हो सकता है। हालांकि इसी उम्र के पुरुषों में मोटापे के कारण इतना जोखिम नहीं देखा गया है।

शोध के निष्कर्ष के आधार पर विशेषज्ञों ने कहा है कि कम उम्र से ही वजन को कंट्रोल रखने के लिए प्रयास जरूरी हैं। किशोरावस्था (13-18 की आयु) के बाद अगर वजन कम भी करते हैं तो भी स्ट्रोक का खतरा समाप्त नहीं होता इसलिए बचपन से ही वजन पर ध्यान देते रहना जरूरी है।

इस्केमिक स्ट्रोक का जोखिम

गौरतलब है कि रक्त का थक्का (जिसे थ्रोम्बस के रूप में जाना जाता है) बनने के कारण मस्तिष्क की ओर जाने वाली धमनी के अवरुद्ध होने से इस्केमिक स्ट्रोक हो सकता है। मोटापे के शिकार लोगों में थक्का बनने का जोखिम अधिक होता है और इससे स्ट्रोक के अलावा हार्ट अटैक का खतरा भी बढ़ जाता है। स्ट्रोक को जानलेवा समस्या माना जाता है।

ये अध्ययन फिनलैंड में किया गया। साल 1980 से 2020 तक किए गए इस अध्ययन में 50 वर्ष की आयु के 10,491 लोग शामिल थे, जिनमें से 49% महिलाएं थीं। शोधकर्ताओं ने 14 और 31 या दोनों उम्र में इनका बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) मापा। इनमें 20 में से एक प्रतिभागी में थक्का बनने और इसके कारण स्ट्रोक का खतरा देखा गया।

अध्ययन में क्या पता चला?

अध्ययन की कुछ महत्वपूर्ण बातों पर विशेषज्ञों ने ध्यान आकृष्ट किया है।

14 वर्ष की आयु में मोटापे की शिकार महिलाओं में थक्के के कारण स्ट्रोक का जोखिम 87% अधिक पाया गया।।

31 वर्ष की आयु में मोटापे की शिकार महिलाओं में उचित वजन वाली महिलाओं की तुलना में क्लॉट के कारण होने वाले स्ट्रोक का खतरा 167% अधिक था।

31 वर्ष में मोटापे वाली महिलाओं में हेमोरेजिक स्ट्रोक का जोखिम भी लगभग 3.5 गुना अधिक देखा गया।

जो पुरुष 14 या 31 वर्ष की आयु में अधिक वजन वाले या मोटापे से ग्रस्त थे, उनमें थक्के के कारण होने वाले स्ट्रोक का खतरा, महिलाओं की तुलना में कम था।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

न्यूयॉर्क में नॉर्थवेल हेल्थ-साउथ यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में न्यूरोलॉजी डिवीजन के निदेशक डॉ. एंड्रयू रोगोव कहते हैं, 14 और 31 वर्ष की आयु में अधिक वजन वाली महिलाओं में पुरुषों की तुलना में स्ट्रोक की आशंका अधिक देखी गई।

अमेरिका में साल 2019 में पुरुषों की तुलना में महिलाओं में स्ट्रोक से 55,000 अधिक मौतें हुईं। यह खतरा हार्मोनल परिवर्तनों और मौखिक गर्भनिरोधक गोलियों के अधिक सेवन के कारण हो सकता है। कई और जोखिम कारक हैं जो महिलाओं में स्ट्रोक के खतरे को बढ़ा देते हैं।

एस्ट्रोजन हार्मोन का स्तर, विशेषकर धूम्रपान करने वाली महिलाओं में।

पहली माहवारी 10 वर्ष या उससे कम उम्र में या 17 वर्ष से अधिक उम्र में होना।

मेनोपॉज समय से पहले होना (45 वर्ष की आयु से पहले)

हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी का उपयोग।

गर्भावस्था के दौरान जटिलताएं या मधुमेह का खतरा।

स्ट्रोक के खतरे से कैसे बचें?

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन का कहना है कि अधिकांश स्ट्रोक को स्वस्थ जीवनशैली में बदलाव के माध्यम से रोका जा सकता है। कम उम्र से वजन को कंट्रोल रखना सबसे जरूरी है। इसके अलावा यदि आप धूम्रपान करती हैं, तो इसे तुरंत छोड़ दें। शारीरिक रूप से सक्रिय रहें, यहां तक कि हर घंटे 10 मिनट तक घूमना भी बैठने से बेहतर है।

रक्तचाप-शुगर को नियंत्रित रखें और स्वस्थ आहार लें। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, किशोरावस्था या युवावस्था के दौरान अधिक वजन की शिकार महिलाओं में स्ट्रोक के जोखिम को कम करने के लिए समय पर ध्यान देना जरूरी है। अगर आप भी कम उम्र में ही अधिक वजन की शिकार हैं तो इस बारे में डॉक्टर की सलाह जरूर ले लें।

क्या टाइफाइड भी मच्छरों के काटने से होता है? लक्षण-कारण और बचाव के तरीके

मानसून का ये मौसम अपने साथ कई तरह की बीमारियां लेकर आता है, इसमें सबसे ज्यादा खतरा मच्छर जनित रोगों का होता है। डेंगू-मलेरिया और चिकनगुनिया जैसे रोगों के कारण हर साल बड़ी संख्या में लोगों को अस्पतालों में भर्ती होना पड़ता है। हालिया रिपोर्ट्स से पता चलता है कि महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल सहित कई राज्यों में डेंगू का खतरा बढ़ रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, डेंगू के साथ इन दिनों टाइफाइड का जोखिम भी अधिक देखा जा रहा है, जिसको लेकर भी सभी लोगों को सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

क्या टाइफाइड भी मच्छरों के कारण होने वाली बीमारी है? क्या ये भी डेंगू जितना ही खतरनाक है? इससे किस तरह से बचाव किया जा सकता है? आइए इस बारे में विस्तार से समझते हैं।

डेंगू के साथ टाइफाइड का खतरा

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मानसून की शुरुआत के साथ ही देश में टाइफाइड के मामले भी बढ़ने लगे हैं। तेलंगाना के कई शहरों में डॉक्टरों को अस्पताल में रोजाना 5 से 6 मामले देखने को मिल रहे हैं। राजधानी दिल्ली-एनसीआर में भी मौसमी बीमारियों के कारण बुखार की शिकायत के साथ रोजाना ओपीडी में 700-800 मरीज आ रहे हैं। डेंगू के साथ-साथ टाइफाइड से भी बचाव को लेकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। टाइफाइड बुखार को एंटरिक बुखार भी कहा जाता है, ये साल्मोनेला बैक्टीरिया के कारण होता है। यहां जानना जरूरी है कि टाइफाइड मच्छरों के काटने से नहीं फैलता है।

टाइफाइड संक्रमण के बारे में जानिए

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, टाइफाइड बुखार साल्मोनेला बैक्टीरिया से दूषित भोजन और पानी के सेवन के कारण होता है। कई मामलों में संक्रमित व्यक्ति के निकट संपर्क से भी टाइफाइड का खतरा हो सकता है। वैसे तो टाइफाइड बुखार से पीड़ित अधिकांश लोग एंटीबायोटिक्स उपचार से लगभग एक सप्ताह में ठीक हो जाते हैं हालांकि अगर इसका समय पर उचित इलाज न हो पाए तो इसके कारण गंभीर जटिलताओं और मृत्यु का खतरा भी हो सकता है।

क्या हैं टाइफाइड के लक्षण?

टाइफाइड संक्रमण के लक्षण बैक्टीरिया के संपर्क में

आने के 1 से 3 सप्ताह बाद दिखाई देते हैं। इसमें हल्के से लेकर तेज बुखार (104 डिग्री फारेनहाइट), ठंड लगने, सिरदर्द, कमजोरी और थकान, मांसपेशियों और पेट में दर्द के साथ दस्त या कब्ज की दिक्कत हो सकती है। कुछ लोगों को त्वचा पर चकत्ते होने, भूख न लगने और पसीना आने की भी समस्या होती है।

इलाज न होने पर ये बीमारी कुछ सप्ताह बाद आंतों में भी दिक्कतें पैदा कर सकती हैं। इसके कारण पेट में सूजन, पूरे शरीर में फैलने वाले आंत के बैक्टीरिया के कारण संक्रमण (जिसे सेप्सिस कहा जाता है) और भ्रम की दिक्कत भी हो सकती है। टाइफाइड बुखार के कारण आंतों में क्षति और रक्तस्राव का भी जोखिम रहता है।

टाइफाइड का इलाज और बचाव

टाइफाइड बुखार के लिए एंटीबायोटिक दवाएं ही एकमात्र प्रभावी उपचार है। संक्रमण को नियंत्रित करने का सबसे अच्छा तरीका हाथों की स्वच्छता का ध्यान रखना है। बार-बार हाथ धोना आपको संक्रमण से बचा सकता है। दूषित पानी से ये संक्रमण फैलता है इसलिए केवल उबाल कर या फिर फिल्टर किया हुआ पानी ही पीना चाहिए। कच्चे फल और सब्जियां खाने से बचें। कच्चे उत्पाद दूषित पानी में धुले हो सकते हैं, इसलिए इनके उपयोग से पहले इसे अच्छे से साफ करें। भोजन को अच्छे से पकाकर ही खाएं। बासी भोजन से बचना चाहिए। अगर आपको 2-3 दिनों से बुखार है और ये सामान्य दवाओं से नहीं ठीक हो रहा है तो डॉक्टर की सलाह पर खून की जांच जरूर कराएं।

शरीर के लिए क्यों जरूरी है फाइबर? इसकी कमी से किन समस्याओं का हो सकता है खतरा

शरीर ठीक तरीके से काम करता रहे इसके लिए जरूरी है कि हमें आहार से पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्व मिलते रहें। विटामिन-सी और डी, प्रोटीन और कैल्शियम जैसे पोषक तत्वों की खूब चर्चा होती रहती है, पर क्या आप जानते हैं कि हमें इन्हीं पोषक तत्वों की तरह रोजाना फाइबर की भी जरूरत होती है?

फाइबर हमारे पाचन को ठीक रखने के लिए सबसे जरूरी तत्व है। फाइबर मल को नरम बनाता है जिससे कब्ज की आशंका दूर होती है। अगर आप भरपूर मात्रा में फाइबर वाली चीजें खाते हैं तो ये आंतों को स्वस्थ रखने में काफी मददगार हो सकता है।

मुख्य रूप से फलों, सब्जियों, साबुत अनाज और कुछ प्रकार के बीजों में फाइबर पाया जाता है। अगर शरीर में फाइबर की कमी हो जाए तो स्वास्थ्य पर कई प्रकार के नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं। आइए जानते हैं कि फाइबर की कमी से किस तरह की दिक्कतें हो सकती हैं?

फाइबर क्यों जरूरी है?

फाइबर आपके पेट के ठीक रखने, आंतों में गुड बैक्टीरिया को पोषण देने के लिए तो जरूरी है ही साथ ही इसकी मदद से ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल जैसी समस्याओं को भी कंट्रोल रखा जा सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अगर आपका पाचन ठीक है तो इसका मतलब है कि आप स्वस्थ हैं। आहर में फाइबर वाली चीजों को शामिल करके पाचन को स्वस्थ रखने में

मदद मिल सकती है।

अगर आपके आहार में फाइबर वाली चीजों की मात्रा कम है या फिर शरीर में फाइबर की कमी हो जाए तो इसके कई तरह के दुष्प्रभाव हो सकते हैं।

कब्ज और आंतों की समस्याओं का खतरा

फाइबर की कमी होने से मल सख्त हो जाता है जिससे कब्ज की समस्या हो सकती है। फाइबर की कमी होने से पेट फूलने, गैस और अपच जैसी दिक्कतें भी होने लगती हैं। लंबे समय तक बनी रहने वाली फाइबर की कमी के कारण बड़ी आंतों में दिक्कत हो सकती है और इसके कारण डायवर्टीकुलिटिस नामक बीमारी का जोखिम हो सकता है। कब्ज की समस्या पूरे पाचन तंत्र के लिए समस्याएं बढ़ा देती है।

शुगर और कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का खतरा

घुलनशील फाइबर पानी में मिलकर आपके पेट में जेल जैसा पदार्थ बनाते हैं, जिससे पाचन धीमा हो जाता है। यह आपके रक्त शर्करा और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने में मदद करता है। ऐसे में यदि आहार में फाइबर की कमी है तो इसके कारण ब्लड शुगर बढ़ सकता है। घुलनशील फाइबर कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में भी मदद करता है। इसकी कमी से रक्त में बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ने का खतरा रहता है जिससे हृदय स्वास्थ्य की दिक्कतें बढ़ सकती हैं।

फाइबर की कमी को कैसे पूरा करें

विभिन्न प्रकार के फलों और सब्जियों को अपने आहार में शामिल करके फाइबर की पूर्ति की जा सकती है। सेब, नाशपाती, ब्रोकली, गाजर और पालक आदि में फाइबर होता है। साबुत अनाज फाइबर का सबसे अच्छा स्रोत हैं। ब्राउन राइस, होल व्हीट और ओट्स को आहार की हिस्सा बनाएं। बादाम, चिया सीड्स और अलसी के बीज जैसे नट्स और बीज भी फाइबर प्रदान करते हैं।

नहीं करते हैं व्यायाम तो बढ़ जाता है इन समस्याओं का खतरा

शरीर को स्वस्थ और फिट रखने के लिए पौष्टिक आहार के साथ नियमित रूप से व्यायाम की आदत बनाना भी बहुत जरूरी माना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अगर सिर्फ नियमित रूप से 30 मिनट व्यायाम की आदत बना ली जाए तो इससे कई प्रकार की क्रोनिक और मेटाबॉलिज्म से संबंधित बीमारियों का खतरा कम किया जा सकता है। योग-व्यायाम और शारीरिक रूप से सक्रिय रहने के कई सारे लाभ हैं।

हालांकि ऑफिस जाने वाले लोग या घरेलू महिलाओं में सेंडेंटरी लाइफस्टाइल की समस्या काफी तेजी से बढ़ती देखी जा रही है। सेडेंटरी लाइफस्टाइल यानी कि निष्क्रिय जीवनशैली होना, जैसे एक ही स्थान पर लंबे समय तक बैठे रहने, दिन का अधिकतर समय लेटे-लेटे बिताने जैसी आदतें गंभीर रोगों का खतरा बढ़ा देती हैं।

सेंडेंटरी लाइफस्टाइल और इसके नुकसान

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, वयस्कों से लेकर बुजुर्गों तक सभी को अपनी स्वास्थ्य स्थिति के आधार पर व्यायाम का चयन करके नियमित इसका अभ्यास करना चाहिए। सेंडेंटरी लाइफस्टाइल से बचना कई तरह की बीमारियों से सुरक्षित रहने के लिए सबसे आवश्यक माना जाता है।

व्यायाम न करने के कई तरह के प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभाव होते हैं, जिनमें वजन बढ़ना, हृदय रोग, टाइप-2 डायबिटीज, मांसपेशियों की कमजोरी और मानसिक स्वास्थ्य की समस्या शामिल है। आइए जानते हैं कि सिर्फ कुछ महीने ही व्यायाम न करने का स्वास्थ्य पर किस तरह से असर हो सकता है?

वजन बढ़ने और मोटापे का हो सकता है खतरा

शारीरिक निष्क्रियता का सबसे पहला असर आपके वजन पर होता है। व्यायाम न करने से कैलोरी बर्न नहीं होने पाती है और इस दौरान भोजन से मिल रही अतिरिक्त कैलोरी वसा के रूप में जमा होने लगती है। इसके परिणामस्वरूप वजन बढ़ सकता है और मोटापे का खतरा बढ़ जाता है। एक महीने भी शारीरिक निष्क्रियता या व्यायाम की कमी के कारण आपका वजन बढ़ सकता है।

ब्लड प्रेशर और हृदय रोगों का जोखिम

गतिहीन जीवनशैली के कारण शरीर में रक्त का परिसंचरण बिगड़ने लगता है। इसके अलावा रक्तचाप और बैड कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी बढ़ने लग जाता है जिससे हृदय पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। व्यायाम की कमी के कारण होने वाले ये परिवर्तन एथेरोस्क्लेरोसिस (धमनियों का सख्त होना) का भी खतरा बढ़ा देते हैं जिससे दिल के दौरे, स्ट्रोक और अन्य हृदय रोगों का जोखिम भी हो सकता है।

कमजोर होने लगती है इम्युनिटी

नियमित व्यायाम और शारीरिक गतिविधि शरीर में रक्त परिसंचरण को बढ़ावा देकर प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने में भी मदद करती है। अगर आप सेंडेंटरी लाइफस्टाइल के शिकार हैं तो इसका असर इम्युनिटी सिस्टम पर भी दिखने लगता है। प्रतिरक्षा प्रणाली में कमजोरी के कारण शरीर संक्रमण और बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाता है। खून के संचार की समस्या प्रतिरक्षा प्रणाली को बिगाड़ने के साथ कई तरह की अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का भी कारक है।

जामुन एक औषधीय फल है

जामुन एक औषधीय फल है। इसके पेड़ की पत्तियों से लेकर गुठली तक बीमारी दूर करने का काम करती है। आपको यह पता होना चाहिए कि किस बीमारी में जामुन का कैसे इस्तेमाल करना चाहिए।

जामुन को जावा प्लम के नाम से भी जाना जाता है। यह सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें कई सारे पोषक तत्व होते हैं जो शरीर को बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं। यह काला फल अकेले 10 बीमारियों का इलाज बन सकता है। इनके लिए आपको जामुन खाने का सही तरीका मालूम होना चाहिए।

डायबिटीज

एक शोध जामुन को मधुमेह रोगियों के लिए फायदेमंद बताता है। इसमें जंबोलिन और जंबोसिन कंपाउंड होते हैं जो ब्लड ग्लूकोज को कंट्रोल करने में मदद करते हैं। जामुन के बीज का पाउडर भी डायबिटीज में उपयोगी होता है।

खराब डायजेशन

जामुन में डायजेस्टिव एंजाइम होते हैं जो डायजेस्टिव सिस्टम को हेल्दी रखते हैं। यह कब्ज, पेट फूलना और गैस जैसी समस्याओं को कम करता है। इसमें फाइबर की हाई मात्रा होती है जो पाचन को बेहतर बनाती है।

दिल की बीमारी

जामुन में पोटेशियम, एंटीऑक्सीडेंट और फाइबर होते हैं

जो दिल के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं। यह ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करता है और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करता है।

अनहेल्दी स्किन

जामुन का सेवन स्किन के लिए भी फायदेमंद होता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो स्किन को हेल्दी और ग्लोइंग बनाते हैं। यह मुंहासों और त्वचा संबंधी समस्याओं को कम करता है।

ब्लड टॉक्सिन

जामुन रक्त को शुद्ध करने में मदद करता है। यह रक्त में हानिकारक तत्वों को निकालता है और रक्त प्रवाह को सुधारता है। इससे शरीर के विभिन्न अंगों को साफ खून मिलता है।

मोटापा

जामुन में कैलोरी की मात्रा कम होती है और फाइबर की मात्रा अधिक होती है। यह भूख को कंट्रोल करता है और वजन कम करने में सहायक होता है।

खराब दांत

जामुन के पत्तों का उपयोग दांतों और मसूड़ों की समस्याओं के इलाज में किया जाता है। यह दांत दर्द, मसूड़ों की सूजन और बैक्टीरियल संक्रमण को कम करने में मदद करता है।

लिवर की बीमारी

जामुन लिवर डिटॉक्सिफाई करने में मदद करता है और लिवर के फंक्शन को सुधारता है। यह लिवर को हेल्दी बनाता है और यह हमेशा की तरह बढ़िया काम करता रहता है।

एनीमिया

जामुन में आयरन की मात्रा होती है जो रक्त में हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाने में मदद करता है। यह एनीमिया के रोगियों के लिए फायदेमंद है।

जामुन खाने का तरीका

जामुन को सबसे ज्यादा कच्चा खाया जाता है। कुछ बीमारियों में इसकी गुठली का पाउडर सेवन किया जाता है। कुछ बीमारियों में इसकी स्मूदी बनाकर भी खा सकते हैं।

नजर कमजोर हो गई है, साफ दिखाई नहीं पड़ता क्या करूं?

प्रश्न : मेरा लड़का 9 वर्ष का है। उसे पसीना बहुत आता है। जरा सा बाहर खेलते ही पसीना-पसीना हो जाता है। इलाज बताएं।

- मोहन राव, सिद्दीपेट

उत्तर : आपके लड़के के लक्षणों से लगता है वह पित्त प्रकृति का है। शरीर में पित्त की अधिकता से कोशिकीय स्तर पर चयापचय प्रक्रिया में तेजी आ जाती है। इसी तेजी के चलते तीन प्रकार के मल बनते हैं। मूत्र, स्वेद और मल। (पेशाब , पसीना और पैखाना) यदि वातावरण में गर्मी हो तब शरीर से मल निकासी स्वेद मार्ग से अधिक होती है । चूंकि आपका लड़का पित्त प्रकृति का है, और वातावरण का तापमान भी बढ़ा हुआ है और जब भी लड़का खेलकूद कर आता है तब पसीना अधिक आना स्वाभाविक प्रतीत होता है।

आयुर्वेद में ऐसे योग हैं जो शीतल और रोग प्रतिकार शक्ति उद्दीपक है। जो सर्वथा सुरक्षित और दुष्प्रभावों से रहित है। जो उष्ण वातावरण में भी सामान्य क्रियाशील जीवन के लिए शक्ति को देखकर स्वास्थ्य को सुनिश्चित करते हैं। आप लड़के को फ्रीजी सैरप 10-10 मिलीलीटर दिन में तीन बार पिलाएं। रात सोते समय नवरत्न कल्पामृत रस टिकिया दूध से देवें। ऊंझा प्रवालयुक्त गुलकंद देने से भी शरीर की गर्मी शांत होती है और पित्त शांति के साथ मल शुद्धि भी आसानी से होती है। मसूर की दाल के बेसन में थोड़ा सा कच्चा दूध मिलाकर पीठी कर लेवे इस पीठी को साबुन के स्थान पर प्रयोग करें। थोड़े ही दिनों में स्वेदाधिक्य कम होने लगेगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 35 वर्ष है। न ज र कमजोर हो गई है। साफ दिखाई नहीं पड़ता क्या करूं? बताएं।

- कमलेश वर्मा, सिकंदराबाद

उत्तर : धुंधला दिखाई देना, आंख के सामने कल्पित रूपों को देखना, आंखों के आगे अलग-अलग प्रकार की चमक दिखाई पड़ना, वस्तुएं धुंधली, ढकी हुई सी दिखाई देना, यह सब दृष्टिमांद्य या नजर कम पडने के सामान्य लक्षण हैं।

त्रिफला क्वाथ में शुद्ध घृत मिलाकर लेने से काफी तेजी से आंखों की दृष्टि ठीक होती है। ऊंझा त्रिफला चूर्ण को शहद में मिलाकर लेने से नज़र ठीक होती है । ऊंझा सप्तामृत लौह इसकी परमौषधि है। सप्तामृत लौह टिकिया या उजाला टिकिया भी दृष्टिमांद्य की श्रेष्ठ औषधी है। इसे दूध के साथ 2 से 4 माह तक लेते रहने से नजर ठीक होने लगती है। गाजर, चुकंदर , अंकुरित बीज, घी, मक्खन आदि का प्रयोग भी आंखों की रोशनी को ठीक करने में उपयोगी है।

प्रश्न : मेरी उम्र 30 वर्ष है मुझे बार बार सर्दी होती है, छींके आती है, और नाक बहने लगता है। डॉक्टर से एलर्जी कहते हैं। सेट्रीजन और एंटीकोल्ड गोलियां खा कर थक चुका हूं। आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- यामिनी रेड्डी, कुर्नूल

उत्तर : आपको अनुर्जता हो गई है। हमारी जीवन शैली में बदलाव, स्वस्थ वृत्त के विपरीत रहन-सहन, धूम्रपान करने और अक्सर जीवाणुओं के संक्रमण से ग्रसित होते रहने से रोग प्रतिरोधक शक्ति प्रभावित होती है। जैसे ही इम्यूनिटी कमजोर पड़ती है - बार बार जुकाम, छींक आना, नाक बहना, कंठ में सूजन आना, फुफ्फुसावरण की सूजन आदि से शरीर में अनुर्जता के लक्षण उत्पन्न होने लगते है। ऐसे लक्षणों को बड़ी आसानी से नियंत्रित किया जा सकता है। एलेक्जी सिरप या टेबलेट जिसमें निम्ब, खदीर, उशिर, विडंग, हरिद्रा, सप्तपर्ण, शिरीष, पिप्पली जैसी अमूल्य जड़ी बूटियां मिली है, अनुर्जताजन्य स्तिथियों में बेहतरीन काम करती है। हरिद्रा खंड भी परम उपयोगी है। जुकाम की स्थिति में ऊंझा लक्ष्मी विलास रस, कफ केतु रस या चंद्रामृत रस इसके संग जोड़ा जा सकता है। जिन कारणों से एलर्जी हो रही है आप उनसे दूर ही रहे तो ज्यादा आसानी से चिकित्सा हो सकती है।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

वित्त मंत्री सदन में पेश करेंगी जम्मू और कश्मीर विनियोग विधेयक

प्रदेश के खर्चों पर ली जाएगी मंजूरी

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आज यानी सोमवार को लोकसभा में जम्मू और कश्मीर विनियोग विधेयक, 2024 पेश करेंगी। निर्मला सीतारमण वित्तीय वर्ष 2024-25 की सेवाओं के लिए केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की संचित निधि से कुछ राशियों के भुगतान और विनियोग को अधिकृत करने के लिए एक विधेयक पेश करने की अनुमति के लिए प्रस्ताव रखेंगीं। इसे सोमवार की लोकसभा की कार्यवाही की सूची में रखा गया है। जम्मू और कश्मीर विनियोग (संख्या 3) विधेयक, 2024 का उद्देश्य वित्तीय वर्ष 2024-25 की सेवाओं के लिए केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर की समेकित निधि से कुछ राशियों के भुगतान और विनियोग को अधिकृत करना है। सदन के जारी किए गए एजेंडे के अनुसार, 23 जुलाई को पेश केंद्रीय बजट 2024-25 पर चर्चा सोमवार को संसद के दोनों सदनों में जारी रहेगी। जम्मू-कश्मीर के बजट 2024-25 पर भी चर्चा जारी रहेगी, इसे भी मंगलवार को पेश किया गया था।

जम्मू और कश्मीर विनियोग (संख्या 3) विधेयक, 2024 का उद्देश्य वित्तीय वर्ष 2024-25 की सेवाओं के लिए केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर की समेकित निधि से कुछ राशियों के भुगतान और विनियोग को अधिकृत करना है। सदन के जारी किए गए एजेंडे के अनुसार, 23 जुलाई को पेश केंद्रीय बजट 2024-25 पर चर्चा सोमवार को संसद के दोनों सदनों में जारी रहेगी। जम्मू-कश्मीर के बजट 2024-25 पर भी चर्चा जारी रहेगी, उसे भी मंगलवार को पेश किया गया था।

इस बीच, केंद्रीय युवा मामले और खेल राज्य मंत्री, रक्षा निखिल खडसे ओलंपिक खेलों की तैयारी पर सदन में जवाब देंगी। वह ₹खेल विभाग से संबंधित अनुदान मांगों (2021-2022) पर समिति की 325वीं रिपोर्ट में निहित सिफारिशों/टिप्पणियों पर सरकार द्वारा की गई कार्रवाई पर शिक्षा, महिला, बच्चों, युवाओं और खेल संबंधी स्थायी समिति की 332वीं रिपोर्ट में निहित सिफारिशों के कार्यान्वयन की स्थिति की जानकारी देंगी।

कोलगेट-पामोलिव को 248.74 करोड़ का टैक्स नोटिस, आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई

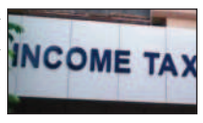

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)।आय कर विभाग ने कोलगेट-पामोलिव (इंडिया) लिमिटेड को ट्रांसफर प्राइसिंग से जुड़े मामले में 248.74 करोड़ रुपये का टैक्स डिमांड नोटिस मिला है। एफएमसीजी कंपनी कोलगेट-पामोलिव इंडिया लिमिटेड (सीपीआईएल) के प्रमुख ने कहा कि अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष आदेश को चुनौती देंगे। यह कंपनी दांतों की देखभाल के क्षेत्र में काम करती है। वित्त वर्ष 2023-24 में सीपीआईएल की शुद्ध बिक्री 5,644 करोड़ रुपये थी। कंपनी की ओर से एक नियामक फाइलिंग के अनुसार, नोटिस 26 जुलाई को मिला। ट्रांसफर प्राइसिंग से संबंधित मुद्दों के लिए आयकर की मांग 31 मार्च, 2021 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए है। सीपीआईएल ने कहा कि मांग राशि में 79.63 करोड़ रुपये की ब्याज राशि शामिल है। सीपीआईएल ने कहा कि इस आदेश के कारण कंपनी के वित्तीय संचालन या अन्य गतिविधियों पर प्रभाव नहीं पड़ेगा। यह मांग मुख्य रूप से स्थानांतरण मूल्य-संबंधी मुद्दों के कारण की गई है। आयकर विभाग ने कहा कि आयकर रिटर्न दाखिल करने वाले खर्चों के लिए फर्जी दावे न करें और न ही आय को कम बताएं या कटौतियों को बढ़ा-चढ़ाकर न बताएं क्योंकि ऐसा करना दंडनीय अपराध है। ऐसा करने से रिफंड जारी करने में भी देरी होती है। आकलन वर्ष 2024-25 के लिए आईटीआर दाखिल करने की आखिरी तारीख 31 जुलाई है। आयकर विभाग और उसके प्रशासनिक निकाय केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के अनुसार 26 जुलाई तक पांच करोड़ से अधिक आईटीआर दाखिल किए जा चुके हैं।

सोना 663 बढ़कर 68,794 पर पहुंचा

चांदी 929 चढ़कर 82,200 प्रति किलो बिक रही, कैरेट के हिसाब से देखें गोल्ड की कीमत

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 29 जुलाई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 663 रुपए बढ़कर 68,794 रुपए पर पहुंच गया है। कल इसके दाम 68,131 रुपए प्रति दस ग्राम थे। वहीं एक किलो चांदी 929 रुपए चढ़कर 82,200 रुपए प्रति किलो बिक रही है। इससे पहले चांदी 81271 रुपए किलो प्रति पर थी। इस साल चांदी 29 मई को अपने ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति पर पहुंच गई थी।

4 महानगरों और भोपाल में सोने की कीमत

दिल्लीः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 63,550 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 69,310 रुपए है। मुंबईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 63,400 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 69,160 रुपए है। कोलकाताः 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 63,400 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 69,160 रुपए है। चेन्नईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 64,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 69,980 रुपए है। भोपालः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 63,450 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 69,210 रुपए है।

इस साल अब तक 5,000 रुपए से ज्यादा बढ़ चुके हैं सोने के दाम

इस साल अब तक सोने के दाम 5,442 रुपए प्रति 10 ग्राम बढ़ चुके हैं। साल की शुरुआत में ये 63,352 रुपए पर था। जो अब 68,794 रुपए प्रति 10 ग्राम पर है। वहीं चांदी साल की शुरुआत में 73,395 रुपए प्रति किलो पर थी। जो अब 88,328 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। यानी, चांदी इस साल 8,805 रुपए बढ़ चुकी है। अगस्त से लेकर दिसंबर तक 8 बड़े त्योहार हैं। नवंबर-दिसंबर में विवाह के 16 मुहूर्त हैं। उज्जैन के पंडित सुधीर के मुताबिक खरीदारी के लिए अहम पुष्य नक्षत्र 4 अगस्त, 31 अगस्त, 27 सितंबर व 25 अक्टूबर है।

1 अगस्त से लागू होने वाले हैं ये 5 बड़े बदलाव

हर घर-हर जेब पर दिखेगा असर!

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। जुलाई का महीना खत्म होने जा रहा है और अगस्त (अगस 2024) की शुरुआत हो रही है। महज दो दिन का समय बाकी है और उसके बाद 1 अगस्त से देश में कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे, जो सीधे आपके घर की रसोई से लेकर आपकी जेब पर असर डालने वाले साबित हो सकते हैं। इनमें एलपीजी सिलेंडर की कीमत से लेकर क्रेडिट कार्ड के नियमों में चेंज तक शामिल हैं। आइए ऐसे ही 5 बड़े बदलावों के बारे में जानते हैं।।।

पहला बदलावः एलपीजी के दाम

ऑयल मार्केटिंग कंपनिया हर महीने की पहली तारीख को एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बदलाव करती हैं और 1 अगस्त 2024 को सुबह छह बजे से संशोधित दाम जारी किए जा सकते हैं। बीते कुछ समय में जहां 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में कई बदलाव देखने को मिल चुके हैं, तो वहीं 14 किलोग्राम वाले घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में कोई चेंज देखने को नहीं मिला है। जुलाई महीने की पहली तारीख को भी वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत राजधानी दिल्ली में 30 रुपये कम की गई थी। ऐसे में इस बार लोगों को घरेलू सिलेंडर की कीमतों में राहत की उम्मीद है।

दूसरा बदलाव- एटीएफ और सीएनजी-पीएनजी रेट

देशभर में महीने की पहली तारीख को एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बदलाव के साथ ही ऑयल मार्केटिंग कंपनियां हवाई ईंधन यानी एयर टर्बाइन फ्यूल और सीएनजी-पीएनजी के दाम भी संशोधित करती हैं। 1 अगस्त 2024 को भी इनकी नई कीमतें सामने आ सकती हैं। गौरतलब है कि इससे पहले अप्रैल महीने में एटीएफ की कीमतों में कटौती की गई थी।

तीसरा बदलाव- एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड

प्राइवेट सेक्टर के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करने वाले यूजर्स के लिए भी 1 अगस्त की तारीख बदलाव लेकर आ रही है। दरअसल, एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड के जरिए किराए के भुगतान थर्ड पार्टी ऐप सीआरइडी, पेटीएम, मोबिक्विक, फ्रीचार्ज और अन्य से किए जाएंगे, तो उस ट्रांजैक्शंस पर 1% चार्ज लगाया जाएगा और प्रति ट्रांजैक्शंस लिमिट 3,000 रुपये तय की गई है। फ्यूल ट्रांजैक्शंस पर 15,000 रुपये से कम के लेन-देन पर कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लगेगा, हालांकि, 15,000 रुपये से ज्यादा के लेन-देन पर कुल राशि पर 1% शुल्क लगेगा।

चौथा बदलाव- गूगल मैप के चार्ज

गूगल मैप भी 1 अगस्त 2024 से भारत में अपने नियमों में बदलाव करने जा रहा है। जो पहली तारीख से पूरे देश में लागू होने जा रहा है। दरअसल, दुनिया के सबसे बड़े सर्च इंजन ने अपनी गूगल मैप सर्विस पर भारत में लिए जाने वाले चार्जेस को 70 फीसदी तक कम करने का ऐलान किया है। इसके अलावा अब गूगल अपनी मैप सर्विस का पेमेंट डॉलर की जगह भारतीय रुपये में भी लेगा।

ऑलटाइम हाई छूने के बाद मुनाफावसूली के चलते सेंसेक्स-निफ्टी फ्लैट क्लोज

मिड-स्मॉलकैप शेयरों में जोरदार खरीदारी

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। हफ्ते के पहला कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार के लिए शानदार रहा. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 25000 अंकों के ऐतिहासिक हाई को छूने से कुछ ही फासले की दूरी पर गया. निफ्टी 24,999.75 के लाइफटाइम हाई पर जा पहुंचा था. सेंसेक्स भी 81,908 के ऑलटाइम हाई पर जा पहुंचा. लेकिन ऊपरी लेवल से मुनाफावसूली के चलते बाजार नीचे जा फिसला. सेंसेक्स दिन के हाई से 545 और निफ्टी 134 अंक नीचे आ गया. आज का कारोबार खत्म होने पर सेंसेक्स 23 अंकों की मामूली तेजी के साथ 81,355 और निफ्टी 24,836 अंकों पर फ्लैट क्लोज हुआ है.

मार्केट कैप 460 लाख करोड़ के पार

सेंसेक्स-निफ्टी भले ही फ्लैट क्लोज हुआ हो लेकिन मिडकैप स्टॉक्स में शानदार तेजी के चलते बाजार का मार्केट वैल्यू 460 लाख करोड़ रुपये के पार जाकर बंद हुआ है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 460.14 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ है जो पिछले सत्र में 456.92 लाख करोड़ रुपये रहा था. आज के सत्र में निवेशकों की संपत्ति में 3.22 लाख करोड़ रुपये का उछाल देखने को मिला है.

तेजी और गिरने वाले शेयर्स

आज के कारोबार में सेंसेक्स के 30 शेयरों में 20 तेजी के साथ और 10 गिरकर बंद हुए. जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 25 तेजी के साथ और 25 गिरकर बंद हुए. तेजी वाले शेयरों में एल एंड टी 2.77 फीसदी, बजाज फिनसर्व 2.24 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.67 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 1.42 फीसदी, एसबीआई 1.05 फीसदी, रिलायंस 0.76 फीसदी, इंडसइंड बैंक 0.73 फीसदी, सन फार्मा 0.61 फीसदी, मारुति 0.57 फीसदी, बजाज फाइनेंस 0.54 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.53 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है. गिरने वाले स्टॉक्स में टाइटन 2.38 फीसदी, भारती एयरटेल 2.22 फीसदी, आईटीसी 1.33 फीसदी, टेक महिंद्रा 1.07 फीसदी की गिरावट के साथ क्लोज हुआ है.

आज के ट्रेड में बैंकिंग, ऑटो, फार्मा, मेटल्स, रियल एस्टेट, मीडिया, एनर्जी, इंफ्रा, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस सेक्टर के स्टॉक तेजी के साथ बंद हुए. जबकि आईटी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और एफएमसीजी स्टॉक्स गिरकर क्लोज हुए।

नई नौकरी की चाह रखने वालों की आंख खोल देगी ये रिपोर्ट, 94% लोगों ने स्वीकार की है ये बात

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। देश में करीब 34 प्रतिशत संगठन सही टैलेंट खोजने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और तीन में से एक मौजूदा कर्मचारियों के साथ आगे भी काम करने की बात कर रहे हैं. माइकल पेज की टैलेंट ट्रेंड्स 2024 – इंडिया एक्सपेक्टेशन गैप की रिपोर्ट के अनुसार, नौकरी देने वाली कंपनियां और नौकरी चाहने वाले इस बात पर सहमत हैं कि लिक्विडिटी, उच्च वेतन और करियर में प्रगति टॉप प्रायोरिटी हैं. हालांकि अधिकतर कर्मचारी कंपनी की संस्कृति और नैतिकता को संगठनों की अपेक्षा अधिक महत्व देते हैं, जबकि कुछ ब्रांड और कंपनी के तरफ से मिलने वाले बोनस को भी अधिक महत्व दे रहे हैं.कंपनी के भारत, थाईलैंड, फिलीपींस और वियतनाम के वरिष्ठ प्रबंध निदेशक निकोलस डुमौलिन ने कहा कि वैश्विक महामाहारी के प्रभाव से बाहर आने के बाद वर्कप्लेस की गतिशीलता में एक सूक्ष्म लेकिन परिवर्तनकारी बदलाव आया, जिसमें लोग अपने जीवन में अपनी नौकरी के मूल्य के बारे में अधिक सोचने लगे. माइकल पेज की टैलेंट ट्रेंड्स 2024 – इंडिया एक्सपेक्टेशन गैप रिपोर्ट समूचे भारत में 3,087 लोगों के जवाब पर आधारित है।

घाटे से मुनाफे में आई गौतम अडानी की यह कंपनी

बना दिया कमाई का रेकॉर्ड, रॉकेट बना शेयर

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। अडानी ग्रुप की दो कंपनियों ने आज अपने तिमाही नतीजे घोषित किए। ग्रुप की एफएमसीजी कंपनी अडानी विल्मर की जून तिमाही में स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट 323 करोड़ रुपये रहा जो अब तक के कंपनी के इतिहास का सर्वाधिक है। पिछले साल कंपनी को इस तिमाही में 38.44 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। अडानी विल्मर में अडानी ग्रुप और सिंगापुर के विल्मर इंटरनेशनल की हिस्सेदारी है। यह कंपनी फॉर्चून ब्रांड से तेल, बेसन और सत्तू बेचती है। रिजल्ट के बाद कंपनी के शेयरों में भारी तेजी देखी गई और यह करीब सात फीसदी उछल गया। बीएसई पर कारोबार के दौरान यह करीब सात फीसदी तेजी के साथ 349.55 रुपये तक गया और फिर 5.92% तेजी के साथ 344.60 रुपये पर बंद हुआ। जून तिमाही में कंपनी का ऑपरेशंस से रेवेन्यू बढ़ककर 13,750.04 करोड़ रुपये हो गया जो पिछले साल समान तिमाही में 12,378.83 करोड़ रुपये था। साथ ही कंपनी का एबिटा भी 375 परसेंट की तेजी के साथ 619 करोड़ रुपये पहुंच गया जो इसका अब तक का उच्चतम स्तर है। कंपनी ने बताया कि खाने के तेल के दामों स्थिरता के चलते ईबीआईटीडीए बढ़ा है। अडानी विल्मर का स्टॉक हफ्ते के पहले दिन सुबह 328 रुपये पर खुला लेकिन रिजल्ट आते ही यह रॉकेट बन गया। हालांकि यह अब भी अपने लाइफटाइम हाई 878 रुपये से करीब 60% नीचे है।

इस बीच अडानी टोटल गैस ने भी सोमवार को अपना तिमाही नतीजा जारी किया। जून तिमाही में कंपनी के नेट प्रॉफिट 15 फीसदी तेजी के साथ 172 करोड़ रुपये रहा। पिछले साल समान तिमाही में यह 150 करोड़ रुपये रहा था। इस दौरान कंपनी का रेवेन्यू भी नौ फीसदी की तेजी के साथ 1,239 करोड़ रुपये पहुंच गया। कंपनी का शेयर बीएसई पर 0.32% की मामूली तेजी के साथ 891.00 रुपये पर बंद हुआ।

दुनिया के सबसे ताकतवर मुल्क की सत्ता की जंग में क्रिप्टोकरेंसी का रोल

भविष्य के कारोबार के इशारे समझें

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रम्प दो कदम आगे चल रहे हैं. ऐसा माना जा रहा है कि वह राष्ट्रपति चुनाव आसानी से जीत जाएंगे. इसके साथ ही डोनाल्ड ट्रम्प दूसरी बार अमेरिका के प्रेसिडेंट बन सकते हैं. इस चुनाव का सबसे बड़ा असर क्रिप्टोकरेंसी पर दिखाई दे रहा है. ट्रम्प की जीत की उम्मीद बढ़ने के साथ ही बिटकॉइन की कीमतों में भी उछाल आता जा रहा है. उन्हें क्रिप्टो समर्थक माना जाता है. वह बिटकॉइन और क्रिप्टो में चुनावी चंदा इकठ्ठा कर निवेशकों को स्पष्ट संदेश भी दे रहे हैं. उन्हें लगभग 40 लाख डॉलर चंदा क्रिप्टो में आ चुका है. डोनाल्ड ट्रम्प की मंशा साफ है कि आप मुझे सपोर्ट दीजिए और मैं समय आने पर आपके साथ खड़ा रहूंगा.

बिटकॉइन कांफ्रेंस में दिखा डोनाल्ड ट्रम्प का जलवा

नैशविल में आयोजित बिटकॉइन कांफ्रेंस में भी डोनाल्ड ट्रम्प का असर साफ दिखाई दिया है. उन्होंने वहां वही बोला, जो निवेशक

सुनना चाह रहे थे. वहां नारे लग रहे थे कि 'मेक बिटकॉइन ग्रेट अगेन'. लोग ट्रम्प के कटआउट के साथ अपनी फोटो खिंचा रहे थे. इससे पहले इतनी तवज्जो एल सल्वाडोर के प्रेसिडेंट नाइब बुकेले 2021 में मिली थी. उन्होंने अपने देश में क्रिप्टोकरेंसी को लीगल टेंडर बनाने एक ऐलान किया था.

40 लाख डॉलर चंदा बिटकॉइन और क्रिप्टो में मिला

डोनाल्ड ट्रम्प को 25 जुलाई तक लगभग 40 लाख डॉलर बिटकॉइन और क्रिप्टो में मिल चुके हैं. इसमें से लगभग 20 लाख डॉलर क्रिप्टो ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म जेमिनी के फाउंडर्स ने दिए हैं. इसके अलावा लगभग 10 लाख डॉलर क्रिप्टो एक्सचेंज क्रेकन के सीईओ ने दिए हैं. इस कांफ्रेंस में जो बिडेन और कमला हैरिस को भी बुलाया गया था. मगर, यह लोग नहीं आए. कांफ्रेंस में मौजूद कई निवेशकों का मानना है कि ट्रम्प को वोट देने का मतलब बिटकॉइन को वोट देना है.

अमेरिका में लगभग 6 करोड़ लोगों के पास हैं बिटकॉइन

ऐसा माना जाता है कि अमेरिका में इस समय लगभग 6 करोड़ लोगों के पास बिटकॉइन हैं. यह सभी ट्रम्प के समर्थन में जाते दिखाई दे रहे हैं. अमेरिका में रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन ने एक्सचेंज ट्रेडेड फंड को मंजूरी दे दी थी. इसके बाद बिटकॉइन में निवेश तेजी से बढ़ा है. लोगों ने बिटकॉइन ईटीएफ में जबरदस्त निवेश किया है. यह फैसला क्रिप्टोकरेंसी मार्केट के लिए गेमचेंजर साबित हुआ है. बिटकॉइन के रेट 69,662.90 डॉलर पर पहुंच चुके हैं. विशेषज्ञों का मानना है कि बिटकॉइन के दाम एक लाख डॉलर तक जा सकते हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कर्क	मे	कर्क-	05-03 बजे
चंद्र-	वृष	मे	सिंह..	07-16 बजे
मंगल	वृष	मे	कन्या..	09-22 बजे
बुध-	सिंह	मे	तुला...	11-28 बजे
गुरु-	वृष	मे	वृश्चिक..	13-37 बजे
शुक्र-	कर्क	मे	धनु....	15-52 बजे
शनि-	कुंभ.	मे	मकर...	17-57 बजे
राहु-	मीन	मे	कुंभ...	19-48 बजे
केतु-	कन्या	मे	मीन-	21-26 बजे
			मेष---	23-02 बजे
			वृष--	00-47 बजे
			मिथुन-	02-47 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -वर्षा
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 05-57 सूर्यास्त. - 18-47
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125
दिशाशूल -- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- दशमी 16-45 तक उपरान्त एकादशी
मास - श्रावण कृष्ण , मंगलवार 30 July
नक्षत्र - कृत्तिका 10-23 तक उपरान्त रोहिणी
योग - वृद्धि 15-55 तक उप ध्रुव
करण- विष्टी 16-45 तक उप बव
विशेषः-
व्रत -त्योहार - भद्रा काल 16-45 तक

विशेषः- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
रोग.	05:57 - 07:33 अशुभ	काल	18:47 - 20:12 अशुभ
उत्पात	07:33 - 09:09 अशुभ	लाभ	20:12 - 21:36 शुभ
चंचल	09:09 - 10:46 शुभ	उत्पात	21:36 - 22:59 अशुभ
लाभ	10:46 - 12:22 शुभ	शुभ	22:59 - 00:23 शुभ
अमृत	12:22 - 13:59 शुभ	अमृत	00:23 - 02:46 शुभ
काल	13:59 - 15:36 अशुभ	चर	01:46 - 03:09 शुभ
शुभ	15:36 - 17:12 शुभ	रोग	03:09 - 04:33 अशुभ
रोग	17:12 - 18:47 अशुभ	काल.	04:33 - 05:57 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,

हालाँकि आप ईमानदार और मेहनती हैं पर आज सफलता आपकी पहुंच से दूर रह सकती है । कुछ मामूली गलतियाँ आपको परेशान कर सकती है । आप अपने कार्यस्थल पर किसी भी विवाद से बचे । आज का दिन निवेश के लिए उपयुक्त नहीं है। हालांकि, ये दिन अपने दोस्तों के साथ आराम करने के लिए काफी ठीक रहेगा । इसके लिए यदि संभव हो , तो आप एक दिन का अवकाश भी ले सकते हैं।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आज पेशेवर मामलों में, आपको एक प्रभावशाली व्यक्ति से समर्थन मिल सकता है। उस व्यक्ति के साथ काम करते हुए, अपने काम के माध्यम से उसे प्रभावित करने के लिए कोई भी कसर न छोड़े। आप एक पदोन्नति या वेतन वृद्धि को प्राप्त करने के लिए सीढ़ी चढ़ रहे हैं। दूसरों से इसके बारे में बात करने से बचें। बस अपने काम पर ध्यान केंद्रित करे । आपका काम ही आपके बारे में बोलेगा ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आज आप एक चिंतनशील अवस्था में रहेंगे । आज आपके उस काम में उत्कृष्टता प्राप्त करने की संभावना है जिसमे गहरी सोच और चिंतन शामिल हो । आज शिक्षक , प्रचारकों , वकील, विवादकर्ताओं और राजनेताओं के अपने अपने कार्य क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करने की संभावना है। हालांकि, कम ध्यान की वजह से आपको समस्या का सामना करना पड़ सकता है और यह आपकी वित्तीय योजना को प्रभावित कर सकता है।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज आपको अपना कठोर और मजाकिया दृष्टिकोण को बदलने की जरूरत है, बेहतर होगा कि आप लोगों की भावनाओं से सम्बन्ध स्थापित करे और साथ ही साथ ये जानने की भी कोशिश करे कि वे क्या चाहते हैं और कौन सा रास्ता उन्होंने अपनाया है ! ध्यान देने योग्य बात ये है की आपको समझना होगा की चीजे कैसे कार्य कर रही है बजाय की आप अपना तरीका अपने सहकर्मियों पर थोपे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज आप का निशाना तीर पर जाकर लगेगा और आपने जो चाहा था वो आपको मिलेगा । बस आप अपना धैर्य बनाए रखें क्यों की आपके बैठने की जगह में परिवर्तन आ सकता है या आपको एक नयी जगह पर कार्य करना पड़ सकता है । आपकी धारणा के विपरीत इस नए कार्यालय में आपके आत्मविश्वास और स्वतंत्र रूप से प्रदर्शन करने की क्षमता को बढ़ावा मिलेगा ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आज काफी सारी बाते आपके ध्यान देने योग्य होगी जिससे आप का सब पर ध्यान लगाना मुश्किल होगा । ज्यादा तनाव न पाले । बैठ कर शांति से निर्णय के बारे में सोचे और उसके अनुसार कार्य करे । आज आप एक पुराने दोस्त से मिल सकते है। कोई जानकर आपके सामने एक दिलचस्प प्रस्ताव रख सकता है जिसको जानकर आप लालायित हो सकते है परन्तु सोच समझकर निर्णय ले ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज का दिन अपने सभी लंबित कार्यों को पूरा करने के लिए एकदम सही है। आप किन्ही बाहरी कारणों से समय पर अपना काम खत्म नहीं कर पाये , इसलिए आपको शीघ्रता दिखानी होगी , क्योंकि आपका काफी कार्य लंबित है । आज नयी प्रतिबद्धताओं का दबाव कम होगा , इसलिए आप अपनी पुरानी प्रतिबद्धताओं को समय पर खत्म कर पाएंगे ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आप इस समय शांति में नहीं हैं। आपके दिल और दिमाग के बीच एक निरंतर युद्ध है की किस तरह से नैतिक और तार्किक रूप से सही निर्णय लिया जाये । अपने दिल की बात सुने और अपने मन को शांत करने के लिए कुछ करे । अपने आप को एक नई जिम्मेदारी सौंपे । अगर आप बिना सोच के खर्च करेंगे तो आपको वित्तीय परेशानी हो सकती है।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आज आपको लक्ष्यों को पूरा करने के लिए मुश्किलो का सामना करना पड़ सकता हैं । उन क्षेत्रों को देखे जहा पहले आपने कार्य नहीं किया है । अन्वेषण आप के लिए आज महत्वपूर्ण रहेगा ।आपको कुछ सार्थक मिल सकता है। अगर आप अपनी नौकरी स्थानांतरण की योजना बना रहे है, तो आज का दिन काफी शुभ हो सकता है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज आपको नयी नौकरी का प्रस्ताव मिल सकता है जो की आपके क्षेत्र से अलग होगा । आपको दोनों क्षेत्रो को आपस में तोलना होगा ताकि आप सही करियर का निर्णय ले सके , हालाँकि ये आपके लिए काफी चुनौतीपूर्ण होगा पर आप पूरी तरह से अपना कार्य क्षेत्र को न बदले । आप अपने परिवार या अपनी जीवन संगिनी का मत भी ले सकते है की कौन सा कार्य क्षेत्र आपके लिए उपयुक्त रहेगा ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आप अपने सभी लक्ष्यों को समय पर पूरा करेंगे और कार्य क्षेत्र में शांति का माहौल रहेगा , लेकिन व्यापार के मामलों में किसी भी समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले कानूनी विशेषज्ञों से परामर्श करें। धोखाधड़ी की संभावना है। यदि संभव हो तो अपनी व्यापारिक सौदों को दूसरे दिन पर ठाले और अपने सहयोगियों की विश्वसनीयता का मूल्यांकन करे ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज का दिन नौकरी से संबंधित कार्यों के लिए काफी अनुकूल है। आपने हमेशा से ईमानदारी और मेहनत के साथ कार्य किया है और अतीत में, हालाँकि आपको उतना फल नहीं मिला , लेकिन अब भाग्य आपके लिए स्थितियां अनुकूल करेगा । आपकी काफी सारी परियोजनाए सफलता के साथ फलित होंगी और आज का दिन अपने वरिष्ठ अधिकारियों और अपने से नीचे कार्य पद पर तैनात सहकर्मियों से प्रशंसा पाने का समय है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

पैसों के लालच में रात में भी लड़कियों को देते हैं बेसमेंट लाइब्रेरी में एंट्री

बड़े कोचिंग संस्थान में तीन-तीन हजार तक की भीड़

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। मैं आईएएस बनने दिल्ली आई थी। मगर, बेसमेंट में दफन हो गई, अब मेरे सपने का क्या...यह सवाल अब श्रेया की आत्मा हर किसी से पूछ रही है। 25 साल की श्रेया यादव आईएएस बनकर जिस सिस्टम को ठीक करना चाहती थी, उसी सिस्टम की लापरवाही ने उसकी जान ले ली। हाल ही में उन्होंने राउज आईएएस स्टडी कोचिंग सेंटर में दाखिला लिया था। कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में लाइब्रेरी थी, जिसमें करीब 35 छात्र-छात्राएं पढ़ाई कर रही थीं। शनिवार को दिल्ली में भारी बारिश के बाद बेसमेंट में अचानक पानी भरना शुरू हो गया। जब तक किसी को कुछ समझ आता, तब तक पानी तेजी से अंदर आ गया। 2-3 मिनट में ही करीब बेसमेंट में 12 फीट तक पानी भर गया। कई छात्रों को सुरक्षित निकाल लिया गया। मगर, श्रेया के साथ-साथ तान्या सोनी और केरल के युवा नवीन डॉल्विन बेसमेंट से नहीं निकल पाए। इनकी लाश ही बाहर आ पाई। आइए-समझते हैं कि कमाई के लालच में ये कोचिंग संस्थान कैसे हैवान बनते जा रहे हैं।

संकरी सी जगह में 3000 छात्र

दिल्ली के मुखर्जी नगर में एक कोचिंग में पढ़ाने में वाले विमल त्रिपाठी (बदला हुआ नाम) बताते हैं कि राजेंद्र प्लेस, करोल बाग, मुखर्जी नगर, नेहरू विहार और गांधी विहार जैसे कई इलाके हैं, जहां नियमों को ताक पर रखकर कोचिंग संस्थान चलाए जा रहे हैं। कई बड़े कोचिंग संस्थान तो बेसमेंट में चल रहे हैं। इनमें एक-एक बार में 3000-3000 तक स्टूडेंट्स पढ़ते हैं। यहां उन्हें कोई टोकने वाला नहीं है। अगर किसी बात को लेकर भगदड़ मच जाए तो रास्ता सिर्फ एक संकरा सा ही है। कई लोगों की जान जा सकती है।

कभी शॉर्ट सर्किट तो कभी टूट जाती हैं सीढ़ियां

दिल्ली के मुखर्जी नगर या नेहरू विहार के कोचिंग संस्थान जिन इमारतों में चल रहे हैं, वो इतने जर्जर हो चुके हैं कि वो कभी भी ढह सकते हैं। जब एक कोचिंग संस्थान की लाइब्रेरी में तीन लोगों की जान चली गई तो वह खबर बन गई, मगर यहां के कई कोचिंग संस्थान की लाइब्रेरी में हर 10 दिन पर ऐसे हादसे सुनने को मिलते हैं। जब कोई छात्र शॉर्ट सर्किट से झुलस जाता है। या किसी को सफोकेशन से अस्पताल पहुंचाया गया। कई बार तो बिल्डिंग जर्जर होने से सीढ़ियां तक टूट जाती हैं और उस वजह से कई लोग घायल हो जाते हैं। मगर, ये खबरें बाहर नहीं आ पाती हैं।

बेसमेंट लाइब्रेरी: 50 गज की लाइब्रेरी में 40-40 स्टूडेंट्स

मुखर्जी नगर के एक कोचिंग संस्थान से जुड़े विवेक दिवाकर बताते हैं कि नेहरू विहार या मुखर्जी नगर में महज 50 गज की बिल्डिंग में बेसमेंट में नियमों को ताक पर रखकर लाइब्रेरी चलाई जा रही हैं। इन लाइब्रेरी की निगरानी करने वाला कोई नहीं है। 50 गज की बेसमेंट लाइब्रेरी में 40-40 स्टूडेंट्स दिन-रात किताबों में आंखें गड़ाए पढ़ते रहते हैं।

लड़कियों को मनाही, पर रात को चोरी-छिपे देते हैं एंट्री

विमल त्रिपाठी कहते हैं कि नियमों के अनुसार, ज्यादातर लाइब्रेरी को दिन में ही चलाया जाता है। मगर, ये रात को भी चलती रहती है। कुछ लाइब्रेरी में तो लड़कियों को भी रात में एंट्री देती हैं। फैजाबाद से यहां आईएएस बनने के लिए आए संजीव ने 'मॉडर्न लाइब्रेरी' यानी 'रीडिंग रूम्स' जॉइन किए हैं। ऐसे अंडरग्राउंड रीडिंग रूम्स यहां सैकड़ों हैं, जहां खतरनाक हालातों में स्टूडेंट्स को जगह देकर पैसे बना रहे हैं।

दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर, मुखर्जी नगर, नेहरू विहार, गांधी विहार जैसे इलाकों में बने अंडरग्राउंड लाइब्रेरी कम रीडिंग रूम में कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है, जिसे नजरअंदाज किया जाता रहा है। कोई मानक बनाए गए हैं, मगर कोई भी कोचिंग संस्थान इनका पालन नहीं करता नजर आता है। कुछ छोटे कोचिंग संस्थान तो नियमों को मानते भी हैं, मगर बड़े कोचिंग संस्थान नियमों की खुलकर धज्जियां उड़ाते हैं। प्रशासन भी इन पर हाथ नहीं डालता है। ज्यादातर बिल्डिंग जर्जर हो चुकी हैं। तारों का ऐसा जाल बिछा है कि कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

अंडरग्राउंड लाइब्रेरी में क्यों पढ़ने जाते हैं स्टूडेंट्स

सपना और आस्था फरीदाबाद से यहां आई हैं, उन्होंने यहां कोचिंग संस्थान जॉइन किया है। दोनों ने 10 बाई 10 के छोटे से कमरे का किराया 12 हजार है। कमरा इतना छोटा है कि दो बेड लगने के बाद टेबल-कुर्सी नहीं लग पाती है। ऐसे में लाइब्रेरी ही ऐसे स्टूडेंट्स के लिए इकलौता सहारा है, जहां वह पैसे देकर शांति से पढ़ाई कर सकते हैं।

12 घंटे के लिए 2000 से 3000 किराया

देशभर से हर साल हजारों की संख्या में स्टूडेंट्स तैयारी करने दिल्ली आते हैं। ज्यादातर स्टूडेंट्स के बीच लाइब्रेरी में पढ़ाने का ट्रेंड बढ़ा है। यह ट्रेंड बड़े शहरों से होता हुआ छोटे शहरों और कस्बों तक पहुंच गया है। सुबह के चाय-नाश्ते के बाद अपना लंच लेकर स्टूडेंट्स लाइब्रेरी आ जाते हैं और फिर 10 घंटे-12 घंटे तक वहीं समय बिताते हैं। इसके लिए शहर के हिसाब से किराया अलग-अलग है। दिल्ली के मुखर्जी नगर, नेहरू विहार या राजेंद्र प्लेस जैसे इलाकों में इनका किराया 2000 रुपए से लेकर 3000 रुपए महीने तक है। नेहरू विहार के वर्धमान प्लाजा और बत्रा सिनेमा वाली बिल्डिंग के पास ऐसे सैकड़ों लाइब्रेरी अंडरग्राउंड चल रही हैं। जहां की व्यवस्था बहुत ही खराब है।

रीडिंग रूम में डार्क रूम कॉन्सेप्ट भी

विमल त्रिपाठी बताते हैं कि भूमिगत लाइब्रेरी जो चल रही हैं, वो किसी भूतिया जगह से कम नहीं लगती हैं। आजकल डार्क रूम कॉन्सेप्ट भी चल पड़ा है। यानी स्टूडेंट की डेस्क पर ही रोशनी होगी।

दूर से देखने पर ऐसा लगता है, जैसे कोई कॉल सेंटर चलाया जा रहा हो। इन लाइब्रेरी में किताबें, अखबार, मैगजीन, वाई-फाई वगैरह की सुविधाएं दी जाती हैं।

24 घंटे दिन-रात खुली होती हैं लालच की लाइब्रेरी

विवेक दिवाकर कहते हैं कि ज्यादातर लाइब्रेरी दिन-रात 24 घंटे खुली रहती हैं, जबकि कुछ तो रात में बंद हो जाती हैं। यहां घंटे के हिसाब से जगह बुक होती है। जैसे अगर किसी ने 24 घंटे के लिए अपनी सीट बुक कराई है तो उसे 2000 से 4000 रुपए तक इसकी फीस देनी होगी। इसमें स्टूडेंट्स को वाई-फाई की फैसिलिटी, पानी, टॉयलेट के साथ अपनी सीट पर लॉकर की भी व्यवस्था मिल सकती है। 3 महीने, 6 महीने या सालाना मेंबरशिप भी ले सकते हैं, जिस पर डिस्काउंट के ऑफर भी हैं। कई जगहों पर तो प्रीलिम्स या मेंस क्वॉलिफाई करने पर फीस में छूट मिलती है।

देश में दिल्ली के अलावा लखनऊ, प्रयागराज, बनारस, पटना, रांची, गुवाहाटी, भुवनेश्वर जैसे शहरों में भी लाइब्रेरी का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है। विवेक दिवाकर बताते हैं कि आमतौर पर ज्यादातर कोचिंग संस्थानों में पढ़ाई लाइब्रेरी में ही होती है। क्योंकि ऊपर तो इन्होंने ऑफिस वगैरह बना रखे हैं। लोकेश त्रिपाठी कहते हैं कि मुखर्जी नगर और नेहरू विहार में ही करीब 100 लाइब्रेरी चल रही हैं। ज्यादातर अंडरग्राउंड ही हैं। ओल्ड राजेंद्र नगर की 80 प्रतिशत कोचिंग को लाइब्रेरी बेसमेंट में चलाई जाती है, जहां यह हादसा हुआ है।

क्या है अंडरग्राउंड लाइब्रेरी के मुनाफे का गणित

विमल त्रिपाठी बताते हैं कि पूरे दिल्ली की बात की जाए तो अनुमानित रूप से 1200 से ज्यादा ऐसी लाइब्रेरी चल रही हैं। औसतन एक लाइब्रेरी में 200 स्टूडेंट्स आते हैं।

अगर औसत रूप से सभी 1200 लाइब्रेरी की कमाई जोड़ी जाए तो यह करीब 60 करोड़ रुपए महीने बैठती है। जाहिर सी बात है कि इसी पैसों की लालच में ये कोचिंग संस्थान स्टूडेंट्स की जिंदगी के साथ समझौता करते हैं और बड़ी भीड़ जुटाते हैं।

सम्राट हर्षवर्धन ने खुलवाई लाइब्रेरी, चीनी यात्री ने की पढ़ाई

भारत में लाइब्रेरी का चलन सातवीं सदी के सम्राट हर्षवर्धन के काल से शुरू हुई थी। उस वक्त चीनी ह्वेनसांग भारत आया था, जिसने नालंदा और तक्षशिला के विश्वविद्यालयों में लाइब्रेरी में रहकर पढ़ाई की थी। उस वक्त मंदिरों में भी पढ़ाई होती थी, जहां लाइब्रेरी रहती थीं। द लाइब्रेरीः एन इलेस्ट्रेटेड हिस्ट्री के अनुसार, भारत में लाइब्रेरी की बाकायदा शुरुआत मठों से हुई थी। 5000 साल पहले लाइब्रेरी का इतिहास मेसोपोटामियाई सभ्यता से भी पुराना है। ग्रीस के लोगों ने पहली बार सार्वजनिक लाइब्रेरी खोली। करीब 2100 साल पहले सिकंदर की सेनाओं के साथ भारत आए टॉलेमी ने अलेक्जेंड्रिया शहर में एक लाइब्रेरी खोली।

हाल ही में दिल्ली के पटेल नगर में करंट लगने से आईएएस की तैयारी करने वाली नीलेश की जान चली गई थी। उसने तीन बार यूपीएससी परीक्षा का प्रयास किया था। तीसरे प्रयास में उसने प्रारंभिक परीक्षा पास भी कर ली थी। नीलेश को यकीन था कि इस बार वह मुख्य परीक्षा भी पास कर लेगा।

जब आग लगने पर खिड़कियों से कूदे थे छात्र

बीते साल यानी 14 जून, 2023 को मुखर्जी नगर के कोचिंग सेंटर की बिल्डिंग में आग लग गई थी, जिसके बाद कई छात्र खिड़कियों से नीचे कूद गए थे। यहां बिजली के मीटर में आग लगने से 60 से ज्यादा छात्र घायल हो गए थे। तब यह बात सामने आई थी कि जहां क्लास चल रही थी, वह कमरा बच्चों की संख्या के हिसाब से छोटा था। इसी तरह 2020 में भजनपुरा कोचिंग सेंटर की दो छतें भरभराकर गिर गईं थीं।

झारखंड विधानसभा में बांग्लादेशी घुसपैठ पर हंगामा

नेता प्रतिपक्ष बोले-खतरे में है हमारी माटी, बेटी और रोटी, सरकार बोली- आंकड़ा दे विपक्ष

रांची, 29 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा मानसून सत्र का दूसरा दिन हंगामे की भेंट चढ़ गया। जैसे आसार थे, तस्वीर भी कुछ वैसी ही नजर आई। सदन की कार्यवाही पहले साढ़े 12 बजे फिर मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। हंगामे के कारण आज अनुपूरक बजट भी पेश नहीं किया गया।

सुबह कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया। विधानसभा अध्यक्ष रबींद्रनाथ महतो बार-बार उन्हें बैठने को कहते रहे। नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने संथाल परगना के मुद्दे को उठाया। पाकुड़ के केकेएम कॉलेज में हुई घटना को सदन पटल पर रखा। इसके अतिरिक्त डेमोग्राफिक बदलाव को भी उन्होंने उठाया।

इससे पहले सदन की सीढ़ियों पर भाजपा के विधायकों ने प्रदर्शन किया। विधायक हाथों में तख्ती लिए वोट बैंक की राजनीति के लिए मुस्लिम आबादी बढ़ाना बंद करो, आदिवासी बहन बेटियों के साथ खिलवाड़ करना बंद करो, बांग्लादेशी घुसपैठ को संरक्षण देने वाली हेमंत सरकार शर्म करो जैसे मुद्दे को उठाया। नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि राज्य में डेमोग्राफिक बदलाव हुए हैं। पूरे क्षेत्र में जिस तरह से बांग्लादेशियों ने कब्जा जमा कर रखा है। माटी, बेटी और रोटी खतरे में आ गई है। हूल आंदोलन के प्रणेता सिद्धो-कान्हू की धरती आज अपने न्याय के लिए बाट जोह रही है। ऐसी परिस्थिति में ये वोट बैंक और राजनीतिक तुष्टिकरण का चश्मा पहन कर बैठे हैं। यह साफ दिखलाता है कि इनके लिए आदिवासी कोई महत्व नहीं रखता है। इनके लिए वोट बैंक की राजनीति करके, सत्ता हासिल कर के झारखंड और झारखंडियों के संसाधन को लूटना की एकमात्र उद्देश्य रह गया है।

विधायक भानू प्रताप शाही ने कहा कि ये हमारी बेटी-रोटी पर हमला कर रहे हैं। हम उनका प्रतिरोध कर रहे हैं। आप उससे किसी दूसरे राज्य के रहने वाले की तुलना करते हैं तो यह आपकी ओछी मानसिकता है। छोटी सोच है। कल हम भी बिहार का हिस्सा थे। बिहारी का नाम लेकर कांग्रेस ने जो अपना चरित्र का प्रदर्शन करने का काम किया है, इनको बिहार के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस विधायक इरफान अंसारी ने कहा भाजपा के पास कोई मुद्दा नहीं है। हमें लोगों के विकास की चिंता है। राज्य में बांग्लादेशी मुद्दा नहीं है। हमलोग किसी भी बाहरी को घुसने नहीं दे रहे हैं। जो लोग बौखलाए हैं उनसे कहना चाहता हूं कि आंकड़ा दीजिए। उन्होंने भाजपा का फर्जीवाड़ा का एक्सपर्ट बताया।

हम विकास की चिंता कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेशियों से नफरत क्यों है। बिजली वहां बेच ही रहे हो, आदिवासियों की जमीन आपने छीन ली। मुसलमानों का कोयला आप ले जा रहे हो। वहां प्लांट लगा कर ठीक बिजली बेच रहे हो। बांग्लादेशी का मुद्दा होम मिनिस्टर से क्यों नहीं पूछते। अगर अमित शाह की फौज कमजोर पड़ गई है तो हमलोग को बताइए। झारखंड की फौज जाएगी वहां। इरफान अंसारी की फौज जाएगी। कौन कहां घुस रहा यह हमारी समस्या नहीं है। मानसून सत्र के दौरान सदन में अनुपूरक बजट से लेकर कुछ महत्वपूर्ण विधेयक लाने की तैयारी है। आज प्रश्नकाल के बाद वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अनुपूरक बजट पेश किया जाएगा।

सोने-चांदी और कैश समेत 20 लाख की चोरी

बच्चों को कमरे में बंद कर सामान ले भागे बदमाश, पुलिस खंगाल रही सीसीटीवी फुटेज

बलोदा बाजार, 29 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले के भाटापारा में बदमाशों ने सोने-चांदी और कैश समेत 20 लाख का सामान पार कर दिया। शहर थाना क्षेत्र के टेवू राम कॉलोनी निवासी विक्रम सबलानी अपने किसी निजी कार्य के लिए रायपुर गए हुए थे। रात ज्यादा होने के कारण परिवार के ही सदस्य वहीं रुक गए।

विक्रम सबलानी के घर पर उनके बच्चे ही थे। रात में बच्चे सो रहे थे, तभी अज्ञात चोर दीवार फांद कर घर में घुसे। बदमाशों ने अलग-अलग कमरे में सो रहे बच्चों को लॉक कर दिया। एक कमरे का दरवाजा बंद नहीं हुआ तो उसे कपड़े से बांध दिया।

घर के तीसरे कमरे में रखे आलमारी से सोना,चांदी और पचास हजार रुपए कैश लेकर फरार हो गए। जब सुबह बच्चों की नींद खुली तो आलमारी वाले कमरे का दरवाजा खुला हुआ और सामान बिखरा हुआ था। बच्चों ने परिजनों को सूचना दी।

मेडिकल-कॉलेज में महिला की मौत, परिजनों का हंगामा

कहा- डॉक्टर ने भर्ती नहीं किया, कह रहे थे शराब पीने वालों का इलाज नहीं करते

सरगुजा, 29 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज के दौरान एक महिला की मौत हो गई। मौत के बाद परिजनों ने डॉक्टर्स पर लापरवाही का आरोप लगाकर हंगामा कर दिया। मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के अधीक्षक ने जांच टीम गठित कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है। 2 दिन पहले भी आक्सीजन नहीं मिलने से एक की मौत हुई थी। जानकारी के मुताबिक दर्रीपारा निवासी शांति मरावी (50) को तीन दिन पहले डायरिया से पीड़ित होने पर मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल लेकर परिजन पहुंचे थे। डॉक्टर्स ने दवा देकर वापस घर भेज दिया। शनिवार को शांति मरावी की हालत बिगड़ी। परिजन फिर अस्पताल लेकर पहुंचे। आरोप है कि ड्यूटी डॉक्टर ने भर्ती करने के बजाए इंजेक्शन लगाकर घर भेज दिया था। रविवार को शांति मरावी की हालत बिगड़ गई तो परिजन उसे फिर से हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। डॉक्टर ने इलाज के बाद उसे घर भेज दिया। शाम को शांति की हालत बिगड़ गई तो परिजनों ने उसे फिर अस्पताल में भर्ती कराया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतका शांति बाई के परिजनों ने आरोप लगाया है कि बार-बार कहने के बाद भी डॉक्टरों ने उसे भर्ती नहीं किया। डॉक्टर ने कह दिया कि हम शराब पीने वालों का इलाज नहीं करते। पहले भी महिला को लेकर अस्पताल आए थे, लेकिन डॉक्टर ने इलाज में लापरवाही के कारण शांति बाई की मौत हुई। मामले में सीएस डॉ. जेके रेलवानी ने कहा कि मामले की जांच कराई जाएंगी कि परिजनों के बोलने के बाद भी पीड़िता को भर्ती क्यों नहीं किया गया। इसके लिए जांच कमेटी सोमवार को गठित कर दी जाएगी। पहले हुई मौत के मामले में जांच के लिए कमेटी गठित कर दी गई है।

मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में इलाज में लारवाही के कारण मौत का यह दूसरा मामला है। तीन दिन पहले सूरजपुर से रेफर मरीज रामचंद्र ठाकुर की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। उसे लंग्स के इलाज के लिए भर्ती किया गया था।

परिजनों ने आक्सीजन नहीं मिलने के कारण मौत का आरोप लगाया था। नोजल खराब होने की शिकायत के बाद भी नर्सों ने चेक नहीं किया। मामले की जांच के लिए कमेटी बना दी गई है।

किडनैप कर चाकू से मार डाला

बहन के सामने से उठा ले गए छह आरोपी, घर में आकर कहा- मार दिए हैं

रायपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। रायपुर में घर से किडनैप कर एक युवक की हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि करीब 6 लोगों ने सीने और शरीर के अन्य जगहों पर चाकू से मारा है। मारने वालों में 3 लोग गांव के ही हैं। पूरा मामला धरसींवां थाना क्षेत्र के सिलतरा चौकी का है। मिली जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम लिकेश पटेल (23) है। परिजनों के मुताबिक लिकेश पटेल को गांव के रहने वाले मनीष सगरवंशी, लुकेश्वर पटेल और बसंत निषाद जबरदस्ती बाइक पर बैठाकर ले गए थे। मृतक की बहन के मुताबिक इस दौरान आरोपी 3 बाइक पर थे, जिसमें 6 लोग सवार थे। मृतक की बहन दामनी पटेल ने बताया कि भाई को उसके सामने से उठाकर लेकर गए हैं। इस दौरान उसने आरोपियों से कहा कि मेरे भाई को कुछ नहीं होना चाहिए।

वहीं कुछ देर बार फिर आरोपी घर की तरफ आए और चिल्लाते हुए कहकर गए कि तुम्हारे भाई चाकू मार दिए हैं। इसके बाद आनन-फानन में लिकेश पटेल का बड़ा भाई और बहन उसे ढूंढते हुए निकले। इस दौरान बहुत ढूंढने पर मांढर डेम के पास चप्पल और गमछा पड़ा मिला। वहीं जमीन पर खून भी गिरा हुआ था। इसके बाद जिधर-जिधर खून गिरा था, उसी तरफ ढूंढते गए।

छत्तीसगढ़ में तुरंत मिल रहे भवन-निर्माण लाइसेंस

आधार और जन्म-प्रमाणपत्र, निकायों में शिविर लगाकर अफसर सुन रहे समस्याएं, 2 दिन में 8000 से अधिक आवेदन

रायपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में आम जनता के लिए साय सरकार ने जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया है। जहां अलग-अलग विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। जन समस्या निवारण शिविर में लोगों की समस्याएं सुनी जा रही है। लोगों को भवन निर्माण का लाइसेंस, आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र तुरंत मिल रहे हैं।

जन समस्या निवारण शिविर में 2 दिन के अंदर 8 हजार से अधिक आवेदन आए हैं। इनमें रायपुर के भनपुरी वार्ड नंबर 5 निवासी खिलेश्वरी साहू, प्रदीप कुमार, कृति बघेल ने नामांतरण के लिए आवेदन दिया था। जिन्हें मौके पर ही डॉक्यूमेंट वेरीफाई कर अधिकारियों ने नामांतरण सर्टिफिकेट दे दिया। जानकारी के मुताबिक सरकार ने सभी जिलों के नगरीय निकायों में स्पेशल कैंप लगाया है, जो हर जिले में 10 अगस्त तक सभी नगरीय निकायों में चलेगा। नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायतों में अपनी समस्याएं बता सकते हैं। बता दें कि 27 जुलाई को शुरू हुए इन शिविरों में पहले दिन 7,757 आवेदन और दूसरे दिन 638 आवेदन मिले हैं। 8195 आवेदनों में से 4,435 आवेदनों का ऑन द स्पॉट निराकरण हो गया है। इन शिविरों में आई लंबित शिकायतों का स्थानीय प्रशासन जल्द निराकरण करेगा। नगरीय प्रशासन विभाग इसकी मॉनिटरिंग कर रहा है। जनसमस्या निवारण पखवाड़ा शिविर में नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. बसवराजू एस इस्पेक्शन के लिए पहुंचे। रायपुर के शिविर में उनके साथ कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह भी मॉजूद रहे। अधिकारियों ने रायपुर के वार्ड 27, इंदिरा गांधी वार्ड में दौरा किया। नगरीय प्रशासन सचिव डॉ. बसवराजू ने राशन कार्ड का जल्द से जल्द नवीनीकरण करने के निर्देश दिए हैं।

निशिकांत की केंद्र शासित प्रदेश की मांग पर झामुमो का हंगामा

विरोध होने पर भाजपा ने झाड़ा पल्ला

रांची, 29 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र का आज दूसरा दिन है। यह हेमंत सोरेन सरकार का विधानसभा में अंतिम सत्र होने वाला है। सत्र शुरू होने से पहले सत्तारूढ़ झामुमो ने लोकसभा में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के एक बयान के खिलाफ विधानसभा के बाहर प्रदर्शन किया। दरअसल, दुबे ने झारखंड, पश्चिम बंगाल और बिहार के कुछ हिस्सों को केंद्र शासित प्रदेश घोषित करने की मांग की थी ताकि बांग्लादेश से घुसपैठ पर रोक लगाई जा सके।

लोकसभा में झारखंड के गोड्डा से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने 25 जुलाई को कहा था, 'मैं जिस राज्य से आता हूं, संथाल परगना क्षेत्र से - जब संथाल परगना बिहार से अलग होकर झारखंड का हिस्सा बना, तो साल 2000 में संथाल परगना में आदिवासियों की आबादी 36 फीसदी थी। आज उनकी आबादी 26 फीसदी है। 10 फीसदी आदिवासी कहां गायब हो गए? यह सदन कभी उनकी चिंता नहीं करता, यह वोट बैंक की राजनीति में लिप्त है। दुबे के मुताबिक एक से दूसरे चुनाव में 15 से 17 फीसदी मतदाता बढ़ जाते हैं। मगर, उनके यहां वृद्धि दर 123 फीसदी है। झारखंड की 25 विस सीटों पर 110 फीसदी से 123 फीसदी तक वृद्धि हुई। यही स्थिति बिहार के सीमांचल के इलाके और बंगाल के मालदा व मुर्शिदाबाद जिलों की है। निशिकांत दुबे ने आगे कहा था, 'घुसपैठ पर झारखंड पुलिस कुछ नहीं कर पा रही है। बिहार के किशनगंज, अररिया, कटिहार जिले, पश्चिम बंगाल के मालदा, मुर्शिदाबाद को केंद्र शासित प्रदेश बना दिया जाए और एनआरसी लागू कर दिया जाए, नहीं तो हिंदू गायब हो जाएंगे।

उन्होंने इस दौरान अपील की थी कि और कुछ नहीं हो रहा है, तो वहां सदन की कमेटी भेजकर विधि आयोग की 2010 की रिपोर्ट लागू कर दी जाए कि धर्म परिवर्तन और शादी के लिए अनुमति जरूरी है।

धड़ल्ले से चल रहा है सट्टे का कारोबार

कांकेर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। कांकेर जिले में जुएं सट्टे का कारोबार जोरों पर है। हर गांव मोहल्ले में रोजाना नए खईवालों के तादात में इजाफा हो रहा है,अपराधों को रोकने वाले पुलिस के हथकंडे फेल होने से सट्टाबाजों का हौसले बुलंद है। अलाम ये है की इसके चुंगुल में सबसे ज्यादा युवाओं का भविष्य तबाह हो रहे है और सट्टेबाज इस कारोबार से लाखों कमा रहे है। जिले में चल रहे अवैध जुआ सट्टा कारोबार की बात कि जाए तो जिले में नासूर की तरह फैला चुका ये अवैध कारोबार कोरर सहित चारामा इलाके में बेधडक संचालित है और स्थानीय पुलिस इस कारोबार से बेखबर है या सट्टेबाज को संरक्षण दे रही है ये सवालिया निशान है। कोरर और चारामा इलाके में चल रहे सट्टा कारोबार की बात की जाए तो इस कारोबार में रोजाना कारोबार लाखों दाव खाईवाल घर बैठे मोबाईल से संचालित करर रहे हैं और सट्टे में हार जीत का दांव लगाने अपनी गाढ़ी कमाई इस खेल में गंवाकर बर्बाद हो रहे हैं। जिले के कई इलाकों में चल रहे अवैध सट्टा के कारोबार पर पुलिसिया आंकड़ों पर गौर किया जाए तो पुलिस विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक़ जनवरी से जून माह तक जुआ मामले में कुल 13 प्रकरण दर्ज 15 लोगों के विरुद्ध कार्यवाही कर 55,990 रूपये जब्त किया गया।

शहीद सप्ताह के पहले दिन आईईडी बरामद

नक्सलियों का शहीद सप्ताह आज से शुरू, टोंटो थाना क्षेत्र में मिला 5 किलो का विस्फोटक, किया डिफ्यूज

चाईबासा, 29 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिमी सिंहभूम में सुरक्षा बलों ने पश्चिमी सिंहभूम जिले के टोंटो थाना क्षेत्र से एक बार फिर 5 किलो का आईईडी विस्फोटक बरामद किया है। भाकपा माओवादियों द्वारा सुरक्षाबलों को निशाना बनाने के लिए इस तरह के विस्फोटक जिले के टोंटो और गोइलकेरा थाना क्षेत्र में जंगलों में लगाया गया है। जिसे पिछले कई महीने से सुरक्षा बल ढूंढ कर निकल रहे हैं।

10 अक्टूबर 2023 से संयुक्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के दौरान रविवार को टोन्टो थाना क्षेत्र के तुम्बाहाका और प्रधान घाट के आस-पास जंगल पहाड़ी क्षेत्र से 5 किलोग्राम का 1 आईईडी बरामद किया गया, जिसे सुरक्षा के दृष्टिकोण से उसी स्थान पर बम निरोधक दस्ता की सहायता से नष्ट कर दिया गया।

राष्ट्रपति मुइज्जू ने भारत को शुक्रिया कहा

कर्ज चुकाने में बहुत मदद की, भारत में रोड शो करने आ रहे मालदीव के मंत्री

माले, 29 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने मालदीव की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में मदद करने के लिए भारत का आभार जताया है। उन्होंने मालदीव के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर देश को संबोधित करते हुए कहा कि भारत और चीन दोनों देशों ने मालदीव का कर्ज चुकाने में बहुत ज्यादा मदद की है।

मुइज्जू ने उम्मीद जताई है कि भारत और मालदीव मजबूत संबंध बनाएंगे और फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर जल्द दस्तखत करेंगे। मालदीव में अमेरिकी डॉलर की कमी को लेकर मुइज्जू ने कहा कि उनकी सरकार भारत और चीन के साथ करेंसी स्वैप एग्रीमेंट पर बात कर रही है।

भारत ने 'नेबर्स फर्स्ट पॉलिसी' के तहत मालदीव को 400 करोड़ रुपये की सहायता दी है। मालदीव ने इसके लिए आभार जताया और उम्मीद जताई कि भारत कर्ज के भुगतान को और आसान बनाने में मदद करेगा।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक

कुछ महीने पहले आईएमएफ ने मालदीव को चेतावनी दी थी कि यदि उसने आर्थिक नीति में बदलाव नहीं किए तो कर्ज को लेकर उसे समस्या का सामना करना पड़ सकता है। इससे पहले शुक्रवार को एक बैठक में मुइज्जू ने कहा था कि चीन ने पांच साल तक के लिए कर्ज चुकाने से राहत दे दी है।

पिछले साल नवंबर में मालदीव में 'इंडिया आउट' कैंपेन चलाने वाले मोहम्मद मुइज्जू की सरकार आने के बाद से दोनों देशों में तनाव है। इसका नुकसान मालदीव के टूरिज्म सेक्टर को पहुंच रहा है। जनवरी 2024 में प्रधानमंत्री मोदी पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद मालदीव जाने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या बहुत कम हुई है।

दोनों देशों के बीच आए इस तनाव को दूर करने के लिए मालदीव के पर्यटन मंत्री इब्राहिम फैसल भारत दौरे पर आ रहे हैं। वे भारतीय पर्यटकों को लुभाने के लिए नई दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे बड़े शहरों में रोड शो करेंगे। इस दौरान लोगों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में मालदीव आने की अपील भी की जाएगी।

मालदीव जाने वाले भारतीयों की संख्या में गिरावट जारी

इब्राहिम फैसल ऐसे वक्त भारत आ रहे हैं जब मालदीव जाने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या तेजी से कमी हुई है। इस साल जनवरी से अप्रैल के बीच मालदीव जाने वाले भारतीय पर्यटकों में पिछले साल के मुकाबले 42 फीसदी की गिरावट आई है। 2023 के शुरुआती 4 महीने में सबसे ज्यादा भारतीय पर्यटक चीन गए थे। चीन से गए पर्यटक इस मामले में तीसरे नंबर पर रहे थे।

मालदीव टूरिज्म डिपार्टमेंट की आंकड़ों के मुताबिक 2023 में जनवरी से अप्रैल के बीच 73,785 भारतीय मालदीव पहुंचे थे। इस साल ये आंकड़ा 42,638 रहा। पिछले साल से तुलना करें तो मालदीव को सिर्फ 4 महीने में 31,147 पर्यटकों का नुकसान हुआ।

आंकड़ों के मुताबिक जनवरी 2024 में सिर्फ 15,003 भारतीय मालदीव पहुंचे थे। जनवरी 2023 में ये आंकड़ा 18,612 था। वहीं, फरवरी 2024 में 11,522 भारतीय पर्टयक मालदीव गए थे। एक साल पहले फरवरी 2023 में ये आंकड़ा 19,497 था।

ईरान की इजराइल को युद्ध की धमकी

लेबनान पर हमला किया तो महंगा पड़ेगा हमले के डर से बेरूत में सैकड़ों उड़ानें रद्द

गाजा/तेल अवीव, 29 जुलाई (एजेंसियां)। इजराइल और हमास के बीच करीब दस महीने से चल रहा युद्ध खत्म होने के बजाय पश्चिमी एशिया के बाकी हिस्सों तक फैलता नजर आ रहा है। दरअसल, शनिवार को इजराइल के कब्जे वाले गोलन हाइट्स पर ईरान समर्थित मिलिशिया हिजबुल्ला के कथित तौर पर हमला किया था। इसके बाद इजराइली सेना ने दक्षिण और पूर्वी लेबनान के गांवों और कस्बों पर जवाबी कार्रवाई में बमबारी की है। इसके बाद ईरान ने खुले तौर पर इजराइल को चेतावनी दी है कि अगर वह लेबनान में हिजबुल्ला के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू करता है तो वह विनाशकारी युद्ध करेगा। इस बीच इजराइल के पीएम नेतन्याहू ने आगे की कार्रवाई के लिए सुरक्षा कैबिनेट की तेल अवीव में बैठक बुलाई है। शनिवार को हुए हमलों के बाद इजराइल ने लेबनान पर ड्रोन हमला शुरू कर दिया है। रविवार देर रात दक्षिणी लेबनान पर किए गए एक ड्रोन हमले में 2 लोग मारे गए जबकि 3

घायल हो गए हैं। इजराइली हमले को देखते हुए लेबनान में हवाई सेवाएं रोक दी गई हैं। लेबनान की मिडिल ईस्ट एयरलाइंस ने कहा कि सौ से अधिक फ्लाइट्स या तो कैंसिल कर दी गई हैं या फिर उनमें देरी कर दी गई हैं। लुफ्थांसा एयरलाइंस ने कहा कि उसने 30 जुलाई तक के लिए 5 रूटों पर फ्लाइट रद्द कर दिया है। बेरूत रफिक हरीरी इंटरनेशनल एयरपोर्ट लेबनान का एकमात्र एयरपोर्ट है। इजराइल से हुई जंग में और फिर सिविल वॉर के दौरान इस एयरपोर्ट को निशाना बनाया जा चुका है। देंबेरूत में नॉर्वेजियन दूतावास ने चेतावनी दी है कि लेबनान-इजराइल में संघर्ष बढ़ गया है। दूतावास ने नागरिकों से कहा है कि वह देश छोड़ दें। यदि स्थिति बिगड़ती है, तो लेबनान के बाहर यात्रा के विकल्प सीमित हो सकते हैं। ईरान समर्थक आतंकी संगठन हिजबुल्लाह ने शनिवार को इजराइल पर पिछले करीब 10 महीने का सबसे बड़ा हमला किया है। आतंकी संगठन ने लेबनान से गोलन हाइट्स के फुटबॉल ग्राउंड पर रॉकेट दागे। इस हमले में 12 लोगों की मौत हो गई है, जबकि करीब 30 घायल हैं। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, मरने वालों में ज्यादातर बच्चे हैं, जिनकी उम्र 10-20 साल के बीच है।

हमले की सूचना मिलते ही अमेरिकी दौरे पर गए इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू तुरंत देश लौट आए हैं। हिजबुल्लाह ने शुरुआत में इस हमले की जिम्मेदारी ली। हालांकि, कुछ देर बाद ही वो अपने बयान से पलट गया। इजराइल की सेना आईडीएफ ने कहा है कि हमला फलक-1 रॉकेट्स से किया गया, जिसका इस्तेमाल सिर्फ हिजबुल्लाह करता है। वहीं इजराइल के विदेश मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा कि इसमें अब कोई शक नहीं है कि हिजबुल्लाह ने सारी हदें पार कर दी हैं।

हिंद महासागर क्षेत्र तक आईपीएमडीए कार्यक्रम का होगा विस्तार

क्वाड विदेश मंत्रियों ने बैठक में किया एलान

टोक्यो, 29 जुलाई (एजेंसियां)। टोक्यो में क्वाड विदेश मंत्रिस्तरीय बैठक के बाद यह घोषणा नई दिल्ली में हिंद महासागर में चीन के बढ़ते दखल को लेकर चिंताओं के बीच की गई, जिसे मोटे तौर पर भारतीय नौसेना का बैकयार्ड माना जाता है। क्वाड ने यह भी कहा कि वह हिंद महासागर क्षेत्र के लिए भारत के सूचना संलयन केंद्र के माध्यम से अपने दक्षिण एशिया कार्यक्रम के शीघ्र संचालन के लिए काम कर रहा है। इस बैठक में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन, जापानी विदेश मंत्री योको कामिकावा और ऑस्ट्रेलिया की पेनी वोंग ने हिस्सा लिया। वहीं एक संयुक्त बयान में, विदेश मंत्रियों ने कहा कि क्वाड हिंद और प्रशांत महासागरों में समुद्र के कानून पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूएनसीएलओएस) के अनुरूप एक स्वतंत्र और खुली समुद्री व्यवस्था विकसित करने के लिए दृढ़ संकल्प है और यह इस उद्देश्य के लिए क्षेत्रीय भागीदारों के साथ सहयोग बढ़ाएगा। इस बैठक में कहा गया है कि ऐसे प्रयासों के अनुरूप, हम समुद्री डोमेन जागरूकता के लिए इंडो-पैसिफिक पार्टनरशिप (आईपीएमडीए) को भौगोलिक रूप से हिंद महासागर क्षेत्र तक विस्तारित करने का इरादा रखते हैं। हम गुरुग्राम, भारत में सूचना संलयन केंद्र-हिंद महासागर क्षेत्र के माध्यम से दक्षिण एशिया कार्यक्रम के शीघ्र संचालन के लिए काम कर रहे हैं। इसके अलावा, हम क्षेत्रीय भागीदारों के साथ घनिष्ठ परामर्श में प्रभावी तकनीकी सहयोग को शामिल कर रहे हैं।

कमला हैरिस के समर्थन में खुलकर आए भारत में जन्मे चर्चित लेखक सलमान रुश्दी

न्यूयॉर्क, 29 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई में जन्मे लेखक सलमान रुश्दी ने अमेरिका के राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस का समर्थन करते हुए कहा है कि उपराष्ट्रपति हैरिस ही वह व्यक्ति हैं जो पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को देश को सत्तावाद की ओर ले जाने से रोक सकती हैं। रुश्दी ने रविवार को एक डिजिटल कार्यक्रम 'साउथ एशियन मेन फॉर हैरिस' के दौरान अमेरिकी उपराष्ट्रपति हैरिस के प्रति अपना समर्थन जताया। इस कार्यक्रम में सांसदों, लेखकों, नीति विशेषज्ञों, उद्यमियों और प्रवासी संगठनों सहित भारतीय-अमेरिकी समुदाय की कई प्रमुख हस्तियां शामिल हुईं।

रुश्दी ने कहा, 'यह एक महत्वपूर्ण क्षण है। मैं बंबई (अब

लेखक सलमान रुश्दी

मुंबई) का लड़का हूं और एक भारतीय महिला को 'व्हाइट हाउस' (अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) के लिए चुनाव लड़ते देखकर बहुत अच्छा लग रहा है। मेरी पत्नी अफ्रीकी-अमेरिकी है, इसलिए हमें यह बात पसंद है कि एक अश्वेत और भारतीय महिला 'व्हाइट हाउस' के लिए चुनाव लड़ रही है।' हैरिस (59) अमेरिका में नवंबर में प्रस्तावित राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की संभावित उम्मीदवार हैं। उन्होंने राष्ट्रपति जो बाइडन के इस दौड़ से हटने के बाद पिछले सप्ताह राष्ट्रपति पद के लिए अपनी उम्मीदवारी की आधिकारिक घोषणा की थी।

हालांकि, अभी डेमोक्रेटिक पार्टी ने उन्हें अपना आधिकारिक प्रत्याशी घोषित नहीं किया है। ब्रिटिश-अमेरिकी उपन्यासकार रुश्दी (77) ने साथ ही कहा कि उनके समर्थन का आधार केवल जातीयता नहीं है। उन्होंने उपराष्ट्रपति पद के रिपब्लिकन उम्मीदवार जे डी वेंस की भारतीय-अमेरिकी पत्नी और दक्षिण कैरोलिना की पूर्व भारतीय-अमेरिकी गवर्नर का जिक्र करते हुए कहा, 'हम ऊषा वेंस या निक्की हेली के लिए इस तरह एकत्र नहीं होते।' रुश्दी ने कहा कि यह जोश इसलिए है क्योंकि एक सप्ताह के भीतर ही अमेरिकी राजनीति में कुछ 'असाधारण, परिवर्तनकारी'' घटित हुआ है।

उन्होंने कहा, 'उम्मीदवार के तौर पर कमला हैरिस के आने से बातचीत का रुख पूरी तरह से बदल गया है और यह आशावाद और सकारात्मक, दूरगामी सोच के साथ बदला है।' रुश्दी ने इस बात पर जोर दिया कि समुदाय को हैरिस को सफल बनाना होगा क्योंकि 'हम विकल्प को जीतने नहीं दे सकते।' उन्होंने राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप(78) का जिक्र करते हुए कहा, 'वह एक ऐसे खोखले आदमी हैं जिनमें एक भी अच्छा गुण नहीं है और वह इस देश को सत्तावाद की ओर ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसा नहीं हो सकता।' रुश्दी ने कहा कि हैरिस 'ही वह व्यक्ति हैं जो उन्हें (ट्रंप को) रोक सकती हैं।'

श्रीलंका के न्याय मंत्री विजयदासा राजपक्षे का इस्तीफा

विक्रमसिंघे के खिलाफ लड़ेंगे चुनाव

कोलंबो, 29 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीलंका के न्याय मंत्री विजयदासा राजपक्षे ने सोमवार को कहा कि उन्होंने आगामी 21 सितंबर को राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इसी के साथ विजयदासा राजपक्षे राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के बाद राष्ट्रपति चुनाव लड़ने वाले दूसरे उम्मीदवार बन गए हैं। बता दें कि बीते शुक्रवार को राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने राष्ट्रपति चुनाव लड़ने की घोषणा की थी। विजयेदासा राजपक्षे ने आगे कहा कि मैंने चुनाव लड़ने के लिए अपने मंत्रालय से इस्तीफा दे दिया है। मैं एक नए मोर्चे के तहत चुनाव लड़ूंगा, जिसकी घोषणा जल्द ही की जाएगी। जब मैंने और राष्ट्रपति ने चुनाव लड़ने की अपनी मंशा की घोषणा की, तो कुछ मुद्दे उठे। मुख्य मुद्दा यह था कि मंत्रिमंडल के दो लोग राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ रहे थे, भले ही हम दो अलग-अलग पार्टियों से चुनाव लड़ रहे थे। राष्ट्रपति ने इस पर मेरी राय मांगी और मैंने राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए अपने मंत्री पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है।

इस दौरान मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए कई क्षेत्रों में मुद्दों को हल करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने आगे विश्वास जताया कि राष्ट्रीय चुनाव आयोग आगामी चुनावों के संबंध में स्वतंत्र रूप से और संविधान के अनुसार काम करेगा। बता दें कि विजयदासा राजपक्षे को पूर्व राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरिसेना का समर्थन प्राप्त है, जो फ्रीडम पार्टी के एक गुट का नेतृत्व करते हैं।

जापान में सैन्य कमांड को अपग्रेड करेगा अमेरिका

चीन से बढ़ते खतरे का हवाला, दोनों देश मिलकर बनाएंगे एयर-टू-एयर मिसाइल

टोक्यो, 29 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका ने जापान में अपने सैन्य कमांड को अपग्रेड करने का ऐलान किया है। दोनों देश मिलकर एक संयुक्त सैन्य कमांड का गठन करेंगे। इस हेडक्वार्टर पर ऑपरेशन और मिशन से जुड़ी जिम्मेदारियां होंगी। इसके तहत दोनों देश यूएस फोर्स जापान को मजबूत करने पर काम करेंगे। दोनों के बीच इसे लेकर सहमति भी बन गई है। यूएस फोर्स जापान का गठन दूसरे विश्वयुद्ध में जापान के सरेंडर के बाद उसकी सुरक्षा के लिए अमेरिका ने किया था।

दोनों देशों के रक्षा और विदेश मंत्रियों के बीच हुई 2+2 बैठक के बाद इस फैसले पर मुहर लगी। टोक्यो में हुई इस बैठक में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने जापान के विदेश मंत्री योको कामिकावा और रक्षा मंत्री मीनोरू किहारा के साथ मुलाकात की। दोनों देश सैन्य कमांड को

मजबूत करने और अमेरिकी लाइंसेस प्राप्त मिसाइलों के निर्माण करने पर सहमत हुए हैं। ये फैसला जापान के लिए चीन से बढ़ते खतरे के बीच लिया गया है।

अमेरिका और जापान के बयान दिया कि वे चीन के परमाणु हथियारों की बढ़ती संख्या को लेकर चिंतित हैं। दोनों देशों ने कहा कि वे एयर-टू-एयर मिसाइल सिस्टम के उत्पादन को बढ़ाएंगे। मीटिंग के बाद दोनों देशों ने संयुक्त बयान जारी करते हुए चीन पर अपने फायदे के लिए ग्लोबल ऑर्डर को बदलने की कोशिश आरोप लगाया। बयान में चीन की नीतियों को हिंद-प्रशांत क्षेत्र और विश्व समुदाय के लिए गंभीर चिंता का विषय बताया गया। साथ ही समंदर में चीन की उकसावे की कार्रवाईयों, रूस के साथ उसके सैन्य अभ्यास और परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ाने को लेकर उसकी आलोचना भी की गई। जापान की सुरक्षा के लिए वहां 50 हजार अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। लेकिन योकोटा शहर में मौजूद यूएस फोर्सेस जापान के कमांडर के पास इनकी कमान को लेकर कोई अधिकार नहीं होता है। वे केवल कमान के मैनेजमेंट से जुड़े काम ही देख सकते हैं। ये कमान अमेरिका के हवाई द्वीप पर मौजूद यूएस-इंडोपेसिफिक कमांड के आदेश पर काम करती है। जापान में मौजूद इस कमान की हवाई द्वीप से दूरी लगभग 6500 किमी है। हवाई में समय जापान से 19 घंटे पीछे भी है। फोर्सेस को अपग्रेड करने के फैसले से उनकी क्षमताएं बढ़ेगी, हालांकि उन्हें अभी भी हवाई कमांड को रिपोर्ट करना होगा।

रूस की नॉर्थ कोरिया से बढ़ती दोस्ती भी जापान के लिए खतरा

यूएस फोर्सेस जापान को अपग्रेड करने का फैसला नॉर्थ कोरिया और रूस के बढ़ते संबंधों के नजरिए से भी खास है। नॉर्थ कोरिया लगातार अपने मिसाइल प्रोग्राम को मजबूत करने पर काम कर रहा है। वो कई बार इन सी ऑफ जापान में इन मिसाइलों का परीक्षण कर चुका है। पिछले महीने ही रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने नॉर्थ कोरिया का दौरा किया था। इस दौरान पुतिन ने नॉर्थ कोरिया के साथ सैन्य संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया था। यूक्रेन युद्ध के बाद से पश्चिमी देशों के साथ रूस संबंध बिगड़ चुके हैं। ऐसे में रूस, नॉर्थ कोरिया के साथ संबंधों को मजबूत करने पर बल दिया है।

जर्मनी में मिसाइल तैनात करने पर पुतिन ने दी चेतावनी

कहा- शीत युद्ध पैदा कर रहा अमेरिका, हम भी परमाणु हथियार तैनात करेंगे

बर्लिन, 29 जुलाई (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिका को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका, जर्मनी में लंबी दूरी वाले मिसाइल तैनात करता है तो इसके जवाब में रूस भी पश्चिमी देशों की रेंज में आने वाले घातक मिसाइल तैनात करेगा।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक इस महीने की शुरुआत में अमेरिका ने कहा था कि नाटो अपने सहयोगी देशों की हिफाजत के लिए जर्मनी में साल 2026 से लंबी दूरी वाली मिसाइलों को तैनात करना शुरू कर देगा। इसमें एसएम-6, टॉमहॉक क्रूज मिसाइल के अलावा हाइपरसोनिक मिसाइल भी होंगे।

इसके जवाब में पुतिन ने कहा कि अमेरिका कोल्ड वॉर के दौरान हुए मिसाइल संकट जैसी स्थिति पैदा कर रहा है। साल 1962 में रूस ने क्यूबा में मिसाइल तैनात कर दिया था। ये

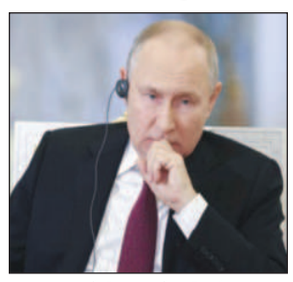

जगह अमेरिका से सिर्फ 150 किमी की दूरी पर थी। इसकी वजह से रूस और अमेरिका परमाणु जंग के मुहाने पर आ गए थे। रूस के नौसेना दिवस के मौके पर रविवार को अपने संबोधन में पुतिन ने कहा कि अगर नाटो ऐसा कदम उठाता है तो जर्मनी से रूस तक मिसाइल के पहुंचने में सिर्फ 10 मिनट लगेंगे। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका, जर्मनी में मिसाइलों को तैनात करने की बात कहकर और डेनमार्क और फिलीपींस को टाइफून मिसाइल सिस्टम देकर तनाव को और बढ़ा रहा है।

पुतिन ने अमेरिका के इस कदम की तुलना साल 1979 में वेस्ट यूरोप में पर्शिंग-2 मिसाइल लॉन्चर्स की तैनाती से की। सोवियत यूनियन के तत्कालीन महासचिव यूरी आंद्रोपोव के मुताबिक पर्शिंग मिसाइलों की तैनाती कर अमेरिका, सोवियत यूनियन के राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व को खत्म करना चाहता था।

पुतिन ने दोबारा कहा कि अब फिर से कोल्ड वॉर जैसे हालात बनाए जा रहे हैं। इसका जवाब देने के लिए रूस न्यूक्लियर तकनीक से लैस इंटरमीडिएट और शॉर्ट रेंज मिसाइल का उत्पादन शुरू करेगा और इसके बाद विचार करेगा कि इन्हें तैनात कहां किया जाए।

पोलिटिको की रिपोर्ट के मुताबिक साल 1987 में अमेरिका और सोवियत यूनियन के बीच इंटरमीडिएट-रेंज न्यूक्लियर फोर्सेस एग्रीमेंट हुआ था। इसके तहत दोनों देशों ने 500 किमी से अधिक रेंज वाली न्यूक्लियर मिसाइलों को तैयार न करने पर सहमत हुए थे।

32 साल के बाद 2019 में अमेरिका इस समझौते से अलग हो गया। अमेरिका का आरोप था कि रूस 9एम729 मिसाइल डेवलप कर समझौते को तोड़ रहा है। इसके बाद अमेरिका के तत्कालीन रक्षा सचिव मार्क एस्पर ने कहा था कि वे भी रूसी मिसाइल के जवाब में लंबी रेंज के हथियारों का निर्माण करेंगे।

रविवार को भारतीय नौसैनिकों ने रूस के 328वीं नेवी-डे परेड में हिस्सा लिया। इस मौके पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने भारतीय नौसेनिकों से सलामी ली। भारत की तरफ से नेवी-डे परेड में युद्धपोत आईएनएस तबर ने शामिल हुआ।

रूसी सेना में काम कर रहे 10 भारतीय लौटेंगे

पीएम मोदी ने पुतिन के सामने उठाया था नागरिकों की रिहाई का मुद्दा

मास्को, 29 जुलाई (एजेंसियां)। रूसी सेना में काम कर रहे 10 भारतीय नागरिक जल्द ही भारत लौटेंगे। ये जानकारी केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने सपा सांसद धर्मेंद्र यादव द्वारा संसद में पूछे गए सवाल के जवाब में दी है। उन्होंने बताया कि रूसी सेना में काम कर रहे 10 भारतीयों के रूसी सशस्त्र बलों ने छोड़ दिया है। मंत्री ने बताया कि रूस की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन से भारतीय नागरिकों को जल्द से जल्द रिहा का मुद्दा उठाया था। विदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों से युद्ध क्षेत्र से दूर रहने की अपील की है। न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए 11 जुलाई को भारत में रूस के राजनयिक रोमन बबुश्किन ने कहा था कि इस मामले पर रूस, भारत सरकार के साथ है। हमें भारतीय सैनिकों की जरूरत नहीं है। रूसी सेना में शामिल भारतीयों की संख्या 50 से 100 के बीच बताई जाती है। बबुश्किन ने बताया कि इन लोगों को एजेंट्स के द्वारा धोखाधड़ी के जरिए सेना में शामिल कराया गया था। ये एजेंट्स आपराधिक गतिविधियों में शामिल होते हैं। वे अवैध तरीके से लोगों को लाकर सेना में शामिल कराते हैं।

प्रधानमंत्री के साथ रूस दौरे पर विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने 9 जुलाई को मॉस्को में प्रेस ब्रीफिंग के दौरान बताया था कि दोनों देशों के नेताओं के बीच इस मुद्दे को लेकर बातचीत हुई है। रूस ने जल्द ही सेना से भारतीयों को डिस्चार्ज कर वापसी का वादा किया है। दोनों पक्ष इसे लेकर काम कर रहे हैं। रूस की सेना में भर्ती कई भारतीय नागरिकों की अब तक मौत हो चुकी है। भारत की जांच एजेंसी सीबीआई ने अप्रैल में भारतीयों को धोखे से रूस-यूक्रेन जंग में भेजने के मामले में 4 लोगों को गिरफ्तार किया था। इनमें से तीन लोग भारत के थे, जबकि एक रूस के रक्षा मंत्रालय में काम करने वाला ट्रांसलेटर था। ये सभी लोग एक नेटवर्क का हिस्सा थे, जिसमें सोशल मीडिया के जरिए भारतीयों को नौकरी और अच्छी सैलरी का लालच देकर फंसाया जाता है। सीबीआई के मुताबिक, दिल्ली-बेस्ड एक वीजा कंपनी अब तक करीब 180 भारतीयों को रूस भेज चुकी है।

अमेरिका ने उठाए मादुरो की जीत पर सवाल

राष्ट्रपति बोले- धोखाधड़ी का रोना फिर शुरू

काराकास, 29 जुलाई (एजेंसियां)। वेनेजुएला में राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करने के बाद अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए निकोलस मादुरो ने कहा कि 'विपक्ष ने नतीजों के बाद फिर से चुनाव में धोखाधड़ी का रोना शुरू कर दिया है।' मादुरो ने कहा कि 'हम पहले भी कई बार इस फिल्म को देख चुके हैं।' अमेरिका की सरकार ने वेनेजुएला के चुनाव नतीजों को लेकर चिंता जाहिर की है और कहा है कि ये नतीजे वेनेजुएला के लोगों की इच्छा को प्रदर्शित नहीं करते हैं। राजधानी काराकास में अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए निकोलस मादुरो ने कहा कि 'मैं 20 साल पहले राजनीति में आया था, उस वक्त आपमें से कई पैदा भी नहीं हुए होंगे, तब से ही चुनाव के नतीजों में धांधली का आरोप लगा रहे हैं।

बांग्लादेश में ताजा प्रदर्शनों के आह्वान को लेकर अलर्ट

पुलिस-अर्द्धसैनिक बलों ने बढ़ाई पेट्रोलिंग

ढाका, 29 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण प्रणाली में सुधार को लेकर हिंसा जारी है। सोमवार को बांग्लादेशी सेना और अर्धसैनिक बल ने राजधानी ढाका में पेट्रोलिंग की। वहीं पुलिस ने चप्पे-चप्पे की कड़ी निगरानी कर रही है। गुप्त सूत्रों से मिले इनपुट के बाद सुरक्षा बलों ने उपद्रवियों से निपटने की सभी तैयारियां शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि प्रदर्शनकारी छात्रों के एक गुट ने बीती रात में ही नए दौर के विरोध प्रदर्शन का आह्वान कर दिया है। यह बात उस वक्त सामने आई, जब उनके छह समन्वयकों ने प्रदर्शन वापस लेने की घोषणा कर दी थी। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, हमने ताजा हिंसा को रोकने के लिए सेना जुटा ली है। गवाहों और टीवी फुटेज के अनुसार, सुरक्षा बल, सेना के साथ राजधानी के मुख्य जगहों की रक्षा

में जुटे हुए हैं। पुलिस अर्धसैनिक बलों के साथ सड़कों पर पेट्रोलिंग कर रही है। सोमवार को छात्रों के एक समूह ने एक नए विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया। दरअसल, इसी समूह के छह नेताओं ने प्रदर्शन को वापस लेने की घोषणा की थी। बता दें कि बीते महीने 5 जून को बांग्लादेश की सुप्रीम कोर्ट ने देश में फिर से आरक्षण की पुरानी व्यवस्था लागू करने का आदेश दिया। शेख हसीना सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील भी की, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने आदेश को बरकरार रखा। इससे छात्र नाराज हो गए और उन्होंने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। बांग्लादेश के विश्वविद्यालयों से शुरू हुआ ये विरोध प्रदर्शन अब बढ़ते-बढ़ते हिंसा में तब्दील हो गया है। इस प्रदर्शन पर छात्र समन्वयक नाहिद इस्लाम ने कहा, सरकारी नौकरी कोटा प्रणाली में सुधार की हमारी मांग पूरी हो गई है। हालांकि, कई अन्य छात्रों ने नए विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया। उन्होंने दावा किया कि उनके नेताओं को पुलिस हिरासत में प्रदर्शन वापस लेने के लिए मजबूर किया गया। सरकार ने अपने नेताओं की रिहाई और प्रदर्शन में मारे गए लोगों के लिए माफी मांगने के अल्टीमेटम को नजरअंदाज कर दिया। इस हिंसक प्रदर्शन में देशभर में 200 नागरिकों की मौत हो गई। एक स्थानीय मीडिया ने बताया कि हिंसा में 210 लोगों की मौत हुई, जिनमें से 113 बच्चे थे। मरने वालों में ज्यादातर किशोर और युवा थे। हिंसा शुरू होने के बाद से देशभर में नौ हजार लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

सीएम भजनलाल शर्मा को जान से मारने की धमकी मिलने पर बड़ा एक्शन

जयपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। पुलिस कमिश्नरेट के कन्ट्रोल रूम में शनिवार देर रात तीन बजे फोन आया और फोन करने वाले ने कहा कि हम सीएम भजनलाल शर्मा (CM Bhajanlal Sharma) को गोली मारेंगे। इतना कहने के बाद मोबाइल बंद कर लिया। कन्ट्रोल रूम की सूचना पर अधिकारी, तकनीकी टीम व साइबर टीम आरोपी की तलाश में जुट गई। तीन घंटे बाद आरोपी ने मोबाइल चालू कर फिर कन्ट्रोल रूम में फोन किया और कहा कि मैं दौसा जेल से बोल रहा हूं। इसके बाद जयपुर रेंज आईजी, दौसा एसपी सहित कमिश्नरेट के अधिकारी दौसा जेल में आरोपी की तस्दीक में जुट गए। पुलिस ने जेल से फोन करने वाले की पहचान कर उसका मोबाइल भी बरामद किया।

कोर्ट ने सुनाई थी 10 साल की सजा

आरोपी के खिलाफ जयपुर के विधायकपुरी थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि मूलतः दार्जिलिंग हाल श्याम नगर निवासी निमा उर्फ साजन के खिलाफ मामला दर्ज किया। निमा के खिलाफ वर्ष 2016 में नाबालिग से बलात्कार का मामला दर्ज हुआ था और जयपुर जेल में बंद था। कोर्ट ने आरोपी को वर्ष 2019 में 10 वर्ष की सजा सुनाई थी। महानिदेशक जेल ने आरोपी को 4 अप्रेल को ही जयपुर जेल से दौसा जेल में शिफ्ट करने के आदेश दिए थे। आरोपी निमा के पास फोन किसने पहुंचाया और मुख्यमंत्री के नाम से धमकी क्यों दी। इस संबंध में पूछताछ की जाएगी। पुलिस यह भी पड़ताल कर रही है कि आरोपी के साथ कौन-कौन लोग शामिल हैं।

जेल में 10 मोबाइल चलते मिले, अधीक्षक सहित तीन सस्पेंड

जेल डीआईजी मोनिका अग्रवाल दौसा जेल पहुंची और पुलिस प्रशासन के सहयोग से जेल में सर्च ऑपरेशन चलाया गया। जेल में मुख्यमंत्री को धमकी देने वाले कैदी के अलावा 9 कैदी व बंदियों के पास भी मोबाइल मिले। अग्रवाल ने बताया कि दौसा जेल के कार्यवाहक अधीक्षक कैलाश दरोगा, कारापाल बिहारीलाल व प्रहरी अवधेश कुमार को सस्पेंड कर दिया। मामले में जांच जारी है।

पूर्व सांसद बैरवा ने भाजपा से दिया इस्तीफा

पूर्व सीएम गहलोत पर लगाए थे बड़े आरोप

जयपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व विधायक खिलाड़ी लाल बैरवा ने राजस्थान विधानसभा 2023 के दौरान भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी। कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव में खिलाड़ी लाल बैरवा का टिकट काट दिया था। बैरवा ने गहलोत को इसका जिम्मेदार बताया था। जिसके बाद ही खिलाड़ी लाल बैरवा ने कांग्रेस छोड़कर बीजेपी ज्वॉइन की थी और अब भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है।

बैरवा ने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ को पत्र लिखकर इस्तीफा दिया। उन्होंने पत्र में लिखा कि 'पूर्व मुख्यमंत्री (कांग्रेस) द्वारा अपने चौथी बार मुख्यमंत्री बनने की लालसा में कांग्रेस के दिग्गज नेताओं को कांग्रेस से बाहर करने का असफल प्रयास किया। पायलट साहब के गुट के लोगों के फोन टेप करवाए, जिसका लोकेश शर्मा

(ओ.एस.डी. पूर्व मुख्यमंत्री) सविस्तार बता चुके है। मेरा भी फोन टेप करवाया गया, जो कि जांच का विषय है।

'योजनाबंध तरीके के साथ मुझे भी पार्टी से निकाला गया। कुछ खास चापलूस लोगों की सिफारिश पर राजस्थान के इतने टुकडे-टुकडे कर दिए पंचायत समिति स्तर के क्षेत्रफल वालों को जिले बना दिए, समाज के टुकडे कर इतने सामाजिक बोर्ड बना दिए। जिनका स्वंय को भी पता नहीं 18% अनुसूचित जाति के लोगों के लिए आयोग को मैने वैद्यानिक दर्जे की बात की तो क्या गुनाह कर दिया।'

'अन्तिम छः माह में सरकार द्वारा लिए फैसलों की समीक्षा में चार बिन्दुओं पर समीक्षा हो मैं सरकार से मांग करता हूं। (1) जिले बनाना (2) सामाजिक बोर्ड बनाना (3) फोन टेपिंग मामला (4) अनुसूचित जाति आयोग को वैद्यानिक दर्जा वाला मामला।'

'जिस तत्कालीन मुख्यमंत्री द्वारा जगह बदल-बदल कर 2 बार अपने पुत्र को जीत नहीं दिला पाये। इससे इनके प्रति जनता की भावना साफ दर्शाती है। भाजपा एवं कांग्रेस अलग-अलग विचार धाराएं है मैने एवं मेरे कार्यकर्ताओं ने भाजपा ज्वॉइन की, लेकिन काफी प्रयास के बाद भी मैं भाजपा की विचारधारा से अपने आप को जोड़ नही पा रहा हूं।'

'मैने 33 वर्ष कांग्रेस में सक्रिय राजनीति की है। विचारधारा मेरे खून में शामिल हो गई है। मुझे भाजपा से कोई शिकायत नहीं है, लेकिन मैं और मेरे साथी कार्यकर्ता भारतीय जनता पार्टी से अलग होते हुए प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहे है।'

तीन जिलों को लेकर गहलोत सरकार के फैसले को पलटने की तैयारी में भजनलाल सरकार

जयपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की ओर से जयपुर, जोधपुर और कोटा शहर में बनाए गए दो-दो नगर निगम को अब भजनलाल सरकार वापस एक करने की तैयारी कर रही है। नागौर दौरे पर आए राजस्थान सरकार के नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने पत्रकारों से बातचीत में इस बात के संकेत दिए।

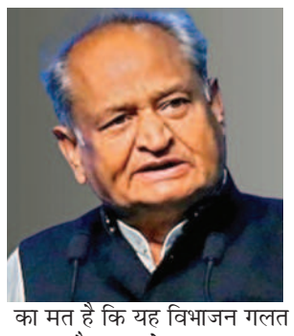

उन्होंने बताया कि इस संबंध में आमजन से व जनप्रतिनिधियों से राय ले रहे हैं। करीब 99 प्रतिशत का मत है कि यह विभाजन गलत हुआ है। इससे सरकार पर अनावश्यक आर्थिक भार पड़ा है और शहरों में व्यवस्था खराब हुई है। स्थानीय निकायों व पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव एक साथ कराने को लेकर मंत्री खर्रा ने कहा कि निश्चित रूप से यह काम किया जाएगा।

पिछले पांच साल राजस्थान में अलग- अलग चुनाव होते रहे, पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार लगातार होटलों में मौज उड़ाती रही।

जब दो महीने में चुनाव हो जाएंगे तो उनको तकलीफ तो होगी ही। उन्होंने कहा कि 13 लाख पट्टों की जांच करवाएंगे, हालांकि समय जरूर 'लगेगा, लेकिन जांच जरूर होगी।

सरकारी संस्था स्वच्छ में हुए करोड़ों के फर्जी भुगतान

जनजाति विकास मंत्री बोले- एसीबी करेगी जांच

जयपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। जनजातीय क्षेत्र में काम कर रही स्वच्छ संस्था में करोड़ों रुपयों के फर्जी भुगतान और अफसर के ट्रांसफर का मुद्दा आज विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान उठा। बांसवाड़ा में सरकारी संस्था स्वच्छ के अफसर को कलेक्टर की तरफ से हटाने और नया अधिकारी लगाने के मुद्दे पर जनजाति विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी और कांग्रेस विधायक अर्जुन बामणिया के बीच तीखी नोक-झोंक हो गई। खराड़ी ने कहा कि विभाग के पास इस अफसर के खिलाफ शिकायतें थीं, इसलिए हटाया। आप जिस अफसर को लगाना चाहते थे, उसके खिलाफ भारी शिकायतें थीं। मंत्री के इस जवाब पर कांग्रेस विधायक बामणिया ने आपत्ति जताई।

बामणिया ने कहा कि स्वच्छ संस्था में कई अफसर हैं, दूसरे विभाग से लगाने का क्या कारण है? इसके बाद नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने पूरक सवाल पूछा कि स्वच्छ सरकार से संचालित एनजीओ है। उन्होंने कहा कि संस्था विधान में साफ है कि इसके डायरेक्टर ही कर्मचारियों की सेवाएं जारी रखने या खत्म करने और ट्रांसफर-पोस्टिंग पर फैसला करेंगे। इसके बावजूद कलेक्टर ने वहां अफसर कैसे लगा दिया?

उन्होंने कहा कि कलेक्टर ने किस अधिकार से अफसर लगा दिया। कलेक्टर को पॉवर नहीं थी, सरकार क्या कार्रवाई करना चाहती है? आप इसी तरह तो संविधान को कमजोर कर रहे हो। जिनके पास पॉवर नहीं है, वो संस्थाओं में हस्तक्षेप कर रहे हैं। इसके जवाब में खराड़ी ने कहा- जनजाति विकास विभाग ने शिकायतों के बाद स्वच्छ संस्था से इस अफसर को हटाने के आदेश दिए थे। अफसर ने खूब गड़बड़ियां कीं। इसने बिना अधिकार 9 करोड़ से ज्यादा की खरीद नियम विरुद्ध तरीके से की। करोड़ों का भुगतान कर दिया। इस पूरे मामले की एसीबी से जांच होगी।

डूंगरपुर जिले में मिला चांदीपुरा वायरस से संक्रमित बच्चा

स्वास्थ्य विभाग में मचा हड़कंप

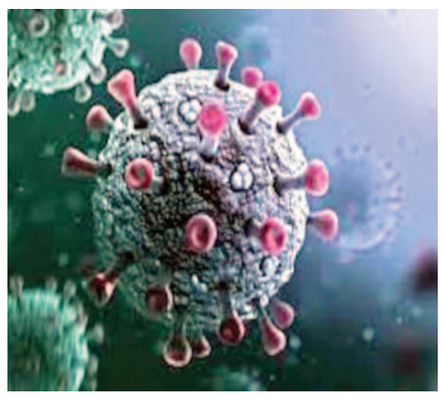

डूंगरपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। डूंगरपुर जिला अस्पताल में 16 दिन पहले अलग-अलग क्षेत्रों से गंभीर हालात में भर्ती हुए दो बच्चों में चांदीपुरा वायरस से मिलते-जुलते लक्षणों पर नमूने पुणे की बायोलॉजिकल लैब भेजे थे। इसमें एक बच्चे में चांदीपुरा वायरस की पुष्टि हुई है। हालांकि, चिकित्सकों की टीम ने बेहतर सेवाएं देते हुए बच्चे को रिकवर कर दिया था।

ऐसे में उसे शनिवार को ही छुट्टी कर दी। वहीं, चिकित्सालय में भर्ती एक अन्य बच्ची की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। पर, उसके आंखों में विजन संबंधित दिक्कत आने पर उसे उदयपुर रैफर किया है।

जिला अस्पताल के शिशु रोग विशेषज्ञ डा. नीलेश गोठी ने बताया कि 12 जुलाई को जिला अस्पताल में बालदिया गांव के तीन साल के बच्चे को गंभीर हालात में भर्ती किया था। उसके लक्षण चांदीपुरा वायरस से मिलते जुलते होने पर रीढ़ की हड्डी से पानी का सैंपल लेकर पुणे की लैब में भेजे थे।

इस दौरान बच्चे का बेहतर उपचार किया गया। आंतों, तेज फीवर सहित काफी अधिक शारीरिक बीमारियां थी। बच्चे की हालात में तेजी से सुधार होने तथा सामान्य होने पर उसे शनिवार को डिस्चार्ज कर दिया। उसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है।

हालांकि, अब घबराने की कोई बात नहीं है। चिकित्सकों की टीम में शिशु रोग विशेषज्ञ डा. नीलेश गोठी, डा. गौरव यादव एवं डा. रामप्रकाश सहित नर्सिंग स्टॉफ था।

डा. गोठी ने बताया कि जिले के रामसौर के पारगी फला की साढ़े चार वर्ष की बच्ची भी 10 जुलाई को भर्ती हुई थी। उसके भी लक्षण चांदीपुरा वायरस से मिलते-जुलते होने पर रिपोर्ट भेजी थी। पर, रिपोर्ट नेगेटिव आई है।

बच्ची की हालात सामान्य है। पर, उसने कम एवं धुंधला दिखाई देने की शिकायत आ रही है। इस पर उदयपुर रैफर किया है।

कांवड़ियों पर पुलिस ने बरसाई लाठियां

घटना के बाद मच गई भगदड़

झुंझुनूं, 29 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के झुंझुनूं जिले से बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां जिले के लोहार्गल में कावड़ियों पर पुलिस के द्वारा जमकर लाठियां बरसाने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि बेकाबू पुरुषों की भीड़ जनाना कुंड तक पहुंच गई थी। इससे महिलाओं को परेशानी होने लगी। इस दौरान लोहार्गल कुंड में स्नान करने गए कांवड़ियों पर पुलिस ने जमकर लाठियां भांजी है। जिसके बाद गुस्साए कांवडियों ने काफी दुकानों में तोड़फोड़ कर दी। जानकारी के मुताबिक, पुलिस ने लोहार्गल कुंड में स्नान करने गए कांवडियों के साथ मारपीट की। गुस्साए कांवडियों ने होमगार्ड की जमकर धुलाई कर दी। वहीं, दुकानों में तोड़-फोड़ की तस्वीर भी सामने आई हैं। घटना के बाद कुंड पर भगदड़ मच गई। भारी पुलिस जाब्ता पहुंचने पर मामले पर काबू पा लिया गया। थानाधिकारी कमलेश कुमार का कहना है कि बड़ी संख्या में कांवडिये नहाने के लिए कुंड में कूद गए। उनको समझाया गया। पुलिसकर्मियों ने समझाकर उन्हों कुंड से बाहर निकाला। साथ ही थानाधिकारी ने लाठीचार्ज करने से बिल्कुल इनकार कर दिया। पुलिस मामले की जांच करवा रही है। इधर, जयपुर के सांभर में पुलिसकर्मियों की ओर से कांवड़ियों को पीटने का मामला सामने आया। जहां देर रात पुलिस कर्मियों ने कांवड़ियों को पीटा। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। कांवड़ियों से मारपीट के बाद ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त हो गया है। देर रात से भारी संख्या में लोग पुलिस थाने के बाहर एकत्रित हो गए है।

भूपेंद्र हुड्डा, राहुल गांधी और राबर्ट वाड्रा को खट्टर की क्लीन चिट

जमीन मामले में दिया स्पष्टीकरण

जयपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक सवाल के जवाब में खट्टर ने कहा कि रिकॉर्ड पर आए तथ्यों को देखने के बाद प्राइमरी तौर पर यह लगा कि किसी व्यक्ति विशेष को बहुत बड़ा फायदा पहुंचाया गया था, जिसके कारण यह राजनीतिक मुद्दा बना। हालांकि इन्क्वायरी कमीशन की रिपोर्ट आने के बाद यह स्पष्ट हुआ कि इस मामले में किसी को जेल भेजने जैसी कोई बात नहीं है। चूंकि यह मामला अभी कोर्ट में है, इसलिए उन्होंने इस पर अधिक टिप्पणी करने से परहेज किया। उन्होंने स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि इस जांच को राजनीतिक दुर्भावना से नहीं कराया गया था।

गौरतलब है कि 2013-14 में हरियाणा के आईएएस अधिकारी अशोक खेमका की एक रिपोर्ट के आधार पर भाजपा ने यूपीए चेयरपर्सन सोनिया गांधी के दामाद राबर्ट वाड्रा पर हरियाणा में कौड़ियों के दाम पर जमीन देने और मोटा फायदा पहुंचाने का आरोप लगाया था। मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5 मई 2014 को हिसार की चुनावी जनसभा में कहा था कि इन मां-बेटों और दामाद से एक-एक इंच जमीन का हिसाब लिया जाएगा। इसके बाद भाजपा नेताओं ने राजनीतिक मंचों से इन लोगों को जेल में डालने की बातें भी की थीं।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर के इस बयान के बाद अब यह देखना दिलचस्प होगा कि कोर्ट में मामले की सुनवाई कैसे आगे बढ़ती है और विपक्ष की इस पर क्या प्रतिक्रिया होती है।

शराब ठेकेदार से दौसा जिला आबकारी अधिकारी ने ली 1.70 लाख रुपए रिश्वत, एसीबी को देख पसीने छूटे

जयपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने सांगानेर में एक कपड़ा शोरूम पर दौसा जिला आबकारी अधिकारी कैलाश चन्द्र प्रजापति को 1.70 लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। आरोपी दौसा के एक शराब ठेकेदार से आबकारी में होने वाली कार्रवाई में छूट देने की एवज में तीन माह की बंधी वसूल रहा था। एसीबी को देखकर आरोपी के पसीने आ गए। एसीबी टीम आरोपी को सांगानेर थाने लेकर पहुंची और पानी पिलाकर सांत्वना दी। डीजी डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि जिला आबकारी अधिकारी कैलाश चन्द्र प्रजापति के खिलाफ करीब दस दिन पहले दौसा के शराब ठेकेदार ने मासिक बंधी मांगकर परेशान करने की शिकायत

दी थी। इस पर ट्रैप की कार्रवाई एएसपी सुनील सिहाग की टीम को सौंपी।

टीम ने रिश्वत मांगने का सत्यापन किया तो आरोपी ने परिवादी को कहा कि अप्रेल, मई व जून तीन माह के 1.80 लाख रुपए बनते हैं। इनमें 10 हजार रुपए ही दिए हैं। शेष 1.70 लाख रुपए सांगानेर में टोंक रोड स्थित खुद के बेटे के कपड़ा शोरूम पर लेकर बुलाया था। आरोपी रविवार का अवकाश होने पर जयपुर परिवार के पास आया हुआ था।

एएसपी सुनील सिहाग ने बताया कि आरोपी कैलाश चन्द्र ने परिवादी को कपड़ा शोरूम पर बुलाया। शोरूम में आरोपी का बेटा व अन्य कर्मचारी मौजूद थे। पहले परिवादी से बातचीत की और फिर उसे बेसमेंट में ले जाकर रिश्वत के 1.70 लाख रुपए एक तरफ रखवा लिए। परिवादी से हरी झंडी मिलते ही एसीबी टीम शोरूम में पहुंच गई और रिश्वत की राशि बरामद की। एसीबी टीम को आरोपी बोला कि ठेकेदार खुद ही रुपए रखकर चला गया। हालांकि एसीबी टीम के पास रिश्वत मांगने के पुख्ता सबूत होने पर गिरफ्तार कर लिया।

केराप गांव के तालाब में डूबे चार बच्चे

सर्च ऑपरेशन में गोताखोरों ने चारों शव निकाले

नागौर,<29 जुलाई (एजेंसियां)। डीडवाना क्षेत्र के ग्राम केराप में तालाब में नहाने गए चार बालक डूब गए। बच्चों के डूबने का मामला सामने आने पर तालाब के आसपास लोगों की भीड़ जमा हो गई। कल रात दो बालकों के शव मिलने के बाद दो अन्य बालकों की तलाश में गोताखोर देर रात तक लगे रहे। देर रात दो बजे दो अन्य शव मिलने की जानकारी मिली है।

जानकारी के अनुसार कल देर शाम बच्चे अपने घरों से निकले थे और काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिजन उन्हें ढूंढने निकले। इस दौरान कुछ ग्रामीणों को तालाब में बच्चे तैरते नजर आए, जिस पर तुरंत ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो देखा कि बालकों की तालाब में डूबने से मौत हो गई है।

घटना की जानकारी मिलते ही एसडीएम विकास मोहन भाटी, तहसीलदार रामस्वरूप मीणा, खूनखुना थाना अधिकारी जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे और लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया, जिसमें दो बालकों के शवों को बाहर निकाला गया, वहीं दो बालकों की तलाश देर रात तक जारी रही और रात करीब 2 बजे अन्य लापता दो बालकों के शव गोताखोरों द्वारा बाहर निकाल लिए गए।

चारों शवों को डीडवाना शहर के राजकीय बागड़ जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है, जिनका पोस्टमार्टम करके शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे। मिली जानकारी के अनुसार चारों बालक अपने माता-पिता के इकलौते पुत्र हैं। बालकों की पहचान विशाल पुत्र बलदेव ढाका 13, शाहिल पुत्र संजय मिराशी 15, भूपेश पुत्र केशाराम 15 और शिवराज पुत्र गिरधारी 14 साल के रूप में की गई है।

भीषण सड़क हादसे में युवक की मौत

जोधपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। जोधपुर के देवनगर थाना क्षेत्र में देर रात एक कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं दूसरा साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक और घायल को मथुरादास माथुर अस्पताल पहुंचाया गया है। बता दें कि बाइक पर सवार होकर अमान अंसारी और उजेर जा रहे थे। इस दौरान तेज रफ्तार कार ने दोनों को टक्कर मार दी। हादसे में अमान की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं उजेर गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं हादसे के बाद परिजनों और समाज के लोगों ने पुलिस पर मिली भगत का आरोप लगाते हुए अस्पताल परिसर में जमकर नारेबाजी की। परिजनों का आरोप है कि हादसे के वक्त कार चालक नशे में धुत था, जबकि पुलिस ने उसकी मेडिकल रिपोर्ट नहीं करवाई। इस संबंध में पुलिस कमिश्नर को थाना अधिकारी के खिलाफ शिकायत दी गई।

24 घंटों के भीतर प्रॉपर्टी व्यवसायी की हत्या का पर्दाफाश

6 आरोपी पुलिस हिरासत में, अन्य की तलाश जारी

जालौर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। जमीनी विवाद और रंजिश के चलते देर रात घर में घुसकर प्रॉपर्टी व्यवसायी की हत्या के मामले में सायला पुलिस ने 24 घंटों के भीतर कार्रवाई करते हुए मामले से जुड़े 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपियों से कड़ी पूछताछ कर बाकियों की तलाश में जुटी है।

जालौर जिले के सायला थाना क्षेत्र के बावतरा गांव में हुए प्रॉपर्टी व्यवसायी एवं कांग्रेस नेता विजय राज देवासी के ब्लाइंड मर्डर का पुलिस ने 24 घंटे में पर्दाफाश कर 6 आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गौरतलब है कि जिले के सायला थाना अंतर्गत बावतरा गांव में शुक्रवार देर रात को अज्ञात हमलावरों ने घर में घुसकर सो रहे प्रॉपर्टी व्यवसायी विजय राज देवासी की लाठियों से हमला कर हत्या कर दी थी। पुलिस ने मामले में मृतक विजय राज देवासी की हत्या के मामले में खुलासा करते हुए 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। हत्या के मामले का आज पाली रेंज के डीआईजी ओमप्रकाश एवं एसपी ज्ञानचंद यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर खुलासा किया। रेंज डीआईजी ओमप्रकाश ने बताया कि 27 जुलाई को प्रार्थी मगनाराम देवासी निवासी बावतरा ने एक लिखित रिपोर्ट पेश कर बताया कि सरहद बावतरा में पादरु रोड पर 26 जुलाई को उनके बड़े भाई विजय राज पुत्र खोमाराम घर के आंगन में सोए हुए थे, इसी दौरान देर रात करीब दो बजे अज्ञात हमलावरों ने विजय राज को जान से मारने की नीयत से धारदार हथियारों व लाठियों से हमला कर मारपीट शुरू कर दी।

विद्वत सभा की आध्यात्मिक गतिविधियां सराहनीय : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विद्वत सभा के तत्वावधान में, धर्मशास्त्रों के अनुसार पंचांगकर्ताओं और सिद्धांतों द्वारा चर्चा, निर्णय और अनुमोदित त्योहारों की सूची मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को व मंत्री कोंडा सुरेखा को प्रस्तुत की गई। इस मौके पर सीएम रेवंत रेड्डी और मंत्री सुरेखा ने विद्वत सभा के पदाधिकारियों को बधाई दी। सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि विद्वत सभा द्वारा लोगों की आध्यात्मिक मान्यताओं को प्राथमिकता देते हुए की जा रही गतिविधियां सराहनीय हैं। सीएम ने विभाग को उनकी जरूरतों को पूरा करने का निर्देश दिया। मंत्री सुरेखा ने देश में कहीं और की तरह त्योहारों के प्रबंधन में कोई अनिश्चितता पैदा किए बिना त्योहारों की सूची की पुष्टि करने के लिए विद्वत सभा को बधाई दी। आशा है उनका प्रयास ऐसे ही जारी रहेगा। कार्यक्रम में देवोदय विभाग की मुख्य सचिव शैलजा राम अय्यर, आयुक्त हनमंत राव, भद्रकाली मंदिर के मुख्य पुजारी भद्रकाली शेषु, यदाद्री देवस्थानम के अध्यक्ष नरसिम्हा मूर्ति, मुख्य पुजारी नरसिम्हाचार्य, तेलंगाना विद्वत सभा के सचिव श्री दिव्य ज्ञान सिद्धांत, कोषाध्यक्ष एमवीआर शर्मा (दर्शनम शर्मा), वैदिक विद्वान नटराज शर्मा, दीक्षित एवं अन्य लोग शामिल हुए।

आगंतुक रजिस्टर चोरी के आरोप में दो पेंटर गिरफ्तार

निर्मल, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने सोमवार को दो लोगों को गिरफ्तार किया जो लॉज में चेक-इन करने वालों की जानकारी वाले रजिस्टर चुरा रहे थे और जानकारी बेचने की फिराक में थे। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोग पेशे से पेंटर हैं और उनके पास से तीन मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति विश्वनाथ और रामू, दोनों बेल्लारी के कर्णगरका के रहने वाले हैं, जिन्होंने निर्मल, वारंगल और आदिलाबाद के लॉज में रजिस्टर चुराए थे। उन्होंने पुलिस को बताया कि वे रजिस्टर बेचकर कुछ पैसे कमाने की फिराक में थे, जिसमें होटलों में चेक-इन करने वालों के बारे में कई जानकारियां होती हैं। उन्होंने पुलिस को यह भी बताया कि वे रजिस्टर बेल्लारी में बसवराजू नामक व्यक्ति को बेचने की योजना बना रहे थे। उन्होंने यह भी बताया कि बसवराजू आगंतुकों की जानकारियां उजागर करने की धमकी देकर उनसे बड़ी रकम ऐंठता था। 27 जुलाई को दोनों ने निर्मल में सत्यम लॉज से विजिटर रजिस्टर चुराया और 2,000 रुपये लेकर फरार हो गए। लॉज के मालिक ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मामला दर्ज किया गया और पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की मदद से पेंटरों को पकड़ लिया।

डिजिटल सामग्री की बहाली की मांग केटीआर ने दोहराई

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने एक बार फिर मुख्य सचिव ए शांति कुमारी से राज्य सरकार की वेबसाइटों और सोशल मीडिया हैंडल से पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के कार्यकाल से संबंधित महत्वपूर्ण सामग्री को हटाने के संबंध में हस्तक्षेप करने और कार्रवाई में तेजी लाने का आग्रह किया। इसे डिजिटल बर्बरता बताते हुए उन्होंने इस संबंध में तत्काल कार्रवाई की मांग की।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यह सामग्री सार्वजनिक संपत्ति है और तेलंगाना के इतिहास का अभिन्न अंग है। इन डिजिटल संपत्तियों की सुरक्षा और भविष्य की पीढ़ियों के लिए इस सामग्री को संरक्षित करने के लिए आपकी तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है। अगर हम आपकी ओर से कोई कार्रवाई नहीं देखते हैं, तो हम कानूनी उपाय अपनाने के लिए बाध्य होंगे।

रामा राव ने इस महीने की शुरुआत में इस मुद्दे को उठाया और मुख्य सचिव को एक पत्र लिखा जिसमें कहा गया कि दिसंबर 2023 में कांग्रेस सरकार बनने के बाद, तेलंगाना सरकार की वेबसाइटों और सोशल मीडिया हैंडल पर महत्वपूर्ण सामग्री गायब होने लगी। कुछ महत्वपूर्ण वेबसाइटें भी हटा दी गईं। उन्होंने संदेह जताया कि यह जानबूझकर की गई डिजिटल बर्बरता है, 'संभवतः इसमें शीर्ष पर बैठे लोग शामिल हैं।'

उन्होंने वेबसाइट और सोशल मीडिया हैंडल के लिंक साझा करते हुए कहा कि इस डिजिटल सामग्री को जनता के पैसे से वित्त पोषित किया गया था। अगर नई सरकार इसे आधिकारिक वेबसाइटों पर होस्ट नहीं करना चाहती है, तो सामग्री को संग्रहीत किया जाना चाहिए, न कि हटाया जाना चाहिए। आने वाली पीढ़ियाँ इस बहुमूल्य सार्वजनिक संपत्ति के विनाश को माफ नहीं करेंगी।

एमएमआर में आया गोदावरी का पानी

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राजन्ना सिरसिला जिले में स्थित मिड मनैर जलाशय (एमएमआर) में आखिरकार गोदावरी नदी का पानी आ गया है। नंदी मेदरम (नंदी) पंप हाउस और गायत्री पंप हाउस में दो दिनों तक पंपिंग ऑपरेशन फिर से शुरू किया गया, जिससे पिछले 48 घंटों में मिड मनैर में करीब दो टीएमसी पानी पहुंचाया जा सका।

शिवराज लक्ष्मीचंद ज्वैलर्स द्वारा वार्षिक 100% धमाका सेल जारी

हैदराबाद, 29 जुलाई(स्वतंत्र वार्ता)। शिवराज लक्ष्मीचंद ज्वैलर्स या एसएलजे द्वारा हाल ही में अर्थात् रविवार 28जुलाई, 2024 को प्रारंभ वार्षिक 100% धमाका सेल जोरशोर से जारी है। इस संदर्भ में, शिवराज लक्ष्मीचंद ज्वैलर्स (एसएलजे) के मालिक गौतम सेहलोत ने बताया कि, ग्रेटर हैदराबाद के सोमाजीगुडा स्थित एसएलजे आकर्षक स्वर्णाभूषणों का भंडार है, जिसमें वार्षिक 100% धमाका सेल जोरशोर से जारी है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्राहकों में भारी उत्साह देखा गया। इस धमाका सेल में तेलंगाना के ग्रेटर हैदराबाद व सिकंदराबाद सहित विभिन्न राज्यों जैसे आंध्र प्रदेश एवं महाराष्ट्र के महानगरों जैसे विजयवाड़ा, वरंगल, निजामाबाद, मंचेरियाल, गुंटूर, काकीनाडा, करीमनगर एवं परभणी, नांदेड से भारी पैमाने पर ग्राहकों का आवागमन हो रहा है। इस बारे में एसएलजे ज्वैलर्स के प्रमुख मीठालाल सेहलोत ने बताया कि, इस सेल में ग्राहकों को इस बार डबल बेनिफिट या दोहरा फायदा हो रहा है, जिसमें एक और स्वर्ण के भाव में 10% की गिरावट का फायदा, जो प्रति 10 ग्राम रु.7000/- की बचत एवं 100% आफर के तहत नो मेकिन्ग-नो वेस्टेज का लाभ मिल रहा है। साथ ही एक लाख रूपये की ज्वैलरी या स्वर्णाभूषणों की खरीदी पर लगभग रु.12,000 से रु. 13,000 की महाबचत हो रही है। यही नहीं एसएलजे डिजाइनर एवं आकर्षक लाइट वेट ज्वैलरी इस बार काफी चर्चा में है। यह एट्राक्टिव डिजाइनें जो सबको भा रही है।

एसएलजे के वार्षिक धमाका सेल का यह 14 वां संस्करण है। इस बारे में, एसएलजे ने बताया कि, जिनके घरों में भी आगामी तीन-चार महीने में शादी-ब्याह का प्रसंग है वे इस धमाका सेल में अवश्य पधारकर, 2000 से अधिक आकर्षक डिजाइनों का लाभ उठाएं। इस बार हाथफुल, मंगलसूत्र, चुडी, नेकलेस, लाइट वेट हाफ सेट्स,दुल्हन सेट्स आदि गहनों में लाइट वेट में भरपूर कलेक्शन उपलब्ध है। प्रतिष्ठान इस % दिनों में करीब 700 से 800 नये परिवारों(ग्राहकों) से जुडने की अपेक्षा रखता है।

मोबाइल फोन बरामदगी में सिरसिला पुलिस का पहला स्थान

84 प्रतिशत रिकवरी दर * मालिकों को सौंपे गए लगभग एक करोड़ के फोन

राजन्ना-सिरसिला, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। चोरी या खोए हुए मोबाइल फोन की बरामदगी में जिला पुलिस पहले स्थान पर रही। 84 प्रतिशत रिकवरी दर के साथ यह स्थान हासिल किया। सोमवार को मीडियाकर्मियों को यह घोषणा करते हुए पुलिस अधीक्षक सिरसिला ने बताया कि 20 अप्रैल 2023 से सीईआईआर तकनीक की मदद से 1,200 खोए या चोरी हुए मोबाइल फोन की पहचान की गई है।

कुल 1019 फोन (लगभग 1 करोड़ रुपये मूल्य के) पहले ही

उनके मालिकों को सौंप दिए गए हैं। राज्य में पुलिस कमिश्नरेट को छोड़कर, अन्य जिलों की तुलना में जिले में सबसे अधिक 1,000 से अधिक मोबाइल फोन बरामद किए गए।

अखिल महाजन ने लोगों से कहा कि अगर किसी का मोबाइल फोन खो जाए तो नजदीकी पुलिस स्टेशन में शिकायत करें। एसपी ने सोमवार को पुलिस कार्यालय में हाल ही में बरामद 78 फोन उनके मालिकों को सौंपे। इस अवसर पर एसपी ने चोरी या खोए हुए मोबाइल फोन की पहचान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए आईटी कोर एसआई किरण कुमार और कांस्टेबल राजतिरुमलेश की सराहना की।

तेलंगाना वैष्णव समाज का वार्षिकोत्सव 4 को

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। धम्मईगुड़ा स्थित वैष्णव धाम राम मंदिर मे समाज बन्धुओं के सानिध्य मे 4 अगस्त को 10वाँ वार्षिकोत्सव व सावन की सैर का आयोजन श्री बालाजी रत्नालेयम मंदिर शामीरपेट में प्रात: 9 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित किया जाएगा। परबत सोलंकी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति मे अध्यक्ष विष्णु रामावत ने बताया कि समाज बन्धुओं के सानिध्य मे विशेष मीटिंग आयोजितकर 10वाँ वार्षिकोत्सव व हरियाली सावन की सैर का आयोजन किया जाएगा। श्री बालाजी रत्नालेयम मंदिर शामीरपेट मे प्रात: 9 बजे से शाम 5 बजे तक विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल-कूद व तम्बोला कार्यक्रम, समाज के प्रतिभावान उच्चतम अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को विशेष पुरस्कार, समाज के विवाह योग्य युवक-युवती का परिचय सम्मेलन व भामाशाहो का विशेष सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम स्थल पर अल्पाहार व भोजन की व्यवस्था रहेगी। अवसर पर अध्यक्ष द्वारा समाज मे पिछले 10 सालो मे किये गये विकासशील कार्यो की जानकारी दी जाएगी। विशेष मीटिंग मे भँवरलाल अग्रावत, बाबुलाल, संतोष टीलावत, ओमप्रकाश, रमेश, राजुदास, प्रकाश, लक्ष्मण एवं बहुत से समाज बन्धु उपस्थित रहे । 10वें वार्षिकोत्सव व सावन की सैर के लिए कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को विभिन्न जिम्मेदारियों से अवगत कराया गया। महासचिव संतोष टीलावत ने उपरोक्त कार्यक्रम मे समाज बन्धुओं को सपरिवार पधारने का निवेदन किया है ।

बाबा गंगाराम भजन संध्या आयोजित

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगाराम जी की भजन संध्या का आयोजन रविवार 28 जुलाई को श्री अंकुर मोदी, सुपुत्र श्री रामबाबु मोदी के कोंडापुर स्तिथ अपर्णा सरीन पार्क पर किया गया।

इस अवसर पर बाबा गंगाराम जी का पंचदेव दरबार सजाया गया जिस में बाबा गंगाराम सहित भक्त शिरोमणि श्री देवकीनन्दन जी, शक्ति स्वरुपा देवी गायत्री, माता लक्ष्मी, श्री शिव परिवार, श्री हनुमान, यथा माता दुर्गा का अलौकिक शृंगार किया गया। सावन मास के चलते इस अवसर पर शक्ति स्वरुपा गायत्री माता जी के सिंधारे भी किये गये। हैदराबाद के प्रसिद्ध भजन गायक श्री घनश्याम शर्मा ने इस अवसर पर अपनी मधुर वाणी में भजनों की अमृत वर्षा की।

भजन संध्या में बड़ी संख्या में परिवारिक सदस्यों तथा मित्रों के साथ बाबा गंगाराम सेवा समिति हैदराबाद के सभी सदस्य सपरिवार उपस्थित रहे और भजनों का आनंद लिया।

एएमडी ने स्थापना दिवस की 75वीं वर्षगांठ मनाई

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) की एक घटक इकाई, परमाणु खनिज अन्वेषण और अनुसंधान निदेशालय (एएमडी) ने सोमवार को अपने स्थापना दिवस की 75वीं वर्षगांठ मनाई। यह भव्य समारोह हैदराबाद के बेगमपेट में एएमडी मुख्यालय में आयोजित किया गया था, जिसमें नई दिल्ली, बेंगलुरु, जमशेदपुर, शिलांग, जयपुर, नागपुर और चेरलापल्ली (हैदराबाद) में स्थित सात क्षेत्रीय केंद्रों के साथ-साथ तिरुवनंतपुरम, विशाखापत्तनम और कोलकाता में स्थित तीन अनुभागीय कार्यालयों में एक साथ कार्यक्रम हुए। मुख्य समारोह हैदराबाद के एएमडी मुख्यालय में डॉ. होमी जे. भाभा सभागार में आयोजित किया गया था और व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए इसे एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर वेबकास्ट किया गया था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. ए.के. मोहंती, अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग (एईसी) और सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई), मुख्य अतिथि, डॉ. कोमल कपूर, अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी, परमाणु ईंधन परिसर (एनएफसी) और विशेष अतिथि, डॉ. के.के. द्विवेदी, पूर्व निदेशक, एएमडी इसके अतिरिक्त, धीरज पांडे, निदेशक, एएमडी और अतिरिक्त निदेशक, डॉ. प्रखर कुमार और प्रेम कुमार शर्मा कई एएमडी गणमान्य व्यक्तियों के साथ वर्चुअल रूप से शामिल हुए। उद्घाटन समारोह की शुरुआत देवी सरस्वती के आह्वान के साथ हुई। धीरज पांडे ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने एएमडी के गौरवशाली इतिहास का अवलोकन भी प्रस्तुत किया, जिसमें द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की दुर्लभ खनिज सर्वेक्षण इकाई (आरएमएसयू) से लेकर 29 जुलाई, 1949 को परमाणु ऊर्जा आयोग के तहत इसकी स्थापना तक का उल्लेख किया गया। पांडे ने राष्ट्र के परमाणु खनिज संसाधनों को बढ़ाने में एएमडी की यात्रा और अथक प्रयासों पर प्रकाश डाला और अन्वेषण और अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए निदेशालय की प्रतिबद्धता को दोहराया। इस ऐतिहासिक मील के पत्थर को चिह्नित करने के लिए, मुख्य अतिथि डॉ मोहंती द्वारा एएमडी की 75 वर्षों की सेवा की याद में एक विशेष लोगो का अनावरण किया गया। इसके बाद, डॉ केके द्विवेदी ने डॉ कोमल कपूर के साथ सभा को संबोधित किया और एएमडी के महत्वपूर्ण योगदान को स्वीकार किया। इस कार्यक्रम में निदेशालय की उल्लेखनीय उपलब्धियों का जश्न मनाते हुए डॉ मोहंती द्वारा पांच इन-हाउस प्रकाशनों का विमोचन भी किया गया।

अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमिटी की मीटिंग आयोजित

हैदराबाद, 29 जुलाई (एजेंसियां)। अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमिटी की 40 वीं मीटिंग आयोजित की गई यह मीटिंग हर रविवार को समाज कार्यालय में निरंतर होती है। कमिटी के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि हमारी मैरेज डेटा कमिटी सभी अग्रबंधुओं से विशेषकर सभी शाखाओं के पदाधिकारियों से आग्रह करती है कि वे अपनी अपनी शाखाओं में मुहिम चलायें की विवाह योग्य बालक बालिकाओं के बायोडेटा समाज में उपलब्ध करवाएँ तथा उसका पूरा लाभ प्राप्त करें । कमिटी विशेषकर सभी महिला शाखाओं से आग्रह करती है कि इस कार्य में अपना महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करें। यह बिल्कुल निशुल्क सेवा है जिसका लाभ समाज के लोग उठा सकते हैं। समाज के इस सत्र में अगस्त 2023 से अभी तक 124 रिश्ते पक्के हो चुके हैं । कमिटी की अगली बैठक रविवार 4 अगस्त को समाज के कार्यालय में आयोजित की जाएगी । बैठक में अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमिटी के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल, कन्विनर रमेश तुल्सियान, वाइस चेयरमैन गोविंद अग्रवाल, अशोक कुमार दादरीवाले, समाज द्वारा निःशुल्क ईक्यूपंचर डॉक्टर बालकृष्ण सुरेखा के अतिरिक्त समाज के बालक बालिकाओं के अभिभावक गण उपस्थित थे

धम्मईगुड़ा साई भवानी फंक्शन हॉल मे स्व. पुकारामजी सोलंकी की श्रद्धांजलि सभा मे श्रद्धा के पुष्प अर्पित करते हुए भोलाराम, पुनाराम, डुंगाराम, नवीन, जितेन्द्र, किशोर, सज्जाराम सोलंकी, लक्ष्मणसिंह, सोहनसिंह राजपुरोहित, सुरेश सीरवी व अन्य।

बिहार महिला एसोसिएशन ने निकाली कलश यात्रा

हैदराबाद, 29 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार महिला एसोसिएशन द्वारा कलश यात्रा शुभारंभ दुर्गा माता मंदिर इंदिरा नेहरु नगर मल्काजगिरी में अनिता भगत की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस मौके पर सैकड़ों महिलाओं ने परिवार के साथ कलश लेकर दुर्गा माता मंदिर से निकल कर महिंद्रा हिल्स शंकर भगवान के मंदिर पर पहुंचे। जल और दूध चढ़ा कर हर हर महादेव के नाम के साथ पूजा समाप्त किया। इस मौके पर बिहार सहयोग समिति तेलंगाना के सचिव सागर भगत भी कार्यकर्ताओं के साथ उपस्थित थे।

कल्चरल हेड ममता यादव ने कहा कि पहली बार के प्रयास में संस्था के सभी महिलाओं ने इस पूजा को भव्य रूप से मनाने में सहयोग किया और महिला संगठन के द्वारा हर साल इसी तरह कलश यात्रा निकाली जाएगी। अध्यक्ष अनीता भगत ने आए हुए सभी महिलाओं का धन्यवाद किया। इस मौके पर निशा यादव, संगीता ठाकुर, प्रीति यादव रविता भगत, गुड़िया यादव, छठी देवी , रिंकी देवी, मंजू भगत, गीता देवी, कविता यादव, मीना भगत, इंदु मिश्रा, मुन्नी देवी, छठी देवी, पूजा, आदि बहुत से महिला सदस्यों ने भाग लिया!

रिश्वतखोर अधिकारी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की ज्यायगी: विधायक लक्ष्मीकांत

मद्नूर 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता) जुक्कल विधायक तोटा लक्ष्मीकांत राव ने जुक्कल विस क्षेत्र के अधिकारियों पर आरोप लगाते हुए कहा कि तहसील कार्यालय में एक दूसरे की जमीन नाम पर करने के लिय जनता से जमकर रिश्वत ली जा रही है। उन्होंने रिश्वत खोर आधिकारियों को चेतावनी दी है कि वे अपना रवैया बदल लें वर्ना उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सरकारी कर्मचारी ने किसान के घर से चुराए 2.10 लाख

मेदक, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ऑनलाइन जुए की लत में फंसे एक रिकॉर्ड असिस्टेंट को मख्ता वेंकटपुर गांव में पड़ोसी के घर से कथित तौर पर पैसे और सोना चुराने के बाद सलाखों के पीछे जाना पड़ा। सरकारी कर्मचारी एन ज्ञानेश्वर को गिरफ्तार कर लिया गया और उसकी निशानदेही पर 2.5 ग्राम से अधिक वजन का चोरी किया गया सोना और 2.10 लाख रुपये नकद बरामद किए गए। पुलिस ने बताया कि कर्मचारी ने अपने पड़ोसी संगप्पा के घर में घुसकर 2.10 लाख नकद और 2.5 ग्राम सोना चुरा लिया। चोरी का पता तब चला जब संगप्पा घर लौटे और उन्होंने पाया कि नकदी चोरी हो गई है, जिसे उन्होंने खेती में निवेश करने के लिए किसी ऋणदाता से उधार लिया था। किसान संगप्पा की शिकायत के बाद रेगोडे पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर रेणुका रेड्डी ने बताया कि उन्होंने सिद्दीपेट जिले के चेरियाल में रिकॉर्ड असिस्टेंट के पद पर कार्यरत सरकारी कर्मचारी नीरुदी ज्ञानेश्वर को दोषी पाया है। संगप्पा के पड़ोसी ज्ञानेश्वर ने घर के दरवाजे तोड़कर नकदी और गहने लूट लिए। इंस्पेक्टर ने बताया कि आरोपी ने अपनी पत्नी को यह कहते हुए रकम सौंप दी कि उसने ऑनलाइन गेम में यह रकम जीती है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

निकहत जरीन दमदार जीत के साथ प्री क्वार्टर फाइनल में

अब चीन की इस खिलाड़ी से होगा सामना

पेरिस, 29 जुलाई (एजेंसियां)। दो बार की विश्व चैंपियन मुक्केबाज निकहत जरीन ने पेरिस ओलंपिक का दमदार तरीके से आगाज किया। जरीन ने जर्मनी की मैक्सी करीना क्लोएट्जर पर जीत के साथ महिलाओं के 50 किग्रा ओलंपिक के प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है।

इस 28 साल की गैरवरीय मुक्केबाज ने नॉर्थ पेरिस एरेना में अंतिम 32 दौर के मुकाबले में जर्मनी की मुक्केबाजी के खिलाफ 5-0 से जीत हासिल की। निकहत के सामने गुरुवार को खेले जाने वाले प्री-क्वार्टर फाइनल में एशियाई खेलों और मौजूदा फ्लाईवेट विश्व चैंपियन चीन की वू यू की चुनौती होगी। शीर्ष वरीयता प्राप्त वू यू को पहले दौर में बाई मिली है

अच्छी शुरुआत करने में विफल रहीं थी निकहत

ओलंपिक में पदार्पण कर रहीं निकहत पदक की मजबूत दावेदार हैं। क्लोएट्जर के खिलाफ अपने मुकाबले में वह अच्छी शुरुआत करने में विफल रहीं। जर्मनी की मुक्केबाज ने शुरुआत में आक्रामक रुख अपनाकर निकहत को चौंकाया। इस दौरान दोनों मुक्केबाजों ने एक-दूसरे को कुछ सटीक पंच लगाए। क्लोएट्जर ने लंबाई में निकहत से कम होने के बावजूद कुछ करारे प्रहार के किए और पहले दौर को जजों के 3-2 के खंडित फैसले से अपने नाम करने में सफल रहीं।

निकहत ने की वापसी

दूसरे दौर में भी दोनों मुक्केबाजों ने एक दूसरे पर जम पर मुक्के बरसाए, लेकिन निकहत ने इस दौरान लय हासिल की और कुछ दमदार और सटीक पंच से जर्मनी की मुक्केबाज को बैकफुट पर धकेल दिया। इस दौरान सिर सीधा नहीं रखने के कारण क्लोएट्जर को एक अंक से दंडित किया गया लेकिन निकहत ने इसी गलती के कारण इस बढ़त को गंवा दिया। निकहत हालांकि बेहतर रणनीति खेल से जजों को प्रभावित करने में सफल रहीं। शुरुआती दो दौर में करीबी मुकाबले के बाद निकहत ने तीसरे दौर में सटीक प्रहार करना जारी रखा। उनके आक्रामक अंदाज से क्लोएट्जर बचाव की मुद्रा में आ गईं और उन पर थकान हावी दिखी।

भारतीय मुक्केबाज ने इस दौर में दबदबा बनाने के साथ मुकाबले को अपने नाम कर लिया। निकहत मुक्केबाजी रिंग में उतरने वाली दूसरी भारतीय हैं। उन स पहले शनिवार देर रात एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति पवार ने भी महिलाओं की 54 किग्रा वर्ग में शानदार जीत के साथ प्री क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की थी।

एक चैंपियन का दूसरे चैंपियन को सलाम

राहुल द्रविड़ बोले- मनु की कहानी अद्भुत है

मुंबई, 29 जुलाई (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक 2024 के दूसरे दिन मनु भाकर ने निशानेबाजी में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य जीतकर इतिहास रच दिया। इसके बाद देश-विदेश से उन्हें बधाइयां मिल रही हैं। इसी कड़ी में एक चैंपियन एथलीट ने दूसरे चैंपियन एथलीट (मनु) को सलाम किया है। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ ने मनु की सराहना की है। द्रविड़ भी अपने समय में अपेक्षाओं और दबाव का सामना करने में माहिर रहे थे, जिस तरह मनु ने अपेक्षाओं और दबाव में पदक अपने नाम किया।

द्रविड़ ने मनु भाकर को पहले ओलंपिक की कड़वी यादों को भुलाकर यहां ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतने पर बधाई दी । द्रविड़ ने यहां इंडिया हाउस में एक परिचर्चा में कहा, 'मनु की कहानी अद्भुत है । टोक्यो ओलंपिक की निराशा के बाद पेरिस आकर कांस्य पदक जीतना

असाधारण उपलब्धि है। ऐसे खास दिन यहां आकर अच्छा लगा। इस तरह की उपलब्धियां बरसों के बलिदान, कड़ी मेहनत और समर्पण से मिलती है। एक खिलाड़ी के लिए यह आसान नहीं होता।'

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच ने कहा, 'भारतीय खेलों के लिए विशेष दिन पर यहां आना अच्छा है। मैं उनके कई खेलों में उस दबाव की कल्पना कर सकता हूं जो इसमें शामिल है क्योंकि यह उनके खेल का शिखर है। इससे बड़ा कुछ नहीं हो सकता और उनके लिए इस दबाव में भी शानदार प्रदर्शन करना भारतीय खेलों के लिये सचमुच महान दिन है। इतने सारे लोगों के लिए क्या प्रेरणादायक कहानी है।'

द्रविड़ ने दुनिया के सबसे बड़े खेल आयोजन में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के बारे में कहा, 'हम जानते हैं कि खिलाड़ियों के लिए यह कितना मुश्किल होता है और वे किस चीज से गुजरते हैं और काफी कुछ इन कुछ दिनों पर निर्भर करता है।' तोक्यो ओलंपिक में क्वालीफिकेशन के दौरान पिस्टल में खराबी के कारण भाकर निराश हो गई थीं लेकिन तीन साल बाद उन्हें वह मिल गया जिसकी उन्हें लालसा थी। हरियाणा के झज्जर की रहने वाली 22 साल की भाकर ने कड़ी चुनौती पेश करते हुए महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में 221.7 अंक अर्जित किए और कांस्य पदक हासिल किया। कोरिया की किम येजी ने 241.3 अंक के साथ रजत और जिन ये ओह ने 243.2 अंक के खेलों के ओलंपिक रिकॉर्ड से स्वर्ण पदक हासिल किया।

खेल के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक द्रविड़ ने हाल में टी20 विश्व कप में टीम के मुख्य कोच के रूप में भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। यह बतौर कोच टीम इंडिया के साथ उनका आखिरी टूर्नामेंट था। इसके बाद उन्होंने राष्ट्रीय टीम के अपने पूर्व साथी गौतम गंभीर को कमान सौंपी। द्रविड़ फिलहाल फ्रांस की राजधानी में 'क्रिकेट एट द ओलंपिकः डॉन ऑफ ए न्यू एरा' विषय पर पैनल चर्चा में भाग लेने आए हैं। इसमें क्रिकेट को 2028 लॉस एंजिलिस खेलों में शामिल किए जाने का जश्न मनाया जाएगा।

गौतम गंभीर को फिर धोनी के नाम पर चिढ़ाया गया

श्रीलंका में गजब ही हो गया!

कोलंबो, 29 जुलाई (एजेंसियां)। भारत ने श्रीलंका को दूसरे टी20 में हराया और इसके साथ ही टी20 सीरीज टीम इंडिया के नाम हो गई. ये बतौर हेड कोच गौतम गंभीर की पहली सीरीज जीत थी. हालांकि इस जीत के बाद गौतम गंभीर को धोनी के नाम पर चिढ़ाया जा रहा है. जानिए क्या है इसकी वजह?

टीम इंडिया के नए हेड कोच गौतम गंभीर ने अपने कोचिंग करियर का आगाज शानदार जीत के साथ किया है. श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज में टीम इंडिया ने पहला टी20 जीतने के बाद दूसरे मैच में भी श्रीलंकाई टीम को हरा दिया. इस जीत के बाद चारों ओर गौतम गंभीर की तारीफ हो रही है लेकिन कुछ लोग टीम इंडिया के हेड कोच को ट्रोल भी कर रहे हैं. गौतम गंभीर को दरअसल धोनी के नाम पर चिढ़ाया जा रहा है. आइए आपको बताते हैं ऐसा क्यों हो रहा है.

धोनी के नाम पर ट्रोल हुए गंभीर

गौतम गंभीर को ट्रोल करने की वजह टीम इंडिया की दो जीत ही रही. वो इसलिए क्योंकि टीम इंडिया ने पहला मैच 43 रन से जीता, जिसका कुल योग 7 होता है. वहीं दूसरा मैच टीम इंडिया ने 7 विकेट से जीता. 7 नंबर धोनी का है और यही वजह है कि उनके फैंस गंभीर को लगातार ट्रोल कर रहे हैं. आपको याद ही होगा कि गौतम गंभीर ने कई मंच पर धोनी के बारे में कुछ ना कुछ ऐसे बयान दिए हैं जो उनके फैंस को पसंद नहीं आए.

गंभीर के सामने बड़ी चुनौती

गौतम गंभीर ने टी20 सीरीज जीत ली है और मंगलवार को आखिरी टी20 मैच जीतकर वो सीरीज में क्लीन स्वीप करना चाहेंगे. इसके बाद वनडे सीरीज जीतना भी गौतम गंभीर के रडार में होगा. वैसे गौतम गंभीर का असली चैलेंज ऑस्ट्रेलिया दौरा होगा जहां टीम इंडिया पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी. इसके बाद अगले साल टीम इंडिया को चैंपियंस ट्रॉफी खेलनी है और वो टूर्नामेंट टीम इंडिया ने 11 साल पहले जीता था. बतौर हेड कोच गंभीर की शुरुआत कमाल रही है, उम्मीद है कि आने वाली सीरीज और टूर्नामेंट्स में भी टीम इंडिया को जीत पर जीत मिले.

भारत की टूटी उम्मीद

रमिता पदक की दौड़ से हुई बाहर

पेरिस, 29 जुलाई (एजेंसियां)। भारत को कल ही निशानेबाजी में पहला पदक हासिल हुआ था। ये पदक मनु भाकर ने जीता था। अब भारत फिर से निशानेबाजी और तीरंदाजी जैसे खेलों में पदक के लिए अपनी दावेदारी पेश करने के लिए मैदान में उतरने वाला है।

पेरिस ओलंपिक-2024 में भारत ने शानदार आगाज किया है। भारत ने टूर्नामेंट के दूसरे ही दिन अपना खाता खोल लिया है। भारत के लिए पहला पदक शूटिंग में आया, जिसमें महिला निशानेबाज मनु भाकर ने इतिहास रचते हुए कांस्य पदक जीता। ओलंपिक में निशानेबाजी की स्पर्धा में पदक

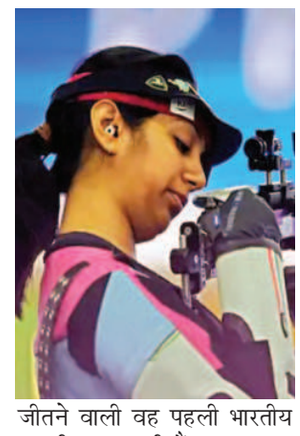

जीतने वाली वह पहली भारतीय एथलीट बन चुकी हैं।

अब सबकी नजर रमिता जिंदल पर टिकी हुई है, जो भारत के लिए निशानेबाजी में दूसरा पदक जीत सकती हैं। पेरिस ओलंपिक-2025 में भारत आज निशानेबाजी के अलावा तीरंदाजी में भी पदक जीत सकता है। यहां देखिए ओलंपिक में भारत के आज के मैचों के परिणाम-

रमिता ने फाइनल में पाया 7वां स्थान

भारत की ओर से शूटिंग की 10 मीटर एयर राइफल महिला वर्ग के इवेंट में भारत की निशानेबाज रमिता जिंदल पदक जीतने से चूक गई। वह फाइनल मैच में 7वें स्थान पर रहकर बाहर हो गई हैं। रमिता जिंदल ने फाइनल मैच में 145.3 अंक बटोरा।

स्टीव स्मिथ की कप्तानी पर संदेह नहीं करते

21 छक्के बरसाकर इस टीम को बनाया एमएलसी चैंपियन

खेल डेस्क, 29 जुलाई (एजेंसियां)। टीव स्मिथ के लहराए परचम के साथ ही अमेरिका में खेले जा रहे मेजर लीग क्रिकेट का अंत हो गया. स्मिथ की कमान वाली वाशिंगटन फ्रीडम लीग की नई चैंपियन बनकर उभरी, जिसने फाइनल मुकाबले में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न को 96 रन के बड़े अंतर से हरा दिया. कहते हैं कप्तान वो होता है जो फ्रंट से लीड करता है. और, फाइनल जैसे बड़े मुकाबले में वाशिंगटन फ्रीडम के लिए स्मिथ वही करते दिखे. वो ना सिर्फ अपनी टीम की खिताबी जीत के हीरो बने बल्कि ऐसा करते हुए ऐसी तबाही मचाई की छक्कों का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया.

मुकाबले में वाशिंगटन फ्रीडम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 207 रन बनाए. टीम को यहां तक पहुंचाने में ओपनिंग करने उतरे स्टीव स्मिथ की भूमिका सबसे अहम रही. उन्होंने सिर्फ 52 गेंदों में ही ऐसा कोहराम मचाया कि सब दंग रह गए. विरोधी टीम की हवाईयां उड़ गईं.

21 छक्केबरसाकर वाशिंगटन फ्रीडम को जिताया एमएलसी

स्टीव स्मिथ ने सिर्फ 52 गेंदों पर 88 रन जड़े, जिसमें 6 छक्के और 7 चौके शामिल रहे. इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 169.23 का रहा. एमएलसी 2024 के फाइनल में जमाए इन 6 छक्कों के साथ स्टीव स्मिथ के टूर्नामेंट में कुल 21 छक्के हो गए. इस तरह उन्होंने वाशिंगटन फ्रीडम के लिए सबसे ज्यादा 18 छक्के बरसाने का ट्रेविस हेड का रिकॉर्ड तोड़ दिया. इन 21 छक्कों की बदौलत स्मिथ ने एमएलसी 2024 की 9 पारियों में 336 रन ठोके और वो लीग के तीसरे सबसे सफल बल्लेबाज बने.

स्मिथ की कप्तानी पर संदेह नहीं करते

मेजर लीग क्रिकेट में पहली बार खेल रहे स्टीव स्मिथ टूर्नामेंट में हर मामले में नंबर वन रहे. उन्होंने अपनी टी को सबसे पहले प्लेऑफ में पहुंचाया. उसके बाद सबसे पहले फाइनल में भी पहुंचे और अब चैंपियन भी बन चुके हैं. इससे साफ है कि जिस भरोसे के साथ वाशिंगटन फ्रीडम फ्रेंचाइजी ने स्मिथ को कप्तानी सौंपी थी, उस पर वो पूरी तरह से खरे उतरे हैं. वाशिंगटन फ्रीडम को पहली बार एमएलसी का खिताब जिताकर स्मिथ ने अपनी कप्तानी पर संदेह करने वालों को करारा जवाब भी दे दिया है.

96 रन से जीता फाइनल, स्मिथ हीरो

वाशिंगटन फ्रीडम से मिले 208 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स की टीम बस 111 रन बनाकर सिमट गई. स्टीव स्मिथ को उनकी शानदार और विस्फोटक पारी के लिए फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया.

महिला तीरंदाजी टीम क्वार्टर फाइनल में हारी

श्रीहरि नटराज और धिनिधि का सफर समाप्त, नागल बाहर

पेरिस, 29 जुलाई (एजेंसियां)। मनु भाकर ने जहां पेरिस ओलंपिक के दूसरे दिन भारत का पदक का खाता खुलवाया, वहीं महिला तीरंदाजी टीम क्वार्टर फाइनल में हार गई। इसके अलावा तैराकी में भी भारत को निराशा हाथ लगी और श्रीहरि नटराज तथा धिनिधि देसिंधु अपने-अपने वर्ग के सेमीफाइनल में नहीं पहुंच सके। इस तरह तैराकी में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई है। भारतीय महिला तीरंदाजी टीम पेरिस ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में नीदरलैंड से 0-6 से हार गई। अपना चौथा ओलंपिक खेल रही दीपिका कुमारी, अंकिता भकत और भजन कौर की तिकड़ी 51-52, 49-54, 48-53 से हार गई। अंकिता और दीपिका ने बेहद खराब प्रदर्शन किया, जबकि भजन ने अच्छा स्कोर बनाया। तीरंदाजी में सर्वोच्च स्कोर बनाने वाली टीम को दो अंक मिलते हैं, जबकि ड्रॉ पर दोनों टीमों को एक-एक सेट प्वाइंट मिलता है। भारत ने क्वालिफिकेशन में चौथे स्थान पर रहने के बाद क्वार्टर फाइनल में सीधे जगह बनाई थी।

तैराकी में भारतीय चुनौती समाप्त

पेरिस ओलंपिक की तैराकी स्पर्धा में भारत की चुनौती खत्म हो गई जब श्रीहरि नटराज और धिनिधि देसिंघु अपने अपने वर्ग के सेमीफाइनल में नहीं पहुंच सके। नटराज 55.01 सेकेंड की टाइमिंग के साथ 100 मीटर बैकस्ट्रोक में अपनी हीट में संयुक्त दूसरे स्थान पर रहे थे। ओवरआल तालिका में वह 33वें स्थान पर रहे। शीर्ष 16 तैराक ही सेमीफाइनल में पहुंचते हैं। नटराज का निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 53.77 सेकेंड का है। पहली बार ओलंपिक में उतरी भारतीय दल की सबसे युवा सदस्य 14 वर्ष की देसिंघु 200 मीटर महिला फ्रीस्टाइल हीट में अव्वल रहीं। पहली हीट में उन्होंने 2: 06.96 का समय निकाला, लेकिन 30 प्रतियोगियों में वह 23वें स्थान पर रहीं।

नागल पहले दौर में हारे

भारत के नंबर एक खिलाड़ी सुमित नागल ओलंपिक पुरुष एकल टेनिस प्रतियोगिता के तीन सेट तक चले पहले दौर के मुकाबले में फ्रांस के कोरेंटिन मौटेट से हारकर बाहर हो गए। भारत के इस 26 वर्षीय खिलाड़ी को दो घंटे 28 मिनट तक चले मैच में 2-6, 6-2, 5-7 से हार मिली। दोनों खिलाड़ियों ने पहले दो सेट 6-2 के समान स्कोर से जीते। पर 65 मिनट तक चले निर्णायक सेट में फ्रांस के खिलाड़ी ने भारतीय खिलाड़ी की चुनौती पस्त कर दी।

सात्विक-चिराग की भारतीय जोड़ी का पुरुष युगल मैच रद्द

क्यों लिया गया फैसला

पेरिस, 29 जुलाई (एजेंसियां)। सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी का मुकाबला सोमवार को अंतिम समय में रद्द करने का निर्णय लिया गया। सात्विक-चिराग का सामना ग्रुप-सी के मैच में मार्क लैम्सफस और मार्विन सेडेल की जोड़ी से होना था, लेकिन जर्मन खिलाड़ी लैम्सफस के चोट के कारण नाम वापस लेने के बाद इस मुकाबले को रद्द कर दिया गया है।

सात्विक और चिराग ने शनिवार को लुकास कोरवी और रोनन लाबार की फ्रांसीसी जोड़ी पर 21-17, 21-14 से जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की थी। यह भारतीय जोड़ी ग्रुप के अपने अंतिम मैच में मंगलवार को इंडोनेशिया के फजर अल्फियान और मुहम्मद रियान अर्दियांतो से भिड़ेगी। जर्मन जोड़ी के हटने के कारण इंडोनेशिया की जोड़ी की शनिवार को लैम्सफस और सीडेल पर जीत को परिणाम से हटा दिया गया है।

विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने कहा, जर्मन पुरुष युगल खिलाड़ी मार्क लैम्सफस घुटने की चोट के कारण पेरिस ओलंपिक खेलों की बैडमिंटन प्रतियोगिता से हट गए हैं। लैम्सफस और उनके साथी मार्विन सेडेल के ग्रुप सी में भारत के सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी और फ्रांस के लुकास कोरवी और रोनन लाबर (30 जुलाई 2024) के खिलाफ होने वाले मैच अब नहीं खेले जाएंगे।

इससे पहले, भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन की ओलंपिक खेलों में पुरुष एकल ग्रुप एल के शुरुआती मैच में केविन कॉर्डन पर जीत के परिणाम को हटाने का फैसला लिया गया था। दरअसल, ग्वाटेमाला का उनका प्रतिद्वंद्वी बाईं कोहनी की चोट के कारण पेरिस ओलंपिक से बाहर हो गया है। बीडब्ल्यूएफ ने कहा, ग्वाटेमाला के पुरुष एकल खिलाड़ी केविन कॉर्डन बाईं कोहनी की चोट के कारण पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों की बैडमिंटन प्रतियोगिता से हट गए हैं। इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी और बेल्जियम के जूलियन कैरागी के खिलाफ उनके ग्रुप एल के शेष मैच नहीं खेले जाएंगे। इस ग्रुप के मैचों का कार्यक्रम फिर से निर्धारित किया गया है। ग्रुप चरण के लिए बीडब्ल्यूएफ के प्रतियोगिता संबंधी नियमों के अनुसार ग्रुप एल में मैच कॉर्डन को शामिल करते हुए खेले गए थे। इसलिए ग्रुप एल में कॉर्डन से जुड़े सभी खेले गए या अभी खेले जाने वाले सभी मैचों के परिणाम अब हटाए गए माने जाते हैं।

भारतीय शटलर प्रणय ने रोथ को हराकर किया अपने अभियान का आगाज

पेरिस, 29 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी एच एस प्रणय ने पेरिस ओलंपिक की पुरुष एकल स्पर्धा में अपने अभियान की शुरुआत ग्रुप के मैच में जर्मनी के फैबियन रोथ खिलाफ जीत से की। विश्व रैंकिंग में 12वें स्थान पर काबिज प्रणय ने रोथ को 12-18, 21-12 से हराकर अपने नाम किया।

जर्मनी के रोथ ने शुरुआती गेम में प्रणय को कड़ी टक्कर दी लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे गेम में लय हासिल कर आसानी से मुकाबला अपने नाम किया। प्रणय बुधवार को अपने अंतिम ग्रुप चरण मैच में वियतनाम के विश्व रैंकिंग 71 ले डुक फाट से भिड़ेंगे।

भारत और अर्जेंटीना के बीच बराबरी पर छूटा मुकाबला

पेरिस, 29 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और अर्जेंटीना के बीच पेरिस ओलंपिक में पूल-बी का मैच अंतिम सीटी बजने तक 1-1 की बराबरी पर छूटा। अर्जेंटीना ने दूसरे क्वार्टर में गोल कर टीम को बढ़त दिला दी थी और भारतीय टीम काफी देर तक बराबरी हासिल करने के लिए जूझ रही थी। अंतिम समय में भारत को मिले पेनाल्टी कॉर्नर पर कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने गोल दाग टीम को बराबरी दिलाई। हरमनप्रीत का यह गोल काफी महत्वपूर्ण साबित हुआ और टीम मैच हारने से बच गई। भारत इस तरह से पेरिस ओलंपिक में अजेय बना हुआ है। भारतीय टीम ने इससे पहले न्यूजीलैंड को हराया था और अब उसका सामना मंगलवार को आयरलैंड से होगा।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 59वें मिनट में गोल दाग कर भारत को 1-1 की बराबरी दिलाई। हरमनप्रीत ने पेनाल्टी कॉर्नर

को गोल में बदलने में कोई गलती नहीं की और ड्रैग फ्लिक के जरिये महत्वपूर्ण गोल दागा। भारतीय पुरुष टीम तीसरा क्वार्टर समाप्त होने के बाद भी अर्जेंटीना से 0-1 से पीछे चल रही है। अर्जेंटीना ने दूसरे क्वार्टर में बढ़त हासिल की थी जो अब तक बरकरार है। अब 15 मिनट का खेल शेष है और भारत की कोशिश वापसी करने की होगी।

भारतीय टीम अर्जेंटीना के खिलाफ हॉफ टाइम तक 0-1 से पीछे चल रही है। पहले दो क्वार्टर में भारत को दो बार पेनाल्टी कॉर्नर के मौके मिले, लेकिन टीम इसे गोल में बदलने में नाकाम रही।

अर्जेंटीना ने भारत के खिलाफ पेरिस ओलंपिक के पूल बी मैच में गोल कर बढ़त हासिल कर ली है। अर्जेंटीना की ओर से लुकस मार्टिनेज ने 22वें मिनट में मैदानी गोल दागकर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी है। इससे पहले भारत को एक और पेनाल्टी कॉर्नर मिला था, लेकिन टीम इसे भुनाने में असफल रही थी। दूसरे क्वार्टर में भी भारतीय टीम कोई गोल नहीं कर सकी।

भारत और अर्जेंटीना के बीच पेरिस ओलंपिक में ग्रुप चरण का मुकाबला खेला जा रहा है। दोनों टीमें पहला क्वार्टर समाप्त होने के बाद गोलरहित बराबरी पर चल रही हैं। भारत और अर्जेंटीना दोनों को ही पहले क्वार्टर में एक-एक पेनाल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन दोनों ही टीम गोल करने का मौका गंवा बैठी।

टेनिस में भारत को फ्रांस से मात

बोपन्ना-बालाजी 5-7, 2-6 से हारकर पहले ही दौर में बाहर

पेरिस, 29 जुलाई (एजेंसियां)। टेनिस पुरुष युगल स्पर्धा के पहले दौर में रोहन बोपना और एन श्रीराम बालाजी की भारतीय जोड़ी को तगड़ा झटका लगा। फ्रांस की गेल मोनफिल्स और एडौर्ड रोजर वेसलिन की जोड़ी ने से उन्हें में 5-7, 6-2 हरा दिया। इसी के साथ भारतीय जोड़ी टूर्नामेंट से बाहर हो गई। इस जीत के साथ फ्रांस की जोड़ी दूसरे दौर में पहुंच गई। अब उनका सामना टिम पुएत्ज और केविन क्राविट्ज की दूसरी वरीयता प्राप्त जर्मन जोड़ी से होगा। इससे पहले पुरुष एकल में भारत के एकमात्र टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल को पहले दौर में फ्रांसीसी कोरेंटिन मौटेट से तीन सेटों में हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ पेरिस ओलंपिक में टेनिस में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई।

विधानसभा में सत्ता पक्ष व मुख्य विपक्षी दल के बीच तीखी नोकझोंक

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य विधानसभा में सोमवार को बिजली क्षेत्र के मुद्दे पर सत्ता पक्ष और मुख्य विपक्षी दल बीआरएस के बीच तीखी नोकझोंक हुई। जब पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक जगदीश रेड्डी बिजली क्षेत्र पर चर्चा में भाग ले रहे थे, तो मुख्यमंत्री ने हस्तक्षेप किया और पिछले दस वर्षों के दौरान बिजली क्षेत्र को नष्ट करने के लिए पिछली बीआरएस सरकार पर निशाना साधा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भद्राद्री पावर प्रोजेक्ट 2015 में शुरू हुआ था, जिसकी अनुमानित लागत 7,290 करोड़ रुपये थी और इसे 2017 में पूरा करने का वादा किया गया था। लेकिन, इसे 10,515 करोड़ रुपये की लागत बढ़ाकर 2022 में पूरा किया गया। इसी तरह, यदाद्री प्रोजेक्ट को 25,000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से शुरू किया गया था, जिसे 2020 तक पूरा करने का वादा किया गया था। लेकिन, 2024 के बाद भी यह प्रोजेक्ट पूरा नहीं हुआ और अनुमानित लागत बढ़कर 34,548 करोड़ रुपये हो गई है। भविष्य में इसके 40,000 करोड़ रुपये तक बढ़ने की संभावना है। यदाद्री प्रोजेक्ट में करीब 10,000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत बढ़ाई गई थी।

उन्होंने सवाल किया, "परियोजना लागत में वृद्धि के लिए कौन जिम्मेदार है?" बीआरएस विधायक जगदीश रेड्डी ने केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी के बयान की याद दिलाई, जिन्होंने कहा था कि कांग्रेस सरकार की लापरवाही के कारण एनटीपीसी से 2,400 मेगावाट बिजली संयंत्र दूसरे राज्यों में जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तत्कालीन आंध्र प्रदेश में 4,000 मेगावाट बिजली परियोजना को मंजूरी दी गई थी, लेकिन बीआरएस सरकार ने 1600 मेगावाट उत्पादन की अनुमति दी थी और उसने दस साल तक 2,400 मेगावाट की अनुमति नहीं दी। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि कांग्रेस सांसदों ने यूपीए सरकार में होने के बावजूद अलग तेलंगाना राज्य के लिए संसद में आवाज उठाई थी, लेकिन बीआरएस नेताओं ने मंत्री पदों के लिए चुप्पी साधे रखी और वे पूर्व मुख्यमंत्रियों चंद्रबाबू नायडू और राजशेखर रेड्डी के साथ थे, जिन्होंने तेलंगाना क्षेत्र के हितों के खिलाफ काम किया था। "जब तक मैं संसद में सीधा खड़ा रहा, केसीआर ने संसद में अपना मुंह तक नहीं खोला रेवंत रेड्डी ने कहा, "बीआरएस पार्टी दूसरों के बलिदानों के कारण सत्ता में आई और दस साल तक सत्ता का आनंद लिया।" दिल्ली शराब नीति मामले में तिहाड़ जेल में बंद बीआरएस एमएलसी कविता के खिलाफ परोक्ष रूप से कठोर टिप्पणी करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व में बीआरएस सरकार के आदेशों को न मानने के कारण एक महिला पत्रकार को जेल में डाल दिया गया था और आज केसीआर के परिवार के घर से बीआरएस नेता उस पाप के कारण जेल में हैं।

नारायण रेड्डी तेलुगु साहित्य में हमेशा एक ध्रुवतारा रहेंगे : मंत्री

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि आधुनिक तेलुगु साहित्य के क्षेत्र में डॉ. सी. नारायण रेड्डी (सिंगिरेड्डी नारायण रेड्डी) प्रसिद्धि के शिखर हैं। ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता कविसम्राट डॉ. सी. नारायण रेड्डी की 93 वीं जयंती (29 जुलाई) के अवसर पर, मंत्री कोंडा सुरेखा ने तेलुगु साहित्य के क्षेत्र में उनकी अभूतपूर्व सेवाओं को याद किया और जिस तरह से उन्होंने तेलुगु साहित्य की आभा को दुनिया में फैलाया। सिनारे की प्रशंसा एक साहित्यिक योद्धा के रूप में की गई जो आग जला सकता था और दोधारी तलवार की तरह कविता में अमृत डाल सकता था। मंत्री ने कहा कि सिनारे को बहु-प्रतिभाशाली व्यक्ति के रूप में जाना जाता है, जिन्होंने कवि, शोधकर्ता, शिक्षक, फिल्म गीतकार और प्रशासन अध्यक्ष के रूप में अपनी पहचान बनाई है। मंत्री ने कहा कि नारायण रेड्डी तेलुगु साहित्य में हमेशा एक ध्रुव सितारा रहेंगे। मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि अद्भुत साहित्यिक संपदा प्रदान करने के लिए पूरा तेलुगु राष्ट्र उनका ऋणी है।

मॉडल संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन आज

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) में मंगलवार को होने वाले आगामी मॉडल संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन का विषय "लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट इनिशिएटिव (एलआईएफई)" "ग्रीन होराइजन्स: नेवीगेटिंग द क्लीन एनर्जी ट्रांजिशन" है। विकसित भारत 2047 के तहत, जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया है। विभिन्न देशों के प्रतिनिधि जलवायु परिवर्तन, सतत विकास लक्ष्यों, आर्थिक निहितार्थों, तकनीकी नवाचारों, ऊर्जा सुरक्षा, सामाजिक न्याय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के वैश्विक महत्व का पता लगाएंगे। सम्मेलन का उद्देश्य कूटनीतिक वार्ता और सहयोगी नीति निर्माण को बढ़ावा देना है। लगभग 40 छात्र दुनिया भर के विभिन्न देशों का प्रतिनिधित्व करेंगे, जो एक सतत ऊर्जा भविष्य के लिए समाधानों पर चर्चा करेंगे। इस कार्यक्रम का समन्वय हैदराबाद विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. कृष्ण रेड्डी चित्तेडी द्वारा किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री रेवंत ने राज्यपाल राधाकृष्णन से मुलाकात की

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सोमवार को यहां राजभवन में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से शिष्टाचार भेंट की। हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सीपी राधाकृष्णन को महाराष्ट्र राज्य का राज्यपाल नियुक्त करने का आदेश जारी किया है। सीपी राधाकृष्णन के स्थान पर जिष्णु देव वर्मा को तेलंगाना का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। जिष्णु देव वर्मा अगले दो दिनों में शपथ लेंगे। इसी क्रम में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने वर्तमान राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की और महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में उनके नए कार्यभार के लिए बधाई दी।

जब केसीआर विधानसभा नहीं आते तो उन्हें विपक्ष के नेता का दर्जा क्यों: राजगोपाल

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस विधायक कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी ने सवाल किया कि जब पूर्व मुख्यमंत्री और बीआरएस विधायक के चंद्रशेखर राव विधानसभा नहीं आ रहे हैं तो विपक्ष के नेता का दर्जा बीआरएस नेता को क्यों दिया जाना चाहिए? सोमवार को विधानसभा में बहस में भाग लेते हुए राजगोपाल रेड्डी ने विधानसभा सत्र में शामिल नहीं होने के लिए केसीआर की आलोचना की और कहा कि केसीआर को लोगों को बताना चाहिए कि वह विधानसभा क्यों नहीं आ पा रहे हैं। राजगोपाल रेड्डी ने सवाल किया, "केसीआर विधानसभा सत्र में क्यों नहीं आ रहे हैं। अगर वे विधानसभा में नहीं आते हैं, तो विपक्ष के नेता का दर्जा बीआरएस को क्यों दिया जाना चाहिए।" कांग्रेस विधायक ने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने बिजली क्षेत्र की पूरी तरह उपेक्षा की है और पूछा, "अगर सब कुछ ठीक से किया गया है, तो बिजली कंपनियां घाटे में क्यों चली गईं?" "राज्य सरकार घाटे में चल रही डिस्कॉम को मुनाफे की राह पर लाने के लिए प्रयास कर रही है। इसके अलावा, जल्द ही बिजली क्षेत्र पर व्यापक जांच की जाएगी।

बेटी से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

हत्या के दोष में जेल से सजा काटकर हुआ था रिहा

निर्मल, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हत्या के एक दोषी को, जिसने हाल ही में अपनी दस साल की सजा पूरी की थी, अपनी किशोर बेटी का यौन शोषण करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि दुदुले संजीव (38) ने 19 जुलाई को अपनी बेटी का यौन शोषण किया। महाराष्ट्र का रहने वाला यह व्यक्ति आजीविका की तलाश में निर्मल चला गया था। अपनी बेटी का यौन शोषण करने के बाद संजीव महाराष्ट्र के पुणे भाग गया। हालांकि, जब वह थंड्रा गांव लौटा तो उसे हिरासत में ले लिया गया।

2014 में थांड्रा में एक ईंट भट्टे पर अपनी दूसरी पत्नी की हत्या के लिए उसे 10 साल की सजा सुनाई गई थी। वह पांच महीने पहले जेल से रिहा हुआ था। पुलिस ने बताया कि उसने अपनी बेटी को भी अपनी दूसरी पत्नी की तरह जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ बलात्कार किया। हालांकि, पीड़िता ने अपनी मां और भाई को यह सब बताया, जिन्होंने दिलावरपुर पुलिस से संपर्क किया और उसके खिलाफ मामला दर्ज कराया। जांचकर्ताओं ने उसकी हरकतों पर नज़र रखी और उसे गिरफ्तार कर लिया।

परिचालनों में सुरक्षा प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन करें : अरुण जैन

सुरक्षा समीक्षा बैठक आयोजित

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने रेल निलयम, सिकंदराबाद में दक्षिण मध्य रेलवे में ट्रेन संचालन की सुरक्षा पर समीक्षा बैठक की। बैठक में एससीआर के अतिरिक्त महाप्रबंधक आर. धनंजयलु ने भी सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ भाग लिया। सभी छह डिवीजनों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंटकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए समीक्षा बैठक में शामिल हुए। अरुण कुमार जैन ने जोन में ट्रेन संचालन की सुरक्षा की समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सभी परिचालनों में सुरक्षा प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन करें ताकि किसी भी असामान्य घटना से बचा जा सके जो आवाजाही में बाधा डाल सकती है। उन्होंने अधिकारियों को नियमित रूप से लोको पायलट, सहायक लोको पायलट और स्टेशन मास्टर, स्थायी मार्ग अनुरक्षण कर्मचारियों आदि जैसे रनिंग स्टाफ की काउंसलिंग करने की सलाह दी। उन्होंने इंजीनियरिंग, मैकेनिकल और सिग्नलिंग उपकरण आदि से संबंधित सुरक्षा वस्तुओं की उपलब्धता पर भी विस्तृत समीक्षा की।

अरुण कुमार जैन ने चालक दल के कार्य घंटों पर चर्चा की और सभी मंडल रेल प्रबंधकों को चालक दल के सदस्यों के उचित आराम की सावधानीपूर्वक योजना बनाने के निर्देश दिए। महाप्रबंधक ने समीक्षा बैठक के दौरान एसपीएम (स्पीडो-मीटर) ऐप लॉन्च किया। एसपीएम ऐप एक इन-हाउस विकसित एप्लिकेशन है जो ट्रेनों पर काम करते समय गति, ब्रेकिंग दूरी, सिग्नल पालन आदि की जांच करके सुरक्षा और समय की पाबंदी के लिए चालक दल के प्रदर्शन का मूल्यांकन करता है, इस मूल्यांकन प्रक्रिया में दृश्य और कंप्यूटर रिपोर्ट सहायता करती हैं। एसपीएम ऐप विभिन्न पहलुओं पर चालक दल के प्रदर्शन का व्यापक विश्लेषण करने की सुविधा प्रदान करता उन्होंने कहा कि यह ऐप न केवल सुरक्षा सुनिश्चित करेगा बल्कि लोको की गतिशीलता, गति और अन्य पहलुओं की निगरानी में भी सहायक होगा।

स्वामी पुष्करिणी 1 से 31 अगस्त तक बंद रहेगा

तिरुमला, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंदिर का तालाब, स्वामी पुष्करिणी 1 से 31 अगस्त तक एक महीने के लिए बंद रहेगा, ताकि सफाई और जीर्णोद्धार का काम किया जा सके। हर साल आने वाले वार्षिक ब्रह्मोत्सव से पहले पुष्करिणी की मरम्मत और सफाई का काम शुरू करना प्रथागत है।

पूरा पानी बाहर निकाला जाएगा और कीचड़ हटाने, सीढ़ियों की सफाई, मलबे को हटाने, पाइपों की पेंटिंग, क्षतिग्रस्त बिंदुओं की मरम्मत जैसे कुछ काम किए जाएंगे। कार्य पूरा होने तक पुष्करिणी बंद रहेगी। भक्तों से अनुरोध है कि वे इस पर ध्यान दें और टीटीडी के साथ सहयोग करें।

श्रीशैलम बांध के गेट खोले गए

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीशैलम परियोजना के ऊपरी इलाकों में भारी बारिश के कारण कृष्णा नदी में बाढ़ आ गई है। भारी बाढ़ के कारण अलमट्टी और जुराला बांध पहले से ही भर चुके हैं। नतीजतन, संबंधित अधिकारियों द्वारा बाढ़ के पानी को श्रीशैलम परियोजना में नीचे की ओर छोड़ दिया गया। श्रीशैलम जलाशय के अधिकारियों ने सोमवार दोपहर परियोजना के तीन गेट खोल दिए और पानी को नीचे की ओर के इलाकों में छोड़ दिया। अधिकारियों ने परियोजना के 6, 7 और 8 गेटों को दस फीट ऊपर उठाया और स्पिलवे के माध्यम से डाउनस्ट्रीम परियोजना नागार्जुन सागर बांध में बाढ़ का 81 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा। कुर्नूल के मुख्य अभियंता कबीर भाषा ने बांध के तीनों गेट खोले। इससे पहले अधिकारियों ने कृष्णा नदी की पूजा-अर्चना की।

श्रीशैलम परियोजना के प्रत्येक गेट से डाउनस्ट्रीम नागार्जुन सागर परियोजना में कुल 27 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है।

मंत्री ने बीआरएस विधायक की चुनौती स्वीकार की

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने आज पूर्व मंत्री और बीआरएस पार्टी के विधायक जी. जगदीश रेड्डी की चुनौती स्वीकार कर ली, जिन्होंने मंत्री को उनके खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों को दिखाने की चुनौती दी थी। वेंकट रेड्डी ने कहा कि अगर वह पूर्व मंत्री के खिलाफ दर्ज मामलों को दिखाने में विफल रहे तो वह अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। मंत्री ने राज्य के बिजली क्षेत्र पर चर्चा के दौरान जगदीश रेड्डी द्वारा उन्हें दी गई चुनौती का जवाब देते हुए ये टिप्पणियां कीं। यह सब तब शुरू हुआ जब जगदीश रेड्डी बिजली क्षेत्र की स्थिति पर बोल रहे थे, तभी मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हस्तक्षेप किया। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस शासन के दौरान हस्ताक्षरित बिजली खरीद समझौतों में भ्रष्टाचार हुआ है। उन्होंने कहा कि राज्य विधानसभा के 2015 के रिकॉर्ड को देखा जाना चाहिए कि कैसे केसीआर ने सदन को गुमराह किया।

जगदीश रेड्डी ने केसीआर पर सीएम रेवंत की टिप्पणियों पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस सरकार को केसीआर को दोष देने का अधिकार नहीं है, जिसके कारण सीएम को फिर से हस्तक्षेप करना पड़ा। उन्होंने कहा कि उनके कैबिनेट सहयोगी कोमाटिरेड्डी सदन को जगदीश रेड्डी के इतिहास के बारे में बताएंगे। इसके बाद कोमाटिरेड्डी अपनी सीट से उठे और आरोप लगाया कि जगदीश रेड्डी के खिलाफ हत्या और चोरी के मामले दर्ज हैं। इस पर भड़के जगदीश रेड्डी ने विधानसभा अध्यक्ष से कोमाटिरेड्डी की टिप्पणी को विधानसभा के रिकॉर्ड से हटाने की मांग की।

उन्होंने कोमटिरेड्डी को अपने आरोप साबित करने की चुनौती दी और कहा कि अगर कोमटिरेड्डी द्वारा लगाए गए आरोप साबित हो गए तो वह विधायक पद से इस्तीफा दे देंगे और अपनी नाक जमीन पर रगड़ेंगे।

मंत्री कोमटिरेड्डी ने घोषणा की कि वह जगदीश रेड्डी की चुनौती स्वीकार करेंगे और कहा कि वह उनके खिलाफ मामलों को दिखाएंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि अगर वह इसे साबित नहीं कर पाए तो वह अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए जगदीश रेड्डी ने आरोप लगाया कि कोमटिरेड्डी ने ही उनके खिलाफ मामले दर्ज किए हैं। उन्होंने बार-बार स्पीकर से विषय से भटकने का आग्रह नहीं किया। जगदीश रेड्डी ने कहा कि वह तभी बोलेंगे जब कोमटिरेड्डी की टिप्पणियों को विधानसभा के रिकॉर्ड से हटा दिया जाएगा। स्पीकर द्वारा यह आश्वासन दिए जाने के बाद कि वह नियमों की जांच करेंगे और इस मुद्दे पर निर्णय लेंगे, जगदीश रेड्डी ने अपना भाषण जारी रखा।

केसीआर हरिश्चंद्र हैं : जगदीश

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और सूर्यपेट विधायक जगदीश रेड्डी ने सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री और बीआरएस पार्टी के अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव को सत्य हरिश्चंद्र करार दिया, जो भारतीय पौराणिक कथाओं पर आधारित अपनी सच्चाई के लिए जाने जाते थे।

विधानसभा में बिजली क्षेत्र पर चर्चा में भाग लेते हुए जगदीश रेड्डी ने कहा कि केसीआर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की तरह नहीं हैं, जिन्हें बैग ले जाने की आदत है। बिजली के मुद्दे पर मुख्यमंत्री द्वारा उठाए गए सवाल का जवाब देते हुए बीआरएस विधायक ने सवाल किया कि बिजली के मुद्दे पर कांग्रेस सरकार के फंसने के बाद रेवंत रेड्डी क्यों अपना कंधा रगड़ रहे हैं।

जगदीश रेड्डी ने कहा, "हमारे नेता केसीआर सत्य हरिश्चंद्र की तरह हैं। उन्हें रेवंत रेड्डी की तरह बैग ढोना नहीं आता, जिन्होंने टीडीपी नेता चंद्रबाबू नायडू के लिए बैग ढोए और जेल गए।" बीआरएस विधायक ने कहा, "जब मैंने बिजली क्षेत्र की स्थिति के बारे में सच्चाई के बारे में बात की, तो मुख्यमंत्री सदन में आए और निराधार आरोप लगाकर सदन की कार्यवाही को बाधित किया।"

उन्होंने सुझाव दिया कि सदन को गरिमा के साथ चलाया जाना चाहिए और सत्तारूढ़ दल से पूछा कि सदन में पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करके वह लोगों को क्या संदेश दे रहा है।

लोगों को त्वरित न्याय दिलाना लक्ष्य: सीपी सुधीर बाबू

शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने में महिला पुलिस की भागीदारी बढ़ाने हेतु विशेष उपाय

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा के आयुक्त के रूप में कार्यभार संभालने के बाद, सीपी सुधीर बाबू आयुक्तालय के अधिकार क्षेत्र में दृश्य पुलिसिंग को उच्च प्राथमिकता देकर नए तरीके से शांति और सुरक्षा बनाए रखने के उपाय कर रहे हैं। दृश्य पुलिसिंग प्रौद्योगिकी के उपयोग के साथ-साथ कानून और व्यवस्था के रखरखाव में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आयुक्त सुधीर बाबू ने कहा कि राचकोंडा आयुक्तालय में "दृश्यमान पुलिसिंग, त्वरित प्रतिक्रिया और प्रौद्योगिकी के उपयोग" को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है और इसलिए रचाकोंडा में अपराध दर धीरे-धीरे कम हो रही है। अधिकारी, ब्लूकोल्ट्स और पेट्रोकार पुलिस कर्मी अपराध पर अंकुश लगाने और पुलिस में जनता का विश्वास बढ़ाने के लिए डायल 100 और 112 के माध्यम से प्राप्त शिकायतों पर तुरंत प्रतिक्रिया दे रहे हैं और पीड़ितों तक जल्द से जल्द पहुंचने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों राचकोंडा में काम करने के अनुभव से उन्हें राचकोंडा के अंतर्गत आने वाले सभी इलाकों की पूरी जानकारी है और पुलिस कर्मियों को सभी इलाकों और हर गली में गश्त करने के आदेश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि ब्लू कोल्ट और पेट्रो कारों के साथ-साथ साइकिल से गश्त शुरू कर दी गई है, कमिश्नरेट के अधिकार क्षेत्र के तहत प्रत्येक पुलिस स्टेशन को 3-5 साइकिलें पहले ही वितरित की जा चुकी हैं, और स्थानीय पुलिस स्टेशन के कर्मचारी हर दिन साइकिल के माध्यम से क्षेत्रों में गश्त कर रहे हैं। पुलिस सेवाओं को लोगों के करीब लाने में महिला पुलिस की भूमिका को बढ़ाने के लिए, आयुक्त द्वारा उठाए गए कदमों के माध्यम से महिला कर्मी भी उत्साहपूर्वक ब्लू कोल्ट और पेट्रोल कार कर्तव्यों का पालन कर रही हैं, जिससे महिला कर्मियों को कर्तव्यों के पालन में कोई परेशानी नहीं हो रही है। क्षेत्र स्तर. महिला कर्मियों द्वारा साइकिल गश्ती से लोगों में पुलिस बल के प्रति विश्वास बढ़ रहा है। आयुक्त ने कहा कि राचकोंडा आयुक्तालय के अधिकार क्षेत्र में पुलिस विभाग में कई महिला कर्मी कार्यरत हैं और कानून व्यवस्था बनाए रखने में अपनी प्रतिभा का प्रभावी ढंग से प्रदर्शन कर रही हैं। सरकार की पहल से महिलाएं भी बड़ी संख्या में पुलिस विभाग में शामिल हो रही हैं और हो रही हैं प्रत्येक भर्ती में उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं। उन्होंने कहा कि रचाकोंडा महिला कर्मचारियों के कल्याण के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विशेष टीमें समाज में महिलाओं को उत्पीड़न से बचा रही हैं और महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के खिलाफ अपराध करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि वे ड्रग्स की आपूर्ति और खपत पर नकेल कसेंगे और कई अंतरराज्यीय ड्रग आपूर्ति गिरोहों को गिरफ्तार किया गया है और सख्त कानूनों के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। उन्होंने कहा कि युवा नशे की गिरफ्त में न आएं, इसके लिए कई कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में साइबर अपराधों की बढ़ती संख्या पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कदम उठाए जाएंगे और लोगों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि वह लोगों को त्वरित न्याय दिलाने के लिए काम कर रहे हैं और यह सुनिश्चित करेंगे कि जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान हो।

इसमें विशेष रूप से कहा गया है कि हम अपराधों को रोकने के लिए सभी के साथ मिलकर काम करेंगे और हम पुलिस कर्मियों के कल्याण पर भी ध्यान केंद्रित करेंगे। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से समन्वय बनाकर काम करने और अपराध पर नियंत्रण करने का आह्वान किया

मानव तस्करी रोकने हो सामूहिक प्रयास : अतिरिक्त डीसीपी

जारी किए गए प्रचार पोस्टर

खम्मम, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अतिरिक्त डीसीपी (प्रशासन) नरेश कुमार ने कहा कि मानव तस्करी एक जघन्य कृत्य है और इसे मिटाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने सोमवार को यहां 30 जुलाई को मनाए जाने वाले विश्व मानव तस्करी विरोधी दिवस के अवसर पर एक्शन फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट (एआईडी) और जिला पुलिस की मानव तस्करी विरोधी इकाई द्वारा मानव तस्करी के खिलाफ तैयार किए गए प्रचार पोस्टर जारी किए। डीसीपी ने मानव तस्करी के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने, मानव तस्करी के पीड़ितों के अधिकारों को बढ़ावा देने और उनकी रक्षा करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मानव तस्करी, आधुनिक दासता और शोषण को नियंत्रित करने के लिए प्रयास किए जाने चाहिए।

नरेश कुमार ने आपातकालीन समय में तत्काल सहायता पाने के लिए 100, 1098, 112 या 87126 56858 पर संपर्क करने का सुझाव दिया। मानव तस्करी के खिलाफ विश्व दिवस की स्थापना संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव द्वारा की गई थी और इसे पहली बार 2014 में मनाया गया था।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष मानव तस्करी विरोधी विश्व दिवस के लिए वैश्विक अभियान में बाल तस्करी को समाप्त करने के लिए त्वरित कार्रवाई का आग्रह किया गया है, जिसका विषय है 'मानव तस्करी के खिलाफ लड़ाई में कोई भी बच्चा पीछे न छूटे'। इस अवसर पर खम्मम पुलिस आयुक्तालय की मानव तस्करी विरोधी इकाई के प्रभारी सीआई बालाजी, एआईडी निदेशक पीएसएस हरि प्रसाद राव, समन्वयक के श्रीनिवास, राजेश, एएचटीयू सदस्य नरसिम्हा राव और कुटुम्बा राव उपस्थित थे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.